



पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Ministry of Environment, Forest & Climate Change



भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
Botanical Survey of India

वनस्पति अन्वेषण Plant Discoveries

नये वंश, जातियाँ एवं नये अभिलेख • NEW GENERA, SPECIES AND NEW RECORDS

2015



5 जून • June-2016



भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
BOTANICAL SURVEY OF INDIA

1890 ई० में स्थापित, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण अपने सर्वेक्षण, वस्तुसूची, प्रलेखन, वर्गीकी शोध एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता द्वारा वन्य पादप विविधता के संरक्षण एवं सतत उपयोग हेतु वैज्ञानिक आधार प्रदान करते हुये राष्ट्र की सेवा में कार्यरत है।

1954 ई० में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पुनर्गठन के बाद से विभाग के वैज्ञानिकों ने

- 1 नया कुल,
- 40 नवीन वंश,
- 1371 नयी जाति, उपजाति एवं प्रभेद का अन्वेषण किया।

वर्ष 2015 के दौरान भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण एवं अन्य संस्थानों के पादप वर्गीकर वैज्ञानिकों ने

- 12 वंश
- 183 जातियां
- 10 अवजातीय विशिष्ट वनस्पतिजात का भारत से विज्ञान हेतु नवीन अन्वेषण किया एवं
- 1 वंश, 144 जातियाँ
- 17 अवजातीय विशिष्ट वनस्पतिजात के नवीन अभिलेखों का भारतीय वनस्पति हेतु अन्वेषण किया।

वर्ष 2015 के दौरान भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पादप वर्गीकर वैज्ञानिकों ने वनस्पतियों के 03 नए वंश, 42 नयी जातियाँ एवं 02 नयी उपजातियाँ/प्रभेदों का विज्ञान के लिये सर्वथा नये अन्वेषणों के तौर पर प्रकाशित किया है तथा 1 वंश, 101 जातियाँ,

01 उपजाति एवं 03 प्रभेदों की खोज करके भारतीय वनस्पतिजात के लिए नया अभिलेख बनाया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 के वनस्पति अन्वेषणों में बालसम की 13 जातियाँ, वन्य अदरक की 03 जातियाँ, फाइकस की 03 जातियाँ, दलदली पौधों की 06 जातियाँ, घास की 5 जातियाँ एवं साइकड की 1 जाति के साथ ही वन्य कुकुरमुत्तों (मशरूम) की 36 जातियाँ अन्वेषित की गई हैं।

Botanical Survey of India (BSI), established in 1890, serves the nation by providing scientific basis for conservation and sustainable utilization of wild plants through survey, inventory, documentation taxonomic research and creating environmental awareness.

Since reorganization of BSI in 1954, the scientists of BSI have discovered

- 1 new family
- 40 new genera
- 1371 new species, subspecies and varieties.

During 2015, the Plant Taxonomists of BSI and other institutes have discovered

- 12 genera
- 183 species
- 10 infra specific taxa as new to science from India and
- 1 genera and 144 species
- 17 infra specific taxa as new records for Indian Flora

During the year 2015 the scientists of BSI published 03 new genera, 42 new species and 02 new subspecies/varieties of plants as new to science and discovered 1 genus, 101 species, 01 subspecies and 03 varieties as new records for India.

It is also interesting to mention that, 13 wild species of balsam germplasm, 3 species of wild gingers, 3 species of figs, 6 species of sedges, 5 species of grasses, 1 species of cycad, and 36 species of wild mushrooms are discovered during 2015

वनस्पति अन्वेषण 2015

© भारत सरकार

आई.एस.बी.एन : 81-8177-077-3

प्रकाशित : जून, 2016

Plant Discoveries 2015

© Government of India

ISBN : 81-8177-077-3

Published: June, 2016

संकलन एवं संपादन

परमजीत सिंह एवं एस. एस. दाश

Compiled & Edited by

Paramjit Singh & S.S. Dash

सहयोग

संजय कुमार एवं देबस्मिता दत्ता प्रमाणिक

Assistance

Sanjay Kumar & Debasmita Dutta Pramanick

हिन्दी अनुवाद

संजय कुमार एवं श्याम किशोर महतो

Hindi Translation

Sanjay Kumar & Shyam Kishor Mahto

सर्वाधिकार सुरक्षित । इस प्रकाशन का कोई भी अंश कॉपीराइट धारकों की अनुमति के बिना पुनर्प्रवर्तित रिट्रिवल पद्धति से भंडारण, किसी भी साधन या प्रणाली जैसे इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, रिकार्डिंग या अन्यथा संचारित नहीं किया जा सकता है।

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without the permission of the copyright owners.

मुख्य पृष्ठ

बुल्बोफायलम चिरमंगेंसिस डी. वर्मा एवं अन्य

Cover Page

Bulbophyllum chymangensis D. Verma & al.

छायाचित्र

दुर्गेश वर्मा

Photo

Durgesh Verma

प्रकाशक

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सी. जी. ओ. कॉम्प्लेक्स

सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता- 700064

वेबसाइट : <http://bsi.gov.in> ई.मेल: nelumbo.bsi@gmail.com

Published by

Botanical Survey of India, CGO Complex

Salt Lake City, Kolkata- 700 064

website: <http://bsi.gov.in> email: nelumbo.bsi@gmail.com

मुद्रक

दीप प्रिंटर्स, 70ए, रामा रोड, इंडस्ट्रियल एरिया

कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015

Printed at

Deep Printers, 70A, Rama Road, Industrial Area,

Kirti Nagar, New Delhi-110015

प्रकाश जावडेकर
Prakash Javadekar



राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE)
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
ENVIRONMENT, FOREST & CLIMATE CHANGE
भारत सरकार/GOVERNMENT OF INDIA



संदेश

जैव विविधता मानव सभ्यता के अस्तित्व एवं विकास के लिये एक आधारभूत अंग है। यह पारिस्थितिक तंत्र की विस्तृत सीमाओं में सेवा के साथ ही सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सौन्दर्यपरकता, जो सतत विकास की अवधारणा पर देश की अपेक्षाओं को पूरा करती है, के लिये महत्वपूर्ण है। संरक्षण एवं विकास के नये आयामों को जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के द्वारा प्राप्त करने के संदेश को अग्रदूतों के माध्यम से प्रचारित करने की तत्काल आवश्यकता है। इस सन्दर्भ में, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मंत्रालय का एक महत्वपूर्ण अनुसंधान संगठन है, जो देश की वनस्पति विविधता के प्रलेखन के साथ जैव विविधता पर जन जागरूकता लाने को कार्यरत है।

मुझे यह जानकारी प्रसन्नता है कि, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण नियमित रूप से वनस्पति अन्वेषण का प्रकाशन करते आ रहा है जिसमें देश की वर्तमान वनस्पति विविधता का अद्यतनीकरण भी शामिल है। वर्ष 2015 के दौरान, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों एवं देश की अन्य अनुसंधान संस्थाओं के द्वारा 367 नये पादप, शैवाल, कवक, शैवाक, उभयोद्भिद एवं जीवाणुओं का अन्वेषण किया गया है। इसमें प्रकाशित रोचक अन्वेषणों में बालसम की 13 जातियाँ, वन्य अदरक की 03 जातियाँ, फाइकस (पीपल कुल) की 03 जातियाँ, दलदलीय पौधों की 6 जातियाँ, घास की 5 जातियाँ, साइकड की 1 एवं वन्य मशरूम की 36 जातियाँ सम्मिलित हैं, जिन्हें प्रथम बार भारत से अभिलेखित किया गया है।

मैं, वनस्पति वैज्ञानिकों के द्वारा देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में अन्वेषणों हेतु किये गये श्रमसाध्य प्रयासों की सराहना करता हूँ, जिसके द्वारा ये नई वनस्पतियाँ सुर्खियों में आई हैं। मैं, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक एवं उनके समर्पित वैज्ञानिकों के समूह को वनस्पति अन्वेषण के सफल प्रकाशन की भी बधाई देता हूँ, जो भारतीय वनस्पतिजात की नवीनता पर एक महत्वपूर्ण संदर्भ पुस्तक बन गई है। मुझे विश्वास है कि यह प्रकाशन देश की वनस्पति संपदा पर सामान्य नागरिकों को जागरूक करने के साथ हमारे ज्ञान में वृद्धि करेगा।

(प्रकाश जावडेकर)

Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110 003
Tel.: 011-24695136, 24695132, Fax : 011-24695329



www.youtube.com/prakashjavadekar



www.facebook.com/prakashjavadekar



www.twitter.com/prakashjavadekar

e-mail : mefcc@gov.in

website : www.prakashjavadekar.com



प्राक्कथन

किसी भी क्षेत्र विशेष की जैव विविधता पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं को महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है। संरक्षण, पुनरुद्धार एवं जैव विविधता का सतत उपयोग विकास और पर्यावरण संरक्षण के मध्य उत्पन्न संघर्ष का समाधान कर सकने में समर्थ है, यदि इसका समुचित प्रबंधन किया जा सके। अतएव, वनस्पति विविधता का प्रलेखन एवं इसका सारगर्भित ज्ञान, पारिस्थितिकीय क्रियाओं को बढ़ाने एवं हमारी सांस्कृतिक धरोहर के साथ मानव जाति के कल्याण हेतु आवश्यक लाभ प्राप्ति के लिये अत्यावश्यक है।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, एक प्रमुख अनुसंधान संगठन है, जो देशभर में वर्गिकी अध्ययन एवं वनस्पति गवेषणाओं, तटीय क्षेत्रों में सामुद्रिक जैव संसाधनों, वन सम्पदा में परिवर्तन, देश के विभिन्न क्षेत्रों के जैव-परिप्रेक्ष्यों पर सर्वेक्षण करता है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पौधों के सभी समूहों की वानस्पतिक विविधता की वर्तमान अवस्थिति का अद्यतनीकरण कर रहा है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण वर्ष 2008 से लगातार प्रकाशित होती आ रही वनस्पति अन्वेषण शृंखला की नौवीं कड़ी का प्रकाशन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कर रहा है।

वर्ष 2015 के दौरान, 367 जातियों एवं पुष्पीय पादपों, कवकों, शैवाकों, शैवालों एवं जीवाणुओं के अवजातिय श्रेणियों को भी भारतीय वनस्पतिजात में सम्मिलित किया गया है। इनमें से कुछ अन्वेषण निकट भविष्य में उद्यानिकी, कृषि एवं औषधीय महत्व के भी हो सकते हैं।

मैं, वनस्पति अन्वेषण-2015 के समय पर प्रकाशन हेतु भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों के समर्पित प्रयासों के लिये बधाई देता हूँ। मैं, पौधों में रुचि रखने वाले समस्त नागरिकों को इस महत्वपूर्ण प्रकाशन के अवलोकन करने का आग्रह करता हूँ, यह प्रकाशन आयची सम्मेलन में तय उद्देश्यों की प्राप्ति में भी सहायक है एवं भारतीय वानस्पतिक जैव विविधता पर अद्यतन आंकड़े समाहित करता है। मुझे आशा है कि यह प्रकाशन 2015 के पश्चात विकास योजनाओं के नीति-निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

अजय नारायण झा

(अजय नारायण झा)



अजय नारायण झा
AJAY NARAYAN JHA, IAS



सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Secretary
Government of India
Ministry of Environment, Forest and Climate Change



FOREWORD

Biodiversity of a region serves as critical foundation of ecosystem services it provides. The conservation, restoration and sustainable use of biological diversity can address much conflict between development and environmental protections if managed properly. This is why, the documentation and wholesome knowledge on plant diversity is essential to promote and enhance those ecosystem functions and derive benefits essential for human well-being including our cultural heritage.

Botanical Survey of India, a premier research organization has been doing nationwide taxonomic studies and exploration of plants diversity, marine biological resources of coastal areas, forest resource changes, bio-prospective in different regions of our country. BSI has been updating the current status of Plant diversity of all groups of plants. I am happy to know that, like previous issues of 'Plant Discoveries' published since 2008, BSI also publishing this series for the ninth consecutive year on the occasion of World Environment Day.

During the year 2015 some 367 species and infra-specific categories of flowering plants, fungi, lichens, algae and microbes have been added to the Indian flora. Some of these new discoveries can be of horticulture, agriculture and medicinal value in future.

I congratulate the entire team of BSI scientists for their dedicated effort to bring out "Plant Discoveries 2015" in time. I urge everyone interested in plant to go through this important publication meeting the Aichi Targets and updating the Indian plant biodiversity status. I hope it would contribute significantly to the post-2015 development agenda.

7914

(Ajay Narayan Jha)



इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110 003 फोन : (011) 24695262, 24695265, फैक्स : (011) 24695270

INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003 Ph. : (011) 24695262, 24695265, Fax : (011) 24695270
E-mail : secy-moef@nic.in, ajay.jha@nic.in, Website : moef.gov.in

डा. परमजीत सिंह

निदेशक

Dr. Paramjit Singh

Director



भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
BOTANICAL SURVEY OF INDIA
E-mail : paramjitsingh@bsi.gov.in



प्रस्तावना / PREFACE

वनस्पति अन्वेषण श्रृंखला इस अंक का प्रमोचन, वनस्पतियों से सम्बन्धित ज्ञान का प्रचार-प्रसार करने एवं भारतीय वनस्पति विविधता के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने की भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण की प्रतिबद्धता को इंगित करता है। प्रत्येक वर्ष भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (भा.व.स) विश्वभर के शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित भारत से अन्वेषित की गई नवीन वनस्पति जातियों की सूचनाओं का संकलन करते आ रहा है। वनस्पति अन्वेषण श्रृंखला के विगत 8 अंकों को वैज्ञानिक समुदाय के साथ-साथ आम जनमानस ने भी सहर्ष स्वीकार किया है। वर्ष जून 2008 में इसकी छोटी सी पहल के साथ जुड़कर जब वनस्पति अन्वेषण-2007 प्रकाशित हुआ था, मैंने देखा है कि यह संकलन अपना सफर तय करते हुये वर्गिकी साहित्य के एक अभिन्न संदर्भ ग्रंथ में स्थापित हो चुका है। हमारी यह हार्दिक आशा है कि "वनस्पति अन्वेषण-2015" का यह संकलन शोधार्थियों, नीति-निर्माताओं एवं वनस्पति प्रेमियों के लिये अनमोल संसाधन सिद्ध होगा। यह संकलन उन अंतरालों की पहचान करने में निश्चित रूप से सहायता करेगा जिनकी परिपूर्णतः वनस्पति विविधता पर प्रगाभी शोध हेतु आवश्यक है।

वर्ष 2015 के दौरान कुल 367 अन्वेषणों में संवहनीय पौधों के 115 टैक्सा, असंवहनीय पौधों के 203 टैक्सा एवं 49 जीवाणुओं को भारतीय वनस्पतिजात में समाहित किया गया है, जो विगत 9 वर्षों में सर्वाधिक है। हमारे संकलन के प्रयास में हमें देश-विदेश के सभी पादप वर्गीकरणों का सहयोग मिला है। अपने शोध परिणाम, शोध पत्रों एवं छायाचित्रों को उपलब्ध करवाने के लिए हम प्रत्येक अंशदाता का आभार व्यक्त करते हैं। इस प्रयास में हमें पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का भी उत्साहजनक सहयोग प्राप्त हुआ है।

उल्लेखनीय है कि नवीन वर्णित वनस्पति जातियों के कुछ प्ररूप नमूने प्रकाशन में उल्लेखित पादपालयों में जमा नहीं किये गये

The launching of the present volume of the 'Plant Discoveries' series indicates Botanical Survey of India's commitment towards dissemination of plant based knowledge and promotion of research in Plant diversity in India. Every year Botanical Survey of India (BSI) has been compiling the information on discoveries of plants of our country published in journals across the world. The last eight volumes of Plant Discoveries have been well received by the scientific fraternity and general public. Being associated with it since its humble beginning in June 2008, when first issue of Plant Discoveries 2007 was published, I have seen it grow as one of the widely recognized integral referral taxonomic literature. It is our sincere hope that this compilation will continue to serve as a valuable resource for researchers, policy makers and the common plant lovers. This will also definitely help in identify the gap areas for further progressive research in plant diversity.

During the year 2015, out of 367 discoveries, 115 taxa of vascular plants, 203 taxa of non-vascular plants and fungi, and 49 microbes are added to Indian flora, which is the highest in last nine years. Our efforts to these compilations were highly supported by the taxonomic fraternity from India and abroad. We are extremely grateful to each one of them for sharing their research results, papers and photographs. The support of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change has also been extremely encouraging in this effort.

The type specimens of many of these newly described and specimens of newly reported taxa have not been



भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
BOTANICAL SURVEY OF INDIA



हैं। जैव विविधता अधिनियम, 2002 के अनुच्छेद 39 के उप-अनुच्छेद (3) पर ध्यानाकर्षित है जिसके अनुसार "किसी भी व्यक्ति द्वारा कोई भी अन्वेषित नवीन जातिवर्ग (टैक्सॉन) निर्दिष्ट रिपोजिटरी अथवा संस्थानों में अधिसूचित किया जायेगा एवं अन्वेषणकर्ता वाउचर नमूने को अधिकृत रिपोजिटरी अथवा संस्थानों में जमा करवायेंगे। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण दिर्घकालिक अवधि में इन संग्रहों को संग्रहित करता आया है और शोधार्थियों को निःशुल्क प्रवेशन (एक्सेस) देता है। 2 मिलियन से भी अधिक पादप नमूनों के संरक्षक एवं निर्दिष्ट संग्रहालयों (परिशिष्ट-1), में से एक भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण भविष्य में भी देश की वनस्पति विविधता के अध्ययन में सुसाध्यता एवं जातिय सीमांकन करने में सहायता करता रहेगा। लेकिन निकट भविष्य में क्षेत्र के सम्पूर्ण फ्लोरा के प्रलेखन के सपने को पूर्ण करने हेतु उन सभी संस्थानों के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता होगी जो इस हेतु कार्यरत हैं।

पूर्व प्रकाशित अंकों की भांति "वनस्पति अन्वेषण 2015" वर्ष 2015 में अन्वेषित और प्रकाशित नये भारतीय वनस्पति पर विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का संकलन है (विगत वर्षों के कुछ आंकड़े भी हमें अभी उपलब्ध हुए)। इसमें सम्मिलित की गई वानस्पतिक सूचनाएं तथा कुछ छायाचित्र एकटा बॉटेनिका हंगेरिका, एल्गी, एन्लस ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक, बायोडायवर्सिटास, बायोडायवर्सिटी डाटा जर्नल, चेक लिस्ट, क्रिप्टोगैमी मायकोलॉजी, करंट रिसर्च इन इन्वायरमेंट एंड एप्लाइड मायकोलॉजी, डायटम रिसर्च, इडनबर्ग जर्नल ऑफ बॉटनी, फेडस रिपोर्ट्स, फर्न एंड फर्न एलाइज ऑफ नेपाल, गार्डन बुलेटिन सिंगापुर, इंडियन फर्न जर्नल, इंडियन फॉरेस्टर, इंडियन जर्नल ऑफ बॉटनी, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च इन बायोसाइंस एंड प्लांट बायोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टेमेटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबाइलॉजी, जर्नल ऑफ जैपनीज बॉटनी, जर्नल ऑफ ब्रायोलॉजी, जर्नल ऑफ इकोनॉमिक एंड टैक्सोनॉमिक बॉटनी, जर्नल ऑन न्यू बायोलॉजिकल रिपोर्ट्स, कवक, क्यू बुलेटिन, मायकोलाजिकल प्रोग्रेस, माइकोसाइंस, माइकोस्फेयर, माइकोटैक्सॉन, नी-बायो, निलूम्बो, नॉर्डिक जर्नल ऑफ बॉटनी, नोवा हेडविगिया, नोवॉन, फाइकोलॉजिकल रिसर्च, फाइकोस, फाइटोडायवर्सिटी, फाइटोकिज, फाइटोटैक्सा, फाइटोटैक्सोनॉमी जियोफाइटोलॉजी, प्लांट साइंस टूडे, प्लियोनी, रिडिया, सिडोविया, ताइवानिया, टैप्रोबानिका, टिलोपिया, द प्लांट्समैन, तुर्किश जर्नल ऑफ बॉटनी, वेबिया एवं जू प्रिंट आदि में प्रकाशित शोध पत्रों से साभार ग्रहण की गई हैं। उपरोक्त प्रकाशित शोधपत्र उपलब्ध कराने हेतु हम कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

परमजीत सिंह
निदेशक
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

deposited in the herbaria indicated in the publication. Attention is further drawn to the subsection (3) of section 39 of the Biological Diversity Act, 2002 which stipulates that "Any new taxon discovered by any person shall be notified to the repositories or institutions designated for this purpose and he shall deposit the voucher specimens with such repository or institution." As BSI maintains these collections on long term basis, provides free access to the bonafide researchers as custodians of more than 2 million plant specimens and as one of the designated repository (Appendix I), BSI can further help in understanding the complexities of plant diversity and species delimitation in our country. But active co-operation of all those engaged in this pursuit is required to fulfill the dream of complete flora of the region in near future.

'Plant Discoveries 2015' like its predecessors, is a compilation of data from various sources on new Indian plants published during 2015 and a few from earlier years that became available to us now. Information and some of the photographs included here have been sourced from the papers published in Acta Botanica Hungarica, Algae, Annals of Microbiology, Antonie van Leeuwenhoek, Biodiversitas, Biodiversity Data Journal, Check List, Cryptogamie Mycologie, Current Research in Environmental & Applied Mycology, Diatom Research, Edinburgh Journal of Botany, Feddes Repertorium, Ferns and Fern-allies of Nepal, Gardens' Bulletin Singapore, Indian Fern Journal, Indian Forester, Indian Journal of Botany, Indian Journal of Forestry, International Journal of Advanced Research, International Journal of Current Research in Bioscience and Plant Biology, International Journal of Systematic and Evolutionary Microbiology, Journal Japanese Botany, Journal of Bryology, Journal of Economic and Taxonomic Botany, Journal on New Biological Reports, Kavaka, Kew Bulletin, Mycological Progress, Mycoscience, Mycosphere, Mycotaxon, NeBIO, Nelumbo, Nordic Journal of Botany, Nova Hedwigia, Novon, Phycological Research, Phytos, Phytodiversity, PhytoKeys, Phytotaxa, Phytotaxonomy Geophytology, Plant Science Today, Pleione, Rheedeia, Sydowia, Taiwanica, Taprobanica, Telopea, The Plantsman, Turkish Journal of Botany, Webbia and Zoo's Print, etc. We thankfully acknowledge them for sharing these published works.

Paramjit Singh
Director
Botanical Survey of India

परिचय / PREAMBLE

भारतीय पौधों, कवकों एवं जीवाणुओं के व्यापक वर्णन, परिसीमन एवं उनकी सटीक जातीय पहचान जैव विविधता को समझने और उसमें हुई हानि की गणना के लिये अति महत्वपूर्ण है। समुचित निदान के साथ विभिन्न रोगों के प्रसारण का उपचार करने एवं अतिक्रमणकारी जातियों के प्रसार पर नजर रखने में वर्गिकी एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है। भारतीय जैव विविधता मूल्यों के आकलन का कार्य देश के कतिपय लेखकों द्वारा किया जाता रहा है एवं आज ऐसी कई जातियों की खोज की जा रही है जिनमें कृषि पौधे, उपापचयी-विलायक जीवाणु, रोगाणु सम्मिलित हैं और जिनके मानव स्वास्थ्य एवं आर्थिकी पर संभावित सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव हैं।

भारतीय वनस्पति वर्गिकी में उपलब्ध कुल मानव संसाधन के तौर पर मात्र 100–200 लोग कार्यरत हैं जिनमें से काफी लोग 60 के आसपास के आयुवर्ग से हैं और कुछ इसे पूर्ण कर चुके हैं। हालांकि विगत दशक से पादप वर्गिकी विशेषज्ञों की संख्या में कमी को लेकर चर्चा होती रही है, यथा ऐसे प्रमाण भी मिले हैं जिनसे विश्वभर में नई जातियों के प्रलेखन प्रकाशित करने वाले अन्वेषकों की संख्या में भी वृद्धि देखी गई है। भारत में वर्गिकी प्रयासों को बढ़ावा देने हेतु, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के द्वारा वर्ष 1999 से ऑल इंडिया कोर्डिनेटेड प्रोजेक्ट ऑन कैपेसिटी बिल्डिंग इन टैक्सोनॉमी (आइकोप्टैक्स) योजना में निवेश कर अनुदान दिया जा रहा है। ऐसे प्रयासों के प्रतिफल का ही परिणाम है कि पादप वर्गिकी में एक नये युग का सूत्रपात हुआ है, जिसमें जैव विविधता पर बढ़ती रुचि के साथ ही ई-टैक्सोनॉमी एवं अन्य साइबर-प्रणालियों, आण्विक जातिवृत्तीय अध्ययन एवं डी.एन.ए. बारकोडिंग के बढ़ते अनुप्रयोगों ने सार्थक भूमिका निभाई है।

इस प्रकाशन के संकलन के दौरान, हमने विभिन्न संस्थाओं से सम्बद्ध शोधकर्ताओं के द्वारा प्रकाशित किये गये शोधपत्रों के पैटर्न का मूल्यांकन करने पर पाया कि पादप वर्गिकी में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग लगातार वृद्धि कर रहा है, जो एक स्वागत योग्य संकेत है। हालांकि भविष्य में एकीकृत वर्गिकी को बढ़ावा देकर इसे और विकसित किया जाने के प्रयास किये जाने अपेक्षित हैं, वर्तमान में वर्गिकी अध्ययन में स्थानीय स्तर पर आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना आवश्यक है, जिसमें मुख्य है— बजट की कमी और उच्च श्रेणी की जैव विविधता वाले क्षेत्रों में पादप वर्गिकी की बुनियादी सुविधाओं के साथ वैज्ञानिकों की सीमित पहुँच। ऐसे क्षेत्रों में आवागमन पर प्रतिबंध के कारणों में सामान्य सुरक्षा एवं कानूनी अड़चने मुख्य हैं। लेकिन अनुसंधान का यह वर्तमान चरण अत्यंत महत्वपूर्ण इसलिये भी है, क्योंकि वर्तमान तक जैव विविधता के स्थानिक वितरण में असमानता के प्रभाव एवं विशेषज्ञता के बावजूद इस हेतु किये गये वर्गिकी प्रयासों के द्वारा भी विशिष्ट वर्गिकी समूहों की मात्रा को निर्धारित नहीं किया जा सका है। हम जितना अधिक से अधिक समन्वेषण करेंगे, और भी अधिक नवीनतायें अन्वेषित

Comprehensive description and delimitation of Indian plants, fungi and microbes, and accurate species identification are crucial for understanding biodiversity and its losses. Proper diagnosis and treatment of outbreaks of diseases and tracking the spread of invasive species depend on sound taxonomic base. The value of Indian biodiversity has been estimated by some authors and many species being discovered today have potential positive or potential negative impacts on human health and economic interests, including new species of potential new crop plants, solvent-metabolizing microbes and potential pathogens.

The size of the Indian plant taxonomic workforce is believed to be a mere 100–200 people, many of whom have crossed or nearing sixty. Although the decline of taxonomic expertise in recent decades has been widely discussed, there are some indications that the number of authors describing new species worldwide has actually been growing. To sustain taxonomic efforts in India, the Ministry of Environment, Forest and Climate Change has invested in the All India Coordinated Project on Capacity building in Taxonomy (AICOPTAX) grant program since 1999. A new age of discovery in plant taxonomy is now being driven by such efforts, combined with growing interest in biodiversity issues and the emergence of new tools, such as eTaxonomy and other cyberinfrastructure, molecular phylogenetics and the growing application of DNA barcoding.

During compilation of this publication, we examined the publication patterns of articles by authors affiliated with individual institutes and it is a welcome sign that the international collaboration in taxonomic publications is on an increase. Although future advances toward a more integrative taxonomy may continue to fuel this growth, several impediments are believed to stifle local taxonomic activities today, one of them being fund crunch and another being limited access to high-biodiversity regions by scientists with more robust taxonomic infrastructure. Access restrictions may be due to factors such as general safety and legal provisions. But this basic exploratory phase is extremely important because so far, the impact of the disparities in the spatial distribution of biodiversity and taxonomic effort and expertise have not been fully quantified even within specific taxonomic groups. The more and more we



होंगी, जो हमारे देश की वनस्पति विविधता पर हमारे ज्ञान को समृद्ध करेंगी।

जैसा कि हमें ज्ञात है कि भारतीय वनस्पतिजात (फ्लोरा) मुख्यतः चार उत्पत्त स्थलों (हॉट स्पॉट) पर केंद्रित है जिनमें, 1. इंडो-बर्मा : जिसमें असम, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा एवं अंडमान द्वीप तक का क्षेत्र सम्मिलित है, 2. हिमालय: जिसमें जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल का उत्तरी क्षेत्र (दार्जिलिंग), सिक्किम, उत्तरी असम एवं अरुणाचल प्रदेश सम्मिलित हैं, 3. पश्चिमी घाट : जिसमें केरल, कर्नाटक, पश्चिमी तमिलनाडु, गोवा, पश्चिमी महाराष्ट्र एवं दक्षिणी गुजरात सम्मिलित हैं एवं 4. सुन्डालैंड : जिसमें निकोबार द्वीप सम्मिलित हैं।

वर्तमान आकलन के अनुसार भारत में आवृतबीजीय पादपों की कुल 18,259 जातियाँ, अनावृतबीजीयों की 78 जातियाँ, पर्णांगों की 1288 जातियाँ, कवकों की 15053 जातियाँ, हरितोद्भिदों की 2550 जातियाँ एवं शैवाकों की 2479 जातियाँ हैं, जो विश्व की सम्पूर्ण अभिलेखित पादप जातियों का लगभग 11.4 प्रतिशत है। वनस्पतिजात पर हमारे वर्तमान ज्ञान में वर्गिकी समन्वेषणों एवं प्रलेखनों से लगातार गुणात्मक वृद्धि हो रही है। भारत से अन्वेषित एवं अभिलेखित पादप जातियों का समूहवार विवरण निम्नवत है।

वर्ष 2015 के दौरान भारत से पौधों के 12 नये वंश, 183 नयी जातियाँ, 03 उपजातियाँ एवं 7 नवीन प्रभेदों का अन्वेषण किया गया, जबकि 01 वंशपरक अभिलेख एवं 144 जातियों, 04 उपजातियों एवं 13 प्रभेदों के वितरणपरक अभिलेख भारत से प्रथम बार प्रलेखित किये गये हैं। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने वर्ष 2015 में 153 जबकि अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने 214 जातियों को भारतीय वनस्पतिजात के लिये अभिलेखित किया है।

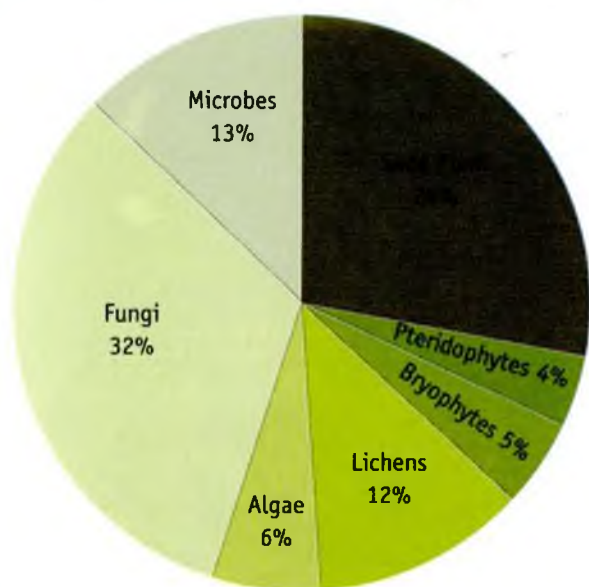
explore, more novelties are being reported and enriching our knowledge about the floristic diversity of India.

As we are aware, Indian flora is mainly concentrated in four biodiversity hotspots viz., 1. Indo-Burma covering Assam, Mizoram, Manipur, Nagaland, Meghalaya, Tripura and Andaman Islands, 2. Himalaya covering Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh, Uttarakhand, northern part of West Bengal (Darjeeling), Sikkim, northern part of Assam and Arunachal Pradesh, 3. Western Ghats consisting of the states of Kerala, Karnataka, western parts of Tamil Nadu, Goa, western parts of Maharashtra and southern Gujarat and 4. The Sundaland covering the Nicobar Islands.

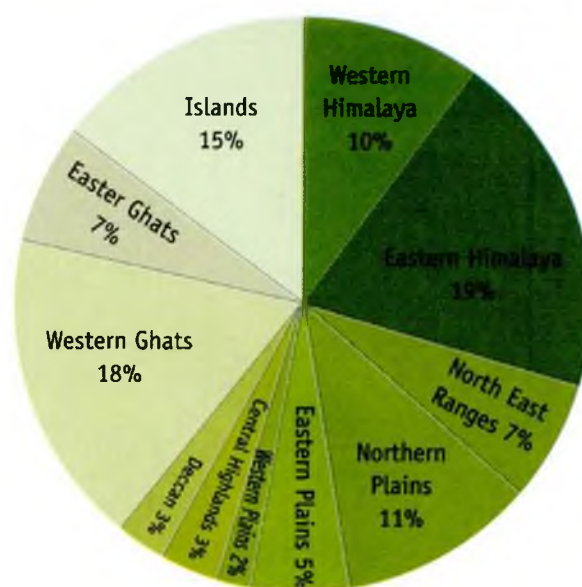
Current estimations revealed, a total of 18259 species of angiosperms, 78 species of gymnosperms, 1288 species of pteridophytes, 15053 species of fungi, 7331 species of algae, 2550 species of bryophytes, 2479 species of lichens in India and 1120 species of microbes which is approximately 11.4 per cent of the total recorded plants species of the world. The group wise current status of number of species known from India is given below.

During the year 2015, scientists discovered 12 new genera, 183 new species, 3 subspecies and 7 new varieties, from India while 1 new genus and 144 species, 4 subspecies and 13 varieties were reported for the first time from India. Scientists of BSI described and published 153 novelties while, scientists from institutes other than BSI have reported 214 novelties during the year 2015.

समूह Group	भारत में पाई जाने वाली जातियों की संख्या No. of Species in India	भारतीय वनस्पति में प्रतिशत Percentage of Indian Flora
विषाणु/जीवाणु /Virus/Bacteria	1120	2.34
शैवाल/Algae	7331	15.23
कवक/Fungi	15053	31.29
शैवाक/Lichens	2479	5.15
हरितोद्भिद/Bryophytes	2550	5.20
पर्णांग (टेरिडोफाइट्स)/Pteridophytes	1288	2.68
अनावृतबीजी/Gymnosperms	78	0.17
आवृतबीजी/Angiosperms	18259	37.94
योग/TOTAL	48158	100.00



Plant Discoveries made in different groups during 2015



Plant Discoveries made from different physiogeographic Zones during 2015

वर्ष 2015 के दौरान हुए कुल अन्वेषणों में कवकों का अधिकतम 32 प्रतिशत तत्पश्चात् बीजीय पौधों का 28 प्रतिशत, जीवाणुओं का 13 प्रतिशत, शैवाक (लाइकेन) 12 प्रतिशत एवं शैवाल 6 प्रतिशत दर्ज किया गया। 2015 के कुल अन्वेषणों में पर्णांग एवं हरितोद्भिदों का कुल 9 प्रतिशत का योगदान है।

वर्ष 2015 में लगभग सभी क्षेत्रों से नये अन्वेषण हुये हैं। वर्ष 2015 में क्षेत्रवार हुये कुल अन्वेषणों में, अधिकतम पूर्वी हिमालय का 19 प्रतिशत, तत्पश्चात् पश्चिमी घाट (18 प्रतिशत), अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (15 प्रतिशत), उत्तरी मैदान (11 प्रतिशत), पश्चिमी हिमालय (10 प्रतिशत), पूर्वी घाट एवं उत्तर पूर्व क्षेत्र में प्रत्येक का 7 प्रतिशत, पूर्वी मैदानी भाग (5 प्रतिशत), दक्कन एवं मध्य पठारी भाग में प्रत्येक का 3 प्रतिशत योगदान रहा है। 2015 के कुल अन्वेषणों में पश्चिमी मैदानी का प्रतिनिधित्व 2 प्रतिशत योगदान रहा है। उल्लेखनीय है कि कुल अन्वेषणों में, संवहनीय पौधों का 31 प्रतिशत दर्ज किया गया है एवं असंवहनीय पौधों का प्रतिनिधित्व 69 प्रतिशत रहा है। जबकि असंवहनीय पौधों में सर्वाधिक 47 प्रतिशत प्रतिनिधित्व कवकों का रहा है।

बीजीय पौधों में, सबसे अधिक नये अन्वेषण कर्नाट (32), तत्पश्चात् अरुणाचल प्रदेश (18) एवं तमिलनाडु (9), उत्तर-पूर्वी राज्यों एवं पश्चिमी हिमालय में प्रत्येक से 7 नये अन्वेषण जबकि तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र से 13 नये अन्वेषण किये गये हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 के वनस्पति अन्वेषणों में बालसम की 13 जातियाँ, वन्य अदरक की 03 जातियाँ, फाइकस की 03 जातियाँ, दलदली पौधों की 6 जातियाँ, घास की 5 जातियाँ एवं साइकड की 1 जाति एवं वन्य मशरूम की 36 जातियाँ अन्वेषित की गई हैं।

During 2015, fungi contributed the maximum with 32 per cent followed by seed plants by 28 per cent, microbes by 13 per cent, lichens by 12 per cent and algae by 6 per cent of the total discoveries. Pteridophytes and bryophytes together contributed 9 per cent of the total discoveries.

During 2015 from almost all regions new discoveries have been reported. Region wise, maximum discoveries were made from Eastern Himalaya which account for 19 per cent of the total discoveries followed by Western Ghat (18 per cent), Andaman & Nicobar group of Islands (15 per cent), Northern Plains (11 per cent), Western Himalaya (10 per cent), Eastern Ghats and North East Ranges 7 per cent each, Eastern Plains (5 per cent), Deccan and Central highlands 3 per cent each. The Western plains represented by the 2 per cent of the total discoveries in 2015. It is interesting to note that, vascular plants contribute 31 per cent and non vascular plants contribute 69 per cent of the total discoveries. While, among non-vascular plants fungi represents highest 47 per cent.

Among seed plants maximum discoveries were reported from Kerala (32) followed by Arunachal Pradesh (18) and Tamil Nadu (9). North East ranges and Western Himalaya contribute 7 discoveries each while Tamil Nadu and Maharashtra together contribute 13 discoveries.

It is also interesting to mention that, 13 wild species of balsam germplasm, 3 species of wild gingers, 3 species of ficus (figs), 6 species of sedges, 5 species of grasses, 1 species of cycad, and 36 species of wild mushrooms are discovered during 2015.





बीजीय पौधे/SEED PLANTS

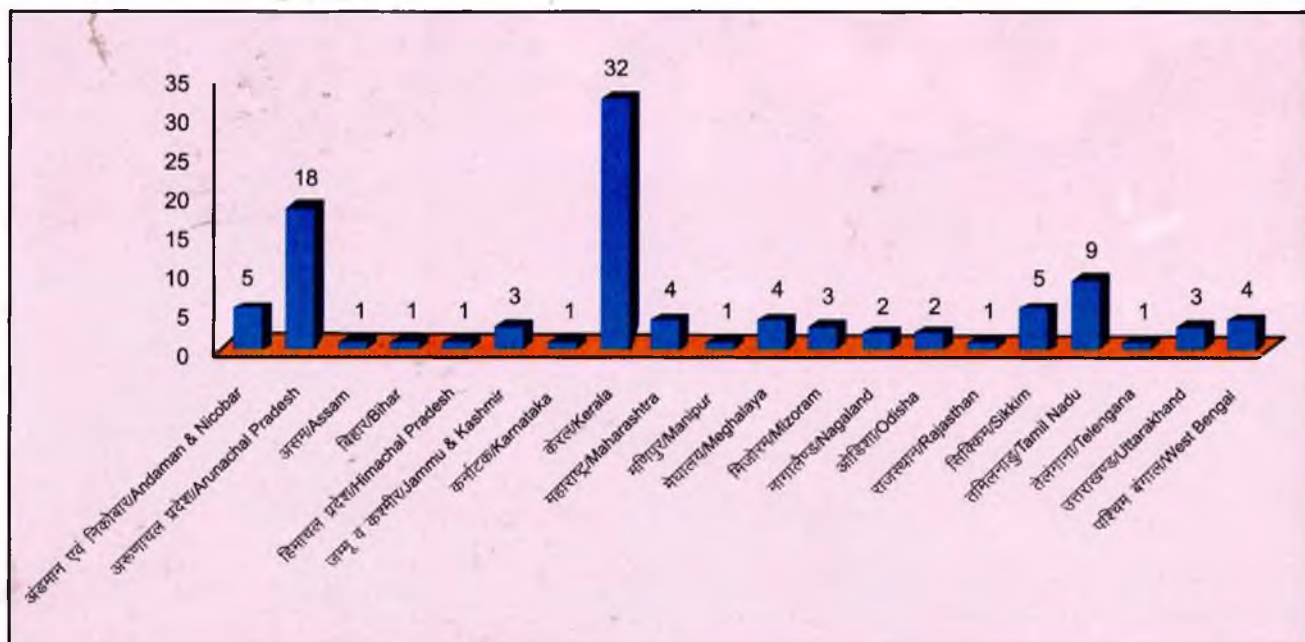
बीजीय पौधे/SEED PLANTS

बीजीय पौधे (स्पर्मेटोफाइट्स) पृथ्वी के सबसे विकसित स्थलीय पौधे हैं तथा परंपरागत रूप आवृतबीजी और अनावृतबीजी पुष्पीय पादपों में विभाजित है। हमारे वर्तमान ज्ञान के अनुसार भारत में आवृतबीजी जातियों की संख्या लगभग 18,259 है, जबकि अनावृतबीजी जातियों की संख्या लगभग 78 है। इस प्रकार की अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी बाकी है। इस क्रमवार सूचना में 3 वंश, 63 नयी जातियां (केरल से 26, अरुणाचल प्रदेश से 10, तमिलनाडु से 08, मेघालय से 04, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम एवं पश्चिम बंगाल से क्रमशः 02, कर्नाटक मणिपुर एवं उत्तराखंड में प्रत्येक से 01) 02 उपजातियाँ, 05 नये प्रभेद एवं भारत से 28 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित हैं।

Seed plants (Spermatophytes) are the most evolved land plants on earth and are traditionally divided into flowering plants (or angiosperms) and gymnosperms.

In the present state of our knowledge India has about 18259 species of angiosperms and 78 species of gymnosperms. Many more are yet to be identified and described.

The collated information presented here includes 3 new genus, 63 new species (26 from Kerala, 10 from Arunachal Pradesh, 08 from Tamil Nadu, 04 from Meghalaya, 02 each from Andaman & Nicobar Islands, Maharashtra, Mizoram, Odisha, Sikkim and West Bengal, 01 each from Kamataka, Manipur and Uttarakhand), 02 subspecies, 05 varieties and 28 new distribution records from India.



भारतीय राज्यों से अन्वेषित बीजीय पौधे
SEED PLANTS DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन वंश / NEW GENUS

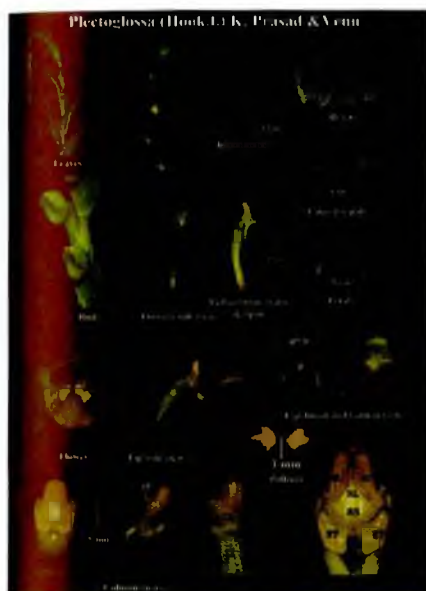
हिमगिरीया पुसालकर एवं डी. के. सिंह, ज. जैप. बॉट. 90:86.2015. (कैरियोफायल्लेसी)

इस मोनोटिपिक वंश की पहचान एवं वर्णन जातिवृत्तीय विभेद के आधार पर वंश एरेनेरिया के उपवंश कोम्प्रीसी मैक नील जातियों को समाहित करने के लिये किया गया है। इस वंश का प्ररूप *हिमगिरीया कोम्प्रेससा* (मैक नील) पुसालकर एवं डी. के. सिंह है। यह वंश भारत के हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति प्रभाग में 2400–4500 मी. की ऊँचाई तक एवं अफगानिस्तान से चीन के तिब्बत पठार तक वितरित है। इस वंश का नामकरण हिमालय के नाम पर आधारित है।

Himgiria Pusalkar & D.K. Singh, J. Jap. Bot. 90: 86. 2015. (CARYOPHYLLACEAE)

This monotypic genus is recognized and described on the basis of phylogenetic interferences to accommodate the species of subgen. *Compressae* Mc Neill of genus *Arenaria*. The type of the genus is *Himgiria compressa* (McNeill) Pusalkar & D. K. Singh. This solitary representative species is found in mountain gravels, on open slopes and rocky/boulder-strewn areas at 2400–4500 m elevation of Lahul-Spiti divisions of Himachal Pradesh and distributed from Afghanistan to Tibetan Plateau of China. The generic name is given after its type locality in Himalayan region.

प्लेक्टोग्लोसा (हुक. एफ.) के. प्रसाद एवं वेणु, रिडिया 25(2): 86.2015. (आर्किडेसी)



इस नवीन आर्किड वंश को *हेबेनेरिया* वंश के प्लेक्टोग्लोसा वर्ग में स्थापित किया गया है। यह वंश *हेबेनेरिया* से संगत लेकिन अलग पत्ती लक्षणों, सेकुण्ड पुष्प विन्यास एवं पुष्पीय लक्षणों में भिन्नता प्रदर्शित करता है। वंश का नाम ग्रीक भाषा में इसकी मुड़ी हुई पुष्पीय कलिका की लीप के लिये दिये गये शब्द पर आधारित है। इस वंश की प्ररूप जाति *प्लेक्टोग्लोसा पेरोटेटियाना* (ए. रीच) के प्रसाद एवं वेणु है। यह वंश अपनी जाति के साथ पश्चिमी घाट में नीलगिरी पहाड़ी शोला वनों में 1600–2200 मी. वितरित है।

Plectoglossa (Hook.f.) K.Prasad & Venu, Rheedea 25(2):86.2015. (ORCHIDACEAE)

This novel orchid genus has been established from Section *Plectoglossa* of genus *Habenaria*. The genus is allied to *Habenaria* but differs in typical leaf characters, second inflorescences and flower characters. The generic epithet derived from Greek referring to its twisted tongue shaped lip in flower bud. The type species is *Plectoglossa perrottetiana* (A. Rich.) K. Prasad & Venu. The genus and its representative species are sparsely distributed in Shola forest of Nilgiri hills of Western Ghats between 1600-2200m.

शिवपार्वतिया पुसालकर एवं डी. के. सिंह, ज. जैप. बॉट. 90:81.2015. (कैरियोफायल्लेसी)

इस स्थानिक वंश की पहचान एवं वर्णन जातिवृत्तीय विभेद के आधार पर वंश एरेनेरिया की उपवंश *सोलिटेरिया* मैक नील की 4 जातियों को समाहित करने के लिये किया गया है। इस वंश की प्ररूप जाति *शिवपार्वतिया ग्लैंडुलिगेरा* (इजव.) पुसालकर एवं डी. के. सिंह है। यह वंश अपनी संबद्ध जातियों के साथ बृहद हिमालय एवं तिब्बत पठारी क्षेत्रों में 3000 से 5500 मी. की ऊँचाई पर एवं भूटान, चीन एवं नेपाल के उच्च शिखरीय चारागाहों, नदियों के रेतीले किनारों, घास के चट्टानी ढलानों, हिमनदों के मुहानों पर मिलते हैं। इस वंश का नामकरण हिन्दू देवी देवता शिव-पार्वती के नाम पर आधारित है।

Shivparvatia Pusalkar & D.K. Singh, J. Jap. Bot. 90: 81. 2015. (CARYOPHYLLACEAE)

This endemic genus is recognized and described on the basis of phylogenetic interferences to accommodate the 4 species of subgen. *Solitaria* Mc Neill of genus *Arenaria*. The type species is *Shivparvatia glanduligera* (Edgew.) Pusalkar & D. K. Singh. The genus and its representative species are distributed in Bhutan, China, Nepal, Tibetan plateau and usually found in alpine meadows, sandy river banks, rocky grassy slopes at 3000-5500m altitude. The generic name is based on the Hindu deities Shiva-Parvati.



नवीन जातियाँ / NEW SPECIES

एमारेन्थस परगनेन्सिस सौभिक दास, नोवोन 23:406.2015. (एमारेन्थेसी)

चौलाई कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के पश्चिम बंगाल राज्य के निचले गंगा के मैदान में कोलकाता के ईएम बाईपास से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, मिस्सोरी वनस्पतिक उद्यान, सेंट. लुईस, मिस्सोरी (एमओ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति क्षेत्र 24 उत्तर परगना जिले के नाम पर आधारित है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की श्रेणी के आधार पर "आंकड़े अपूर्ण (डीडी)" में मूल्यांकित किया गया है।

Amaranthus parganensis Saubhik Das, Novon 23: 406.2015. (AMARANTHACEAE).

This new species has been discovered and described based on a collection made from roadside of EM bypass, Kolkata, West Bengal, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Missouri Botanical Garden Herbarium, St. Louis, Missouri, (MO). The specific epithet refers to the district name, 24 North Parganas from which it has been collected. The species is assessed as Data Deficient (DD), according to the recent IUCN categories.

एनिसोचिलस शोलामुदिरेनस सुनील एवं नवीन कुमा., वेबिया 70(20):217.2015. (लेमिऐसी)

तुलसी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के एर्नाकुलम जनपद में शोलामुदी, इडामलयार वन रेंज से 1216 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप सीएएलआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण पश्चिमी घाट में अवस्थित इसके प्राप्ति क्षेत्र शोलामुदी के नाम पर आधारित है।

Anisochillus shoolamudianus Sunil & Naveen Kum., Webbia 70(2): 217. 2015. (LAMIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Shoolamudi, Edamalayar Forest Range, Ernakulam District, Kerala India at 1216m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in CALI. The specific epithet is based on the type locality, Shoolamudi, within Western Ghats, India.

एपोनोजेटोन नातेशी एस. आर. यादव, रिडिया 25(1):09.2015. (एपोनोजिटोनेसी)



एपोनोजिटोन (जलीय घास) वंश की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के महाराष्ट्र राज्य के रत्नागिरी जनपद में करेल, राजापुर से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) एवं समप्ररूप क्रमशः बीएसआई, के एवं एसयूके में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण डॉ. एस. नतेश, पूर्व सलाहकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, भारत सरकार के सम्मान में उनके द्वारा वनस्पति विज्ञान में दिये गये उल्लेखनीय योगदान हेतु किया गया है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन के मापदंड के आधार पर "आंकड़े अपूर्ण (डीडी)" श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Aponogeton nateshii S.R. Yadav, Rheede 25(1): 09.2015. (APONOGETONACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Karel, Rajapur, Ratnagiri district of Maharashtra, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSI, K and SUK respectively. The species is named in honor of Dr. S. Natesh, former adviser, Department of Biotechnology (DBT), Government of India, New Delhi, India for his valuable contribution to Plant Sciences. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Data Deficient (DD)



बम्बूसा मोम्पेयाना नैथानी, इंडियन फॉरेस्टर 141(5):587.2015. (पोएसी)

बांस वंश की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट कामेंग जनपद में बमडीला से 13 कि. मी. पूर्व वारजोंग से 1600 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (डीडी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण अरुणाचल प्रदेश की मोम्पा जनजाति के नाम पर आधारित है।

Bambusa mompaeana Naithani, Indian For. 141(5): 587.2015. (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Warzong, 13 km after Bomdila, West Kameng district of Arunachal Pradesh, India at 1600m. The holotype is deposited in Herbarium of Forest Research Institute, Dehradun (DD). The species is named after Momp tribe of Arunachal Pradesh.

बोसेनबर्जिया मेघालयेन्सिस ऐश्वर्या एवं एम. साबू, फायटोटैक्सा 197(3):186.2015. (जिन्जीबेरेसी)

हल्दी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के मेघालय राज्य के शिलांग में नार्टियांग रोड से 1120मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएलआई) में संग्रहित किया गया है। जाति का नाम इसके प्राप्ति राज्य मेघालय के नाम पर आधारित है।

Boesenbergia meghalayensis Aishwarya & M.Sabu, Phytotaxa 197(3): 186. 2015. (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Nortiang road side, Shillong, Meghalaya, India at 1120m altitude. The holotype is deposited in Herbarium Department of Botany, Calicut University (CALI). The species is named after the state of its occurrence Meghalaya.

बुल्बोफायलम चिरमांगेंसिस डी. वर्मा, एस. लावानिया एवं सुशील कु. सिंह, फायटोटैक्सा 195(1):94.2015. (आर्किडेसी)



आर्किड कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के मेघालय राज्य के वेस्ट जैंतिया हिल्स जनपद में चिरमांग पवित्र वन क्षेत्र से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र शिलांग (एएसएसएएम) एवं समप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (एलडब्ल्यू) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्राप्ति-स्थल चिरमांग के नाम पर आधारित है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन के मापदंड के आधार "आंकड़े अपूर्ण (डीडी)" श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Bulbophyllum chymangensis D.Verma, S. Lavania & Sushil K. Singh, Phytotaxa 195(1):94.2015. (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Chymang sacred groove, West Jaintia Hills District of Meghalaya, India. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and isotypes are in the Herbarium of Botany Department, University of Lucknow (LWU). The specific epithet refers to the type locality Chymang. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Data Deficient (DD).

कैरेक्स कोटागिरिका ए. माजी एवं वी. पी. प्रसाद, रिडिया 25(2):81.2015. (सायपरेसी)



सेज (दलदलीय घास) कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के तमिलनाडु राज्य के नीलगिरी जनपद में नीलगिरी पहाड़ी, कोटागिरी मार्ग से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीएएल, एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल कोटागिरी के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन मापदंड के आधार पर "आंकड़े अपूर्ण (डीडी)" श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Carex kotagirica A. Maji & V.P. Prasad, Rheedea 25(2):81.2015. (CYPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Nilgiri Hills, way to Kotagiri, Nilgiri District of Tamil Nadu, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in CAL and MH respectively. The species is named after its type locality Kotagiri. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Data Deficient (DD).

क्रिस्टीसोनिया टोमेन्टोसा जे. मैथ्यू एवं काड. वी. जार्ज, वेबिया 70(2):227.2015. (ओरोबेनकेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के कोल्लम जनपद के वेल्लाक्काल्थेरी, दक्षिणी पश्चिमी घाट से 1800 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप टीबीजीटी में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम टोमेन्टोसा इसके घने रोयेंदार संरचना का द्योतक है।

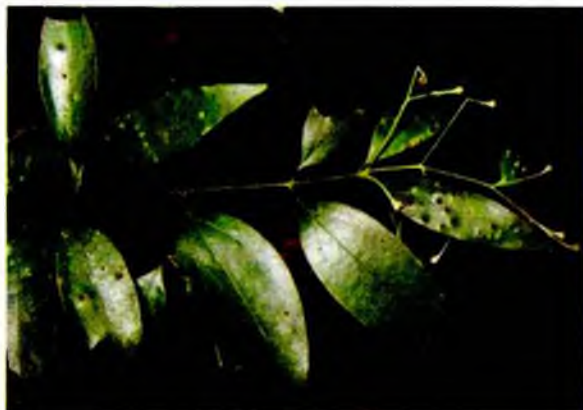
Christisonia tomentosa J. Mathew & Kad. V. George, Webbia 70(2): 227. 2015. (OROBANCHACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Vellakkaltheri, Kollam district, Southern Western Ghats, Kerala, India at 1800m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in TBGT. The specific epithet 'tomentosa' refers to its dense hairy state.

सिन्नाभोमम अगस्थयामलायनम रोबी, सुजानपाल एवं उदायन, इंटर. ज. एडवा. रिस. 2(10):1012.2014. (लॉरेसी)

दालचीनी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के तिरुवनंतपुरम जनपद में अगस्थयामाला में 850 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप केएफआरआई, सीएमपीआर एवं सीएएलआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल अगस्थयामाला पहाड़ी के नाम पर आधारित है।

Cinnamomum agasthyamalayanum Robi, Sujanalpal & Udayan, Inter. J. Adv. Res. 2(10):1012.2014. (LAURACEAE)



This new species has been discovered and described based on the collections made from Agasthyamala, of Kerala at 850m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in KFRI, CMPR and CALI respectively. The specific epithet is named after the type locality Agasthyamala hills.

क्लोसेना अगस्थयामलायना ई. एस. एस. कुमार, शरीफ, रॉय एवं वेल्डकैम्प, नॉर्डिक ज. बॉट. 33(2):151.2015. (रुटेसी)

नींबू अथवा संतरे कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के कर्णटक राज्य के तिरुवनंतपुरम जनपद में अगस्थयामाला जैव मण्डल आरक्षित क्षेत्र से 1440 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप ट्रोपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप एमएच एवं टीबीजीटी में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल अगस्थयामाला के नाम पर आधारित है।



Clausena agasthyamalayana E. S. S. Kumar, Shareef, Roy & Veldkamp, Nordic J. Bot. 33(2):151.2015. (RUTACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Agasthyamala Biosphere Reserve of Kerala, India at 1440m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Palode, (TBGT) and isotypes are in MH and TBGT. The specific epithet refers to the type locality Agasthyamala.

कोम्मेलिना बदामिका नंदीकर एवं गुरव, टिलोपिया 18:513.2015 (कोम्मीलिनेसी)



कनकव्वा (कोम्मेलिना) कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के कर्नाटक राज्य के बगलकोट जनपद में बादामी से 670मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएलएटी, बीएसआई, सीएएलआई, एमएच, एनजीपीजीआर, एसयूके एवं गोवा विश्वविद्यालय के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल बादामी के नाम पर आधारित है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन के मापदंड के आधार पर आंकड़े अपूर्ण (डीडी) श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Commelina badamica Nandikar & Gurav, Telopia 18:513. 2015.(COMMELINACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Badami, Bagalkot District of Karnataka, India at 670m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BLAT, BSI, CALI, MH, NGPGR, SUK and Goa University Herbarium. The specific epithet refers to the type locality 'Badami'. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Data Deficient (DD).

साइकस चन्नाई आर. सी. श्रीवास्त. एवं लालजी सिंह, इंटर. ज. करंट. रिस. बायोसाइ. प्लांट बायो. 2(8):35.2015. (सायकडेसी)

साइकस कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के पश्चिम बंगाल राज्य के हावड़ा जनपद में स्थित आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक डॉ. परमजीत सिंह चन्ना के सम्मान में किया गया है।

Cycas pschannae R. C. Srivast. & Lalji Singh, Int. J. Curr. Res. Biosci. Plant Biol. 2(8):35. 2015. (CYCADACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from AJC Bose Indian Botanic Garden, Howrah, West Bengal, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named in honour of Dr. Paramjit Singh Channa, Director, Botanical Survey of India.



साइप्रस कुन्नूरेंसिस वीजी, पान्दुर, दिपू एवं जी. सी. टक्कर, फाइटोटैक्सा 203(2):178.2015. (साइप्रेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के तमिलनाडु राज्य के नीलगिरी जनपद कुन्नूर से 1501 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप जवाहर लाल नेहरू ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप सीएएलआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल कुन्नूर के नाम पर आधारित है।

Cyperus coonoorensis Viji, Pandur, Deepu & G.C. Tucker, Phytotaxa 203(2): 178. 2015. (CYPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Coonoor, Nilgiri District of Tamil Nadu, India at 1501m altitude. The holotype is deposited in Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute Herbarium, Thiruvananthapuram (TBGT) and isotypes are in CALI. The species is named after the type locality Coonoor.

डाईमेरिया रवियाना किरण राज एवं शिवादासन, फायटोटैक्सा 195(2):193.2015. (पोऐसी)

तृण कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के इदुक्की जनपद में पेरियार बाघ रिजर्व से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, मल्लापुरम (सीएएलआई) में एवं समप्ररूप केएफआरआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण दक्षिण भारत के प्रसिद्ध तृण वैज्ञानिक और डिमेरिया वंश पर कार्य करने वाले प्रो. एन. रवि, श्री नारायण कॉलेज, कोल्लम, केरल के सम्मान में किया गया है। आईयूसीएन (2012 एवं 2014) की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर इस जाति का मूल्यांकन नहीं किया गया है एवं इसे मूल्यांकित नहीं (एनई) की श्रेणी में रखा गया है।

Dimeria raviana Kiran Raj & Sivadasan, Phytotaxa 195(2):193.2015. (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Periyar Tiger Reserve, Idukki District of Kerala, India. The holotype is deposited in Herbarium, Department of Botany, Calicut University (CALI) and isotypes are in KFRI. The species is named in honour of Prof. N. Ravi, Former Head of the Department of Botany, Sree Narayana College, Kollam, Kerala, a well-known agrostologist of South India who greatly contributed to genus Dimeria in Peninsular India. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Not Evaluated (NE).

डायोस्पायरोस उदायानाई पी. एस. उदायन, बांग्लादेश ज. प्लांट टैक्सान. 22(2):83.2015. (इबिनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के कोझीकोडे जनपद में काक्कायम, मालाबार वन्य जीव अभयारण्य से 750मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप एसकेसी, सीएएलआई एवं एफआरएलएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्रो. (सेवानिवृत्त) वनस्पति विज्ञान विभाग, भरतियार विश्वविद्यालय, डॉ. के. उदायन के सम्मान में किया गया है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में "निकट संकटग्रस्त श्रेणी" में रखा गया है।

Diospyros udaiyanii P.S. Udayan, Bangladesh J. Plant Taxon. 22(2): 83. 2015. (EBENACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Kakkayam, Malabar Wildlife Sanctuary, Kozhikode district, Kerala, India at 750m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Region Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in SKC, CALI and FRLH. The species is named to honour Dr. K. Udayan, Professor (Retd.), Department of Botany, Bharathiar University, Coimbatore, Tamil Nadu. This species is treated here as 'Near Threatened'(NT).

इराग्रोस्टीस नायरई कालीदास सी., ज. इकोन. टैक्सॉन. बॉट. 39(1): 126.2015. (पोएसी)

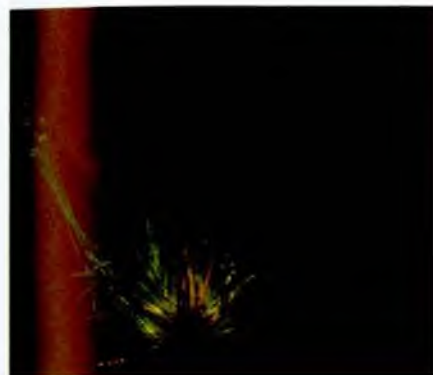
घास कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के ओडिशा राज्य के मयूरभंज जनपद में सिमलिपाल जैव मण्डल आरक्षित क्षेत्र के करंजीया वन प्रभाग, पटबिल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के प्रख्यात तृण विज्ञानी डॉ. वी. जे नायर के सम्मान में किया गया है।

Eragrostis nairii Kalidass C. J. Econ. Taxon. Bot. 39(1):126.2015. (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Simlipal Biosphere Reserve, Karanjia forest Division, Patbil, Mayurbhanj District of Odisha, India. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in CAL. The species is named in honour of Dr. V.J.Nair, former Scientist, Botanical Survey of India for his valuable contribution in Indian grasses.

इरियोकोलोन बाईएप्पेन्डिकुलेटम मनुदेव, रोबी एवं नाम्पी, इडनबर्ग ज. बॉट. 72(2):219.2015. (इरियोकोलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के इडुक्की जनपद कुरुंजी वैली से 1600मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीएएल तथा एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके बीज पर दो प्रकार के उपांगों की उपस्थिति को संसूचित करता है।



Eriocaulon biappendiculatum Manudev, Robi & Nampy, Edinburgh J. Bot. 72(2):219.2015. (ERIOCAULACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Kurinjii Valley, Idukki District of Kerala, India at 1600m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in CAL and MH. The specific epithet refers to the presence of two types of appendages on the seeds.

इरियोकोलोन मनोहरनाई सुनील एवं नवीन कुमार, वेब्बिया 70(2):211.2015. (इरियोकोलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के एर्नाकुलम जनपद, पट्टीमुदी, नेरयामंगलम वन रेंज से 892मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीएएलआई तथा एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण श्री टी. एम. मनोहरन, भा.व.से. के सम्मान में किया गया है।

Eriocaulon manoharanii Sunil & Naveen Kumar, Webbia 70(2): 211. 2015. (ERIOCAULACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Pattimudi, Neryamangalam Forest Range, Ernakulam District of Kerala, India at 892m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in CAL and MH. The species is named after Mr T.M. Manoharan, IFS.

इरियोकोलोन वन्दानामेन्से सुनील, रथीस एवं सिवादासन, नॉर्डिक ज. बॉट. 33(2):155.2015. (इरियोकोलोन)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के अल्लापूझा जनपद के वन्दानम से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एमएच एवं एसएनएम कॉलेज पादपालय, मालिनकारा, इर्नाकुलम में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्ररूप प्राप्ति स्थल वन्दानम के नाम पर आधारित है।

Eriocaulon vandaanamense Sunil, Ratheesh & Sivadasan, Nordic J. Bot. 33(2):155.2015. (ERIOCAULACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Vandaanam, Alappuzha District of Kerala, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in MH and SNM College Herbarium, Maliankara, Ernakulam. The specific epithet is derived from the name of the type locality Vandaanam.

फाइकस अनामलायना जे. वी. सुधाकर एवं जी.वी.एस. मूर्ति, रिडिया 25(1):1.2015. (मोरेसी)



पीपल कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के तमिलनाडु राज्य के कोयम्बटूर जनपद के अनामलाई बाघ रिजर्व से 300मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल अनामलाई पहाड़ी के नाम पर आधारित है। इसे आईयूसीएन मापदंड के आधार पर अल्प चिंतित (लिस्ट कन्सर्न एलसी) की श्रेणी में रखा गया है।

Ficus anamalayana J.V. Sudhakar & G.V.S. Murthy, Rheedea 25(1):1.2015. (MORACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Anamalai Tiger Reserve, in Coimbatore District of Tamil Nadu, India at 300m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in MH. The species epithet refers to the type locality Anamalaya hills of Western Ghats. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Least Concern.

फाइकस जारवाई जी. के. उपाध्याय एवं चक्रब., फाइटोडायवर्सिटी 1(1 एवं 2):71.2014. (मोरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अंडमान एवं निकोबार के मध्य अंडमान द्वीप स्थित धानी नाला, जारवा आरक्षित वन से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण अंडमान की स्थानिक जारवा जनजाति के नाम पर आधारित है।

Ficus jarawae G.K. Upadhyay & Chakrab., Phytodiversity 1(1 & 2):71. 2014. (MORACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from near Dhani Nala, Jarawa Reserve Forest, Middle Andaman Island of Andaman & Nicobar islands, India. The holotype and isotypes are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after the Jarawa tribe of Andaman Islands.

जेन्शियाना कुरुम्बाई अनिल कुमार एवं उदायन, ताईवानिया 60(2):81.2015. (जेन्शिएनासी)

चिरायता कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के पलक्कड़ जनपद के अट्टापट्टी पहाड़ी, चेरुकोलमाला से 1750-1850मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप एसकेसी, सीएमपीआर एवं सीएएलआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण अट्टापट्टी के घने वनों में निवास करने वाली जनजाति कुरुम्बा के नाम पर आधारित है। आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के मूल्यांकन में इस जाति को घोर-संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है।



किया गया है। इस जाति का नामकरण अट्टापट्टी के घने वनों में निवास करने वाली जनजाति कुरुम्बा के नाम पर आधारित है। आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के मूल्यांकन में इस जाति को घोर-संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है।

Gentiana kurumbae Anilkumar & Udayan, Taiwania 60(2):81.2015. (GENTIANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Attappady hills, Cherukolmala, Palakkad District of Kerala, India at 1750-1850m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in SKC, CMPR and CALI. The specific named after the tribal community 'Kurumba' of Attappady. As per the current IUCN, the specie is categorized as 'Critically Endangered'.

जेन्शियाना स्प्रिंगेटीयाना डी. मैती, इडनबर्ग ज. बॉट. 71(3):289.2014. (जेन्शिएनासी)



चिरायता कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के सिक्किम राज्य कालापत्थर एवं मुगूथांग के मध्य में 4500–4800मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय (सीयूएच) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्रसिद्ध वर्गिकीविद् एवं पूर्वो हिमालय की वनस्पति के विशेषज्ञ लोरी एस. स्प्रिंगेटे, के सम्मान में किया गया है। आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के मूल्यांकन के आधार पर इस जाति को घोर-संकटग्रस्त (सी.आर. डी) की श्रेणी में रखा गया है।

Gentiana springateana D.Maity, Edinburgh J. Bot. 71(3):289.2014.
(GENTIANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made in between Kalapathar and Muguthang, Sikkim, India at 4500-4800m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Botany Department, Calcutta University (CUH) and isotypes are in CAL. The specific epithet is given in honour of Lawrie S. Springate, a renowned taxonomist and expert of eastern Himalayan plants. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Critically Endangered.

जिम्नोस्टाचियम वैरियरेनम के.एम.पी. कुमार, बालचंद्र. एवं वी. बी. सीक, क्यू बुलेटिन 70:40.2015. (एकन्थेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के कन्नूर जनपद में अरालम वन्य जीव अभयारण्य, कन्नादिवेचाकुन्नू से 550 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप सेन्टर फॉर मेडिसिनल प्लांट रिसर्च (सीएमपीआर) एवं समप्ररूप सीएएलआई, केएफआरआई एवं एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण पद्मभूषण डॉ. पी. के. वारियर, प्रबन्धक ट्रस्टी आर्य वैद्यशाला कोट्टाकल्ल के सम्मान में उनके द्वारा आयुर्वेद विज्ञान पर दिये गये योगदान हेतु किया गया है। आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर इस जाति को मूल्यांकन में इस जाति को घोर-संकटग्रस्त (सी.आर. डी) की श्रेणी में रखा गया है।

Gymnostachyum warrierianum K.M.P. Kumar, Balach. & V.B. Sreek., Kew Bulletin 70:40.2015. (ACANTHACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Aralam Wildlife Sanctuary, Kannadivechakunnu, Kannur District of Kerala, India at 550m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Centre for Medicinal Plant Research, Changuvetty (CMPR) and isotypes are in CALI, KFRI, and MH. The species is named after Padmabhooshan Dr. P.K. Warriar, Managing Trustee of Arya Vaidya Sala, Kottakkal, for his great contribution to the science of Ayurveda. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Critically Endangered.

हेडिकियम मैथ्यूवाई एस. थॉमस, बी. मणि एवं एस. जे. ब्रिटो, वेब्बिया 70(2):221.2015. (जिन्जीबेरेसी)

हल्दी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के इडुक्की जनपद में दक्षिण पश्चिम घाट से 1200 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप रैपिनाट पादपालय एवं सेन्टर फॉर मोलीक्यूलर सिस्टेमैटिक्स, तिरुचिलापल्ली (आरएचटी) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. के. एम. मैथ्यू के सम्मान में किया गया है।

Hedychium matthewii S. Thomas, B. Mani & S. J. Britto, Webbia 70(2): 221. 2015. (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Idukki, the southern Western Ghats, Kerala at 1200 m altitude. The holotype is deposited in the Rapinat Herbarium and Centre for Molecular Systematics, Tiruchirappalli (RHT) and isotypes are in MH. The specific epithet is named in honour of Dr K. M. Matthew.



ह्यूबेरेन्था सेन्जियाना (आर. मुरलीधरन, नारस. एवं एन. बालाचंद्र.) आर. मुरलीधरन, नारस. एवं एन. बालाचंद्र. फाइटोटैक्सा 217(2):200.2015. (एनोनेसी)

शरीफा कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के तमिलनाडु राज्य के विल्लूपुरम जनपद में पक्कमलाई आरक्षित वन क्षेत्र, देवाथानामपेट्टाई, गिंजी से 250मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान गिंजी के स्थानीय नाम सिंजी पर आधारित है।

Huberantha senjiana (R. Muralidharan, Naras. & N. Balach.), R. Muralidharan, Naras. & N. Balach., Phytotaxa 217(2):200.2015. (ANNONACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Pakkamalai Reserve Forest, Devathanampettai, Gingee, Villupuram District of Tamil Nadu, India at 250m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore(MH) and isotypes are in CAL. The species is named after the type locality 'Senji'.

इम्पेशियंस एडामोवस्कीयाना गगोई एवं बोराह, नार्डिक ज. बॉट. 33: 586.2015. (बालसेमिनेसी)

बालसम कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग वैली स्थित 65 प्वाइंट मायोडिया से 2600मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीएएल, एसएसएसएम एवं एआरयूएन में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण वारसाव विश्वविद्यालय, पोलैंड के डॉ. डब्ल्यू. एडामोवस्की के सम्मान में किया गया है।

Impatiens adamowskiana Gogoi & Borah, Nordic J. Bot. 33: 586. 2015. (BALSAMINACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from 65 Point Mayodia, Lower Dibang Valley of Arunachal Pradesh, India at 2600m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in CAL, ASSAM and ARUN. The specific epithet is given in honour of Dr. W. Adamowski, University of Warsaw, Poland.

इम्पेशियंस अशिहोई गगोई एवं बोराह, फाइटोटैक्सा 238(3):278.2015. (बालसेमिनेसी)

बालसम कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग वैली में तिवारी गाँव से मायोडिया के मध्य से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एसएसएसएम एवं एआरयूएन में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिक डॉ. आशिहो असोसी माओ के सम्मान में उनके द्वारा उत्तर-पूर्वी भारत के रोडोडेन्ड्रॉन पर किये गये उल्लेखनीय योगदान हेतु किया गया है। आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर इस जाति को संवेदनशील सुभेद्य (वी.यू) की श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens ashiihoi Gogoi & Borah, Phytotaxa 238 (3): 278.2015. (BALSAMINACEAE)



This new species has been discovered and described based on the collections made in between Tiwari Gaon to Mayodia, Lower Dibang Valley of Arunachal Pradesh, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in ASSAM and ARUN. The species is named after Dr. Ashiiho Asosii Mao, Botanical Survey of India, for his contributions to the knowledge of Rhododendrons of N.E. India. This species is assessed as vulnerable (VU) according to the IUCN Red List criteria.

इम्पेशियंस कोर्टाल्लेन्सिस रामास. एवं पांडुर., फाइटोटैक्सा 203(2):201.2015. (बालसेमिनेसी)

बालसम कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के तमिलनाडु राज्य के तिरुनेलवेली जनपद में कोर्टालम पहाड़ी (अगस्थ्यामलाई) मेलोडाई मार्ग से 788.24मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप जवाहर लाल नेहरू ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप गांधीग्राम विश्वविद्यालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान कोर्टालम पहाड़ी के नाम पर आधारित है।

Impatiens courtallensis Ramas. & Pandur., Phytotaxa 203(2): 201. 2015. (BALSAMINACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Courtallum hills (Agasthyamalai) on way to Mylodai estate, Tirunelveli District of Tamil Nadu, India at 788.24m altitude. The holotype is deposited in Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute Herbarium, Thiruvananthapuram (TBGT) and isotypes are in Gandhigram University Herbarium. The species is named after the type locality, Courtallum hills.

इम्पेशियंस दलाईयेन्सिस गगोई एवं बोराह, फाइटोटैक्सा 207(3):286.2015. (बालसेमिनेसी)

बालसम कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के अंजाओ जनपद में चांगलागांम से 10 कि.मी. पूर्व ह्यूलियांग मार्ग से 1517मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एआरयूएन एवं एसएसएसएम में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण अंजाओ जनपद में इस जाति के प्राप्ति दलाई घाटी में होने पर आधारित है। आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर इस जाति को संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens dalaiensis Gogoi & Borah, Phytotaxa 207(3):286.2015. (BALSAMINACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from the locality 10km before Chaglagam on the way from Hyuliang, Anjaw District of Arunachal Pradesh, India at 1517m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in ARUN and ASSAM. The specific epithet refers to the type locality, 'Dalai Valley' of Anjaw District. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Endangered.

इम्पेशियंस नियो-मोडेस्टा हरीश, के. एम. पी. कुमार एवं श्रीकुमार, वेबिया 70(2):231.2015. (बालसेमिनेसी)



बालसम कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के पलक्कड़ जनपद से नेल्लियामपाथी वन, हिल टॉप से 1400मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप सेन्टर फॉर मेडिसिनल प्लांट रिसर्च (सीएमपीआर) एवं समप्ररूप सीएएलआई, एमएच एवं केएफआईआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इम्पेशियंस मोडेस्टा जाति से इसकी समानता पर आधारित है। आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर इस जाति को संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens neo-modesta Hareesh, K. M. P. Kumar & Sreekumar, Webbia 70(2):231.2015. (BALSAMINACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Hill top, Nelliampathy forest, Palakkad District of Kerala, India at 1400m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Centre for Medicinal Plants Research (CMPR) and isotypes are in CALI, MH and KFRI. The species name is refers to its close resemblance with *I. modesta*. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Endangered.

**इम्पेशियंस पाठकियाना** गगोई एवं बोराह, टिलोपिया 18:121.2015. (बालसेमिनेसी)

बालसम कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के अंजाओ जनपद में चांगलागाम से 20 कि.मी. पूर्व ह्यूलियांग मार्ग से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीएएल, एसएसएसएम एवं एआरयूएन में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के स्व. डॉ. मिथिलेश कुमार पाठक के सम्मान में किया गया है जिन्होंने इस क्षेत्र के गहन वनस्पतिक सर्वेक्षण में अपना योगदान दिया है। आईयूसीएन के श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर इस जाति को संवेदनशील सुभेद्य (वी.यू) की श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens pathakiana Gogoï & Borah, Telopea 18:121.2015. (BALSAMINACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from the area, 20 km before Chaglagam, way from Hyuliang, Anjaw District of Arunachal Pradesh, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in CAL, ASSAM and ARUN. The species is named after late Dr. Mithilesh Kumar Pathak, who had extensively explored the region. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Vulnerable.

इम्पेशियंस सहयाद्रिका वी. बी. श्रीक, हरीश, दन्तास एवं सुजानपाल, फाइटोटैक्सा 207(3):292.2015. (बालसेमिनेसी)

बालसम कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के पलक्कड़ जनपद में सहयाद्री, चेम्बोट्टी, सायलेंट वैली से 980 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) एवं समप्ररूप सीएएलआई एवं एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल पश्चिमी घाट के सहयाद्री पर्वत के नाम पर आधारित है।

Impatiens sahyadrica V.B. Sreek., Hareesh, Dantas & Sujanalpal, Phytotaxa 207(3): 292. 2015. (BALSAMINACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Sahyadri, Chembotti, Silent Valley, Palakkad district of Kerala, India at 980m altitude. The holotype is deposited in Forest Research Institute, Peechi (KFRI) and isotypes are in CALI, and MH. The specific epithet refers to the type locality, Sahyadri hills of Western Ghat.

इम्पेशियंस शशिधरानाई के. एम. पी. कुमार, ओमलश्री, हरीश एवं वी. बी. श्रीक., फाइटोटैक्सा 238(3):255.2015. (बालसेमिनेसी)

बालसम कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के पलक्कड़ जनपद से नेल्लियामपाथी, माट्टूमाला से 550 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप सेन्टर फॉर मेडिसिनल प्लांट रिसर्च, केरल (सीएमपीआर) एवं समप्ररूप सीएएलआई, एमएच एवं सीएटीएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय पादप वर्गिकी विशेषकर केरल की वनस्पतिजात पर उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉ. एन. शशिधरण के सम्मान में किया गया है। आईयूसीएन की वर्तमान श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर इस जाति को संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens sasidharanii K.M.P. Kumar, Omalsree, Hareesh & V.B. Sreek., Phytotaxa 238(3):255.2015. (BALSAMINACEAE)



This new species has been discovered and described based on the collections made from Maattumala, Nelliampathy, Palakkad district of Kerala, India at 550m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Centre for Medicinal Plants Research (CMPR) and isotypes are in CALI, MH and CATH. The species is named after Dr. N. Sasidharan for his immense contribution to the Indian plant taxonomy especially on the flora of Kerala. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Endangered.

इम्पेशियंस सियांगेन्सिस गगोई, फाइटोटैक्सा 192(2):117.2015. (बालसेमिनेसी)

बालसम कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जनपद में पासीघाट एवं अलोंग के मध्य से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एसएसएसएम एवं एआरयूएन में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थल सियांग घाटी के नाम पर आधारित है। आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर इस जाति को अल्प महत्व (एल सी) श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens siangensis Gogoi, Phytotaxa 192(2):117.2015. (BALSAMINACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from the locality between Pasighat and Along, East Siang District of Arunachal Pradesh, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in ARUN and ASSAM. The specific epithet refers to the type locality 'Siang Valley'. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Least Concern.

इस्काईमम कसारगोडेन्सिस दिलीप एवं जी. जी. नायर, एनल्स प्ला. साई. 4(10):1199.2015. (पोऐसी)

घास कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के कासरगोड़ जनपद में मैंगलोर मार्ग, बडियादुक्का से 250 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय (सीएएलआई) एवं समप्ररूप सीएमपीआर एवं केएफआरआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण केरल में इसके प्राप्ति स्थान कसरगोड़ के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार आंकड़े अपूर्ण (डीडी) श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।



Ischaemum kasaragodensis Dileep & G.G.Nair, Annals Pl. Sc. 4(10):1199.2015. (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Badiyadukka, on the way to Mangalore, Kasaragod District of Kerala, India at 250m altitude. The holotype is deposited in Department of Botany, Calicut University, (CALI) and isotypes are in CMPR and KFRI. The specific epithet is named after the type locality 'Kasaragod' in Kerala. As per the current IUCN criteria it has been categorized as 'Data Deficient'.

जस्टिसिया शिवादसनई सुनील, के. एम. पी. कुमार एवं नवीन कुमा., क्यू बुलेटिन 70:55.2015. (एकन्थेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के एर्नाकुलम जनपद में थुंडाथील वन रेंज, भूथाथन्केट्टू से 50 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप सीएमपीआर, सीएएलआई एवं सीएटीएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण किंग सऊदी विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. एम. शिवादसन के सम्मान में उनके द्वारा आवृतबीजीय पौधों की वर्गिकी पर दिये गये योगदान हेतु किया गया है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Justicia sivadasanii Sunil, K.M.P. Kumar & Naveen Kum., Kew Bulletin 70:55. 2015. (ACANTHACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Bhuthathankettu, Thundathil Forest Range, Ernakulam District of Kerala, India at 50m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern

Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in CMPR, CALI, and CATH. The species is named after Dr. M. Sivadasan, Professor at the King Saudi University, for his outstanding contribution to the field of angiosperm taxonomy. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Critically Endangered.



क्यूफ्रेरिया प्रिंगलाई डी. मैती एवं सेन्टू के. दे, ईडनबर्ग ज. बॉट. 72(3): 429.2015. (जेन्शिएनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के सिक्किम राज्य के नार्थ सिक्किम जनपद के कालापत्थर, मुगूथांग झील से 4400 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय (सीयूएच) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण रॉयल वनस्पति उद्यान, हैमिल्टन ओंटारियो के पादप वर्गीकरण वैज्ञानिक डॉ. जेम्स एस. प्रिंगले के सम्मान में एनकी जेन्शियाना वंश पर विशेषज्ञता को देखते हुये किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार "अति संकटग्रस्त श्रेणी" में मूल्यांकित किया गया है।



Kuepferia pringlei D. Maity & Sentu K. Dey, Edinburgh J. Bot. 72(3):429.2015. (GENTIANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from the locality above Kalapathar, near Muguthang Lake, North Sikkim district of Sikkim, India at 4400m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Botany Department, Calcutta University, Kolkata (CUH) and isotypes are in CAL. The specific epithet is given in honour of Dr. James S. Pringle, Plant Taxonomist, Royal Botanical Garden, Hamilton, Ontario, for his expertise on Gentiana. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Critically Endangered.

मैलाक्सिस निलगिरियेन्सिस टी. मुथूक., ए. राजेन्द्रन, प्रीयाध एवं सरवल., वेबिया 70(1):65.2015. (आर्किडेसी)

आर्किड कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के तमिलनाडु राज्य के निलगिरी जनपद में मुकुर्थि राष्ट्रीय उद्यान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप बीयूएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके संग्रहण जनपद निलगिरी के नाम पर आधारित है।

Malaxis nilgiriensis T. Muthuk., A. Rajendran, Priyadh & Sarval., Webbia 70(1): 65. 2015. (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from the Mukurthi National Park, Nilgiri District, Tamil Nadu India. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in BUH. The species is named after Nilgiri district, from which type was collected.

मेमिसायलोन कुरुचियारेन्सिस सिवु, अवस्थी. पी एवं एन. एस. प्रदीप, इंट. ज. एडवा. रिस. 3(10):1086.2015. (मिलास्टोमैटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के वायनाड जनपद में कुरुचियारमाला शोला वन, पश्चिमी घाट से 1436मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, जवाहर लाल नेहरू, ट्रापिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण पश्चिमी घाट में जाति के प्ररूप प्राप्ति स्थल कुरुचियारमाला के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन की सूची में "आंकड़े अपूर्ण श्रेणी" में रखा गया है।

Memecylon kurichiarensis Sivu, Awasthi. P & N. S. Pradeep, Int. Jour. Adv. Res. 3(10): 1086. 2015. (MELASTOMATACEAE).

This new species has been discovered and described based on the collections made from the Kurichiarmala shola forest, Wayanad District, Western Ghats, Kerala, India at 1436m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Thiruvananthapuram (TBGT) and isotypes are in MH. The specific epithet denotes the type locality, Kurichiarmala of Western Ghats. As per current IUCN criteria, the species is treated here as 'Data Deficient'.

मुरडानिया स्पाईराटा प्रभेद **फ्लेवेन्थेरा** नंदीकर एवं गौरव, फाइटोडायवर्सिटी 2(1):93.2015. (कोमेलिनेसी)



इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन ओडिशा राज्य के पुरी जनपद में 10 मी. की ऊँचाई पर निमापड़ा से पिपीली के मध्य प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में एवं समप्ररूप बीएलएटीटी, बीएसआई, सीएएलआई, एसयूके एवं यूएस में संग्रहित किया गया है। वर्तमान आईयूसीएन मापदंड के आधार पर इस प्रभेद को "आँकड़े अपूर्ण (डीडी)" श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Murdania spirata var. **flavanthera** Nandikar & Gurav., Phytodiversity 2(1):93.2015. (COMMELINACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collections made on way from Nimapada to Pipili, in Puri district, Orissa, India at 10m altitude. The holotype are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BLATT, BSI, CALI, SUK and US. According to current IUCN status this variety is treated as Data Deficient(DD).

ओबेरोनिया मणिपुरेन्सिस चौलु, नंदा, ए. एन. राँव, एंजैला, विश्वजीत एवं अकिमपोउ, नार्डिक ज. बॉट. 33:42.2015. (आर्किडेसी)



आर्किड कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के मणिपुर राज्य के तामेंगलोंग जनपद में तामेंगलोंग से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय भारतिय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीओजीसीईएचआर, हेंगबंग मणिपुर में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके संग्रहण राज्य मणिपुर के नाम पर आधारित है।

Oberonia manipurensis Chowlu, Nanda, A.N. Rao, Angela, Bishwajit & Akimpou, Nordic J. Bot.33:42.2015. (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Tamenglong, Tamenglong District of Manipur, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in COGCEHR. The species is named after the state Manipur, from where the species was collected.

ओल्डेनलैन्डिया दिनेशाई सोजन एवं वी. सुरेश, क्यू बुलेटिन 70:13.2015. (रुबिऐसी)

मंजिस्टा कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के पलक्कड़ जनपद में नेममारा से 130 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय (सीएएलआई) एवं समप्ररूप सीएमपीआर, केएफआरआई एवं एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण सेवानिवृत्त प्रो. टी. के. दिनेश कुमार, यूनिवर्सिटी कालेज, तिरुवनंतपुरम के सम्मान में किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Oldenlandia dineshii Sojan & V. Suresh, Kew Bulletin 70:13.2015. (RUBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Nemmara, Palakkad District of Kerala, India at 130m altitude. The holotype is deposited in Herbarium, Department of Botany, Calicut University (CALI) and isotypes are CMPR, KFRI and MH. The species is named after Retd. Prof. T.K. Dinesh Kumar, University College, Thiruvananthapuram, Kerala. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Endangered.



ओफियोराईजा सहयाद्रीयेन्सिस हरीश, वी. बी. श्रीक एवं कै. एम. पी. कुमार, फाइटोटैक्सा 202(3):219..2015. (रुबिऐसी)

मंजिस्टा कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के पलक्कड जनपद में वलक्कड, सायलेंट वैली से 1100मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप वन पारिस्थितिकी एवं जैवविविधता संरक्षण संवर्ग, केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) एवं समप्ररूप सीएएलआई, सीएमपीआर, केएफआरआई एवं एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्ररूप प्राप्ति स्थल सहयाद्री पहाड़ी के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार आंकड़े अपूर्ण (डीडी) श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Ophiorhiza sahyadriensis Hareesh, V.B. Sreek. & K.M.P. Kumar, Phytotaxa 202(3): 219. 2015. (RUBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Walakkad, Silent Valey, Palakkad District of Kerala, India at 1100m altitude. The holotype is deposited in Forest Ecology and Biodiversity Conservation Division, Kerala Forest Research Institute, Peechi (KFRI) and isotypes are CALI, CMPR, KFRI and MH. The specific epithet is named after the type locality Sahyadri Hills, Western Ghats. As per the current IUCN criteria it has been categorized as 'Data Deficient'.

पेन्निलाबियम लावण्यायेनम सी देवरी, एन. ओड्यो एवं ए. ए. माओ, गार्ड. बुल. सिंगापुर 67(1):143..2015. (आर्किडेसी)

आर्किड कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के मेघालय राज्य के ईस्ट खासी हिल्स जनपद में लाइक्रिहॉग, स्मीथ से 5 किमी. दूर से 1753मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय



राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एसएसएसएम में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण मुख्य लेखक की माता स्व. लावण्या देवरी के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार "अल्प महत्व श्रेणी" में मूल्यांकित किया गया है।

Pennilabium labanyaeanum C. Deori, N.Odyuo & A.A. Mao, Gard. Bull. Singapore 67(1):143.2015. (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Laitkyrhong, 5km from Smith, East Khasi Hills District of Meghalaya, India at 1753m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in ASSAM. The specific is named in memory of Late L. Labanya Deori mother of the first author. As per the current IUCN criteria it has been categorized as "Least Concern".

रोडोडेन्ड्रॉन मेछुकाई ए.ए. माओ एवं ए. पॉल, ईडनबर्ग ज. बॉट. 70(1):57..2013. (इरिकेसी)

बुरांश वंश की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जनपद में मेछुका से योरलुंग के मध्य से 2436मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एआरयूएन एवं वानिकी विभाग, उत्तर पूर्व क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्ररूप प्राप्ति स्थान के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार "अति संकटग्रस्त श्रेणी" में मूल्यांकित किया गया है।



Rhododendron mechukae A.A.Mao & A.Paul, Edinburgh J. Bot. 70(1): 57. 2013. (ERICACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Mechuka to Yournalung, West Siang District of Arunachal Pradesh, India at an altitude of 2436m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in ARUN and Department of Forestry, North Eastern Regional Institute of Science and Technology, Nirjuli, Arunachal Pradesh. The species is named after its type locality. As per the current IUCN criteria it has been categorized as "Critically Endangered".



रोडोडेन्ड्रॉन स्फुडोमददेनाई ए.ए. माओ एवं एम. भौमिक, ईडनबर्ग ज. बॉट. 72(2):209.2015. (इरिकेसी)

बुरांश वंश की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जनपद में योरलुंग से लामांग के मध्य से 3000मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एआरयूएन एवं एसएसएसएम में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी समानता *रोडोडेन्ड्रॉन मददेनाई* हुक एफ., से होने पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर "अल्प महत्व श्रेणी" में मूल्यांकित किया गया है।



Rhododendron pseudomaddenii A.A.Mao & M. Bhaumik, Edinburgh J. Bot. 72(2): 209.2015. (ERICACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Yourlung to Lamang, West Siang District of Arunachal Pradesh, India at 3000m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are ARUN and ASSAM. The specific epithet denotes its close resemblance to *Rhododendron maddenii* Hook. f., As per the current IUCN criteria it has been categorized as Least Concern.

रोडोडेन्ड्रॉन तितापुरेन्से ए.ए. माओ, कै. एन. ई. कोक्स एवं डी. एफ. चैम्ब, प्लांट्समैन 26.2013. (इरिकेसी)

बुरांश वंश की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के अंजाब जनपद में हनुमान शिविर, यांग-सांग घाटी से 2350मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय,

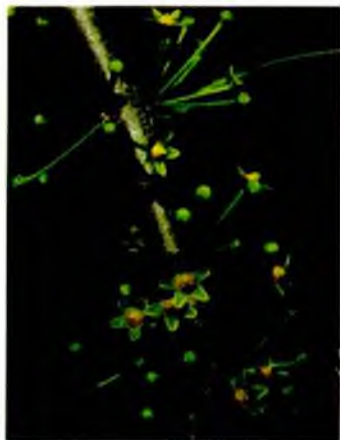


भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण धार्मिक महत्व की झील तितापुरी, जो तिब्बती धर्मस्थल पेमाको का हिस्सा है, के नाम पर आधारित है।

Rhododendron titapuriense A.A. Mao, K.N.E. Cox & D.F. Chamb, Plantsman 26.2013. (ERICACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from the locality near Hanuman Camp, Yang Sang valley, Anjaw District of Arunachal Pradesh, India at 2350m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and BSI. The specific epithet is named after sacred lakes Titapuri, which is a part of the Tibetan pilgrimage region of Pemako.

सलासिया वायनाडिका सुजाना, नागराजू, रथिश एवं अनिल कुमार, ताईवानिया 60(2):91.20185. (सिलास्ट्रेसी)



सप्तरंगी वंश की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के कर्ल राज्य के वायनाड जनपद में चंदानाथोदे, पेरिया से 853मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी प्राप्ति वायनाड जनपद में होने पर आधारित है।

Salacia wayanadica Sujana, Nagaraju, Ratheesh & Anil Kumar, Taiwania 60(2):91.2015. (CELASTRACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Chandanathode, Periya, Wayanad District of Kerala, India at 853m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are MH. The species is named after the type locality, Wayanad District of Kerala.

स्कूरुला परमजीताई एल. जे. सिंह, ताईवानिया 60(3):123.2015. (लोरेन्थासी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में मध्य अंडमान जनपद अंडमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी) अतिथि गृह, रानाघाट से 105मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पीबीएल में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक डॉ. परमजीत सिंह के सम्मान में उनके द्वारा भारतीय वनस्पतिजात में दिये गये उल्लेखनीय योगदान हेतु किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर "संवेदनशील (वीयू)" श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Scurrula paramjitii L.J. Singh, Taiwania 60(3):123.2015. (LORANTHACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made near APWD Guest House, Ranghat, Middle Andaman District of Andaman & Nicobar Islands, India at 105m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in PBL. The species is named in honour of Dr. Paramjit Singh, Director, Botanical Survey of India, Kolkata, for his significant contribution to Indian flora. As per the current IUCN criteria it has been categorized as "Vulnerable (VU)".

सोनेरेला गाडगिलियाना रथिश एवं शिवदासन, बांग्लादेश ज. प्लांट. टैक्सॉन. 22(1):9.2015. (मेलस्टोमैटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के कर्ल राज्य के वायनाड जनपद में वनसुरामाला से 1700मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप टीबीजीटी एवं एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्रसिद्ध भारतीय पारिस्थितिकीय विज्ञानी प्रो. माधव धनंजय गाडगिल के सम्मान में उनके द्वारा पश्चिम घाट के संरक्षण में किये गये उल्लेखनीय योगदान हेतु किया गया है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर "आंकड़े अपूर्ण (डीडी)" श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Sonerila gadgiliana Ratheesh & Sivadasan, Bangladesh J. Plant Taxon. 22(1):9.2015. (MELASTOMATACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Banasuramala, Wayanad District of Kerala, India at 1700m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in TBGT and MH. The species is named in honour of Prof. Madhav Dhananjaya Gadgil, a renowned Indian ecologist, for his valuable contribution in ecology and conservation of Western Ghat Biodiversity. As per the current IUCN criteria it has been categorized as 'Data Deficient'(DD)

सोनेरेला कॅरलेन्सिस दिप्थीकुमा. एवं पांडुर., टेप्रोबैनिका 6(2):72.2014. (मेलैस्टोमैटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के वायनाड जनपद में थिरुनेल्ली से 1000मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, जवाहर लाल नेहरू ट्रॉपिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य केरल के नाम पर आधारित है। इसे वर्तमान आईयूसीएन की श्रेणी एवं मापदंड के आधार पर "संकटग्रस्त श्रेणी" में मूल्यांकित किया गया है।

Sonerila keralensis Deepthikum. & Pandur., Taprobanica 6(2):72.2014. (MELASTOMATACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Thirunelli, Wayanad District of Kerala, India at 1000m altitude. The holotype is deposited in Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute Herbarium, Thiruvananthapuram (TBGT) and isotypes are in MH. The specific epithet refers to Kerala state from where the species was collected. As per the current IUCN criteria it has been categorized as 'Vulnerable' (VU).

सोनेरेला व्यथीरेन्सिस रथिश, नंदकुमार एवं सुजाना, एनल्स प्लांट साइ. 3(11):863.2014. (मेलैस्टोमैटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के केरल राज्य के वायनाड जनपद में वायथिरी पहाड़ी से 110मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएल) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थल वायथिरी घाट के नाम पर आधारित है।

Sonerila vythiriensis Ratheesh, Nandakumar & Sujana, Annals Plant Sc. 3(11):863. 2014.

(MELASTOMATACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Vythiri hills, Wayanad District of Kerala, India at 110m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in MH. The specific epithet is refers to the type locality Vythiri Ghats, Wayanad District of Kerala.

स्टील्लेरिया देवेन्द्राई पुसालकर एवं एस. के. श्रीवास्त., नार्डिक ज. बॉट. 33(4): 385.2015. (कैरियोफायलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के उत्तराखण्ड राज्य के रुद्रप्रयाग जनपद में फाटा-त्रिजुगीनारायण, गढ़वाल मण्डल से 2000मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) एवं समप्ररूप बीएसडी एवं सीएल में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण लेखक के गुरु एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह के सम्मान में किया गया है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में अमूल्यांकित श्रेणी में रखा गया है।

Stellaria devendrae Pusalkar & S.K. Srivast., Nordic J. Bot. 33(4): 385. 2015. (CARYOPHYLLACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Phata-Trijuginarayan, Rudraprayag District, Garhwal Division of Uttarakhand, India at 2000m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Northern Regional Centre, Botanical Survey of India, Dehradun (BSD) and isotypes are in BSD and CAL. The species is named in honour of Dr. Devendra Kumar Singh, authors' teacher and former Scientist of Botanical Survey of India. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Not Evaluated.



स्टीगा कमलाई ओमलश्री, के. एम. प्रभु, एम. साबू एवं सुनोज कुमार, फाइटोटैक्सा 212(2):163.2015. (ओरोबोन्केसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के तमिलनाडु राज्य कोयम्बटूर जनपद में भरतियार विश्वविद्यालय प्रांगण से 450मी.



की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय (सीएलआई) एवं समप्ररूप एमएच एवं सीएलआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण न्यूयार्क स्टेट विश्वविद्यालय, ओस्वीगो के प्रो. कमल मोहम्मद के सम्मान में उनके द्वारा पादप वर्गिकी पर दिये गये योगदान हेतु किया गया है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में आंकड़े अपूर्ण (डीडी) श्रेणी में रखा गया है।

Striga kamalii Omalsree, K.M. prabhu, M.Sabu & Sunojkumar, Phytotaxa 212(2):163.2015. (OROBANCHACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Bharathiar University Campus, Coimbatore District of Tamil Nadu, India at 450m altitude. The holotype is deposited in Herbarium, Department of Botany, Calicut University (CALI) and isotypes are in MH and CALI. The species is named in honour of Prof. Kamal Mohamed, State University of New York, Oswego for his valuable contribution in the field of Plant taxonomy. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Data Deficient (DD)

स्वेर्शिया रविन्द्राई शाहीना एवं नाम्पी, फाइटोटैक्सा 195(1):44.2015. (जेन्शियानेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के कर्नाटक राज्य चिकमंगलूर जनपद में बाबूदान पहाड़ी से 1895मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय (सीएलआई) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्रो. के. रविन्द्र कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, श्री व्यासा एन एस एस कॉलेज, वादाकानचरी के सम्मान में किया गया है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

Swertia raveendrae Shahina & Nampy, Phytotaxa 195(1): 44.2015.(GENTIANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Babudan hills, Chickmagalur District of Karnataka, India at 1895m altitude. The holotype is deposited in Herbarium, Department of Botany, Calicut University (CALI) and isotypes are in MH. The species is named after Prof. K. Raveendra Kumar, Former Head, Department of Botany, Sri Vyasa N.S.S. College, Wadakanchery. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Vulnerable.

थैम्नोकैलेमस अरुणाचलेन्सिस नैथानी, इंडियन फॉरे. 141(5):588.2015. (पोएसी)

घास कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश में वेस्ट सियांग जनपद में सेगोंग, माछुका से 1800मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (डीडी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य अरुणाचल प्रदेश के नाम पर आधारित है।

Thamnocalamus arunachalensis Naithani, Indian For. 141(5):588.2015. (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Segong, Machuka, West Siang District of Arunachal Pradesh, India at 1800m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Forest Research Institute, Dehradun (DD). The species is named after state of its occurrence Arunachal Pradesh.

ट्राइपोगोन इदुक्कीऐनस सुनील एवं प्रदीप., फाइटोटैक्सा 202(4):294.2015. (पोऐसी)

घास कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के कर्ल राज्य में इदुक्की जनपद के रामाक्कलमेदु से 1500मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, रॉयल वनस्पति उद्यान, क्यू (कै) एवं समप्ररूप सीएएलआई एवं एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति जनपद के नाम पर आधारित है।

Tripogon idukkianus Sunil & Pradeep., Phytotaxa 202 (4):294.2015. (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Ramakkalmedu, Idukki District of Kerala, India, at 1500m altitude. The holotype is deposited in herbarium, Royal Botanic Gardens, Kew (K) and isotypes are in CALI and MH. The species is named after the district of its occurrence.

ट्राइपोगोन महेन्द्रागिरीऐन्सिस चोर्गे, संगीता दे, के. प्रसाद, प्रसन्ना एवं वाई. वी. रॉय, नॉर्डिक ज. बॉट. 33(6):655.2015. (पोऐसी)

घास कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के ओडिशा राज्य में गजापति जनपद के महेन्द्रगिरी पर्वत से 1478मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद (बीएसआईडी) एवं समप्ररूप सीएएल संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल महेन्द्रगिरी पर्वत के नाम पर आधारित है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में "आंकड़े अपूर्ण (डीडी)" श्रेणी में रखा गया है।



Tripogon mahendragiriensis Chorghe, Sangita Dey, K.Prasad, Prasanna & Y.V.Rao, Nordic J. Bot. 33(6):655.2015. (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Mahendragiri Hills, Gajapati District of Odisha, India at 1478m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Deccan Regional Centre, Hyderabad (BSID) and isotypes are CAL. The species is named after the type locality, Mahendragiri Hills, in Gajapati District of Odisha. As per the current IUCN criteria it has been categorized as "Data Deficient (DD)".

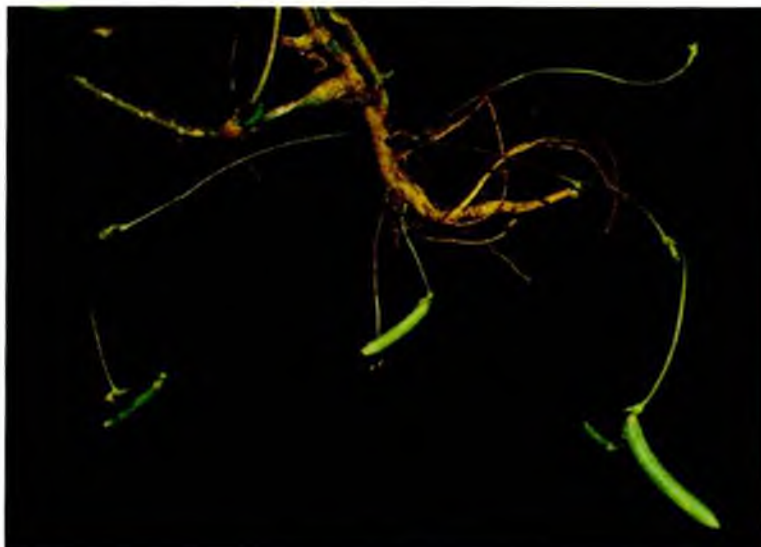
वेरनोनिया कन्निकाट्टेनेंसिस टी. जे. एस. राजाकुमार, आर. सेल्वाकुमारी, एस. मुरुगैसन एवं एन. चेल्लापेरुमल, इंडियन ज. फॉरेस्ट्री, 38(3):269.2015. (ऐस्ट्रेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के तमिलनाडु राज्य में तिरुलेनवल्ली जनपद के काल्लिवरपुलमोत्ताई निकट कान्निकट्टी, कलिवरपुलमोत्ताई वॉच टॉवर एवं मोटबुकुझिवायल निकट कोथियार से 1000-1200मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप जेसीएच संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल कान्निकट्टी आरक्षित वन क्षेत्र, तिरुलेनवल्ली जनपद के नाम पर आधारित है।

Vernonia kannikattiensis T.J.S. Rajakumar, R. Selvakumari, S. Murugesan & N. Chellaperumal, Indian J. Forestry 38(3):269.2015. (ASTERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Kallivarpulmottai near Kannikatti, Kallivarpulmottai Watch Tower and Motbukuzhivayal near Kothaiyar, Tirunelveli District of Tamil Nadu, India at 1000-1200m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in JCH. The species is named after its type locality, Kannikatti Reserve Forests, Tirunelveli District.

विगना पान्डेयाना आर. डी. गौर, एस. पी. गायकवाड़ एवं एस. डी. रणदीव, बायोडायवर्सिटी डाटा जर्नल 3:3ई4606.2015. (फेबेसी)
मटर कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के महाराष्ट्र राज्य में सतारा जनपद के चाकलेवाडी, सह्याद्री श्रृंखला से 1050मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआई, के एवं एसयूके में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. ए. के. पांडे के सम्मान में पादप वर्गिकी में उनके उल्लेखनी योगदान पर आधारित है।



Vigna pandeyana R.D. Gore, S.P. Gaikwad & S.D. Randive, Biodiversity Data Journal 3:e4606.2015. (FABACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from the locality near Chalkewadi, Sahyadri range, Satara District of Maharashtra, India at 1050m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSI, K and SUK. The species named after Prof. A.K. Pandey, Department of Botany, Delhi University for his valuable contribution to the Plant taxonomy.

जिन्जिबर बिपिनियेनम डी. के. रॉय, डी. वर्मा, ए. डी. तालुकदार एवं एम. दत्ता चौधरी, ज. जैपन. बॉट. 90.298.2015. (जिंजिबेरेसी)



हल्दी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के मेघालय राज्य में साउथ गारो हिल जनपद के टेप्टीपा, बालपकराम राष्ट्रीय उद्यान, हाटिसिया बीट से 257मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिक डॉ बिपिन कुमार सिन्हा के सम्मान में उनके द्वारा उत्तर पूर्वी भारत में पादप वर्गिकी पर दिये योगदान हेतु किया गया है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में "आंकड़े अपूर्ण (डीडी)" श्रेणी में रखा गया है।

Zingiber bipinianum D.K.Roy, D. Verma, A.D. Talukdar & M.Dutta Choudhury, J. Jpn. Bot. 90.298.2015. (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Teptepa, Balpakram National Park, Hatisia Beat, South Garo Hills District of Meghalaya, India at 257m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The species is named after Dr. Bipin Kumar Sinha, Scientist, Botanical Survey of India, for contribution in to plant taxonomy of North East India. As per the current IUCN criteria it has been categorized as "Data Deficient (DD)".

जिन्जिबर मिजोरामेन्सिस राम.कुमार, सुशील के. सिंह एवं एस शर्मा, फाइटोटैक्सा 233(1):080.2015. (जिंजिबेरेसी)

हल्दी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के मिजोरम राज्य में चम्फाई जनपद के मुरलिन राष्ट्रीय उद्यान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है।

Zingiber mizoramensis Ram. Kumar, Sushil K. Singh & S. Sharma, Phytotaxa 233(1): 080. 2015. (ZINGIBERACEAE)



This new species has been discovered and described based on the collections made from Murlen National Park, Champhai District of Mizoram, India. The holotype is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The species is named after the name of the state from where it is collected.

जिन्जिबर मुरलेनिका राम कुमार, सुशील के. सिंह, एवं एस शर्मा, फाइटोटैक्सा 233(1):080.2015. (जिंजिबेरेसी)

हल्दी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के मिजोरम राज्य में चम्फाई जनपद के मुरलिन राष्ट्रीय उद्यान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल मुरलिन राष्ट्रीय उद्यान के नाम पर आधारित है।

Zingiber murlenica Ram. Kumar, Sushil K. Singh & S. Sharma, Phytotaxa 233(1): 080. 2015. (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Murlen National Park, Champhai District of Mizoram, India. The holotype is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The specific epithet is chosen after the type locality, Murlen National Park.





नवीन प्रभेद / NEW VARIETY

इम्पेशियंस शशिधरानाई प्रभेद हिरसुटा के. एम. पी. कुमार, ओमलश्री, हरीश एवं वी. बी. श्रीक, फाइटोटैक्सा 238(3):255.2015. (बालसेमिनेसी)

बालसम कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के कर्णल राज्य के पलक्कड़ जनपद में मिन्नामपारा, नेल्लियामपाथी से 550मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल-प्ररूप सेन्टर फॉर मेडिसिनल प्लांट रिसर्च (सीएमपीआर) एवं समप्ररूप सीएएलआई, एमएच एवं सीएटीएच में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके डंठल, तने एवं पुष्पीय अंगों की दिर्घलोमी (हिरसूट) संरचना पर आधारित है। इस प्रभेद को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है।



Impatiens sasidharanii var. hirsuta K.M.P. Kumar, Omalsree, Hareesh & V.B.Sreek., Phytotaxa 238(3):255.2015. (BALSAMINACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collections made from Minnampara, Nelliampathy, Palakkad District of Kerala, India at 550m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Centre for Medicinal Plants Research (CMPR) and isotypes are in CALI, MH and CATH. The varietal epithet refers to the hirsute nature of the pedicel, stem and floral parts. As per the current IUCN criteria it has been categorized as 'Endangered'.

मेलिनेरिया प्राइनियाना देव प्रभेद जोसेफाई डी. के. रॉय, डी. वर्मा एवं ए. डी. तालुकदार, ज. जैप. बॉट 90(1):61.2015. (हायपोक्सिडेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जनपद में नमडाफा से 475मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके संग्रहकर्ता जे. जोसेफ के नाम पर आधारित है।

Molineria prainiana Deb var. **josephii** D.K.Roy, D.Verma & A.D. Talukdar, J. Jap. Bot. 90(1):61.2015. (HYPOXIDACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collections made from Namdapha, Changlang District of Arunachal Pradesh, India at 475m altitude. The holotype and isotypes are deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The varietal epithet is named after J. Joseph, collector of the specimens.

राइजोफोरा मुक्रोनाटा प्रभेद आलोकई पी. राघवन, फाइटोकीज 52:95.2015. (राइजोफोरेसी)

इस नवीन मैन्ग्रोव प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के अंडमान एवं निकोबार के नार्थ अंडमान, अस्टीन ग्रीक में मैन्ग्रोव वन से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण डॉ. आलोक सक्सेना, प्रधान मुख्य वन संरक्षक के सम्मान में उनके द्वारा मैन्ग्रोव वनों के संरक्षण पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में "आंकड़े अपूर्ण श्रेणी" में रखा गया है।



Rhizophora mucronata var. alokii P. Ragavan, Phytokeys 52:95.2015. (RHIZOPHORACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collections made from Austin Creek, mangrove forest, North Andaman, India. The holotype is deposited in herbarium of Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The variety is named in honour of Dr. Alok Saxena, Principal Chief Conservator of Forests, for his outstanding contribution to mangrove conservation in A & N Islands. As per the current IUCN criteria it has been categorized as "Data Deficient (DD)".

स्केलेरिया नेसाई कुंथ प्रभेद **गदचिरोलीयेन्सिस** गोवेकर, सरदेसाई एवं कहाल्कर, ताईवानिया 60(4):181.2015. (सायपरेसी)

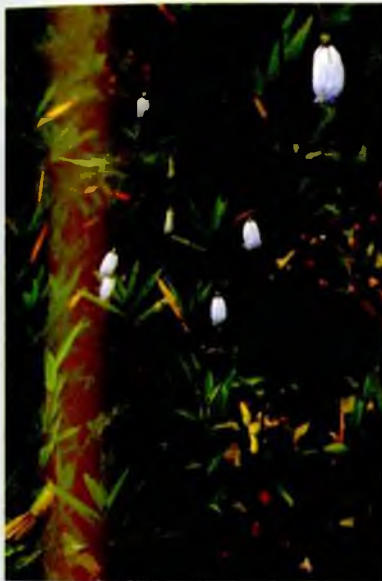
इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के महाराष्ट्र के गदचिरोली जनपद में कोटागुडम, अहेरी से 150मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआई, बीएएमयू एवं एमएच में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके प्राप्ति जनपद के नाम पर आधारित है।

Scleria neesii Kunth var. **gadchiroliensis** Govekar, Sardesai & Kahalkar, Taiwania 60(4):181. 2015. (CYPERACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collections made from Kotagudam, Aheri, Gadchiroli district of Maharashtra, India at 150m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSI, BAMU and MH. The variety is named after district of its occurrence.

नवीन उप-जाति / NEW SUB-SPECIES

एडिनोफोरा कैप्पिलैरिस हैमस्ले उप जाति **डूजूकोऐन्सिस** ए.ए. माओ, नंदिता शर्मा एवं डी. के. रॉय, प्लीयोनी 9(1):211. 2015. (कम्पैनुलेसी)



इस नवीन उप जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के नागालैंड राज्य में डूजूकु घाटी से 2400–2700मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस उप जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किया गया है। इस उप जाति का नामकरण इसकी प्राप्ति डूजूको घाटी से होने पर आधारित है। इस उप जाति को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में अमूल्यांकित श्रेणी में रखा गया है।

Adenophora capillaris Hemsley subsp. **dzukoensis** A.A. Mao, Nandita Sharma & D.K. Roy, Pleione 9(1):211.2015. (CAMPANULACEAE)

This new subspecies has been discovered and described based on the collections made from Dzukou valley, Nagaland, India at 2400-2700m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and isotypes are in CAL. The new taxon is named in reference to its type locality, Dzukou valley in Nagaland. As per the current IUCN criteria it has been categorized as Not Evaluated.

कैस्सियोपी फेस्टीजियाटा (वाल.) डी. डन उप जाति **सेन्नीकोवाई** डी. मैती, फेडस रिपोर्ट, 125:72.2014. (इरीकेसी)

इस बुरांश वंश की इस नवीन उप जाति का अन्वेषण तथा वर्णन भारत के सिक्किम राज्य में कालापत्थर एवं मुगुथांग से 4300–4800मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस उप जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय (सीयूएच) एवं समप्ररूप सीएएल एवं सीयूएच में संग्रहित किया गया है। इस उप जाति का नामकरण प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, हेलन्सकी विश्वविद्यालय, फिनलैंड के एन. सेन्निकोव के सम्मान में किया गया है। इस उप जाति को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में "अल्प महत्व श्रेणी" में रखा गया है।



Cassiope fastigiata (Wall.) D. Don subsp. **sennikovii** D. Maity, Feddes Repert. 125:72.2014. (ERICACEAE)

This new subspecies has been discovered and described based on the collections made from the locality between Kalapathar and Muguthang, Sikkim, India at 4300-4800m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Botany Department, Calcutta University (CUH) and isotypes are in CAL and CUH. The subspecies is named after Alexander N. Sennikov, Museum of Natural History, University of Helsinki, Finland. As per the current IUCN criteria it has been categorized as "Least Concern".



नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTION RECORDS

जाति / SPECIES

एस्काईनेन्थस अंगुस्तीओब्लोन्गस डब्ल्यू. टी. वांग (जेसनेरीऐसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस अधिपादपीय शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के तिरप, चांगलांग एवं नागालैंड के कोहिमा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सुदेशना दत्ता, टी. के. पॉल एवं बी. के. सिन्हा के द्वारा फाइटोटैक्सोनॉमी 14:23.2014 में प्रकाशित किया गया है।

Aeschynanthus angustiolongus W.T. Wang (GESNERIACEAE)

This epiphytic herb, earlier known from China, has been reported for the first time from India based on the collection made from Tirap, Changlang of Arunachal Pradesh and Kohima, Nagaland. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Sudeshna Dutta, T.K. Pal & B.K. Sinha in Phytotaxonomy 14:23.2014.

अर्ताबोट्रिस सुवावियोलेन्स (ब्लूम) ब्लूम (एन्नोनेसी)

पूर्वतः मलेशिया, फिलिपिंस, जावा एवं इंडोनेशिया से ज्ञात इस आरोही क्षुप जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान निकोबार द्वीप समूह में ग्रेट निकोबार जैवमण्डल रिजर्व एवं एल्फा खाड़ी से 20-131मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. प्रभू, आर. साथियासेलन, एस. अरोन एवं सी. मुरुगन के द्वारा इंडी. ज. फारे. 38(2):159.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Artabotrys suaveolens (Blume) Blume (ANNONACEAE)

This climbing shrub, earlier known from Malaysia, Philippines, Java and Indonesia, has been reported for the first time from India based on the collection made from East-West Road, Great Nicobar Biosphere Reserve and Afra Bay, Andaman & Nicobar Islands at 20-131m. The specimen is deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by S. Prabhu, R. Sathiyaseelan, S. Aron & C. Murugan in Ind. J. For. 38(2):159.2015.

ब्रोमेलिया पिग्वींग लि. (ब्रोमेलिएसी)

पूर्वतः मेक्सिको से ट्रॉपिकल अमेरिका तक ज्ञात इस बहुवर्षीय, तनारहित काटेंदार लघुक्षुप जाति का पता भारत में प्रथम बार बिहार राज्य के विक्रमशिला गंगा वन्यजीव अभयारण्य, कोहालगॉव, भागलपुर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है।



जाति के प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे ओंकारनाथ मौर्य, आनंद कुमार, गोपाल कृष्णा एवं सुमन हलदार के द्वारा फाइटोडायवर्सिटी 2(1):32. 2015. में प्रकाशित किया गया है।

Bromelia pinguin L. (BROMELIACEAE)

This perennial, acaulescent prickly undershrub, earlier known from Mexico to Tropical America, has been reported for the first time from India based on the collection made from Vikramshila Gangetic Dolphin Wildlife Sanctuary, Kahalgaon, Bhagalpur, Bihar, India at 39-48m altitude. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Onkar Nath Mourya, Anand Kumar, Gopal Krishna & Suman Halder in Phytodiversity 2(1): 32. 2015.

कार्पेसियम कोर्डेटम एफ. एच. चैन एवं सी. एम. ह्यू (एस्टेरेसी)

पूर्वतः चीन एवं नेपाल से ज्ञात इस बहुवर्षीय शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य में उत्तरकाशी जनपद में कुकिनाखाल, गंगी, गढ़वाल हिमालय से 2800–3000 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे पी. के. पुसालकर एवं एस. के. श्रीवास्तव के द्वारा एनल्स फॉरे. 22(2):207.2014 में प्रकाशित किया गया है।

Carpesium cordatum F.H. Chen & C.M. Hu (ASTERACEAE)

This perennial herb, earlier known from China and Nepal, has been reported for the first time from India based on the collection made from Kukinakhali, Gangi, Uttarkashi District of Garhwal Himalaya, Uttarakhand, India at 2800-3000m altitude. The specimen is deposited in Herbarium of Northern Regional Centre, Botanical Survey of India, Dehradun (BSD). It has been published by P.K. Pusalkar & S.K. Srivastava in Ann. For. 22(2):207. 2014.

डियापेन्सिया पुरपुरिया डिल्स (डियापेन्सियेसी)

पूर्वतः भारत से अज्ञात ज्ञात इस शाक जाति का पता प्रथम बार सिक्किम राज्य के नार्थ सिक्किम जनपद में स्थित शिंग्बा रोडोडेन्ड्रॉन अभयारण्य से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालयन क्षेत्रीय केंद्र, गंगतोक (बीएसएचसी) में संग्रहित किया गया है। इसे चंदन सिंह पुरोहित के द्वारा निलुम्बो 57:56.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Diapensia purpurea Diels (DIAPENSIACEAE)



This herbaceous species has been reported for the first time from India based on the collection made from Shingba Rhododendron Sanctuary, North Sikkim, India. The specimen is deposited in Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Circle, Gangtok (BSHC). It has been published by Chandan Singh Purohit in Nelumbo 57: 56. 2015.

इलियोकैरिस एट्टेन्यूयाटा (फ्रान्च. एवं सेव.) पाल्ला (सायपेरेसी)

पूर्वतः चीन, जापान, साउथ कोरिया एवं मलेशिया से ज्ञात इस बहुवर्षीय शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार केरल राज्य में वायनाड जनपद में पश्चिमी घाट, तिरुनेल्ली से 847मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, जवाहर लाल नेहरू ट्रॉपिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम (टीबीजीटी) में संग्रहित किया गया है। इसे ए. आर. वीजी एवं ए. जी. पांडुरंगन के द्वारा एनल्स प्ला. साइंस. 3(06):752.2014 में प्रकाशित किया गया है।

Eleocaris attenuata (Franch. & Sav.) Palla (CYPERACEAE)

This perennial herb earlier known from China, Japan, South Korea and Malaysia, has been reported for the first time from India based on the collection made from Western Ghats, Thirunelli, Wayanad District of Kerala, India at 847m altitude. The specimen is deposited in Herbarium, Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute Thiruvananthapuram (TBGT). It has been published by A.R. Viji & A.G. Pandurangan in Annals Pl. Sc. 3(06):752.2014.

**इरिया मेरगुएन्सिस लिन्दल. (आर्किडेसी)**

पूर्वतः म्यांमार एवं थाईलैंड से ज्ञात इस असामान्य अधिपादपीय आर्किड जाति का पता भारत में प्रथम बार मिजोरम राज्य के चम्पाई जनपद में मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान से 1550मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. के. सिंह, रमेश कुमार, अभिशेक भट्टाचार्यजी एवं सचिन शर्मा के द्वारा टिलोपिया 18:171.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Eria merguensis* Lindl. (ORCHIDACEAE)**

This uncommon epiphytic orchid, earlier known from Myanmar and Thailand, has been reported for the first time from India based on the collection made from Murlen National Park, Champhai District of Mizoram, India at 1550m altitude. The specimen is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by S.K. Singh, Ramesh Kumar, Avishek Bhattacharjee & Sachin Sharma in Telopia 18:171.2015.

फाइकस शेफरियाना किंग (मोरेसी)

पूर्वतः सुमात्रा से ज्ञात इस लघु क्षुप अथवा लघु वृक्ष जाति का पता भारत में प्रथम बार असम राज्य के जौरहाट, होल्लंगापर में गिबबन वन्य जीव अभयारण्य एवं सोताई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, गोवाहाटी विश्वविद्यालय, गोवाहाटी (जीयूबीएच) एवं एसएसएसएम एवं सीएएल में संग्रहित किया गया है। इसे प्रिया दुंगाना, पूर्णिमा देवी एवं एस. के. बोरठाकुर के द्वारा प्लियोनी 9(2):524.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Ficus schefferiana* King (MORACEAE)**

This shrub or small tree, earlier known from Sumatra, has been reported for the first time from India based on the collection made from Sotai and Gibbon Wildlife Sanctuary, Hollongapar, Jorhat, Assam, India. The specimen is deposited in Gauhati University Herbarium, Guahati (GUBH), Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Priya Dhungana, Purnima Devi & S.K. Borthakur in Pleione 9(2): 524.2015.

जेन्शियाना मैक्रोकिना सी. मारक्वांड (जेन्शियनेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस वार्षिक शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम राज्य में 4300 मी. की ऊँचाई पर नार्थ सिक्किम जनपद में कालापत्थर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता (सीयूएच) में संग्रहित किया गया है। इसे सेन्तू कुमार दे, देवब्रत मैती एवं जेम्स एस. प्रिंग्ले के द्वारा ताईवानिया 60(4):209.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Gentiana macrauchena* C. Marquand (GENTIANACEAE)**

This annual herb, earlier known from China, has been reported for the first time from India based on the collection made from kalapathar, North Sikkim, India at 4300m altitude. The specimen is deposited in Calcutta University Herbarium (CUH). It has been published by Sentu Kumar Dey, Debabrata Maity and James S. Pringle in Taiwania 60(4):209.2015.

हेटरोटिस रोदुन्डिफोलिया (स्म.) जैक.-फेल. (मिलास्टोमैटेसी)

पूर्वतः ट्रोपिकल अफ्रिका, साइरा लियोन से अंगोला एवं अन्य दक्षिणी अमेरिकी देशों से ज्ञात इस सर्पिल शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के रंगत, कालसी एवं दिगलीपुर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया



गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे एल. जे. सिंह एवं वी. रंजन के द्वारा जियोफाइटोलॉजी 45(1):101.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Heterotis rotundifolia (Sm.) Jacq.-Fel.
(MELASTOMATACEAE)

This creeping herb, earlier known from Tropical Africa, Sierra Leone to Angola and other South American Nations has been reported for the first time from India based on the collection made from Rangat, Kalsi and Diglipur of Andaman & Nicobar Islands. The specimen is deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by L.J. Singh & V. Ranjan in Geophytology 45(1):101.2015.

हयोसाइमस अल्बस लि. (सोलेनेसी)



पूर्वतः दक्षिणी यूरोप, पश्चिमी एवं पूर्वी मेडिटेरियन क्षेत्रों एवं रूस से ज्ञात इस शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार तेलंगाना राज्य के राजेन्द्र नगर से वाई एस आर उद्यानिकी विश्वविद्यालय के हर्बल उद्यान से 555मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद (बीएसआईडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे. स्वामी, पी. एस. अन्नम्मा, के. चंद्र मोहन एवं एल राशिगम के द्वारा रिडिया 25(1):54.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hyoscyamus albus L. (SOLANACEAE)

This herb, earlier known from Southern Europe, West and East Mediterranean regions and Russia, has been reported for the first time from India based on the collection made from YSR Horticultural University Herbal Garden, Rajendra Nagar, Telangana at 555m altitude. The specimen is deposited in Herbarium of Deccan Regional Centre, Botanical Survey of India, Hyderabad (BSID). It has been published by J. Swami, P.S. Annamma, K. Chandra Mohan & L. Rasingam in Rheedea 25(1): 54.2015.

इंपेशियंस फुगोन्गेंसिस कै. एम. लियू एवं वाई. वाई. कॉंग (बालसेमिनेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस वार्षिक सरस शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली जनपद में



मायोडिया, हुनली से 2 से 3 कि.मी. आगे 2100मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे राजीव गगोई, सौरवज्योति बोराह एवं पी. सत्यनारायणा के द्वारा ज. जैप. बॉट. 90:270.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Impatiens fugongensis K.M. Liu & Y.Y. Cong (BALSAMINACEAE)

This annual succulent herb, earlier known from China, has been reported for the first time from India based on the collection made from Myodia, 2-3km ahead towards Hunli, Dibang Valley District, Arunachal Pradesh at 2100m altitude. The specimen is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by Rajib Gogoi, Souravjyoti Borah & P. Satyanarayana in J. Jpn. Bot. 90:270.2015.

इंपेशियंस यूई एस. एच. हुयांग (बालसेमिनेसी)



पूर्वतः चीन से ज्ञात इस वार्षिक सरस शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के मायोडिया, शिव मंदिर के निकट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएम) एवं एआरयूएन में संग्रहित किया गया है। इसे राजीव गगोई, सौरवज्योति बोराह एवं पी. सत्यनारायणा के द्वारा ज. जैप. बॉट. 90:272.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Impatiens yui S.H. Huang (BALSAMINACEAE)

This annual succulent herb, earlier known from China, has been reported for the first time from India based on the collection made from Myodia, near Shiv Mandir, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and ARUN. It has been published by Rajib Gogoi, Souravjyoti Borah & P. Satyanarayana in J. Jpn. Bot. 90:272.2015.

इंपेशियंस जैन्थियाना एच. एफ. कोम्बर (बालसेमिनेसी)



पूर्वतः चीन एवं म्यांमार से ज्ञात इस वार्षिक सरस शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के अजाओ जनपद में चागलागाम से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम) एवं एआरयूएन में संग्रहित किया गया है। इसे राजीव गगोई, सौरवज्योति बोराह एवं पी. सत्यनारायणा के द्वारा ज. जैप. बॉट. 90:272. 2015. में प्रकाशित किया गया है।

Impatiens xanthiana H.F. Comber (BALSAMINACEAE)

This annual succulent herb, earlier known from China and Myanmar, has been reported for the first time from India based on the collection made from Chaglagam, Anjaw District of Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and ARUN. It has been published by Rajib Gogoi, Souravjyoti Borah & P. Satyanarayana in J. Jpn. Bot. 90:272.2015.

इक्जोरा लोन्गिब्रैक्टियाटा ब्रेमेक. (रुबिएसी)



पूर्वतः बांग्लादेश से ज्ञात इस क्षुप जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के जलपाईगुड़ी जनपद में कोडालबस्ती रेंज, जल्दापारा राष्ट्रीय उद्यान, चिल्तापारा रेंज, नलराजाबड़ी एवं बनिया से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे कलियामूर्ति कार्थिगेयन एवं विल्सन एरिसडासन के द्वारा ताईवानिया 60(20):95.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Ixora longibracteata Bremek. (RUBIACEAE)

This shrubby species, earlier known from Bangladesh, has been reported for the first time from India based on the collection made from Kodalbathi Range, Jaldapara National Park, Chilapata Range, Nalrajabadi and Baniya, Jalpaiguri District, West Bengal. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Kaliyamurthy Karthigeyan & Wilson Arisdason in Taiwania 60(2): 95. 2015.

कोब्रेसिया लोलियासिया एफ. टी. वांग एवं तांग एक्स पी. सी. ली (सायपेरेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस एल्पाईन सेज जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जनपद में कानेबांग से पाओ शिविर के मध्य 3000मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे बिकास जाना, रमेश चंद्र श्रीवास्तव, अम्बरीश मुखर्जी एवं मानस भौमिक के द्वारा ज. जैप. बॉट. 90:55.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Kobresia loliacea F.T. Wang & Tang ex P.C. Li (CYPERACEAE)

This alpine sedges, earlier known from China, has been reported for the first time from India based on the collection made from Kanebang to Pao Camp, Upper Siang District, Arunachal Pradesh at 3000m altitude. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Bikash Jana, Ramesh Chandra Srivastava, Ambarish Mukherjee & Manas Bhaumik in J. Jap. Bot. 90:55. 2015.

**मेमिसायलोन कैपिटिल्लैटम लि. (मेमिसायलेसी)**

पूर्वतः श्रीलंका से ज्ञात इस लघु वृक्ष जाति का पता भारत में प्रथम बार तमिलनाडु राज्य के डिन्डीगुल जनपद के पेरियारुवी घाटी, अलागर पहाड़ी से 460मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को श्री नारायणा कालेज पादपालय, कोल्लम (सीएनसीएच) में संग्रहित किया गया है। इसे आर. कोट्टाईमुथू, एन. वासुदेवन एवं ए. सरवनन के द्वारा टैप्रोबोटैनिका 07(02):114.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Memecylon capitellatum L. (MEMECYLACEAE)

This small tree species, earlier known from Sri Lanka, has been reported for the first time from India based on the collection made from the way to Periaaruvu Valley, Alagar Hills, Dindigul District of Tamil Nadu at 460m altitude. The specimen is deposited in Sree Narayana College Herbarium, Kollam (SNCH). It has been published by R. Kottaimuthu, N. Vasudevan & A. Saravanan in Taprobotanica 07(02): 114. 2015.

रुबस सेन्गोरेन्सिस ग्रिरेसन एवं डी. जी. लॉग (रोजेसी)

पूर्वतः भूटान से ज्ञात इस शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश की दिबांग घाटी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे चांदनी गुप्ता एवं एस. एस. दाश के द्वारा निलम्बो 57:50.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Rubus sengorensis Grierson & D.G. Long (ROSACEAE)

This herb earlier known from Bhutan, has been reported for the first time from India based on the collection made from Dibang Valley, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Chandani Gupta & S.S. Dash in Nelumbo 57: 50. 2015.

सौरायूआ सिनोहिरसूटा जे. क्यू. ली. एवं सोइजार्टो (एक्टिनिडीऐसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस क्षुप अथवा लघु वृक्ष जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जनपद में गीमा नदी तट पर गारु के निकट 900मी. की ऊँचाई से एवं ईस्ट सियांग जनपद में बोलेंग से अलोंग मार्ग से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं के. पगाग के द्वारा इंडियन ज. फारेस्ट्री 38(3):259.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Saurauia sinohirsuta J.Q. Li & Soejarto (ACTINIDIACEAE)

This evergreen shrub or small tree, earlier known from China, has been reported for the first time from India based on the collection made from Gima gida river bank near Garu, West Siang District at 900m and Boleng to Along road, East Siang district of Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhaumik & K. Pagag in Indian J. Forestry 38(3):259. 2015.

प्रभेद अभिलेख / VARIETAL RECORDS

एकमेल्ला रेडिकेन्स प्रभेद डेबिलिस (एच.बी. के.) जेन्सन (ऐस्टरेसी)



पूर्वतः हिस्पैनियोला, लेसर एंटिलस, ट्रिनिडाड, वेनेजुएला, कोलम्बिया, पेरू एवं दक्षिण पश्चिम बोलेविया से ज्ञात इस वार्षिक शाक प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के कोल्हापुर जनपद में अम्बा एवं कर्नाटक राज्य के बेनगाम जनपद में चोर्ला घाट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद के प्रतिरूप को पादपालय, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (एसयूके) में संग्रहित किया गया है। इसे दशरथ जी. जगताप, मधुकर बचुलकर के द्वारा रिडिया 25(1):39.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Acemella radicans var. *debilis* (H.B.K.) Jansen (ASTERACEAE)

This annual herb, earlier known from Hispaniola, the Lesser Antilles, Trinidad, throughout Venezuela, Colombia, Peru and S.W. Bolivia, has been reported for the first time from Asia as well as India based on the collection made from Amba, Kolhapur District, Maharashtra and Chorla Ghat, Belghum District of Karnataka. The specimen is deposited in Herbarium of Shivaji University, Kolhapur (SUK). It has been published by Dasharath G. Jagtap & Madhukar Bachulkar in Rheedea 25(1): 39. 2015.

सिरसियम अर्वेन्से लि. प्रभेद अल्प्रेस्ट्रे नागेली (ऐस्टरेसी)

पूर्वतः चीन एवं यूरोप से ज्ञात इस बहुवर्षीय शाक प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखण्ड राज्य के गढ़वाल एवं कुमाँऊ पश्चिम हिमालय से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे प्रशान्त के. पुसालकर एवं एस. के. श्रीवास्तव के द्वारा इंडियन ज. फारे. 38(1):75.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Cirsium arvense L. var. *alpestre* Nageli (ASTERACEAE)

This perennial herbs, earlier known from China and Europe, has been reported for the first time from India based on the collection made from Western Himalaya, Garhwal and Kumaun of Uttarakhand. The specimens are deposited in Herbarium of Northern Regional Centre, Botanical Survey of India, Dehradun (BSD). It has been published by Prashant K. Pusalkar & S.K. Srivastava in Indian J. For. 38(1): 75.2015.

गैलियम बोरेले लि. प्रभेद सिलिएटम नकाई (रुबिऐसी)

पूर्वतः चीन, जापान, रूस, यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस बहुवर्षीय शाक प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखण्ड राज्य टिहरी जनपद में धोपरधार से 1400मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे प्रशान्त के. पुसालकर एवं एस. के. श्रीवास्तव के द्वारा फाइटोटैक्सोनॉमी 14:150.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Galium boreale L. var. *ciliatum* Nakai (RUBIACEAE)

This perennial herb, earlier known from China, Japan, Russia, Europe and North America, has been reported for the first time from India based on the collection made from Dhopardhar, Tehri, Uttarakhand, India at 1400m altitude. The specimen is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). It has been published by Prashant K. Pusalkar & S.K. Srivastava in Phytotaxonomy 14: 150. 2015.

**गैलियम बोरेले लि. प्रभेद इंटरमिडियम डीसी. (रुबिऐसी)**

पूर्वतः चीन, रूस एवं यूरोप से ज्ञात इस बहुवर्षीय शाक प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार जम्मू कश्मीर राज्य के लद्दाख, द्रास से 2700मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे प्रशान्त के. पुसालकर एवं एस. के. श्रीवास्तव के द्वारा फाइटोटैक्सोनॉमी 14:150.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Galium boreale L. var. **intermedium** DC. (RUBIACEAE)

This perennial herb, earlier known from China, Russia and Europe, has been reported for the first time from India based on the collection made from Dras, Ladakh, Jammu & Kashmir, India at 2700m altitude. The specimen is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). It has been published by Prashant K. Pusalkar & S.K. Srivastava in Phytotaxonomy 14: 150. 2015.

ओफियोराइजा रूगोसा वॉल. प्रभेद अंगुस्तीफोलिया रिड्सडेल (रुबिऐसी)

पूर्वतः श्रीलंका से ज्ञात इस लघु क्षुप प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार केरल राज्य के वायनाड जनपद में सुगंधागिरी एवं पलक्कड़ जनपद के वालाक्कड़, सायलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद के प्रतिरूप को पादपालय, वन पारिस्थितिकीय एवं जैवविविधता संरक्षण संवर्ग, केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) में संग्रहित किया गया है। इसे वी. एस. हरीश, वी. बी. श्रीकुमार, के. एम. प्रभुकुमार, एम. साबू एवं के. ऐ. श्रीजीत के द्वारा वेबिया 70(1):109.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Ophiorrhiza rugosa Wall. var. **angustifolia** Ridsdale (RUBIACEAE)

This under shrubs, earlier known from Sri Lanka, has been reported for the first time from India based on the collection made from Walakkad, Silent National Park, Palakkad District and Sugandhagiri of Wayanad District of Kerala. The specimen is deposited in Herbarium of Forest Ecology and Biodiversity Conservation Division, Kerala Forest Research Institute, Peechi (KFRI). It has been published by V.S. Hareesh, V.B. Sreekumar, K.M. Prabhukumar, M. Sabu and K.A. Sreejith in Webbia 70(1): 109. 2015.

पेरिस पोलिफायला स्मिथ प्रभेद नाना एच. ली. (लिलिऐसी)

पूर्वतः चीन (सिचुआन) से ज्ञात इस बौनी शाक प्रभेद जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के दार्जिलिंग जनपद में रिशप से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता (सीयूएच) में संग्रहित किया गया है। इसे देवब्रता मैती, सेन्तू के. दे. एवं जियान-वेन झांग के द्वारा ज. बॉट. सो. बंगाल 68(2):117.2014 में प्रकाशित किया गया है।

Paris polyphylla Smith var. **nana** H. Li (LILIACEAE)

This dwarf herb, earlier known from China (Sichuan), has been reported for the first time from India based on the collection made from Rishop, Darjeeling District of West Bengal. The specimen is deposited in Herbarium of Botany Department., Calcutta University, Kolkata (CUH). It has been published by Debabrata Maity, Sentu K. Dey & Jian-Wen Zhang in J. Bot. Soc. Bengal 68(2): 117. 2014.

उपजाति अभिलेख / SUBSPECIES RECORDS**कोम्मेलिना अफ्रीकाना लि. उपजाति जान्जिबारिका फाडेन (कोम्मीलिनैसी)**

पूर्वतः अफ्रीका से ज्ञात इस बहुवर्षीय शाक उपजाति का पता भारत में प्रथम बार केरल राज्य के मल्लापुरम जनपद में कालिकट विश्वविद्यालय प्रांगण निकट विल्लोनियल मंदिर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। उपजाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, कालिकट (सीएएलआई) में संग्रहित किया गया है। इसे शिबा एम. जोसेफ, के. एम. मनुदेव, अन्फ्रेड जोय एवं संतोश नाम्पी के द्वारा रिडिया 25(2):153.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Commelina africana L. subsp. **zanzibarica** Faden (COMMELINACEAE)

This perennial herb, earlier known from Africa, has been reported for the first time from India based on the collection made from Calicut University Campus, near Villooniyal Temple, Malappuram District of Kerala. The specimen is deposited in Herbarium, Department of Botany, Calicut University (CALI). It has been published by Sheba M. Joseph, Manudev K.M., Alfred Joe & Santhosh Nampy in Rheedea 25(2): 153. 2015.

साइप्रस कोन्ग्लोमेराटस उपजाति कुरवुलस (बोकेलर) कुक्कोनन (सायपरेसी)

पूर्वतः मडागास्कर, उत्तर पूर्वी ट्रापिकल अफ्रीका, सऊदी अरब, अरेबियन प्रायद्वीप, ईरान एवं पाकिस्तान से ज्ञात इस बहुवर्षीय सेज उपजाति का पता भारत में प्रथम बार राजस्थान के बिकानेर जनपद में बालब उद्यान फार्म से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शुष्क क्षेत्रीय केंद्र, जोधपुर (बीएसजेओ) में संग्रहित किया गया है। इसे वी. प्रसाद के द्वारा जू प्रिंट 30(11):07.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Cyperus conglomeratus subsp. **curvulus** (Boeckeler) Kukkonen (CYPERACEAE).

This perennial sedge, earlier known from Madagascar, North East Tropical Africa, Saudi Arabia, Yemen in Arabian Peninsula, Iran and Pakistan, has been reported for the first time from India based on the collection made from Balab garden farm, Bikaner District of Rajasthan. The specimen is deposited in Herbarium of Arid Zone Regional Center, Jodhpur (BSJO). It has been published by V.P.Prasad in Zoo's Print 30(11):07. 2015.

मोमोर्डिका सबअंगूलाटा ब्लूम उपजाति सबअंगूलाटा (कोम्मीलिनेसी)

पूर्वतः चीन, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, थाईलैंड एवं वियतनाम से ज्ञात इस बहुवर्षीय शाक उपजाति का पता भारत में प्रथम बार नागालैंड राज्य के त्युन्सांग जनपद में 1679 मी. की ऊंचाई पर त्युंगसांग शहर से कुथूर मार्ग से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। उपजाति के प्रतिरूप को पादपालय, नेशनल हरबेरियम ऑफ कल्टिवेटेड प्लांट्स, राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली (एनएचसीपी) में संग्रहित किया गया है। इसे सोयइम्कीटिन, के. प्रदीप, के. जोसेफ जॉन एवं ई. रोशनी नायर के द्वारा ज. थ्रिटेन्ड टैक्सा 7(14):8182..2015 में प्रकाशित किया गया है।

Momordica subangulata Blume subsp. **subangulata** (CUCURBITACEAE)

This perennial climber, earlier known from China, Indonesia, Laos, Malaysia, Myanmar, Thailand and Vietnam, has been reported for the first time from India based on the collection made from Tuensang town to Kuthur, Tuensang District of Nagaland at 1679m altitude. The specimen is deposited in National Herbarium of Cultivated Plants, National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi (NHCP). It has been published by Soyimchiten, K. Pradheep, K. Joseph John & E. Roshini Nayar in J. Threatened Taxa 7(14): 8182. 2015.







पुष्पाङ्ग/PTERIDOPHYTES

Courtesy : B.S. Kholia

पर्णांग/FERNS AND FERN-ALLIES

पर्णांग (टेरिडोफाइट्स) प्रायः विभिन्न प्रकार के प्राकृतवासों में पाये जाते हैं तथा ऐसी प्रतिकूल पर्यावरणीय प्राकृतवासों में भी, जहाँ सामान्यतः पुष्पीय पौधे नहीं पाये जाते हैं, ये सफलतापूर्वक उगते हैं। विश्व की कुल पर्णांग जातियों का लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा भारत में पाया जाता है।

हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय पर्णांग की लगभग 1288 जातियाँ हैं।

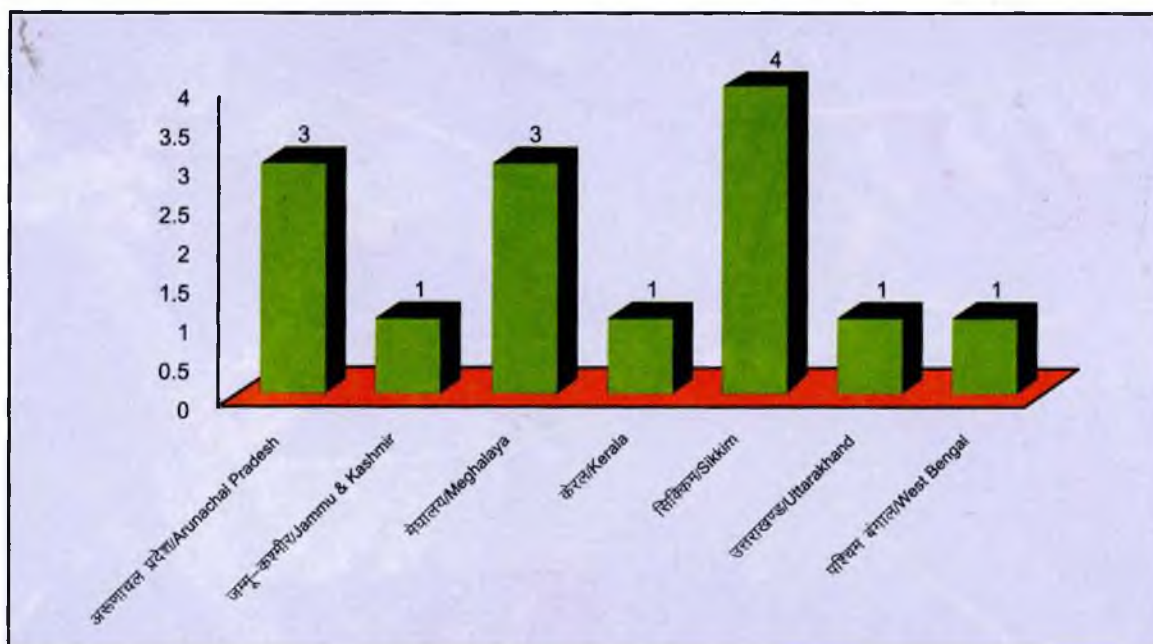
अनेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में सिक्किम हिमालय से सिक्किम से 01 नया वंश, 11 नयी जातियाँ (सिक्किम एवं मेघालय में प्रत्येक से 03, अरुणाचल प्रदेश से 02, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड एवं पश्चिम बंगाल में प्रत्येक से 01) 01 उपजाति एवं 1 नवीन वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित है।

Ferns and Fern-allies (Pteridophytes) live in a wide variety of habitats and often succeed in places where environmental factors discourage growth of flowering plants. The Indian ferns account for about 2 per cent of the total fern species of the world.

In the present state of our knowledge India has about 1,288 species of ferns and Fern-allies. Many more are yet to be Identified and described.

The collated information presented here includes 01 new genus from Sikkim, 11 new species (03 each from Sikkim, Meghalaya, 02 from Arunachal Pradesh, 01 species each from Jammu & Kashmir, Uttrakhand, West Bengal), 01 subspecies and 01 species as new distributional record from India



भारतीय राज्यों से अन्वेषित पर्णांग
FERN & FERN ALLIES DISCOVERED FROM INDIAN STATES



नवीन वंश / NEW GENUS

काटोइल्ला फ्रेजर-जेंक. फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 33.2015. (डेवेल्लियासी)

इस नवीन पर्णांग वंश को इसके संबद्ध वंश डावाल्लोडे से इसके पर्णांगपत्रक और राइजोम के लक्षणों के कारण अलग किया गया है। इस वंश की एकमात्र जाति *काटोइल्ला बेड्डोमाई* (सी. होप) फ्रेजर-जेंक, कान्डल एवं पारियर, नेपाल, भारत एवं चीन में वितरित है। इस वंश का मूल प्ररूप राष्ट्रीय पादपालय एवं वनस्पति प्रयोगशाला, काठमांडू (केएटीएच) में संग्रहित किया गया है। इस वंश का नामकरण जापान के प्रो. एम. काटो के सम्मान में किया गया है।

Katoella Fraser-Jenk. Ferns and Fern-allies of Nepal 33.2015. (DAVALLIACEAE)

This new genus is segregated from its most allied genera Davallode differing by its fond and rhizome characters. The only species of this genera is *Katoella beddomei* (C.Hope) Fraser-Jenk., Kandel & Pariyar, is distributed in Nepal, India and China. The holotype is deposited in National Herbarium & Plant Laboratories, Kathmandu (KATH). The genus is named to honour Prof. M. Kato of Japan.

नवीन जाति / NEW SPECIES

अर्थोमेरिस हिमालोवाटा फ्रेजर-जेंक. एवं कान्डल, फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 34.2015. (पोलिपोडियेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत-नेपाल सीमा पर स्थित पशुपतिनगर, सिंगालिला दर्रा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप फिनिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, वनस्पति संग्रहालय (एच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी प्राप्ति हिमालय से होने पर किया गया है।

Arthromeris himalovata Fraser-Jenk. & Kandel, Ferns and Fern-allies of Nepal 34.2015. (POLYPODIACEAE)

This new species is discovered and described based on the collections made from Singalilla ridge, Pashupatinagar near the Nepalese border with India. The holotype is deposited in Finnish Museum of Natural History, Botanical Museum (H). The species is named after Himalaya from where it has been collected.

झायोप्टेरिस कश्मीरियाना फ्रेजर-जेंक. एवं वाइडेन, फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 26.2015. (झायोप्टेरिडेसी)

इस नवीन काष्ठीय पर्णांग जाति का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू कश्मीर राज्य के गुन्ड कस्बे, सोनमर्ग-गन्दरबल, सिंध घाटी 2400 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप रॉयल वनस्पति उद्यान, ईडनबर्ग (ई) एवं समप्ररूप टी, जेड एवं जीईएनटी में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जम्मू कश्मीर में जाति के प्ररूप प्राप्ति स्थान के नाम पर आधारित है।

Dryopteris kashmiriana Fraser-Jenk. & Widén, Ferns and Fern-allies of Nepal 26.2015. (DRYOPTERIDACEAE)

This new woody fern species is discovered & described based on the collections made from Gund hamlet, Sonamarg -Ganderbal in the Sind valley, of Jammu & Kashmir, India at 2400m. The holotype in Royal botanical Garden Edinburgh (E), and Isotypes in T, Z and GENT. The species is named after the Indian state of Kashmir and its type locality.

झायोप्टेरिस सबकोचलियाटा फ्रेजर-जेंक. एवं के. सी. राजकुमार, फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 27.2015. (झायोप्टेरिडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मेघालय राज्य के खासी हिल्स जनपद में वाह-उमखराह नदी के उत्तर पश्चिम छोर, बेडोन प्रपात के नीचे, निकट मावलाई शिलांग शहर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप फिनिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, वनस्पति संग्रहालय (एच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी समानता डी. कोचलियाटा से होने पर की गई है।

Dryopteris subcochleata Fraser-Jenk. & K.C. Rajkumar, Ferns and Fern-allies of Nepal 27.2015. (DRYOPTERIDACEAE)

This new species is discovered and described based on the collected made from N.W. side of bottom of gorge of Wah - Umkhrah river, below Beadon Fall, near Mawlai, N.W. side of Shillong town, Khasi Hills district of Meghalaya, India. The holotype and Isotypes are deposited Finnish Museum of Natural History, Botanical Museum (H). The species epithet refers to its close affinity to *D. cochleata*.

हयूपेरजिया मेघालाइका फ्रेजर-जेंक. इंडियन ज. फॉरेस्ट्री 38(4):336.2015. (लायकोपोडिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मेघालय राज्य के खासी हिल्स, पायनुर्सला से 4000मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, मिसिगन विश्वविद्यालय (एमआईसीएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है। इस जाति को वर्तमान आईयूसीएन की सूची में निकट संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Huperzia meghalaica Fraser-Jenk., Indian J. Forestry 38(4):336.2015. (LYCOPODIACEAE)

This new species is discovered and described based on the collection made from Khasi Hills, Pynursla, Meghalaya, India at 4000ft altitude. The holotype is deposited in Michigan University Herbarium(MICH). The species is named after the Indian state Meghalaya. The species is treated here as Near Threatened under current IUCN status.

हयूपेरजिया कवाई फ्रेजर-जेंक. एवं बी. एस. खोलिया, फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 46.2015. (लायकोपोडिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम राज्य में यूम्तसो ला दर्रे से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण लॉयड वनस्पति उद्यान के पूर्व निदेशक जार्ज एच. केव के सम्मान में किया गया है।

Huperzia cavei Fraser-Jenk. & B.S.Kholia, Ferns and Fern-allies of Nepal 46.2015. (LYCOPODIACEAE)

This new species is discovered and described based on the collection made from Eumtso La (Pass) Sikkim, India. The holotype and Isotypes are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India (CAL). The species is named after George H. Cave, former Director of Lloyd Botanical Garden.

ओनिकियम खोलियानम फ्रेजर-जेंक. एवं एस. मत्सुमोटो, फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 292.2015. (ड्रायोप्टेरिडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तराखण्ड राज्य के पिथौरागढ़ जनपद में गीनी, थाल मार्ग, मुन्सियारी के दक्षिणी चोटी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, ताईवान वन अनुसंधान संस्थान, ताईवान (टीएआईएफ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिक डॉ. बी. एस. खोलिया के सम्मान में उनके द्वारा भारतीय पर्णांगविज्ञान पर दिये उल्लेखनीय योगदान हेतु किया गया है।



Onychium kholianum Fraser-Jenk. & S.Matsumoto, Ferns and Fern-allies of Nepal 292.2015. (DRYOPTERIDACEAE)

This new species is discovered and described based on the collections made from Gini, Thal on road up to ridge south of Munsiyari, Pithoragarh district of Uttarakhand, India. The holotype is deposited in Herbarium of Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan (TAIF). The species is named after Dr. B.S. Kholia, Scientist, Botanical Survey of India, for his contribution in Indian Pteridology.

ओनिकियम वर्माई फ्रेजर-जेंक. एवं खुल्लर, फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 300.2015. (झायोप्टेरिडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन पश्चिम बंगाल राज्य के दार्जिलिंग जनपद में लेबोंग, रेसकोर्स से 1600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण पंजाब विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. एस. सी. वर्मा, के सम्मान में किया गया है।

Onychium vermae Fraser-Jenk. & Khullar, Ferns and Fern-allies of Nepal 300.2015. (DRYOPTERIDACEAE)

This new species is discovered and described based on the collections made from Lebong race course, Darjeeling district of West Bengal, India at 1600m. The holotype is deposited in Department of Botany, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species is named in honour Dr. S.C. Verma, Scientist emeritus Panjab University.

पोलिपोडियोडिस सायमनसियाना फ्रेजर-जेंक. एवं शालिमोव, तुर्कजानिनोविया 18(3):114.2015. (पोलिपोडिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन म्यामांर के नार्थ ट्राइएंगल (अराखु) कचीन राज्य से प्राप्त किये गये संग्रहों जिसका वितरण भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों (अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर एवं मेघालय) तक हैं, के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप ब्रिटिश संग्रहालय एवं पादपालय, यूनाईटेड किंगडम (बीएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्रथम संग्रहणकर्ता के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन की संकटग्रस्त पादपों की सूची में संवेदनशील श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Polypodiodes simonsiana Fraser-Jenk. & Shalimov, Turczaninowia 18 (3): 114. 2015. (POLYPODIACEAE)

This new species is discovered and described based on the collection made from North Triangle (Arahu) Kachin state, Myanmar and distributed in North East India (Arunachal Pradesh, Manipur & Meghalaya). The holotype is deposited in British Museum and Herbarium (BM), United Kingdom. The species is named after named after the first botanist to collect it. Its IUCN conservation status is assessed as VU (Vulnerable).

टेरिस दीक्षिताई फ्रेजर-जेंक. एवं पारियर, फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 329.2015. (टेरीडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन शिलांग शिखर, मेघालय से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, ताईवान वन अनुसंधान संस्थान, ताईवान (टीएआईएफ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारत के प्रख्यात पर्णांगविज्ञानी स्व. डॉ. आर. डी. दीक्षित के सम्मान में किया गया है।

Pteris dixitii Fraser-Jenk. & Pariyar, Ferns and Fern-allies of Nepal 329.2015. (PTERIDACEAE)

This new species is discovered and described based on the collections made from Shillong peak, Meghalaya, India. The holotype and isotypes are deposited in Herbarium of Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan (TAIF). The species is named in honour late Dr. R.D. Dixit, renowned Pteridologist of India.

सिलाजिनैला इमोडी फ्रेजर-जेंक., फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 67.2015. (सिलाजिनैलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मध्य नेपाल के रासूआ जनपद धुन्चे से चंदनबाड़ी मार्ग एवं गोसाईकुंड से प्राप्त किये गये संग्रहों जिनका वितरण भारत के अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, दार्जिलिंग, उत्तराखण्ड एवं दक्षिण भारत तक हैं, के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, ताईवान वन अनुसंधान संस्थान, ताईवान (टीएआईएफ) में संग्रहित किया गया है।



Selaginella emodi Fraser-Jenk., Ferns and Fern-allies of Nepal 67.2015. (SELAGINELLACEAE)

This new species is discovered and described based on the collections made from Dhunche to Chandanbari and Gossainkund, Rasuwa District, Central Nepal and distributed in Arunachal Pradesh, Sikkim, Darjeeling, Uttarakhand and South India. The holotype is deposited in Herbarium of Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan (TAIF).



टेक्टारिया स्पूडोसिफोलिया फ्रेजर-जेंक. एवं वांगडी, फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 31.2015. (झायोप्टेरिडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भूटान के जोन्खार जनपद में समद्रूप से प्राप्त किये गये संग्रह जिसका वितरण भारत में सेंकी पार्क, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश तक है, के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, ताईवान वन अनुसंधान संस्थान, ताईवान (टीएआईएफ) एवं समप्ररूप टीएचआईएम में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसकी समानता संगत जाति टेक्टारिया साइफोलिया से होने पर आधारित है।

Tectaria pseudosiifolia Fraser- Jenk. & Wangdi, Ferns and Fern-allies of Nepal 31.2015. (DRYOPTERIDACEAE)

This new species is discovered and described based on the collections made from Samdrup Jongkhar district is of Bhutan and also distributed above Seinki Park, Itanagar of Arunachal Pradesh, India. The holotype is deposited in Herbarium of Taiwan Forestry Research Institute (TAIF). And Isotypes in THIM. The species epithet refers to its close affinity to *T. siifolia*.

उप जाति / NEW SPECIES

झायोप्टेरिस वॉलिचिआना उपजाति **भूटानिका** फ्रेजर-जेंक. एवं पारियर, फर्न्स एंड फर्न्-एलाइज ऑफ नेपाल 28.2015. (झायोप्टेरिडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भूटान के डोचू ला, लाम्पेरी मार्ग से प्राप्त किये गये संग्रह जिसका वितरण भारत में अरुणाचल प्रदेश तक है, के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप राष्ट्रीय पादपालय, राष्ट्रीय जैवविविधता केंद्र, भूटान (टीएचआईएम) एवं समप्ररूप कैएटीएच में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसकी प्राप्ति भूटान से होने पर आधारित है।

Dryopteris wallichiana subsp. **bhutanica** Fraser- Jenk. & Pariyar, Ferns and Fern-allies of Nepal 28.2015. (DRYOPTERIDACEAE)

This new sub species is discovered and described based on the collections made from Dochu La on Lamperi trail of Bhutan, Thimphu and also found in Arunachal Pradesh, India. The holotype is deposited in National Herbarium, National Biodiversity Centre, Bhutan (THIM) and isotypes are in KATH. The sub species is named after its type location in Bhutan.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTION RECORDS

टेक्टारिया पूबेरुला (देसेव.) सी. चर. (झायोप्टेरिडेसी)

पूर्वतः पूर्वी अफ्रिका, मडागास्कर एवं मैस्करीन द्वीप से ज्ञात पर्णांग की इस जाति का पता भारत में प्रथम बार केरल के पथानामथिट्टा जनपद में मूझीयाह वन क्षेत्र से 1010मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को जवाहर लाल नेहरू ट्रापिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम (टीबीजीटी) में संग्रहित किया गया है। इसे राजू एंटोनी, सी. आर. फ्रेजर जेन्किंस, एन मोहनन एवं चेरियान पी. कोश के द्वारा इंडि. फर्न्. ज. 31:139.2014 में प्रकाशित किया गया है।

Tectaria puberula (Desv.) C.Chr. (DRYOPTERIDACEAE)

This fern species earlier known from East Africa, Madagaskar and Mascarene Island, first time recorded from India based on the collection made from Moozhiah forest of Pathanamthitta district of Kerala, India at 1010m. The specimens are deposited in Jawaharlal Nehru Tropical Botanical Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, (TBGT). This is published by Raju Antony, C.R. Fraser Jenkins, N. Mohanan and Cheriyan P. Koshy in Ind. Fern. J. 31:139.2014.

हरिताले/BRYOPHYTES



हरितोद्भिद/BRYOPHYTES

वनस्पतिजात में उभयचर के रूप में ज्ञात, हरितोद्भिद हरित पादपों में आवृतबीजी वर्ग के बाद दूसरा सबसे बड़ा समूह तथा जैव विविधता का रौचक संघटक हैं

एवं लगभग सभी जलवायु परिस्थितियों में व्याप्त हैं।

ये अंटार्कटिका महाद्वीप में पाये जाने वाले पादप समूहों में से एक हैं।

विश्व के कुल हरितोद्भिद जातियों का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा भारत में पाया जाता है। हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय हरितोद्भिद की लगभग 2,550 जातियाँ ज्ञात हैं।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रम बार सूचना में भारत से 01 नयी अरुणाचल प्रदेश से एवं

18 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित हैं।

Bryophytes, the amphibians of the 'Plant Kingdom', and the second largest group of green plants next only to the angiosperms constitute a fascinating component of biodiversity and are widely spread in almost all climatic conditions. They are among the very few groups of plants found in Antarctica.

The Indian bryophytes account for about 15 per cent of the total Bryophyte species of the world.

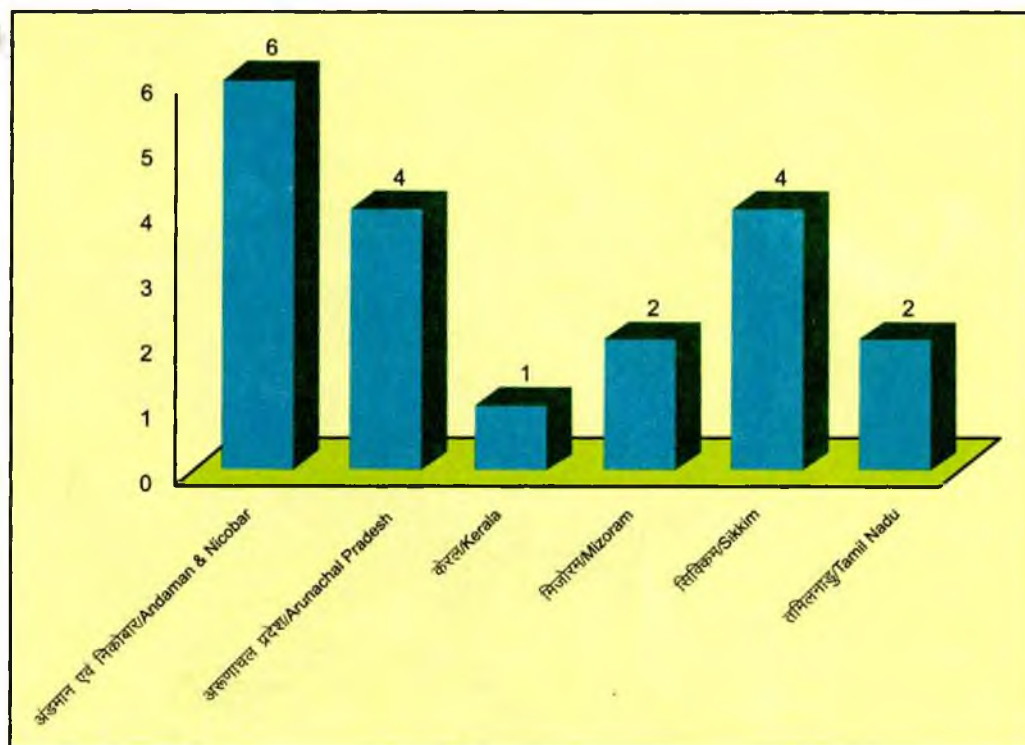
In the present state of our knowledge India has about 2550 species of bryophytes.

Many more are yet to be identified and described.

The collated information presented here includes

1 new species from Arunachal Pradesh and

18 new distributional records from India.



भारतीय राज्यों से अन्वेषित हरितोद्भिद
BRYOPHYTES DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन जाति/NEW SPECIES

प्लेगियोचिला अरुणाचलेन्सिस शुवादपि मजुमदार एवं डी. के. सिंह, नी-बायो 6(4):8.2015. (प्लेगियोचिलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के अंजाओ जनपद से 3400 मी. की ऊँचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एएसएसएम में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है।

Plagiochila arunachalensis Shuvadeep Majumdar and D.K. Singh, NeBio 6 (4): 8. 2015. (PLAGIOCHILACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Anjaw district of Arunachal Pradesh, India at 3400m. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and the isotype is in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The specific epithet refers to the state of its occurrence.

नवीन वितरणपरक अभिलेख/NEW DISTRIBUTION RECORDS

बजानिया अंगूस्टिस्टीपुला एन. किताग. (लेपिडोजिएसी)

पूर्वतः चीन, भूटान, नेपाल, थाईलैंड एवं वियतनाम से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के अंजाओ एवं वेस्ट सियांग जनपदों में 2875 मी. तथा सिक्किम के वेस्ट जनपद 2982मी. की ऊँचाईयों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएम) एवं सीएएल में संग्रहित किया गया है। इसे डी. के. सिंह, डी. सिंह, एस. मजुमदार एवं एस. सिंह देव के द्वारा ज. ब्रायोल. 37(1):69.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Bazzania angustistipula N.Kitag. (LEPIDOZIACEAE)

This species earlier known from China, Bhutan, Nepal, Thailand and Vietnam has been reported first time for India based on the collection made from Anjaw and West Siang districts of Arunachal Pradesh and West district of Sikkim at 2875 and 2982m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by D.K. Singh, D. Singh, S. Majumdar and S. Singh Deo in J. Bryol. 37 (1). 69. 2015.

बजानिया हैनानेन्सिस एल. पी. झोउ एवं एल. झैंग (लेपिडोजिएसी)

पूर्वतः चीन, भूटान एवं नेपाल से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मिजोरम के चम्फाई-खाज्वाल से 1320मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. के. सिंह एवं एस. मजुमदार के द्वारा एक्टा बॉट. हंग. 57(1-2):220.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Bazzania hainanensis L.-P. Zhou & L. Zhang (LEPIDOZIACEAE)

This species earlier known from China, Bhutan and Nepal has been reported first time for India based on the collection made from Champhai-Khawzawl of Mizoram at 1320m altitude. The specimen is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by S. K. Singh and S. Majumdar in Acta Bot. Hung. 57(1-2): 220. 2015.

शिराटोलेज्यूनिया बेलंगेरियाना (गोट्स्चे) स्टेफ. (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः चीन, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया एवं अफ्रिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार तमिलनाडु राज्य में कोयम्बटूर से 1040मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, स्कॉट क्रिश्चियन कालेज, नागरकोइल (एससीसीएन) में संग्रहित किया गया है। इसे आर. श्रीभा, के. सी. करियप्पा एवं ए. ई. डी. डेनियल्स के द्वारा एक्टा बॉट. हंग. 57(1-2):226.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Ceratolejeunea belangeriana (Gottsche) Steph. (LEJEUNEACEAE)

This species earlier known from China, Indonesia, Japan, Malaysia and Africa has been reported first time for India based on the collection made from Coimbatore District of Tamil Nadu at 1040m altitude. The specimen is deposited in the herbarium of Scott Christian College, Nagercoil (SCCN). It has been published by R. Sreebha, K. C. Kariyappa and A. E. D. Daniels in Acta Bot. Hung. 57(1-2): 226. 2015.

**कोलोलेज्यूनिया माइक्रोस्कोपिका** (टेलर) शिफिन प्रभेद **एक्जिगुआ** (ए. इवान्स) पोक्स (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः अमेरिका, अफ्रिका एवं यूरोप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार तमिलनाडु राज्य में पालनी हिल्स से 2310मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय (एलडब्ल्यूयू) में संग्रहित किया गया है। इसे गीता अस्थाना एवं सौम्या श्रीवास्तव के द्वारा प्लांट साइंस टूडे 2(4):185.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Cololejeunea microscopica (Taylor) Schiffn. var. **exigua** (A. Evans) Pócs (LEJEUNEACEAE)

This variety earlier known from America, Africa and Europe has been reported first time for India based on the collection made from Palni hills of Tamil Nadu at 2310m altitude. The specimen is deposited in the herbarium Deptt. of Botany, Lucknow University (LWU). It has been published by Geeta Asthana and Saumya Srivastava in Plant Science Today 2(4): 185. 2015.

नियोलेपिडोजिया वालिचिआना (गोट्स्चे) फुलफोर्ड एवं जे. टेलर (लेपिडोजिऐसी)

पूर्वतः चीन, इंडोनेशिया, जापान एवं अन्य दक्षिण पूर्वी एशियाई एवं मध्य एवं दक्षिणी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के अंजाओ एवं लोअर दिबांग वैली जनपदों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. मजूमदार एवं डी. के. सिंह के द्वारा निलुम्बो 57:106.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Neolepidozia wallichiana (Gottsche) Fulford & J.Taylor (LEPIDOZIACEAE)

This species earlier known from China, Indonesia, Japan, and other south east Asian countries, Central and South America has been reported first time for India based on the collection made from Anjaw and Lower Dibang Valley districts of Arunachal Pradesh at 1650 and 950m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by S. Majumdar and D.K. Singh in Nelumbo 57: 106. 2015.

प्लेजियोचिला बायोन्डियाना सी. मास्सल. (प्लाजियोचिलेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम राज्य में नार्थ जनपद में 3419 एवं 3590मी. की ऊँचाईयों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. सिंह एवं डी. के. सिंह के द्वारा ज. ब्रायोल. 37(1):76.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Plagiochila biondiana C.Massal. (PLAGIOCHILACEAE)

This species earlier known from China has been reported first time for India based on the collection made from North District of Sikkim at 3419 and 3590m altitude. The specimens are deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by D. Singh and D. K. Singh in J. Bryol. 37(1). 76. 2015.

प्लेजियोचिला टायकैन्थोडिया स्टेफ. (प्लाजियोचिलेसी)

पूर्वतः म्यांमार एवं थाईलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मिजोरम राज्य के दम्पा, बम्बू एवं नगेंगपूई वन्यजीव अभयारण्य से 291 एवं 138मी. की ऊँचाईयों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. के. सिंह एवं एस. मजूमदार के द्वारा ज. ब्रायोल. 37(4):332.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Plagiochila ptychanthoidea Steph. (PLAGIOCHILACEAE)

This species earlier known from Myanmar and Thailand has been reported first time for India based on the collection made from Dampa, Bambu and Ngengpui Wildlife Sanctuary of Mizoram at 291 and 138m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by S. K. Singh and S. Majumdar in J. Bryol. 37(4). 332. 2015.

राडुला रेट्रोफ्लेक्सा टेलर (राडुलेसी)

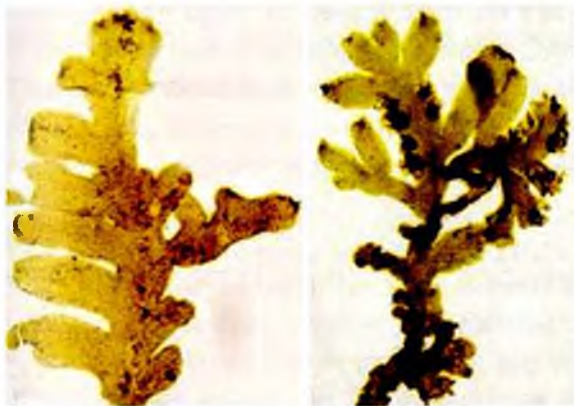
पूर्वतः अफ्रिका, आस्ट्रेलिया एवं कुछ एशियाई देशों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के अंजाओ एवं सिक्किम के नार्थ सिक्किम जनपदों से क्रमशः 820 एवं 923मी. की ऊँचाईयों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. के. सिंह, डी. सिंह, एस. मजूमदार एवं एस. सिंह देव के द्वारा ज. ब्रायोल. 37(1):77.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Radula retroflexa Taylor (RADULACEAE)

This species earlier known from Africa, Australia, Asian nations has been reported first time for India based on the collection made from Anjaw district of Arunachal Pradesh and North district of Sikkim at 820 and 923m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by D.K. Singh, D. Singh, S. Majumdar and S. Singh Deo in J. Bryol. 37 (1). 77. 2015.

रिकार्डिया तमारिस्सिना (स्टेफ.) शिफिन. (एनुरेसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया एवं जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में दक्षिणी अंडमान एवं लघु अंडमान से क्रमशः 19 एवं 33मी. की ऊँचाईयों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को



केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. के. सिंह एवं डी. सिंह के द्वारा इंडीयन ज. फॉरेस्ट. 38(4):332.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Riccardia tamariscina (Steph.) Schiffn. (ANEURACEAE).

This species earlier known from Indonesia and Japan has been reported first time for India based on the collection made from South Andaman and Little Nicobar of Andaman & Nicobar Islands at 19 and 33m altitude. The specimens are deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by D.K. Singh and D. Singh in Indian J. Forest. 38(4): 332. 2015.

सोलेनोस्टोमा बौउरी (शिफिन.) स्टेफ. (सोलेनोस्टोमाटेसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम राज्य के ईस्ट एवं वेस्ट सिक्किम जनपदों से क्रमशः 2000 एवं 2150मी. की ऊँचाईयों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. सिंह एवं डी. के. सिंह के द्वारा इंडीयन ज. फॉरेस्ट. 38(3):333.2015. में प्रकाशित किया गया है।



Solenostoma baueri (Schiffn.) Steph. (SOLENOSTOMATACEAE).

This species earlier known from Indonesia has been reported first time for India based on the collection made from East and West districts of Sikkim at 2000 and 2150m altitude. The specimens are deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by D. Singh and D.K. Singh in Indian J. Forest. 38(3): 333. 2015.

**सोलेनोस्टोमा फ्यूसिफॉर्मी (स्टेफ.) आर. एम. शूष्ट. (सोलेनोस्टोमाटेसी)**

पूर्वतः चीन, कोरिया, जापान, रूस एवं उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम राज्य के ईस्ट सिक्किम जनपद से 3109 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. सिंह एवं डी. के. सिंह के द्वारा इंडियन ज. फॉरेस्ट. 38(3):335.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Solenostoma fusiforme (Steph.) R.M. Schust. (SOLENOSTOMATACEAE).

This species earlier known from China, Korea, Japan, Russia and North America has been reported first time for India based on the collection made from East district of Sikkim at 3109m altitude. The specimen is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by D. Singh and D.K. Singh in Indian J. Forest. 38(3): 335. 2015.

सोलेनोस्टोमा वुलकैनिकोला (शिफिन.) वाणा, हेन्टस्चेल एवं हेनरीचस (सोलेनोस्टोमाटेसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया एवं जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम राज्य के ईस्ट सिक्किम जनपद से 1600 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. सिंह एवं डी. के. सिंह के द्वारा इंडियन ज. फॉरेस्ट. 38(3):339.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Solenostoma vulcanicola (Schiffn.) Vaňa, Hentschel & Heinrichs (SOLENOSTOMATACEAE)

This species earlier known from Indonesia and Japan has been reported first time for India based on the collection made from East district of Sikkim at 1600m altitude. The specimen is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by D. Singh and D.K. Singh in Indian J. Forest. 38(3): 339. 2015.

सायरोपोडोन पैरासिटिकस (ब्रिड.) बेस्च. (कैलिम्पेरासी)

पूर्वतः चीन, थाईलैंड, लाओस एवं पूर्वी अफ्रिकन द्वीपों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कर्णाल राज्य के वायनाड जनपद से 800मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, जैमोरिन गुरुवयूरप्पन कॉलेज, कर्णाल (जेडजीसी) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. सी. नायर, के. एम. मंजुला एवं के. पी. राजेश के द्वारा ज. ब्रायोल. 37(1):79.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Syrrhopodon parasiticus (Brid.) Besch. (CALYMPERACEAE)

This species earlier known from China, Thailand, Laos and East African Islands has been reported first time for India based on the collection made from Wayanad district of Kerala at 800m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of the Zamorin's Guruvayurappan College, Kerala (ZGC). It has been published by M. C. Nair, K. M. Manjula and K. P. Rajesh in J. Bryol. 37(1). 79. 2015.

थायसैनेथस कोमोस्स लिन्देन्ब. एक्स लेहम. (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया, मलेशिया, माइक्रोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलिपिन्स, सिंगापुर, थाईलैंड एवं वियतनाम से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, कंजर्वेटोइर एट जार्डिन बोटानिक्स डे ला विल्ली डे जेनेवे (जी) में संग्रहित किया गया है। इसे पी. सुक्खारख के द्वारा फाइटोटैक्सा 193(1):26.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Thysananthus comosus Lindenb. ex Lehm. (LEJEUNEACEAE)

This species earlier known from Indonesia, Malaysia, Micronesia, Papua New Guinea, Philippines, Singapore, Thailand and Vietnam has been reported first time for India based on the collection made from Andaman & Nicobar Islands. The specimen is deposited in the herbarium Conservatoire et Jardin botaniques de la Ville de Genève (G). It has been published by P. Sukkharak in Phytotaxa 193 (1): 26. 2015.

थायसैनेन्थस फ्रुटिकोस्स (लिन्देन्ब. एवं गोट्स्चे) शिफिन. (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः कुछ एशियाई देशों एवं आस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के ग्रेट निकोबार से 47–73मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. सिंह के द्वारा निलुम्बो 57:89.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Thysananthus fruticosus (Lindenb. & Gottsche) Schiffn. (LEJEUNEACEAE)

This species earlier known from Asian countries and Australia has been reported first time for India based on the collection made from Great Nicobar Island of Andaman & Nicobar Islands at 47–73m altitude. The specimen is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by D. Singh in Nelumbo 57: 89. 2015.

थायसैनेन्थस कोन्वोल्यूटस लिन्देन्ब. प्रभेद कोन्वोल्यूटस (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया, मलेशिया, न्यू कैलेडोनिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलिपिन्स, सोलोमन द्वीप एवं श्रीलंका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वियना म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (डब्ल्यू) एवं कंजर्वेटोइर एट जार्डिन बोटिनिक्स डे ला विल्ली डे जेनेवे (जी) में संग्रहित किया गया है। इसे पी. सुक्खारख के द्वारा फाइटोटैक्सा 193(1):29.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Thysananthus convolutus Lindenb. var. convolutus (LEJEUNEACEAE)

This species earlier known from Indonesia, Malaysia, New Caledonia, Papua New Guinea, Philippines, Solomon Is., Sri Lanka has been reported first time for India based on the collection made from Andaman & Nicobar Islands. The specimen is deposited in the herbarium of Vienna Museum of Natural History (W) and Conservatoire et Jardin botaniques de la Ville de Genève (G). It has been published by P. Sukkharak in Phytotaxa 193 (1): 29. 2015.

थायसैनेन्थस गोदटश्चेई (जे. बी. जैक एवं स्टेफ.) स्टेफ. प्रभेद गोदटश्चेई (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया, मलेशिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलिपिन्स, सोलोमन द्वीप, श्रीलंका एवं थाईलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, फ्रांस (पीसी) एवं कंजर्वेटोइर एट जार्डिन बोटिनिक्स डे ला विल्ली डे जेनेवे (जी) में संग्रहित किया गया है। इसे पी. सुक्खारख के द्वारा फाइटोटैक्सा 193(1):32.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Thysananthus gottschei (J.B. Jack & Steph.) Steph. var. gottschei (LEJEUNEACEAE)

This species earlier known from Indonesia, Malaysia, Papua New Guinea, Philippines, Solomon Is. Sri Lanka, Thailand has been reported first time for India based on the collection made from Andaman & Nicobar Islands. The specimen is deposited in the herbarium of National Museum of Natural History, France (PC) and Conservatoire et Jardin botaniques de la Ville de Genève (G). It has been published by P. Sukkharak in Phytotaxa 193 (1): 32. 2015.

थायसैनेन्थस रेटूसस (रेइंव., ब्लूम एवं नीस) बी. थीयर्स एवं ग्रेडस्ट. उपजाति रेटूसस (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः फिजी, इंडोनेशिया, जापान, पापुआ न्यू गिनी, फिलिपिन्स, समोआ, सोलोमन द्वीप, थाईलैंड, वानाटाउ एवं आस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, हाउस्सकेनेस्ट, जेना (जेई) में संग्रहित किया गया है। इसे पी. सुक्खारख के द्वारा फाइटोटैक्सा 193(1):47.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Thysananthus retusus (Reinw., Blume & Nees) B.Thiers & Gradst. subsp. retusus (LEJEUNEACEAE)

This species earlier known from Fiji, Indonesia, Japan, Papua New Guinea, Philippines, Samoa, Solomon Is., Thailand, Vanuatu, Australia has been reported first time for India based on the collection made from Andaman & Nicobar Islands. The specimen is deposited in the herbarium Haussknecht, Jena (JE). It has been published by P. Sukkharak in Phytotaxa 193 (1): 47. 2015.



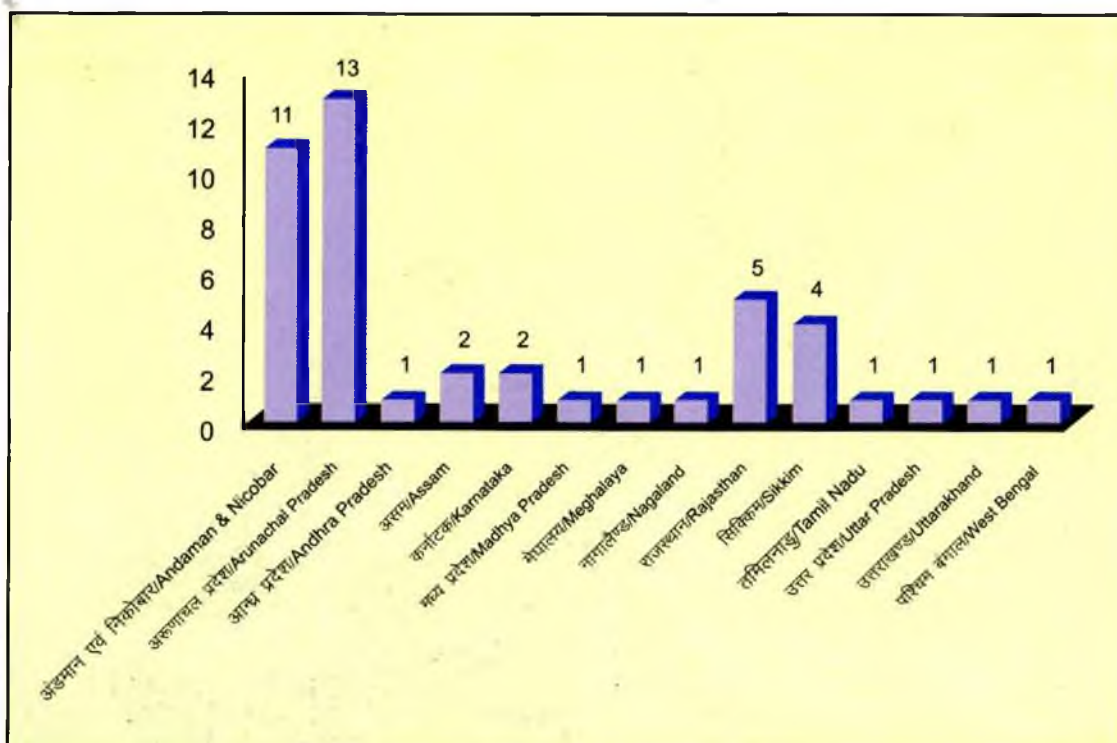
शैवाक/LICHENS

Courtesy J. Gupta

शैवाक/LICHENS

शैवाक, कवक एवं सामान्यतः हरे शैवाल अथवा सायनोजीवाणु जैसे प्रकाश संश्लेषी सहयोगी के साथ सहजीवी संबंध बनाते हैं। शैवाक वैसे तो व्यापक रूप में पाये जाते हैं फिर भी इनकी कई जातियां पर्यावरणीय विक्षोभों के प्रति संवेदनशील होती हैं जिसके फलतः इनका उपयोग वायु प्रदूषण प्रभाव के आंकलन में किया जा सकता है। विश्व की कुल शैवाक जातियों में लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा भारतीय शैवाकों का है। हमारी अब तक की जानकारी के अनुसार भारतीय शैवाक की लगभग 2479 जातियां हैं। इस प्रकार की अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है। इस क्रमवार सूचना में भारत से 08 नयी जातियां (03 जातियां सिक्किम से, 02 जातियां कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं तमिलनाडु में प्रत्येक से 01) तथा भारत से 37 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित हैं।

Lichens are symbiotic association of a fungus with a photosynthetic partner usually a green alga or cyanobacterium. Lichens are widespread, however many species are sensitive to environmental disturbances and may be useful in assessing the effect of air pollution. Lichens have also been used in making dyes and perfumes as well as in traditional medicines. The Indian lichens account for about 17 per cent of the total species of the world. In the present state of our knowledge India has About 2479 species of lichens. Many more are yet to be identified and described. The collated information presented here includes 08 new species (03 species from Sikkim, 02 species from Karnataka, 01 species each from Andhra Pradesh, Madhya Pradesh and Tamil Nadu and 37 new distributional records of lichens from India



भारतीय राज्यों से अन्वेषित शैवाक
LICHENS DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन जाति / NEW SPECIES

एकैन्थोथेसिस सबकॉनसोसिएन्स पूजा गुप्ता एवं जी. पी. सिन्हा, जे. न्यू बाइलोजिकल रिपोर्ट्स 4(2):103.2015.

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम राज्य के पूर्वी सिक्किम जिले से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसकी समानता *एकैन्थोथेसिस कोनसोसोसिएन्स* से होने के कारण किया गया है।



Acanthothecis subconsocians Pooja Gupta & G.P. Sinha, J. New Biological Reports 4(2): 103. 2015.

This new species has been discovered and described based on the collections made from Pangthang-Rokshe, East Sikkim District, Sikkim, India. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). The species epithet refers its similarity with *Acanthothecis consocians*.

कोयनोगोनियम दत्तात्रेयेन्से श्रवण कुमार एस. एवं वाई. एल. कृष्णमूर्ति, कवक 44: 64.2015.

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर, चन्द्र-द्रोण पहाड़ी 1693 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के पादपालय (एलडबल्युजी) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण प्रथम संग्रहण स्थल के नाम पर आधारित है।

Coenogonium dattatreyaense Shravan Kumar S. & Y.L. Krishnamurthy, Kavaka 44: 64. 2015.

This new species has been discovered and described based on the collections made from Chandra-Drona hill, Chikkamagaluru, Karnataka, India. The holotype is deposited in the Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named after the place of first collection.

कोयनोगोनियम किग्गायेन्से श्रवण कुमार एस. एवं वाई. एल. कृष्णमूर्ति, कवक 44: 63.2015.

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर, किग्गा सदाबहार वन से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के पादपालय (एलडबल्युजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थान किग्गा के नाम पर आधारित है।

Coenogonium kiggaense Shravan Kumar S. & Y.L. Krishnamurthy, Kavaka 44: 63. 2015.

This new species has been discovered and described based on the collections made from Kigga evergreen forest, Chikkamagaluru, Karnataka, India. The holotype is deposited in the Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named after the type locality Kigga.

गैयालिडिया कोर्टिकोला पूजा गुप्ता एवं जी. पी. सिन्हा, करंट रिसर्च इन इन्वायरमेन्टल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 5(2):145. 2015.

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत के सिक्किम राज्य के पेनांगला में वृक्ष की छाल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) स्थित पादपालय में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसके पोषकाधार पर आधारित है।

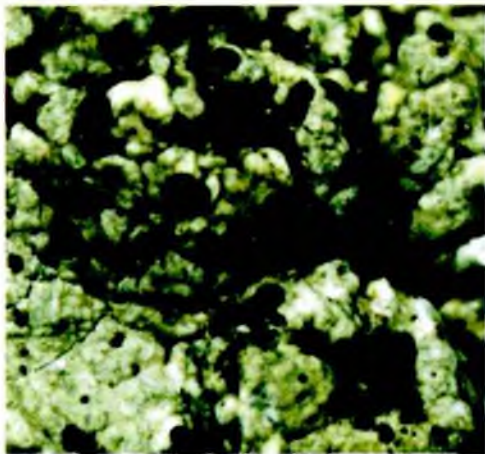


Gyalidea corticola Pooja Gupta & G.P. Sinha, Current Research in Environmental & Applied Mycology 5(2): 145. 2015.

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from Penangla, Sikkim, India on the bark of tree. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). The species epithet refers to its substratum..

मेलसपाइलिया अमरकंटकेंसिस एस. जोसेफ एवं जी. पी. सिन्हा, ताइवानिया 60 (1): 18. 2015

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मध्य प्रदेश राज्य के अनुपूर जिले के अमरकंटक में माँ की बगिया नामक स्थान से



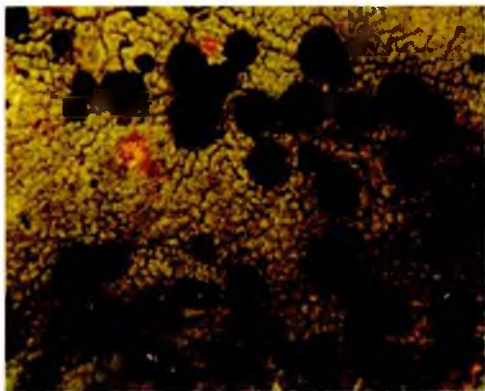
परटुसारिया अमरकंटकाना शैवाक पर शोरिया रोबोस्टा नामक वृक्ष के छाल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) स्थित पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थल अमरकंटक के नाम पर आधारित है।

Melaspilea amarkantakensis S. Joseph & G. P. Sinha, Taiwania 60(1):18. 2015.

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from Ma Ki Bagiya, Amarkantak, Anuppur district, Madhya Pradesh, India on *Pertusaria amarkantakana* lichen which grows on *Shorea robusta* bark. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). The species is named after the type locality Amarkantak.

स्टिग्माटोक्रोमा माइक्रोस्पोरा मोहाबे, नायक एवं ए. एम. रेड्डी, ज. न्यू बाइजलोजिकल रिपोर्ट्स 4(2):128. 2015.

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण व वर्णन आंध्र प्रदेश कूरनूल जिले के नालाकलुवा गांव में वृक्ष की छाल से प्राप्त किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप पादपालय, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके वंश के लघु बीजाणुओं पर आधारित है।



Stigmatochroma microspora Mohabe, Nayaka & A.M. Reddy, J. New Biological Reports 4(2): 128. 2015.

This new species has been discovered and described based on the collections made from bark of tree at Nalakaluva village, Kurnool district, Andhra Pradesh, India. The holotype is deposited in the Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named after the small spores in the genus.

साइनार्थोनिया सोरोमाइका एस. जोसेफ एवं जी.पी. सिन्हा, लाइकेनोलोजिस्ट 47(2):128.2015.

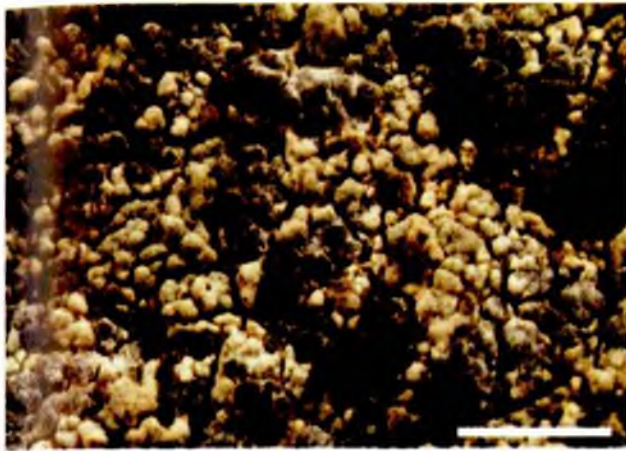
शैवाक की इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के नीलगिरि क्षेत्र में अरंबी वन से रेपानिया वाइटीयाना की छाल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित है। इसका नामकरण इसके माध्यमिक उपापचयी उत्पाद सोरोमिक अम्ल के नाम पर आधारित है।



Synarthonia psoromica S. Joseph & G. P. Sinha, Lichenologist 47(2):128.2015.

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from Armbi Forest, Nilgiris, Tamil Nadu, India on bark of *Rapanea wightiana*. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). The species is named after the secondary metabolite psoromic acid.

साइनारथोनिया सिक्किमसिस एस. जोसेफ एवं जी. पी. सिन्हा, लाइकेनोलॉजिस्ट 47(2):128.2015.



शैवाक की इस नई जाति का अन्वेषण व वर्णन सिक्किम में याकचे, लाचुंग-डोंबांग क्षेत्र से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित है। जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य सिक्किम के नाम पर आधारित है।

Synarthonia sikkimensis S. Joseph & G. P. Sinha, Lichenologist 47(2): 128. 2015.

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from Yakche, Lachung-Dombang, Sikkim, India. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). The species is named after the state Sikkim.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTION RECORDS

एगोनिमिया ओपुन्टियेला (बुसचार्ट एवं पोएल्ट) वेजदा (वेरुकारिऐसी)

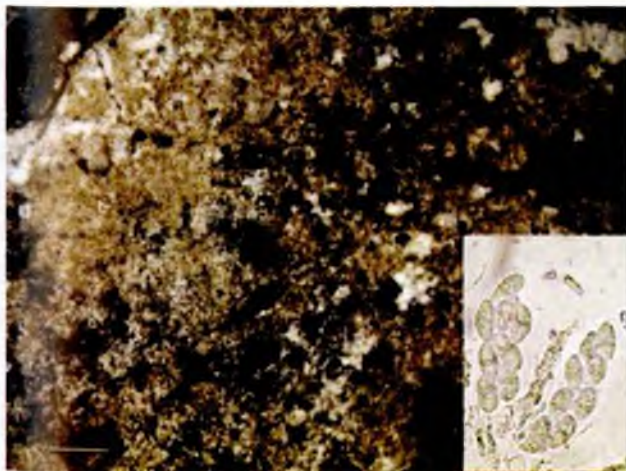
पूर्वतः एशिया, यूरोप, उत्तर, मध्य एवं दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार राजस्थान के सिरोंही जिले के माउन्ट आबू से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के पादपालय (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित है। इसे आर. बाजपैयी, एस. के. यादव एवं डी. के. उप्रेती द्वारा फाइटोटैक्सोनॉमी 15.76.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Agonimia opuntiiella (Buschardt & Poelt) Vázda (VERRUCARIACEAE)

This species earlier known from Asia, Europe, north, central and South America has been reported for the first time from India based on collections made from Mount Abu, Sirohi district, Rajasthan. The specimens are deposited in the Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai, S.K. Yadav and D.K. Upreti in Phytotaxonomy 15: 76. 2015.

अर्थोपाइरिनिया सैक्सीकोला ए. मस्साल. (अर्थोपाइरिनिएसी)

पूर्वतः ब्रिटेन, चीन, आयरलैंड एवं हांगकांग से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग घाटी जिले में मेहाओ वन्यजीव अभयारण्य से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) स्थित पादपालय में संग्रहित है। इसे पुष्पी सिंह, के.पी. सिंह व ए.जे. भट्ट द्वारा चेक लिस्ट 11(6):1807.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Arthopyrenia saxicola A. Massal. (ARTHOPYRENIACEAE)

This species earlier known from Britain, China, Ireland and Hong Kong has been reported for the first time from India based on collections made from Mehao Wildlife Sanctuary, Lower Debang Valley district, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

**एर्थोथिलियम सब्बेसल (नाइल.) मखिजा एवं पटव. (एर्थोनिऐसी)**

पूर्वतः सिंगापुर से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबानसिरी के तालिहा के सुबानसिरी नदी तट से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित है। इसे पुष्पी सिंह, के.पी. सिंह व ए.जे. भट्ट द्वारा चेक लिस्ट 11 (6): 1807. 2015 में प्रकाशित किया गया है।

**Arthothelium subbessale (Nyl.) Makhija & Patw. (ARTHONIACEAE)**

This species earlier known from Singapore has been reported for the first time from India based on collections made from Subansiri River bed, Taliha, Upper Subansiri district, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

अलैक्सिना डिक्टियोस्पोरा आर. संत (गोमफिल्लेसी)

पूर्वतः पूर्वी अफ्रिका एवं दक्षिणी-मध्य अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान द्वीपसमूह एवं मध्य अंडमान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी.ए.एम. जगदीश राम द्वारा इंडियन जे. फॉर 38 (1):63.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Aulaxina dictyospora R. Sant. (GOMPHILLACEAE)

This species earlier known from Eastern Africa, and south and Central America has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands, Middle Andaman. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(1): 63. 2015.

अलैक्सिना ओपीग्राफीना फी (गोमफिल्लेसी)

पूर्वतः जावा, पापुआ न्यू गिनिया, दक्षिण एवं मध्य अमेरिका एवं फिलिपिंस से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान द्वीप समूह के लिटिल अंडमान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी.ए.एम. जगदीश राम द्वारा इंडियन जे. फॉर 38 (1):64.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Aulaxina opegraphina Fée (GOMPHILLACEAE)

This species earlier known from Java, Papua New Guinea, south and central America and the Philippines has been reported for the first time from India based on collections made from Little Andaman Island of Andaman Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(1): 64. 2015.

बुलबोथ्रिक्स वेंट्रीकोसा (हेल एवं कुरोकावा) हाले (पारमेलिएसी)

पूर्वतः उत्तरी, मध्य एवं दक्षिण अमेरिका, दक्षिणी अफ्रिका व थाइलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी.ए.एम. जगदीश राम द्वारा इंडियन जे. फॉर 38(2):165.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Bulbothrix ventricosa (Hale & Kurokawa) Hale (PARMELIACEAE)

This species earlier known from north, central and South America, South Africa and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(2): 165. 2015.

बाइसोलोमा वेजडानम सेरुस. (गोमफिल्लेसी)

पूर्वतः पूर्वी अफ्रिका व दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम द्वारा इंडियन जे. फॉर 38(1):64.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Byssoloma vezdanum Sérus. (GOMPHILLACEAE)

This species earlier known from eastern Africa and South America has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram Indian J. For. 38(1): 64. 2015.

केलेनिया ग्रैफीडिया वेन (गोमफिल्लेसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया, दक्षिणी अमेरिका, मध्य अमेरिका व फिलिपाइन्स से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान द्वीपसमूह से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी.ए.एम. जगदीश राम द्वारा इंडियन जे. फॉर 38(1): 65. 2015. में प्रकाशित किया गया है।

Calenia graphidea Vain. (GOMPHILLACEAE)

This species earlier known from Indonesia, south and Central America and the Philippines has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(1): 65. 2015.

किनोथिकोप्सिस सवानिका (रासनेन) टाइबेल (माइकोकैलिसिएसी)

पूर्वतः आस्ट्रेलिया व उत्तर अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कचहरी रोड, पीलीभीत जिला, उत्तर प्रदेश के वन विभाग परिषद के वन से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) स्थित पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह द्वारा जे. इको. टेक्सोन. बॉट 39(1):169. 2015 में प्रकाशित किया गया।

Chaenothecopsis savanica (Räsänen) Tibell (MYCOCALICIACEAE)

This species earlier known from Australia and North America has been reported for the first time from India based on collections made from Van Vibhag parishad forest, Kachahari Road, Pilibhit district, Uttar Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pushpi Singh, in J.Eco. Taxon. Bot. 39(1):169.2015.

चियोडेक्टॉन मालमेयी जी. थोर (रोस्सीलियेसी)

पूर्वतः ब्राजील, कोलम्बिया, क्युबा, फ्रेंच गुयाना, पनामा, त्रिनिडाड व अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान द्वीप समूह से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी.ए.एम. जगदीश राम द्वारा इंडियन जे. फॉर 38 (2):166. 2015. में प्रकाशित किया गया है।

Chiodecton malmei G. Thor (ROCCCELLACEAE)

This species earlier known from Brazil, Columbia, Cuba, French Guiana, Panama, Trinidad and USA has been reported for the first time from India based on collections made from Andaman Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(2): 166. 2015.

**क्रिप्टोथिसिया इरेगुलेरिस** लुकिंग, एप्रूट, काल्ब एवं एलिक्स (अर्थोनिऐसी)

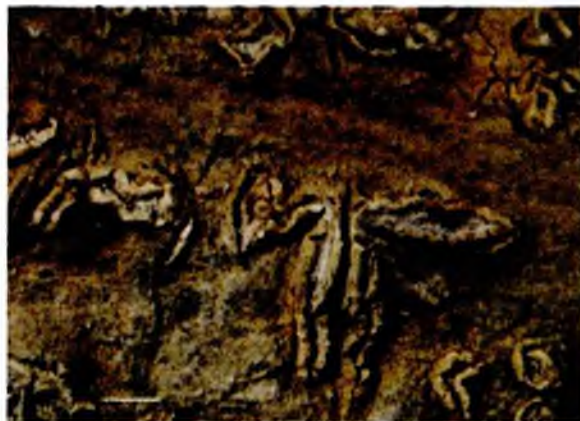
पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया व चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम द्वारा इंडियन जे. फॉर 38(1):65.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Cryptothecia irregularis Lücking, Aptroot, Kalb & Elix (ARTHONIACEAE)

This species earlier known from Australia and China has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(1): 65. 2015.

डायोरिग्मा मैकग्रेगोराई (वेन) काल्ब, स्ट्रेगर एवं एलिक्स (ग्रेफीडेसी)

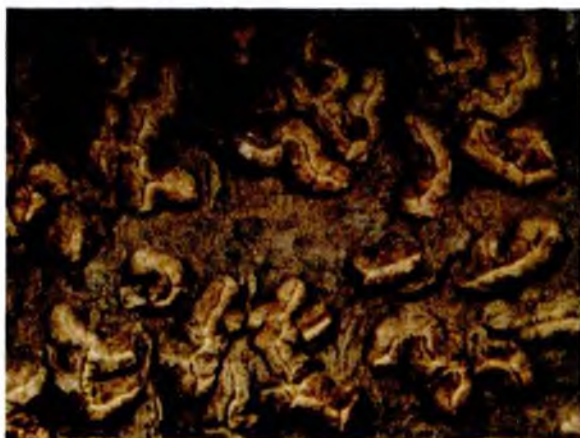
पूर्वतः चीन, फिलिपिंस एवं पापुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के भालुकपोंग-टेंगा से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) स्थित पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह, के.पी. सिंह व ए.जे. भट्ट द्वारा चेक लिस्ट 11(6):1807. 2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Diorygma macgregorii*** (Vain.) Kalb, Staiger & Elix (GRAPHIDACEAE)

This species earlier known from China, Philippines and Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on collections made from Bhaulkpong-Tenga, West Kameng district, district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

डायोरिग्मा पाचिग्राफम (नाइल) काल्ब, स्ट्रेगर एवं एलिक्स (ग्रेफीडेसी)

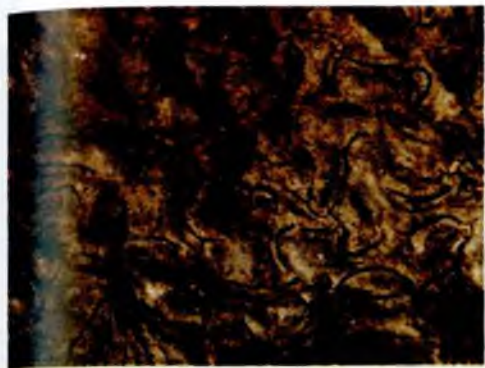
पूर्वतः चीन, कोलम्बिया, फिलिपिंस व तंजानिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग घाटी जिले के मेहाओ वन्यजीव अभयारण्य से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह, के.पी. सिंह व ए.जे. भट्ट द्वारा चेक लिस्ट 11 (6): 1807. 2015 में प्रकाशित किया गया ।

***Diorygma pachygraphum*** (Nyl.) Kalb, Staiger & Elix (GRAPHIDACEAE)

This species earlier known from China, Colombia, Philippines and Tanzania has been reported for the first time from India based on collections made from Mehao Wildlife Sanctuary, Lower Debang Valley district, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

ग्रेफिस क्रसिलब्रा मुल्ल. अर्ग. (ग्रेफिडेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया व फिलिपिन्स से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जनपद के



बालपकग्राम वन से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय सर्वेक्षण के पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग (एसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह व के. पी. सिंह द्वारा जियोफाइटोलोजी 45 (2):186.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Graphis crassilabra Müll. Arg. (GRAPHIDACEAE)

This species earlier known from Australia and the Philippines has been reported for the first time from India based on collections made from Balpakgram forest, West Garo hills district, Meghalaya. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Pushpi Singh & K.P. Singh in Geophytology 45(2): 186. 2015.

ग्रेफिस नुडा (मैग्न.) स्टेगर एवं लुकिंग (ग्रेफिडेसी)

पूर्वतः भारत में अज्ञात इस जाति का पता प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग घाटी जनपद के मेहाओ वन्यजीव



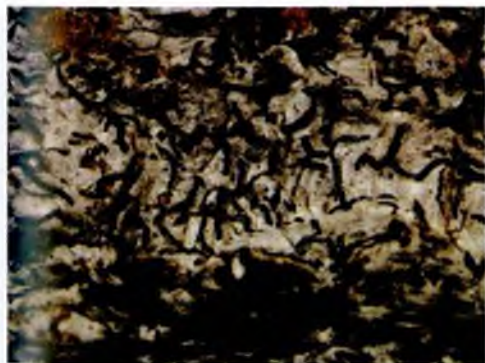
अभयारण्य से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह, के.पी. सिंह व ए. जे. भट्ट द्वारा चेक लिस्ट 11(6):1807.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Graphis nuda (Magn.) Staiger & Lücking (GRAPHIDACEAE)

This species earlier not known from India has been reported for the first time based on collections made from Mehao Wildlife Sanctuary, Lower Debang Valley district, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

ग्रेफिस ओलिगोस्पोरा जाहलबर. एपुड हैंडेल-मेज्जेटी (ग्रेफिडेसी)

पूर्वतः भारत में अज्ञात इस जाति का पता प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के लोअर देबांग घाटी जनपद के मेहाओ वन्यजीव अभयारण्य से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद



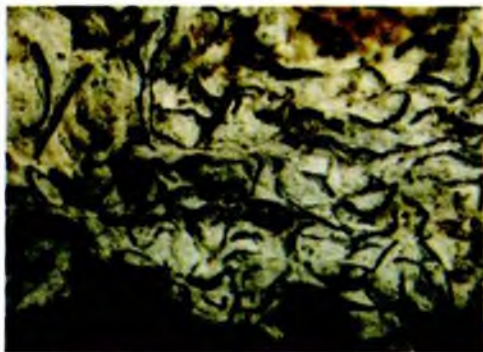
(बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह, के.पी. सिंह व ए.जे. भट्ट द्वारा चेक लिस्ट 11(6):1807.2015 में प्रकाशित किया गया।

Graphis oligospora Zahlbr. apud Handel-Mazzetti (GRAPHIDACEAE)

This species earlier not known from India has been reported for the first time based on collections made from Mehao Wildlife Sanctuary, Lower Debang Valley district, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

**ग्रेफिस पैरासरपेंस लिजयेनो एंड लुकिंग (ग्रेफिडेसी)**

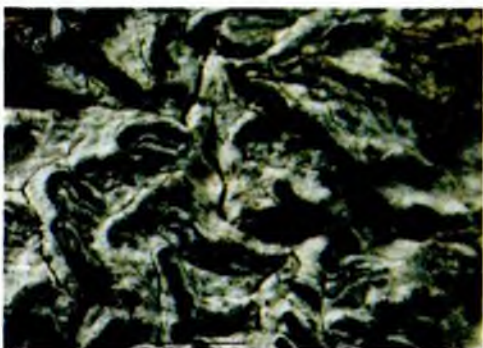
पूर्वतः सिंगापुर से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जनपद के सेस्सा नामक स्थान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह, के. पी. सिंह व ए. जे. भट्ट द्वारा चेक लिस्ट 11 (6):1807.2015 में प्रकाशित किया गया है।

**Graphis paraserpens Lizano & Lücking (GRAPHIDACEAE)**

This species earlier known from Singapore has been reported for the first time from India based on collections made from Sessa, West Kameng district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

ग्रेफिस पावोनियाना फि. (ग्रेफिडेसी)

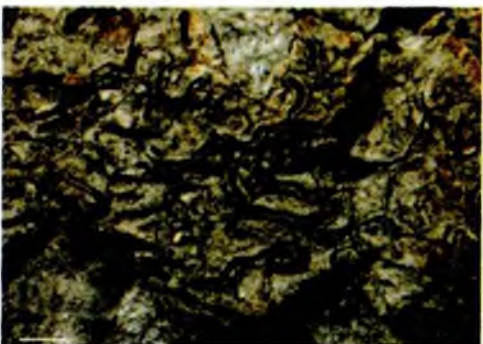
पूर्वतः दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार नागालैंड के मोकोकचुंग जिले के मोकोकचुंग-मेकांग वन से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग (एएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह व के.पी. सिंह के द्वारा जियोफाइटोलोजी 45 (2):186.2015 में प्रकाशित किया गया है।

**Graphis pavoniana Fée. (GRAPHIDACEAE)**

This species earlier known from South America has been reported for the first time from India based on collections made from Mokokchung-Mekong forest, Mokokchung district, Nagaland. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Pushpi Singh and K.P. Singh in Geophytology 45(2): 186. 2015.

ग्रेफिस रेंसचियाना (मुल्ल. अर्ग.) स्टिजेनब. (ग्रेफिडेसी)

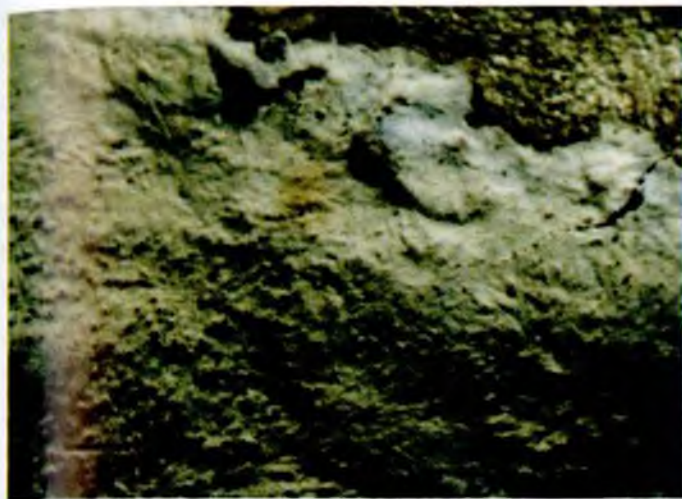
पूर्वतः चीन, फ्लोरिडा, मैडागास्कर व फिलिपिन्स से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के टिपी नामक स्थान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह, के.पी. सिंह व ए.जे. भट्ट द्वारा चेक लिस्ट 11(6):1807.2015 में प्रकाशित किया गया है।

**Graphis renschiana (Müll. Arg.) Stizenb. (GRAPHIDACEAE)**

This species earlier known from China, Florida, Madagascar and the Philippines has been reported for the first time from India based on collections made from Tipi, West Kameng district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

हर्पोथैलोन जापोनिकम (जाहलबर) जी. थोर (अर्थोनिएसी)

पूर्वतः जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले फाकुई वन्यजीव अभयारण्य से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग



(एएसएसएम) में संग्रहित है। इसे पुष्पी सिंह, के. पी. सिंह एवं ए.जे. भट्ट द्वारा चेक लिस्ट 11 (6):1807.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Herpothallon japonicum (Zahlbr.) G. Thor
(ARTHONIACEAE)

This species earlier known from Japan has been reported for the first time from India based on collections made from Phakui Wildlife Sanctuary, East Kameng district, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

जुलेला विट्रीस्पोरा (कुक एवं हार्कनेस) एम.इ.बार (आर्थोपाइरेनिएसी)

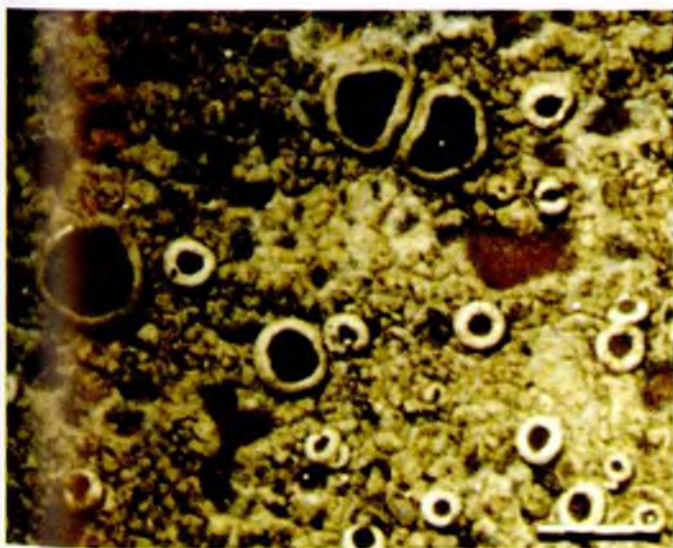
पूर्वतः भारत में अज्ञात इस जाति का पता प्रथम बार राजस्थान के सिरोही जिले के माउंट आबु से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप पादपालय, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) में संग्रहित किया गया है इसे आर. वाजपेयी, एस. के. यादव एवं डी.के. उप्रेती के द्वारा फाइटोटैक्सोनोमी 15:76.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Julella vitrispora (Cooke & Harkness) M.E. Barr (ARTHOPYRENIACEAE)

This species earlier not known from India has been reported for the first time based on collections made from Mount Abu, Sirohi district, Rajasthan. The specimen is deposited in the Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai, S.K. Yadav and D.K. Upreti in Phytotaxonomy 15: 76. 2015.

मालमिडिया साइकोट्रियोडिस (काल्ब एवं लुकिंग) काल्ब, रिवस प्लाटा एंड लंबर्स्च (मालमिडिएसी)

पूर्वतः ब्राजील से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार राजस्थान के सिरोही जिले के माउंट आबु से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित



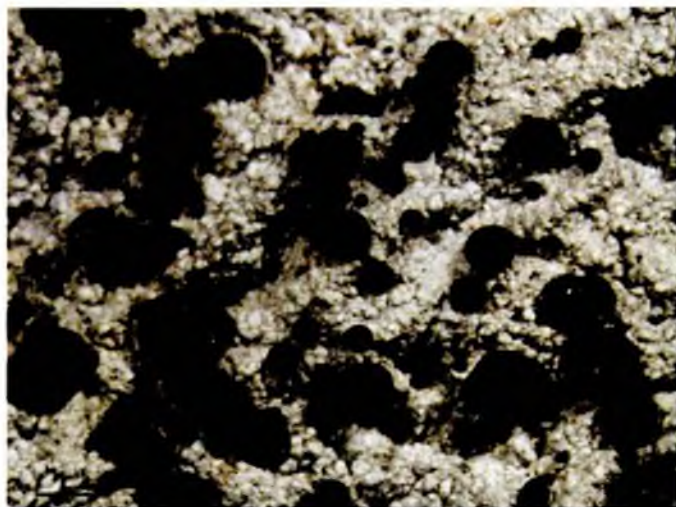
किया गया है। इसे जी.पी. सिन्हा, पी. गुप्ता, आर. कर एवं एस. जोसेफ द्वारा करेंट रिसर्च इन एनवायरनमेंटल एंड एप्लाइड माइकोलोजी 5(4): 368.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Malmidea psychotrioides (Kalb & Lücking) Kalb. Rivas Plata & Lumbsch (MALMIDEACEAE)

This species earlier known from Brazil has been reported for the first time from India based on collections made from Mount Abu, Sirohi district, Rajasthan. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by G.P. Sinha, P. Gupta, R. Kar and S. Joseph in Current Research in Environmental & Applied Mycology 5 (4): 368. 2015.

**मेगालोस्पोरा एट्रोब्रिकेन्स (नाइल.) जहलबर (मेगालोस्पोरेसी)**

पूर्वतः हवाई द्वीप, इंडोनेशिया, मेसकरिन द्वीपसमूह, पापुआ न्यू गिनी, फिलिपिंस एवं न्यू कैलेडोनिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के शेरगांव से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका



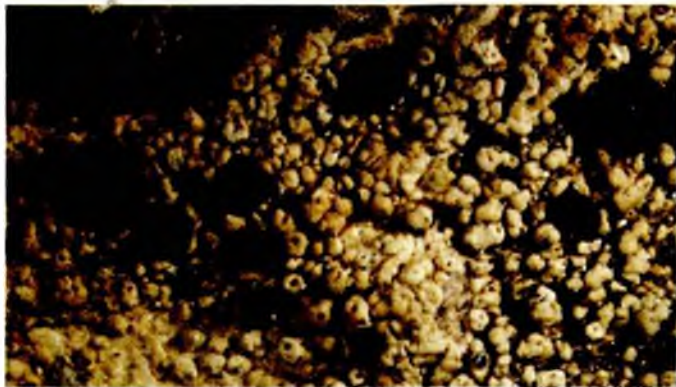
प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह, के.पी. सिंह व ए.जे. भट्ट के द्वारा चेक लिस्ट 11 (6):1807. 2015 में प्रकाशित किया गया है।

Megalospora atrorubricans (Nyl.) Zahlbr.
(MEGALOSPORACEAE)

This species earlier known from Hawaiian Islands, Indonesia, the Mascarene Islands, Papua New Guinea, the Philippines and New Caledonia has been reported for the first time from India based on collections made from Shergoan, West Kameng district, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

माइकोब्लास्टस एफिनिस (सेचर) सौसर (माइकोब्लास्टेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रिया, ब्रिटिश एसेल्स, कनाडा, स्वीटजरलैंड एवं अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के अंजाओ जनपद के हॉटस्प्रिंग-जाचूप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह व के.पी. सिंह के द्वारा इंडियन जे. फॉर 38 (3):249.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Mycoblastus affinis (Schaer) Schauer
(MYCOBLASTACEAE)

This species earlier known from Austria, British Isles, Canada, Switzerland and USA has been reported for the first time from India based on collections made from Hotspring-Jachup, Anjaw district, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Pushpi Singh and K.P. Singh in Indian J. For. 38(3): 249. 2015.

ओपेग्राफा सबडीमाइडियाटा एरटेज (रोसेल्लेसी)

पूर्वतः रवांडा एवं थाइलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल के 24-परगना जनपद के बिट्टा नामक स्थान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपात्र, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. जोसेफ, जी. पी. सिन्हा व वी. एस. रामचन्द्रन द्वारा इंडियन जे. फॉर 38 (3): 255. 2015 में प्रकाशित किया गया है।

Opegrapha subdimidiata Ertz (ROCCELLACEAE)

This species earlier known from Rwanda and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from Bitta, 24-Parganas district, West Bengal. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah (CAL). It has been published by S. Joseph, G.P. Sinha and V.S. Ramachandran in Indian J. For. 38(3): 255. 2015.

ओपेग्राफा जेरिका टॉनरेट एंड एगा (रोसेल्लेसी)

पूर्वतः ब्रिटिश आइल्स, गलापागोस द्वीप, मेक्सिको, मोरक्को, स्पेन व अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम के याकची, लाचुंग क्षेत्र से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे एस.जोसेफ, जी.पी.सिन्हा व वी.एस. रामचन्द्रन के द्वारा इंडियन जे. फॉर 38(3):256.2015 में प्रकाशित किया गया।

Opegrapha xerica Torrente & Egea (ROCCELLACEAE)

This species earlier known from British Isles, Galapagos Islands, Mexico, Morocco, Spain and USA has been reported for the first time from India based on collections made from Yakche, Lachung, Sikkim. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by S. Joseph, G.P. Sinha and V.S. Ramachandran in Indian J. For. 38(3): 256. 2015.

ओपेग्राफा फियोफाइसी आर. संत (रोसेल्लेसी)

पूर्वतः जापान, रूस, व दक्षिणी कोरिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के थाल के धार नामक स्थान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, एस एस जे. कैपस, अल्मोड़ा (एएलएम) व पीयूएन के पादपालय में संग्रहित है। इसे वाई. जोशी, एस. उपाध्याय, एम. त्रिपाठी व के. चन्द्रा के द्वारा कवक 44:50.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Opegrapha pheophyciae R. Sant. (ROCCELLACEAE)

This species earlier known from Japan, Russia and South Korea has been reported for the first time from India based on collections made from Thal Ke Dhar, Pithoragarh, Uttarakhand. The specimen is deposited in the Herbarium Botany Department, SSJ Campus, Almora (ALM) and PUN. It has been published by Y. Joshi, S. Upadhyay, M. Tripathi and K. Chandra in Kavaka 44: 50. 2015.

पोराइना टिजुकाना वेन (पोरिनेसी)

पूर्वतः ब्राजील, कोस्टारिका, कोलम्बिया, पनामा एवं थाइलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले शेरगांव से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पूर्वी



क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग (एसएसएसएम) के पादपालय में संग्रहित है। इसे पुष्पी सिंह, के.पी.सिंह एवं ए.जे. भट्ट के द्वारा चेक लिस्ट 11(6):1807.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Porina tijucana Vain. (PORINACEAE)

This species earlier known from Brazil, Costa Rica, Colombia, Panama and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from Shergoan, West Kameng district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

पोराइना स्फेरोसिफाला वेन (पोरिनेसी)

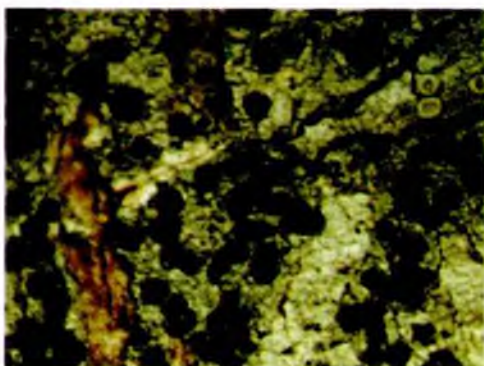
पूर्वतः अफ्रिका, चीन, मलेशिया, पापुआ न्यू गिनी एवं फिलिपिन्स से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) के पादपालय में संग्रहित है। इसे टी.ए.एम. जगदीश राम के द्वारा इंडियन जे.फॉर 38 (1): 66. 2015 में प्रकाशित किया गया है।

Porina sphaerocephala Vain. (PORINACEAE)

This species earlier known from Africa, China, Malaysia, Papua New Guinea and the Philippines has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(1): 66. 2015.

**प्रोटोपारमेलिया हेसपेरिया (कांतिविलास एवं इलिक्स) कांतिविलास, पपोंग एवं लुम्बश्च (पारमेलिएसी)**

पूर्वतः आस्ट्रेलिया से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार असम राज्य के धुबरी जनपद के पानवारी चाय बागान, पानवारी से वृक्ष की छाल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पूजा गुप्ता एवं जी. पी. सिन्हा के द्वारा जर्नल ऑन न्यू बायोलॉजिकल रिपोर्ट्स 4(2):132.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Prototermelia hesperia (Kantvilas & Elix) Kantvilas, Papong & Lumbsch (PARMELIACEAE)

This species earlier known from Australia has been reported for the first time for India based on collections made from the barks of tree, Panbarie Tea-Garden, Panbarie, Dhubri district, Assam. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pooja Gupta and G.P. Sinha in Journal on new Biological Reports 4(2): 132-134. 2015.

रेलिसिना रेलिसिनुला (मुल्ल. अर्ग.) हाले (पारमेलिएसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया, मलेशिया एवं फिलिपिन्स से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के काटछल द्वीप, निकोबार से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा इंडीयन ज. फॉरे. 38(2):169.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Relicina relacinula (Müll. Arg.) Hale (PARMELIACEAE)

This species earlier known from Indonesia, Malaysia and the Philippines has been reported for the first time from India based on collections made from Katchal Island of the Nicobar Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(2): 169. 2015.

रेहब्बोडिस्कस क्रैस्सस (मुल्ल. अर्ग.) रिवस (ग्राफिडिऐसी)

पूर्वतः आस्ट्रेलिया, कोस्टा रिका, इंडोनेशिया (जावा), जापान एवं संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग वैली जनपद में मेहाओ वन्य जीव अभयारण्य से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह, के. पी. सिंह एवं ए. जे. भट्ट के द्वारा चेक लिस्ट 11(6):1807.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Rhabdodiscus crassus (Müll. Arg.) Rivas (GRAPHIDACEAE)

This species earlier known from Australia, Costa Rica, Indonesia (Java), Japan and USA has been reported for the first time from India based on collections made from Mehao Wildlife Sanctuary, Lower Debang Valley district, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pushpi Singh, K.P. Singh and A.J. Bhatt in Check List 11(6): 1807. 2015.

स्टोरोथेले रूगूलोसा (ए. मास्सल.) अरनोल्ड (वैरुकैरिऐसी)

पूर्वतः भारत से अज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार राजस्थान राज्य में स्थित सज्जनगढ़ वन्य जीव अभयारण्य से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे जी. पी. सिन्हा, पी. गुप्ता, आर. कर, एवं एस. जोसेफ के द्वारा करंट रिसर्च इन इन्वायरमेंटल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 5(4):368.2015 में प्रकाशित किया गया है।

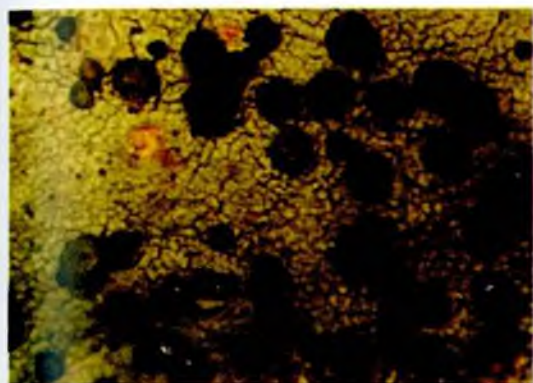


Staurothele rugulosa (A. Massal.) Arnold (VERRUCARIACEAE)

This species earlier not known from India has been reported for the first time based on collections made from Sajjangarh Wildlife Sanctuary, Rajasthan. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by G.P. Sinha, P. Gupta, R. Kar and S. Joseph in Current Research in Environmental & Applied Mycology 5 (4): 368. 2015.

स्ट्राईगुला माइक्रोस्पोरा लुकिंग (स्ट्राईगुलेरिऐसी)

पूर्वतः आस्ट्रेलिया एवं चीन से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के अंडमान द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा इंडियन ज. फॉरे. 38(1):68.2015 में प्रकाशित किया गया है।

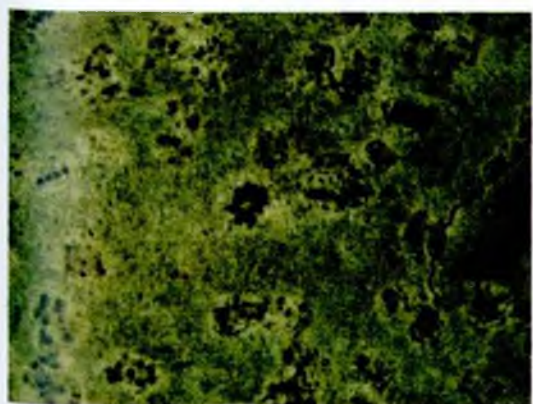


Strigula microspora Lücking (STRIGULACEAE)

This species earlier known from Australia and China has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(1): 68. 2015.

स्टीरटोनिया पंक्तिफोर्मिस अप्ट्रूट एवं सिपमैन (आर्थोनिऐसी)

पूर्वतः कोस्टा रिका एवं ग्वेना से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार असम राज्य के कालाइन चाय बागान, कलाइन, काछड़ जनपद से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पूजा गुप्ता के द्वारा कवक 44:62.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Stirtonia punctiformis Aptroot & Sipman (ARTHONIACEAE)

This species earlier known from Costa Rica and Guyana has been reported for the first time based on collections made from Kalain Tea-Garden, Kalain, Cachar district, Assam. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA) has been published by Pooja Gupta in Kavaka 44: 62. 2015.

**ट्राईकोथिलियम बिपिन्डेन्से** एफ. स्चिल. (पोरिनेसी)

पूर्वतः आस्ट्रेलिया एवं चीन से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के अंडमान द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा इंडियन ज. फॉरे. 38(1):69. 2015 में प्रकाशित किया गया है।

Trichothelium bipindense F. Schill. (PORINACEAE)

This species earlier known from Australia and China has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 38(1): 69. 2015.

विल्लिया डिफ्रैक्टेल्ला (नाइल.) मुल्ल. अर्ग. (वेरुकैरिऐसी)

पूर्वतः भारत से अज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार राजस्थान राज्य के कुसालिद्रा वन क्षेत्र, सवाईमाधोपुर से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे जी. पी. सिन्हा, पी. गुप्ता, आर. कर, एवं एस. जोसेफ के द्वारा करंट रिसर्च इन इन्वायरमेन्टल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 5(4):369.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Willeya diffractella (Nyl.) Müll. Arg. (VERRUCARIACEAE)

This species earlier not known from India has been reported for the first time based on collections made from Kusalidra forest, Sawaimadhopur, Rajasthan. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by G.P. Sinha, P. Gupta, R. Kar and S. Joseph in Current Research in Environmental & Applied Mycology 5(4): 369. 2015.





शैवाल/ALGAE

शैवाल/ALGAE

शैवाल एककोशीय से बहुकोशीय संरचना वाले सरल, प्ररूपी तौर स्वपोषी जीव का विशाल एवं विविधतापूर्ण समूह है। विश्व स्तर पर शैवालों का अत्यधिक दोहन होने के साथ ही भारत में भी शैवालों के बारे में जानकारी में लगातार में गुणात्मक वृद्धि हो रही है। विश्व की कुल शैवाल जातियों का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा भारतीय शैवालों का है। हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय शैवाल की लगभग 7,331 जातियाँ हैं। इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में भारत की 09 नयी जातियाँ (गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में प्रत्येक से 02 जातियाँ) मणिपुर से 01 जाति तथा भारत से 13 जातियों के नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित हैं।

Algae are large and diverse group of simple, typically autotrophic organisms from unicellular to multicellular forms.

Though algae are becoming more and more open to exploitation worldwide,

Knowledge on algae in India increasing tremendously in recent times.

The Indian algae account for about 18 per cent of the total species of the world.

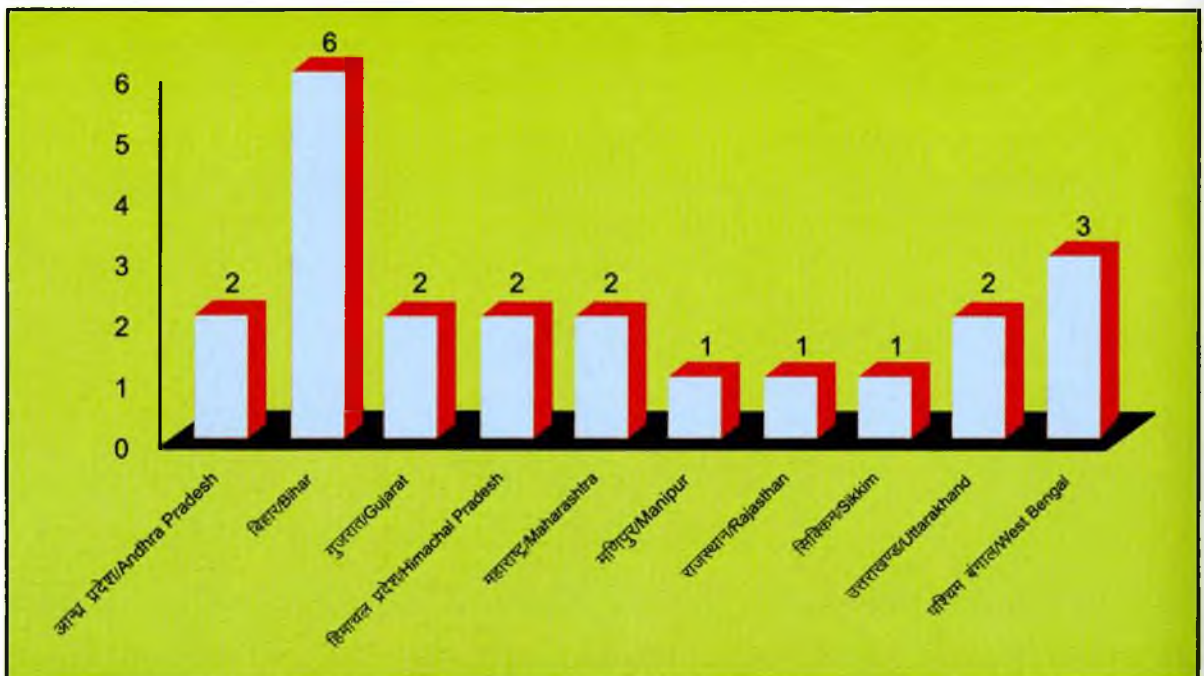
In the present state of our knowledge India has about 7331 species of algae.

Many more are yet to be identified and described.

The collated information presented here includes 9 new species

(02 species each from Gujarat, Maharashtra, Uttarakhand, West Bengal, 01 species from Manipur);

And 13 taxa as new distributional records.



विभिन्न राज्यों से अन्वेषित शैवाल
ALGAE DISCOVERED FROM DIFFERENT STATES

नवीन जाति / NEW SPECIES

गोम्फोनिमा दूनेन्सिस बी. कार्तिक, आर. नौटियाल एवं जे.पी. कोसियोलेक, नोवा हेडविगिया 144:169.2015. (बेसिलेरियोफाइसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तराखंड राज्य के देहरादून, नलोटा नदी से प्राप्त संग्रहण पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप डॉयटम संग्रहालय, कोलेरेडो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इसका समप्ररूप अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण दून घाटी के नाम पर आधारित है।

Gomphonema doonensis B. Karthick, R. Nautiyal & J.P. Kociolek, Nova Hedwigia 144: 169. 2015. (BACILLARIOPHYCEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Nalota stream, Dehradun, Uttarakhand. The holotype is deposited in the Diatom Collections, University of Colorado, USA and the isotype is deposited in Agharkar Research Institute Herbarium, Pune. The species is named after the type locality, Doon Valley.

गोम्फोनिमा ज्यूटेनराई बी. कार्तिक, आर. नौटियाल एवं जे.पी. कोसियोलेक, नोवा हेडविगिया 144:166.2015. (बेसिलेरियोफाइसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तराखंड राज्य के देहरादून, नलोटा नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप डॉयटम संग्रहालय, कोलेरेडो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में एवं इसका समप्ररूप अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. इन्ग्रिड ज्यूटनर, राष्ट्रीय संग्रहालय, वेल्स, कार्डिफ, ब्रिटेन के सम्मान में किया गया है।

Gomphonema juetnerii B. Karthick, R. Nautiyal & J.P. Kociolek, Nova Hedwigia 144: 166. 2015. (BACILLARIOPHYCEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Nalota stream, Dehradun, Uttarakhand. The holotype is deposited in the Diatom Collections, University of Colorado, USA and the isotype is deposited in Agharkar Research Institute Herbarium, Pune (AMH). The species is named in the honour of Dr. Ingrid Jüttner, National Museum of Wales, Cardiff, UK.

लेमानिया मणिपुरेंसिस ई. के. गणेशन, जे. ए. वेस्ट, जुकारेल्लो एवं जे. राउत, एल्गी 30(1):3.2015. (रोडोफाइसी)



इस नवीन जाति को अन्वेषण एवं वर्णन चाकपी नदी, मणिपुर से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप राष्ट्रीय पादपालय, विक्टोरिया, रॉयल बॉटेनिक गार्डन्स, मेलबर्न आस्ट्रेलिया में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण मणिपुर राज्य के नाम पर आधारित है।

Lemanea manipurensis E.K. Ganesan, J.A. West, Zuccarello & J. Rout, Algae 30 (1): 3. 2015. (RHODOPHYCEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Chakpi river, Manipur. The holotype is deposited in National Herbarium of Victoria, Royal Botanic Gardens Melbourne, Australia. The species is named after the state Manipur.

निश्चया कोसियोलेकाई अलकनंदा, बी. कार्तिक, जे.सी. टेलर एवं पी.बी.हेमिलटन, फाइकोलोजिकल रिसर्च 63:31.2015. (बेसिलेरियोफाइसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के बुल्दाना में पक्षियों के तालाब से 563 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप अगरकर अनुसंधान संस्थान पादपालय, पुणे (एएमएच) एवं समप्ररूप एनडब्ल्यूयू एवं सीएनए में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण शैवाल विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने हेतु प्रो. जे.पी. कोसियोलेक, कोलेरेडो विश्वविद्यालय, अमेरिका के सम्मान में किया गया है।

Nitzschia kociolekii Alakananda, B. Karthick, J.C. Taylor & P.B. Hamilton, Phycological Research 63: 31. 2015. (BACILLARIOPHYCEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from a Bird feeding pond in Buldana, Maharashtra at 563m. The holotype is deposited in Agharkar Research Institute Herbarium, Pune (AMH) and isotypes are in NWU & CANA. The species is named in the honour of Prof. J.P. Kociolek, University of Colorado, USA for his great contribution in Algology.



निश्चया ट्राइपुडियो अलकनंदा, बी. कार्तिक, जे.सी. टेलर एवं पी.बी. हेमिलटन, फाइकोलोजिकल रिसर्च 63:31.2015. (बेसिलेरियोफाइसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन बुलढाना, महाराष्ट्र के तालाब से प्राप्त संग्रहण पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप अगरकर अनुसंधान संस्थान पादपालय, पुणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का विशेष नाम एरिओल के संदर्भ में है, जो कुदने वाला प्रतीत होता है

Nitzschia tripudio Alakananda, B. Karthick, J.C. Taylor & P.B. Hamilton, Phycological Research 63: 33. 2015. (BACILLARIOPHYCEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from a Bird feeding pond in Buldana, Maharashtra at 563m. The holotype is deposited in Agharkar Research Institute Herbarium, Pune (AMH) and isotypes are in NWU & CANA. The species epithet refers to the structure of the areolae which appeared to be jumping or leaping.

रोहिकोस्फेनिया गांधाई ई. डब्ल्यू. थॉमस, बी. कार्तिक एवं कोसियोलेक, डायटम रिसर्च 30(1):36.2015. (रोहिकोस्फेनियाईसी)

इस नवीन जाति की अन्वेषण एवं वर्णन भारत के गुजरात राज्य के गाल्तेश्वर, निकट माही नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप एकेडमी ऑफ नेचुरल साइंसेज, फिलाडेल्फीया, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं समप्ररूप म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, कोसियोलेक कलेक्सन, बोल्डर, कोलेराडो, संयुक्त राज्य अमेरिका में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारत के प्रसिद्ध डायटम विज्ञानी प्रो. एच पी. गाँधी के सम्मान में किया गया है।

Rhoicosphenia gandhii E.W. Thomas, B. Karthick & Kociolek, Diatom Research 30(1):36.2015. (RHOICOSPHEIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Galteshwar, near Mahi River, Gujarat, India. The holotype is deposited in Academy of Natural Sciences, Philadelphia, USA and isotypes are in Museum of Natural History, Kociolek Collection, Boulder, Colorado, USA. The species is named in honour of Professor H.P. Gandhi, one of the foremost Indian diatomists.

रोहिकोस्फेनिया इंडिका ई. डब्ल्यू. थॉमस, बी. कार्तिक एवं कोसियोलेक, डायटम रिसर्च 30(1):37.2015 (रोहिकोस्फेनियाईसी)

इस नवीन जाति की अन्वेषण एवं वर्णन भारत के गुजरात राज्य के गाल्तेश्वर, निकट माही नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप एकेडमी ऑफ नेचुरल साइंसेज, फिलाडेल्फीया, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं समप्ररूप म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, कोसियोलेक कलेक्सन, बोल्डर, कोलेराडो, संयुक्त राज्य अमेरिका में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश भारत के अंग्रेजी नाम पर आधारित है।

Rhoicosphenia indica E.W. Thomas, B. Karthick & Kociolek, Diatom Research 30(1):37.2015. (RHOICOSPHEIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Galteshwar, near Mahi River, Gujarat, India. The holotype is deposited in Academy of Natural Sciences, Philadelphia, USA and isotypes are in Museum of Natural History, Kociolek Collection, Boulder, Colorado, USA. The species is named after country of its occurrence.

थैलैसियोसेरा सुंदरबना बी. सामंत एंड पी. भादुड़ी, फाइकोलोजिकल रिसर्च 63(2):104.2015. (बेसिलेरियोफाइसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन पश्चिम बंगाल राज्य के चेमागुडी खाड़ी, सुंदरबन से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावडा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थल सुंदरबन के नाम पर आधारित है।

Thalassiosira sunderbana B. Samanta & P. Bhadury, Phycological Research 63 (2): 104. 2015. (BACILLARIOPHYCEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Chemaguri creek, Sundarban, West Bengal. The holotype is deposited Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after the name of the type locality, Sundarban.

ट्रेन्टेपोह्लिया सुन्दरबनेनसिस जी.जी. सतपति एवं आर. पाल, फाइकोस 45 (1): 2. 2015 (क्लोरोफाईसी)



इस नवीन जाति की अन्वेषण एवं वर्णन सुंदरबन, पश्चिम बंगाल के चेरामातला द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थान सुंदरबन के नाम पर किया गया है।

Trentepohlia sundarbanensis G.G. Satpati & R. Pal, Phytos 45 (1): 2. 2015. (CHLOROPHYCEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Cheramatla Island, Sundarban, West Bengal. The holotype is deposited in Calcutta University Kolkata. The species is named after the name of the type locality, Sundarban.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTION RECORD

एपाटोकोकस लोबेटस (कोडाट.) जे. बी. पीटरसन (क्लोरोफाईसी)



पूर्वतः अमेरिका एवं अन्य स्थलीय जलनिकायों से ज्ञात इस जाति का भारत में प्रथम बार पता आचार्य जगदीश चन्द्र बोस, भारतीय वनस्पति उद्यान, हावड़ा, पश्चिम बंगाल के लोहे के बाड़ों से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास एवं राजेन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा फाइकोस 45(2):11.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Apatococcus lobatus (Chodat.) J.B. Petersen (CHLOROPHYCEAE)

The species earlier known from USA and other terrestrial water bodies is reported from India for the first time based on the collection made from Iron fences around AJC Bose Indian Botanic Garden, Howrah, West Bengal. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Howrah. It has been published by Sudipta Kumar Das and Rajendra Kumar Gupta in Phytos 45 (2): 11.2015.

एफनोकैपसा इनसर्टा (लेम्मेर्म.) कॉर्नबर्ग एंड कोमारेक (सायनोफाईसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया एवं ब्रिटेन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार बिहार के गंगा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास एवं ओंकारनाथ मौर्य द्वारा निलुम्बो 57:127.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Aphanocapsa incerta (Lemmerm.) Cornberg & Komárek (CYANOPHYCEAE)

This species earlier known from Australia and United Kingdom is reported from India for the first time based on collection made collected from Ganga river in Bihar. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Howrah (CAL). It has been published by Sudipta Kumar Das and Onkar Nath Maurya in Nelumbo 57: 127.2015.

कैमसाइफोन एमेथीस्टिनस (रोस्टाफ.) लेम्मेर्म. (साइनोफाइसी)

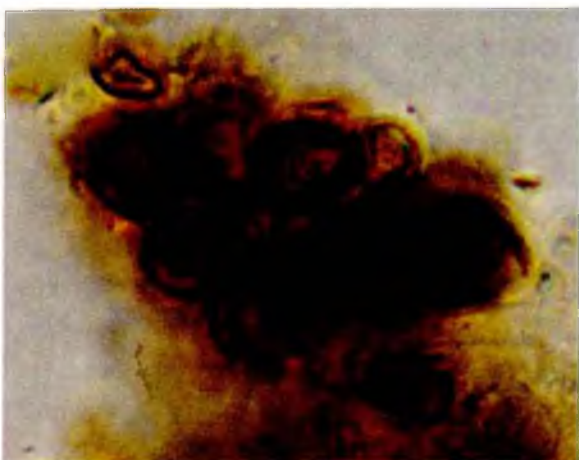


पूर्वतः जर्मनी से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश राज्य के पश्चिम कामेंग जिले में उच्च पर्वतीय नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर पता लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास द्वारा फेडेस रिपोर्टोरियम में किया गया 126:23.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Chamaesiphon amethystinus (Rostaf.) Lemmerm. (CYANOPHYCEAE)

The species earlier known from Germany is reported from India for the first time based on the collection made from high mountain stream in West Kameng district of Arunachal Pradesh, India. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Sudipta Kumar Das in Feddes Repertorium 126: 23.2015.

कैमसाइफोन पोलोनिकस (रोस्टाफ.) हैनसग. (साइनोफाइसी)



पूर्वतः ब्रिटेन (यूनाइटेड किंगडम) से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश राज्य के तवांग जिले में थोंगलिंग नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास द्वारा फेडेस रिपोर्टोरियम 126:23.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Chamaesiphon polonicus (Rostaf.) Hansg. (CYANOPHYCEAE)

The species earlier known from United Kingdom is reported from India for the first time based on the collection made from Thongling stream in Tawang district of Arunachal Pradesh, India. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Sudipta Kumar Das in Feddes Repertorium 126: 23.2015.

क्रूकोकोप्सिस एपिफाइटिका जेटलर (साइनोफाइसी)

पूर्वतः जर्मनी से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार बिहार में गंगा से प्राप्त संग्रहित प्रतिरूपों के आधार पर पता लगाया गया है। इसका प्रतिरूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास एवं ओंकारनाथ मोर्य द्वारा नेलुम्बो 57:127. 2015. में प्रकाशित किया गया है।

Chroococcopsis epiphytica Geitler (CYANOPHYCEAE)

The species earlier known from Germany is reported from India for the first time based on the collection made from Ganga river in Bihar. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Howrah. It has been published by Sudipta Kumar Das and Onkar Nath Maurya in Nelumbo 57: 127.2015.

कोसमारियम ओरनाटम राल्फस एक्स राल्फस (क्लोरोफाइसी)

पूर्वतः ब्रिटेन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार बिहार राज्य में गंगा नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास एवं ओंकारनाथ मोर्य द्वारा नेलुम्बो 57:129.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Cosmarium ornatum Ralfs ex Ralfs (CHLOROPHYCEAE)

The species earlier known from United Kingdom is reported from India for the first time based on the collection made from Ganga river in Bihar. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Howrah. It has been published by Sudipta Kumar Das and Onkar Nath Maurya in Nelumbo 57: 129.2015.

एनसियोनेमा सबएलपिनम (हस्टेड) डी.जी. मान (बेसिलारियोफाइसी)

पूर्वतः यूरोपियन राष्ट्रों से ज्ञात इस जाति का भारत में प्रथम बार पता हिमाचल प्रदेश के ददाहू में गिरि नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय (एलडब्ल्यूयू) में संग्रहित किया गया है। इसे राकेश कुमार द्विवेदी एवं प्रदीप कुमार मिश्र द्वारा फाइकोस 45(1):33.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Encyonema subalpinum (Hustedt) D.G. Mann (BACILLARIOPHYCEAE)

The species earlier known from European countries is reported from India for the first time based on the collection made from Giri River, Dadahu, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Dept. of Botany, University of Lucknow (LWU). It has been published by Rakesh Kumar Dwivedi and Pradeep Kumar Misra in Phykos 45 (1): 33 .2015.

एन्टोमोनिस एलाटा (इहर्नब.) इहर्नब. (बेसिलारियोफाइसी)

पूर्वतः यूरोपियन राष्ट्रों से ज्ञात इस जाति का भारत में प्रथम बार पता बिहार में गंगा नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास एवं ओंकारनाथ मोर्य द्वारा नेलुम्बो 57:133.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Entomoneis alata (Ehrenb.) Ehrenb. (BACCILARIOPHYCEAE)

The species earlier known from European nations is reported from India for the first time based on the collection made from Ganga river in Bihar. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Howrah. It has been published by Sudipta Kumar Das and Onkar Nath Maurya in Nelumbo 57: 133.2015.

यूऐस्ट्रम वेरुकोसम एरनब. एक्स राल्फस प्रभेद रेडुक्टम नॉर्डस्ट. (क्लोरोफाइसी)

पूर्वतः अमेरिका, फ्रांस एवं अन्य यूरोपियन राष्ट्रों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में यह प्रथम बार बिहार में गंगा नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसका प्रतिरूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास एवं ओंकारनाथ मोर्य द्वारा नेलुम्बो 57: 129. 2015 में प्रकाशित किया गया।

Euastrum verrucosum Ehrenb. ex Ralfs var. reductum Nordst. (CHLOROPHYCEAE)

The species earlier known from USA, France and other European countries reported from India for the first time based on the collection made from Ganga River in Bihar. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah. It has been published by Sudipta Kumar Das and Onkar Nath Maurya in Nelumbo 57: 129.2015.

गोंफोनिमा टाउटेंसे हस्टेड (बेसिलारियोफाइसी)

पूर्वतः साइबेरिया एवं रूस से ज्ञात इस जाति का भारत में प्रथम बार पता हिमाचल प्रदेश के मंडी में सतलुज नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय (एलडब्ल्यूयू) में संग्रहित किया गया है। इसे राकेश कुमार द्विवेदी एवं प्रदीप कुमार मिश्रा द्वारा फाइकोस 45(1):36.2015 में प्रकाशित किया गया।

Gomphonema towutense Hustedt (BACILLARIOPHYCEAE)

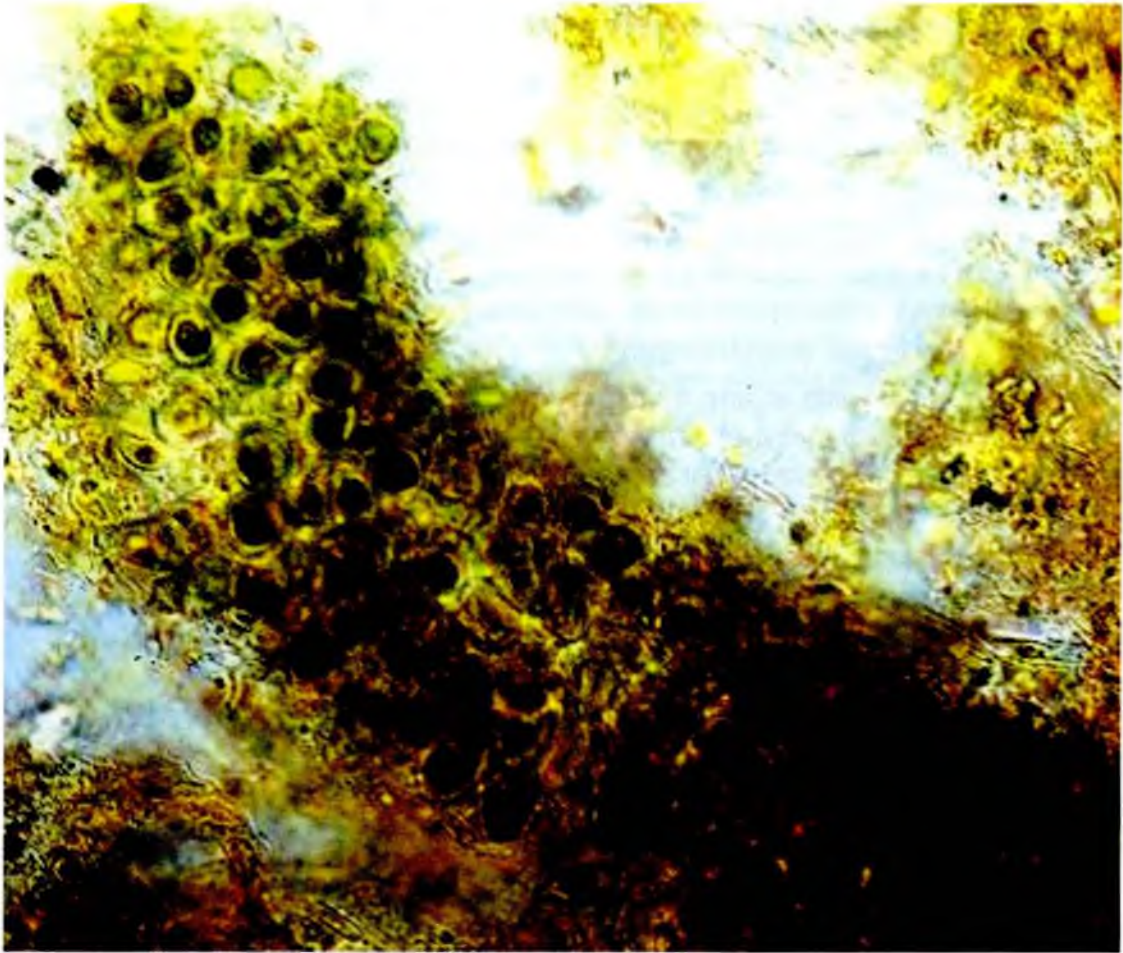
The species earlier known from Siberia and Russia is reported from India for the first time based on the collection made from Satluj river, Mandi, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Dept. of Botany, University of Lucknow. It has been published by Rakesh Kumar Dwivedi and Pradeep Kumar Misra in Phykos 45 (1): 36 .2015.

नवीकुला पारिटिना कुट्ज (बेसिलैरियोफाइसी)

पूर्वतः तुर्की से ज्ञात इस जाति का भारत में प्रथम बार पता बिहार में गंगा नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास एवं ओंकारनाथ मोर्य द्वारा नेलुम्बो 57:133.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Navicula parietina Kütz. (BACCILARIOPHYCEAE)

The species earlier known from Turkey is reported from India for the first time based on the collection made from Ganga River in Bihar. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Sudipta Kumar Das and Onkar Nath Maurya in Nelumbo 57: 133.2015.



प्रासियोलोप्सिस रामोसा विसकर (क्लोरोफाइसी)

पूर्वतः जर्मनी, रूस व निदरलैंड से ज्ञात इस जाति का भारत में प्रथम बार पता सिक्किम, गंगतोक के बानझाकरी जल प्रपात से प्राप्त संग्रहों के आधार लगाया गया है। इसका प्रतिरूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएलएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्त कुमार दास द्वारा न्यू बाइलोजिकल रिपोर्ट 4(2):157.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Prasiolopsis ramosa Vischer (CHLOROPHYCEAE)

The species earlier known from Germany, Russia and Netherland is reported from India for the first time based on the collection made from Banjhakri waterfall, Gangtok, Sikkim. The specimen is deposited at Central National Herbarium, Howrah (CAL). It has been published by Sudipta Kumar Das in Journal on New Biological Reports 4 (2): 157.2015.

प्रोटोडर्मा विरीदाई कुटज. (क्लोरोफाइसी)

पूर्वतः कैलिफोर्निया से ज्ञात इस जाति का भारत में प्रथम बार पता राजस्थान राज्य के सवाईमाधोपुर जिले के गिलाई सागर नदी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, राजकीय स्नातोकोत्तर महाविद्यालय, सवाईमाधोपुर, राजस्थान में संग्रहित किया गया है। इसे लखपत मीणा द्वारा एनाल्स ऑफ प्लांट साइंसिस 4(2):976.2015 में प्रकाशित किया गया।

Protoderma viridae Kütz. (CHLOROPHYCEAE)

The species earlier known from California is reported from India for the first time based on the collection made from a stream near Gilai Sagar, Sawaimadhopur, Rajasthan. The specimens are deposited in Dept. of Botany, Govt. P.G. College, Sawaimadhopur, Rajasthan. It has been published by Lakhpat Meena in Annals of Plant Sciences 4 (2): 976.2015.



कवक/FUNGI

Courtesy : K.P.D. Lata

कवक/FUNGI

दुनिया भर में व्याप्त कवक कार्बनिक पदार्थों के विघटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा पोषण चक्र के लिए अरिहार्य हैं। लंबे समय से इनका उपयोग एक खाद्य स्रोत के रूप में तथा विभिन्न खाद्य सामग्रियों को किण्वित करने में होता रहा है,

अब ये प्रतिजैविक के रूप में भी महत्वपूर्ण स्रोत बन गये हैं।

विश्व की कुल कवक जातियों का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा भारतीय कवकों का है।

हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय कवकों की लगभग 15,053 जातियाँ हैं।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में 52 नयी जातियाँ

(13 जातियाँ हिमाचल प्रदेश, 12 सिक्किम, 10 पंजाब, 05 केरल, उत्तराखंड एवं पश्चिम बंगाल से क्रमशः 04 जातियाँ, 02 जम्मू और कश्मीर एवं असम, कर्नाटक में प्रत्येक से 01 जाति)

तथा भारत से 65 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित हैं।

Fungi distributed worldwide, perform an essential role in nature by decomposing organic matter and are indispensable in nutrient cycling.

They have long been used as source of food and in fermentation of various food products and now they are an important source of antibiotics.

The Indian fungi account for about 20 per cent of the total species of the world.

(In the present state of our knowledge India has about 15053 species of fungi.

Many more are yet to be identified and described.

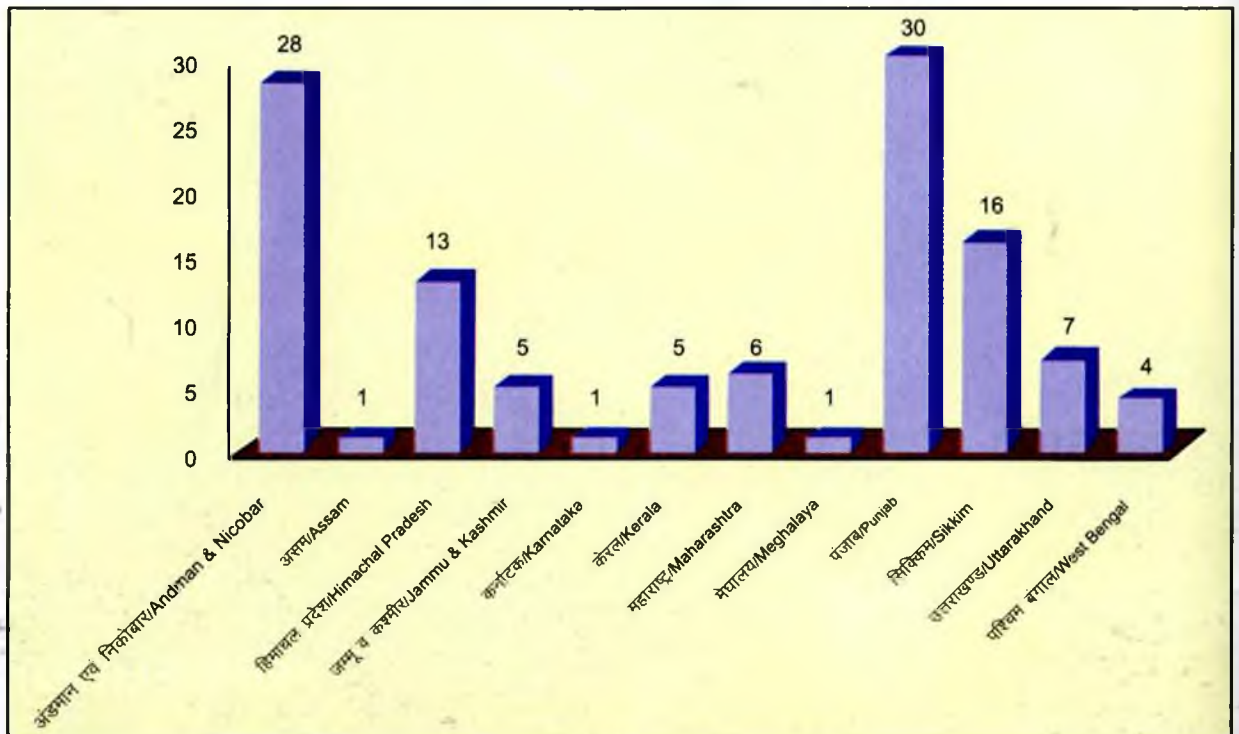
The collated information presented here includes 52 new species from India

(13 species from Himachal Pradesh, 12 from Sikkim, 10 from Punjab,

05 from Kerala, 04 each from Uttarakhand and West Bengal,

02 from Jammu & Kashmir, 01 each from Assam and Karnataka) and

65 new distributional records for India.



भारतीय राज्यों से अन्वेषित कवक
FUNGI DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन जातियाँ / NEW SPECIES

एक्रोकोनिडिएला इंडिका आई.बी. पराशर एवं आर. के. वर्मा, ज. न्यू बायोलॉ. रिपो. 4 (2):111.2015. (डेविडिएलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में अज्ञात वृक्ष की निर्जीव टहनी से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।

Acroconidiella indica I. B. Prasher and R. K. Verma, J. New Biol. Rep. 4(2): 111.2015. (DAVIDIELLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from dead twig of unidentified tree, at Solan district of Himachal Pradesh, India. The holotype is deposited in the Herbarium, Department of Botany, Panjab University, Chandigarh (PAN). The specific epithet refer to the country of its origin.

एक्रोकोनिडिएला मनोहराचाराई आई.बी. पराशर एवं आर. के. वर्मा, ज. न्यू बायोलॉ. रिपो. 4 (2):113.2015. (डेविडिएलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के तारा देवी में एक टहनी से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्रो. सी. मनोहराचारी के सम्मान में उनके कवक विज्ञान के क्षेत्र में दिये गये अमूल्य योगदान के लिए किया गया है।

Acroconidiella manoharacharii I. B. Prasher and R. K. Verma, J. New Biol. Rep. 4(2): 113.2015. (DAVIDIELLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from a twig at Tara Devi, Shimla district of Himachal Pradesh, India. The holotype is deposited in the Herbarium, Department of Botany, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species is named after Prof. C. Manoharachary for his great contribution on mycology.

एगेरिकस फ्लेविस्टिपस अत्री, एम. कौर एवं ए. कौर, कवक 42:22.2014. (एगेरिकेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाब के फरीदकोट के स्वाग में भैंस के गोबर से 196मी. की ऊँचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके डंठल के पीले व भूरे धब्बे की विशेषता पर आधारित है।

Agaricus flavistipus Atri, M. Kaur and A. Kaur, Kavaka 42:22.2014. (AGRICACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from buffalo dung, at Swaag, Faridkot of Punjab at 196m. The holotype is deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species epithet refers to its staining of stipe to bright yellowish to brown colour.

एगेरिकस स्टेलेटस-क्यूटिकस अत्री, एम. कौर व ए. कौर, कवक 42:20.2014. (एगेरिकेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाब के संगरूर के रहमतगढ़ किले में भेड़ के गोबर से 231मी. की ऊँचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके छल्ले के पार्श्व से केंद्र की ओर अर्धव्यास के रूप में विभाजित होने के लक्षण पर आधारित है।

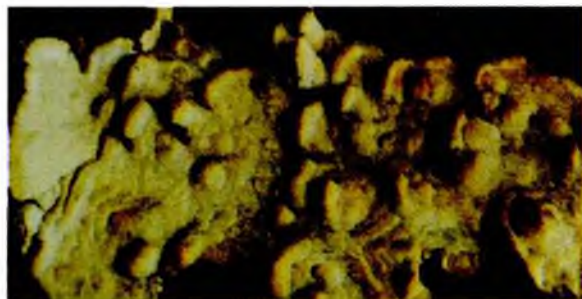
Agaricus stellatus-cuticus Atri, M. Kaur and A. Kaur, Kavaka 42:20.2014. (AGRICACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from sheep dung, at Qila Rehmatgarh, Sangrur of Punjab at 231m. The holotype is deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species name is based on radial splitting of cuticle from margin towards centre.



एंद्रोडिएला इंडिका जी. कौर, अवनीत पी. सिंह एवं ढिंगरा, माइकोटेक्सोन 130.625.2015. (फैनैरोकेटेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाब के चंडीगढ़ के सेक्टर 18-डी पार्क में *केसिया फिस्टुला* के निर्जीव वृक्ष से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।



Antrodiella indica G. Kaur, Avneet P. Singh & Dhingra, Mycotaxon 130.625.2015. (PHANEROCHAETACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from dead tree of *Cassia fistula* from Sector 18-D Park, Chandigarh, Punjab, India. The holotype is deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species is named after country of its occurrence.

अमानिता एल्टुसडेंटिकुलाटा यदविंदर सिंह एवं मनरुची कौर, ज. न्यू बायोलॉ. रिपो. 4(1):51.2015. (एमेनिटेसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के समर हिल्स में *पाइनस रॉक्सबर्घियाई* सघनता वाले मिश्रित शंकुधारी वनों से 2000मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके गहरे दंताभ की विशेषता के आधार पर किया गया है।

Amanita altusdenticulata Yadwinder Singh & Munruchi Kaur, J. New Biolo. Rep. 4(1):51.2015. (AMANITACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from mixed coniferous forest, under *Pinus roxburghii*, at Summer Hills, Shimla district of Himachal Pradesh, India at 2000m. The holotype is deposited in the Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species name refers its deeply dentate gills.

अमानिता केदारनाथेंसिस यदविंदर सिंह एवं मनरुची कौर, ज. न्यू बायोलॉ. रिपो.4(1):53.2015. (अमानितेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के केदारनाथ के कुंड स्थल के देवदार वन से 1800मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति धार्मिक स्थल केदारनाथ के नाम पर आधारित है।



Amanita kedarnathensis Yadwinder Singh & Munruchi Kaur, J. New Biol. Rep. (1):53.2015. (AMANITACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from pure pine forest at Kund area, Kedarnath of Rudraprayag district of Uttarakhand, India at 1800m. The holotype is deposited in the Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species is named after the holy shrine Kedarnath.



ऑस्ट्रोबोलेटस ओलिवेसियोग्लूटिनोसस के. दास एवं डेंटिंगर, क्यू बुलेटिन 15.70.2015 (बोलिटेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के उत्तरी जिले के मिश्रित वन में *सूगा डूमोसा* के नीचे से 2846मी. की ऊँचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंग्तोक (बीएसएचएस) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके लसदार पृष्ठ वाले जैतून रंगीय लट्टे की विशेषता पर आधारित है।

Austroboletus olivaceoglutinosus K. Das & Dentinger, Kew Bulletin 15.70.2015. (BOLETACEAE)

This novel fungal species has been discovered and described based on the collection made under *Tsuga dumosa*, in a subalpine mixed forest at Lachen top, North district of Sikkim, India at 2846m. The holotype is deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok (BSHC). The species is named after the olive-coloured pileus with a glutinous surface.

बोलेटस लखनपालियाई के. दास, डी. चक्र., ए. बाघेला, एस.के. सिंह एवं डेंटिंगर, सिडोविया 67:15.2015. (बोलिटेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के उत्तरी जिले के मिश्रित वन से *लैरिक्स ग्रिफिथियाना* कैरिअर के नीचे से 2920 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. टी. एन. लखनपाल के सम्मान में उनके भारतीय बोलेटस के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए किया गया है।

Boletus lakhanpalii K. Das, D. Chakr., A. Baghela, S. K. Singh & Dentinger, Sydowia 67:15.2015. (BOLETACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made under *Larix griffithiana* Carrière, in a subalpine mixed forest, Dombang, North district of Sikkim, India at 2920m. The holotype is deposited in the Herbarium, Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The specific epithet is given after Dr T.N. Lakhanpal for his contribution to Indian Boletes.





बोलिटस रिकैपिटुलेटस डी. चक्र., के. दास, ए. बाघेला, एस. के. सिंह एवं डेंटिंगर, फाइटोटैक्सा 234(2):152.2015. (बोलिटैसी)
 इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के पूर्वी जिले के छरतेन से 1454 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी कोशिकाओं के आकार की विशेषता पर आधारित है।

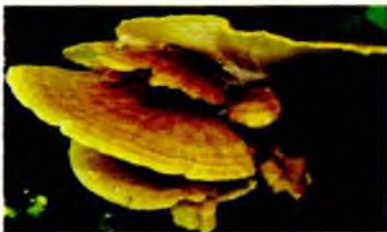


Boletus recapitulatus D. Chakr., K. Das, A. Baghela, S.K. Singh & Dentinger, Phytotaxa 234 (2):152.2015. (Boletaceae)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made Churten, East district of Sikkim, India at 1454m. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The specific epithet refers to the shape of the terminal cells of hyphae.

बोन्डरजेविया जोनाटा के. दास, ए. परिहार व हेम्ब्रम, तुर्क. ज. बॉट. 39:129.2015. (बोन्डरजेविएसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के उत्तरी जिले के डोम्बांग से 2829 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके छत्रक सतह की विशेष संरचना पर आधारित है।



Bondarzewia zonata K. Das, A. Parihar & Hembrom, Turk. J. Bot. 39:129.2015. (BONDARZEVIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made Dombang, North district of Sikkim, India at 2829m. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The specific epithet refers to strong zonate surface of the pileus.

कैम्पोस्पोरियम हिमालयानम आई.बी. पराशर एवं आर. के. वर्मा, क्रिप्टोगेमी माइकोलॉजी 36(2):130.2015.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में हिमाचल प्रदेश के सुंदरनगर से 2829 मी. की ऊंचाई पर फोनिक्स जाति के निर्जीव पर्णवृत्त से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल के नाम पर आधारित है।

Camposporium himalayanum I. B. Prasher & R. K. Verma, Cryptogamie Mycologie, 36 (2):130.2015.

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from dead petiole base of *Phoenix* sp. at Sundernagar, Himachal Pradesh, India at 2829m. The holotype is deposited in the herbarium of Botany Department, Panjab University, Chandigarh (PAN). The epithet given after Himalaya from where the specimen was collected.

कैंथरेलस सिक्किमैसिस के. दास, ब्यूक, डी. चक्र., ए. बाघेला, एस. के. सिंह एवं वी. होफस्टेटर, फाइटोटैक्सा 222(4):273.2015 (कैंथरेलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के पूर्वी जिले के शिंग्बा वन्यजीव अभयारण्य में एबिस डेन्सा ग्रिफ. के नीचे से 3208 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल के नाम पर आधारित है।

Cantharellus sikkimensis K. Das, Buyck, D. Chakr., A. Baghela, S.K. Singh & V. Hofstetter, Phytotaxa 222 (4):273.2015. (CANTHARELLACEAE)



This new fungal species has been discovered and described based on the collection made under *Abies densa* Griff. in Shingba Rhododendron Wildlife Sanctuary, North district of Sikkim, India at 3208m. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after state of Sikkim from where it has been collected.



भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
BOTANICAL SURVEY OF INDIA

कवक/Fungi

नवीन जातियाँ/New Species

क्लोरोलेपियोटा ब्रुन्नियोटिक्टा एन.एस. अत्री, बी. कुमारी एवं आर.सी. उपाध्याय, तुर्क. जे. बॉट. 38:370.2015. (एगेरिकेसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के काथेर में *पाइनस रॉक्सबर्घियाई* के नीचे 1650 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण वृंत सतह की रंजकोपरांत भूरे होने के लक्षण पर आधारित है।

Chlorolepiota brunneotincta N. S. Atri, B.Kumari & R. C. Upadhyay, Turk. J. Bot.38: 370.2015. (AGARICACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made under *Pinus roxburghii*, at Kathar, Solan district of Himachal Pradesh, India at 1650m. The holotype is deposited in the Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species name refers its browning of flesh and stipe surface on staining.

क्लिटोसाइबुला सुल्काटा के. एन. ए. राज एवं मणिम., फाइटोटैक्सा 208(1):65.2015. (मारासमिऐसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में केरल के कोझिकोडे जिले के अथोली से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके छत्रक की विशेष संरचना पर आधारित है।

Clitocybula sulcata K.N.A. Raj & Manim.Phytotaxa 208 (1):65.2015. (MARASMIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Atholi, Kozhikode district of Kerala, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species name is refers its sulcate pileus surface.

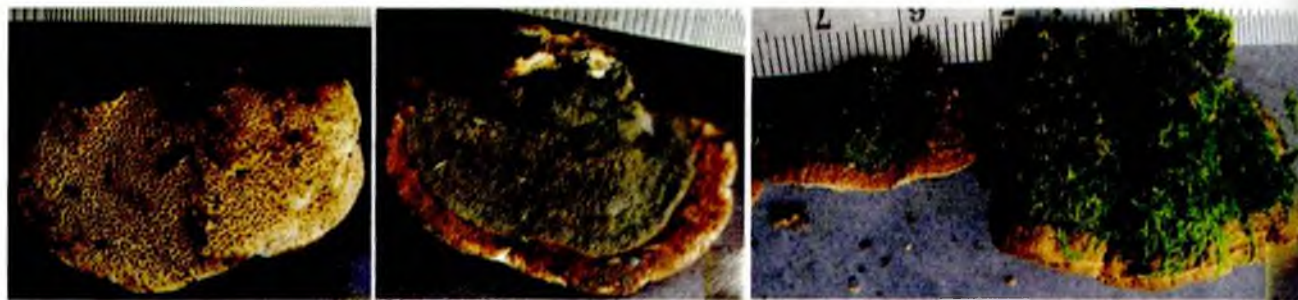
कॉर्नेरियेला इंडिका राज एवं मणिम., फाइटोटैक्सा 213 (2):107.2015 (ट्राइकोलोमेटेसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में केरल के त्रिशूर जिले के पीची वन से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप माइकोलॉजी प्रभाग, रॉयल बॉटेनिक गार्डन, क्यू इंग्लैंड (के) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।

Corneriella indica Raj & Manim. Phytotaxa 213 (2): 107.2015. (TRICHOLOMATACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Peechi forest, Thrissur district of Kerala, India. The holotype is deposited in the Mycology Division, Royal Botanical Garden, Kew, United Kingdom (K). The species is named after country of its occurrence.



डैट्रोनिया उस्तुलाटिलिग्ना हर. कौर, जी. कौर एवं धिंगरा, माइकोटैक्सॉन 130.295.2015. (पोलिपोरेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर में पाइनस रॉक्सबर्घियाई के आंशिक जले हुए वृक्ष से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण आंशिक जले हुए परतदार काष्ठ की संरचना पर आधारित है।

Datronia ustulatiligna Har. Kaur, G. Kaur & Dhingra, Mycotaxon 130.295.2015. (Polyporaceae)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from partly burned tree of *Pinus roxburghii* at Rampur, Shimla district of Himachal Pradesh, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The epithet refers to the substrate, partly burned wood.

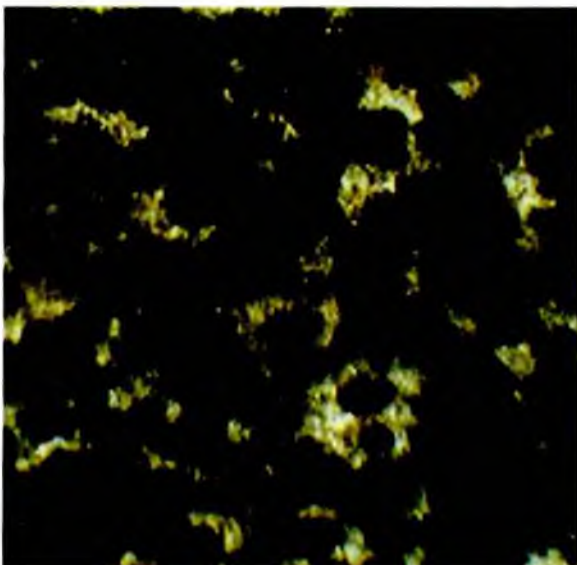
डिक्टियोस्पोरियम हाइंडाई आई.बी. पराशर एवं आर.के. वर्मा, फाइटोटैक्सा 204 (3): 196.2015 (डिक्टियोस्फेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में टेक्टोना जाति के वृक्ष की छाल से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्रो. केविन डी. हाइडे के सम्मान में उनके एनामॉर्फिक कवक विज्ञान के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए किया गया है।

Dictyosporium hydei I.B. Prasher & R.K. Verma, Phytotaxa 204 (3): 196.2015. (DICTYOSPHAERIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from bark of *Tectona* sp., at Bilaspur of Himachal Pradesh, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species is named in honour of Prof. Kevin D. Hyde, for his immense contribution on anamorphic fungi.

डिक्टियोस्पोरियम इंडिकम आई. बी. पराशर एवं आर.के. वर्मा, फाइटोटैक्सा 204(3):194.2015. (डिक्टियोस्फेरिएसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में फिनिक्स रुपिकोला के पर्णवृत्त से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्राप्ति देश भारत के नाम पर आधारित है।

Dictyosporium indicum I. B. Prasher & R. K. Verma, Phytotaxa 204(3):194.2015. (DICTYOSPHAERIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from petiole of *Phoenix rupicola*, Mandi district of Himachal Pradesh, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species is named after India.

गैलेरिना इंडिका के.पी.डी. लता एवं मणिम., माइकोसाइंस 56: 76.2015 (हाइमेनोगैस्ट्रेसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में केरल के वायनाड जिले के मुथंगा वन्यजीव अभ्यारण्य में शेवार की क्यारी से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप माइकोलॉजी प्रभाग, रॉयल बॉटैनिक गार्डन, क्यू (के) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।

Galerina indica K. P. D. Latha & Manim., Mycoscience 56:76.2015.
(HYMENOGASTRACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from moss bed in Muthanga Wildlife Sanctuary, Wayanad district of Kerala, India. The holotype is deposited in Mycology division, Royal Botanical Garden, Kew (K). The species is named country of occurrence.

हाइफोडर्मा हैलेनबरगाई मन. कौर, अवनीत पी. सिंह एवं ढिंगरा, माइकोटैक्सॉन 130.223.2015 (मेरुलिएसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के नरकंडा में सिड्रस देवदारा के अपघटित काष्ठ के छाल से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय, स्वेडन के प्रोफेसर डॉ. निल्स हैलेनबर्ग के सम्मान में किया गया है।

Hyphoderma hallenbergii Man. Kaur, Avneet P. Singh & Dhingra, Mycotaxon 130.223.2015. (MERULIACEAE)

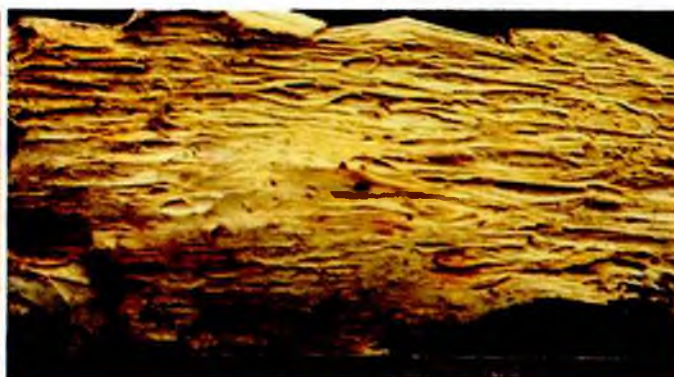
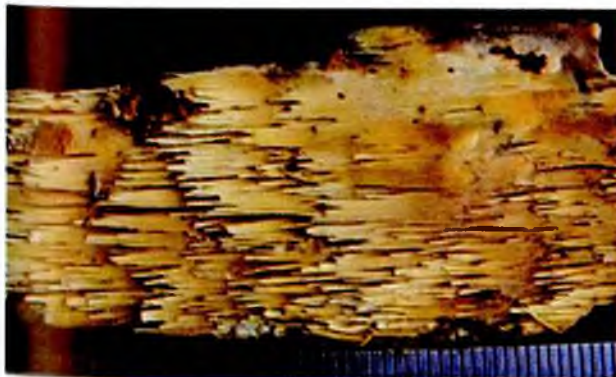
This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from bark of decaying wood of *Cedrus deodara*, Baghi road, Narkanda, Shimla district of Himachal Pradesh, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species is named in honour of Dr. Nils Hallenberg, Professor Emeritus, University of Gothenburg, Sweden.

हाइफोडोंटिया ढिंगराई समिता एवं सान्याल, माइकोटैक्सॉन 129(1).209.2015. (शाइजोपोरेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के कौसानी में एक टहनी से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के प्रो. गुरपाल सिंह ढिंगरा के सम्मान में किया गया है।

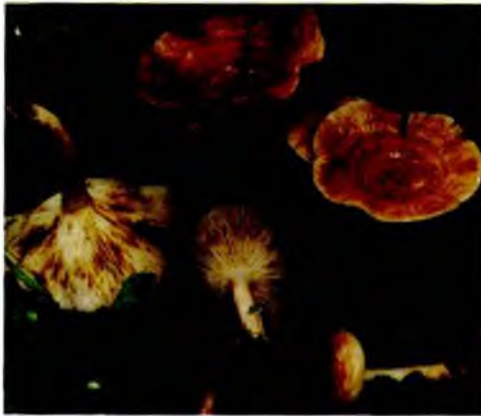
Hyphodontia dhingrae Samita & Sanyal, Mycotaxon 129(1).209.2015. (SCHIZOPORACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from a twig, Kausani, Bageshwar district of Uttarakhand, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species is named in honour of Prof. Gurpal Singh Dhingra, Punjabi University, Patiala.



**लैक्टेरियस इंडोक्राइसोरियस** के. दास एवं वरबेकन, माइकोटैक्सॉन 130.110.2015 (रुसुलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के उत्तरी जिले के डोमबंग से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगतोक



(बीएसएचएस) एवं समप्ररूप गेंट विश्वविद्यालय, गेंट, बेल्जियम (जेईएनटी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी संबद्ध यूरोपीय जाति लैक्टेरियस क्राइसोरियस के नाम पर आधारित है।

Lactarius indochrysorrheus K. Das & Verbeken, Mycotaxon 130.110.2015. (RUSSULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Dombang, North district of Sikkim, India at 2920. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional centre, Gangtok (BSHC) and isotypes are in Department of Biology, Research Group Mycology, Ghent University, Gent, Belgium (GENT). The species is named after its allied native look-alike European species *Lactarius chrysorrheus*.

लैक्टेरियस ओलिवेसियोग्लूटिनस के. दास एवं वरबेकन, माइकोटैक्सॉन 130.110.2015 (रुसुलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के उत्तरी जिले के शिंग्बा रोडोडेन्ड्रॉन अभयारण्य से 3252 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगतोक (बीएसएचएस) एवं समप्ररूप गेंट विश्वविद्यालय, गेंट, बेल्जियम (जेईएनटी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके लसदार पृष्ठ वाले जैतून रंगीय छत्रक की संरचना पर आधारित है।



Lactarius olivaceoglutinus K. Das & Verbeken, Mycotaxon 130.110.2015. (RUSSULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Shingba Rhododendron Sanctuary, North district of Sikkim, India at 3252m. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional centre, Gangtok (BSHC) and isotypes are in Department of Biology, Research Group Mycology, Ghent University, Gent, Belgium (GENT). The species is named after the olive and extremely glutinous pileus of its basidiocarps.

लैक्टेरियस पाइरियोडोरस के. दास एवं वरबेकन, माइकोटैक्सॉन 130.118.2015. (रुसुलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के उत्तरी जिले के डोमबंग से 2975 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगतोक (बीएसएचएस) एवं समप्ररूप गेंट विश्वविद्यालय, गेंट, बेल्जियम (जेईएनटी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का



नामकरण इसके ताजे बेसिडियोकार्प के नाशपाती जैसी विशेष सुगंध पर आधारित है।

Lactarius pyriodorus K. Das & Verbeken, Mycotaxon 130.118.2015. (RUSSULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Dombang, North district of Sikkim, India at 2975m. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional centre, Gangtok (BSHC) and isotypes are in Department of Biology, Research Group Mycology, Ghent University, Gent, Belgium (GENT). The name of the species refers to the pear-like smell of its fresh basidiocarps.

लैक्टेरियस यमथांगेंसिस के. दास एवं वरबेकन, माइकोटैक्सॉन 130.124.2015 (रुसुलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के उत्तरी जिले के यमथांग के शिंग्बा में रोडोडेन्ड्रॉन अभयारण्य से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगतोक (बीएसएचएस) एवं समप्ररूप गेंट विश्वविद्यालय, गेंट, बेल्जियम (जेईएएनटी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल यमथांग घाटी के नाम पर आधारित है।



Lactarius yumthangensis K. Das & Verbeken, Mycotaxon 130.124.2015. (RUSSULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Yumthang valley of Shingba Rhododendron Sanctuary, North district of Sikkim, India at 3586m. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional centre, Gangtok (BSHC) and isotypes are in Ghent University, Gent, Belgium (GENT). The species is named after Yumthang valley of Sikkim.

लेपियोटा इंडिका बी. कुमारी एवं एन.एस. अत्री, तुर्क जे. बॉट. 37:1188.2015 (एगेरिकेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में उत्तराखंड के कोरबा, चकराता मार्ग से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।



Lepiota indica B.Kumari & N.S.Atri, Turk. J. Bot. 37: 1188.2013. (AGARICACEAE).

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Korba, Chakrata Road, Uttarakhand, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species is named after country of its occurrence.

लेपियोटा अट्टेन्यूस्पोरा बी. कुमारी एवं एन.एस. अत्री, तुर्क जे. बॉट. 37:1191.2013. (एगेरिकेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के परिसर से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके बेसिडियोस्पोर के क्षीणन की विशेषता पर आधारित है।

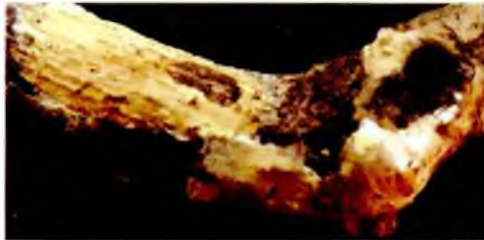


Lepiota attenuispora B. Kumari & N.S. Atri, Turk. J. Bot. 37: 1191.2013. (AGARICACEAE).

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from campus of Botany department, Punjabi University, Patiala, Punjab, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been named on the basis of attenuation in basidiospores.

लेप्टोकॉर्टिसियम इंडिकम समिता, सान्याल एवं ढिंगरा, माइकोटैक्सॉन 129(2):361.2014. (कॉर्टिसिएसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले के कदूखाल में रोडोडेन्ड्रॉन आर्बोरियम के नष्ट होते काष्ठ से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।



Leptocorticium indicum Samita, Sanyal & Dhingra, Mycotaxon 129(2):361.2014. (CORTICIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from decaying log of *Rhododendron arboreum* at Kaddukhal, Tehri Garhwal district of Uttarakhand, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species is named after the country of its occurrence.

लिमासेला मैग्ना बी. कुमारी एवं आर.सी. उपाध्याय, तुर्क. जे. बॉट. 37:1191.2013.



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले से 1650मी. कड़ी ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके बेसिडियम बीजाणु व फलबीजाणु के लंबे आकार की विशेषता पर आधारित है।

Limacella magna B.Kumari & R.C.Upadhyay, Turk. J. Bot. 37: 1191.2013

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Solan district of Himachal Pradesh, India 1650m. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The name of the species is based on the large size of basidiospores and carpophore.

लाइसुरस हबुनगियानस जी. गोगोई एवं वी. प्रकाश, करे. रिस. इनवायर. एप्पला. माइकोल. 5(3):248.2015 (फैलेसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में असम के जोरहाट जिले के हबुगिया गांव में बांस बागान से 102 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप वर्षावन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (आरएफआरआई) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल हबुगिया गांव के नाम पर आधारित है।

Lysurus habungianus G. Gogoi & V. Parkash, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol., 5 (3): 248.2015. (PHALLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from bamboo plantation at Habungia village, Jorhat district of Assam, India, at 102m. The holotype is deposited in the herbarium of Rain Forest Research Institute, Jorhat (RFRI). The species is named after the type locality, Habungia village, Jorhat.

मारास्मियस इंडोपुरपुरियोस्ट्राईएटस के. दास, ए.के. दत्ता एवं के. आचार्या, माइकोस्फेयर 6 (5): 563.2015 (मारास्मिएसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के पूर्वी जिले के छरतेन से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी संबद्ध जैपनीज जाति एम. पुरपुरियोस्ट्रीएटस के नाम पर आधारित है।



Marasmius indopurpureostriatus K. Das, A.K. Dutta & K. Acharya, Mycosphere 6 (5): 563.2015. (MARASMIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Churten, East district of Sikkim, India 1454m. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species name refers its Indian look-a-like Japanese variant taxon *M. purpureostriatus*.

मेटाकॉर्डिसेप्स धौलाधारेन्सिस सपन, तुर्क. जे. बॉट. 39: 521.2015. (क्लाविसिपिटैसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में हिमाचल प्रदेश के धौलाधार पर्वत श्रृंखला के मिश्रित वन से 2200 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल धौलाधार पर्वत के नाम पर आधारित है।

Metacordyceps dhauladharensis Sapan, Turk. J. Bot. 39: 521.2015. (CLAVICIPITACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from mixed forest of Dhauladhar mountain range, Himachal Pradesh India 2200m. The holotype is deposited in the Herbarium, Department of Botany, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species is named after Dhauladhar Mountain.

मस्कूडॉर घूमेंसिस मेशराम, माहिती जी. एवं सक्सेना एस., सिडोविया 67:136.2015 (जाइलेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में दार्जीलिंग जिले के घूम मठ में सिन्नामोम कैम्फोरा के मूल आंतरिक ऊतक से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एनएफसीसीआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल घूम मठ के नाम पर आधारित है।

Muscodor ghoomensis Meshram, Mahiti G., Saxena S., Sydowia 67:136.2015. (XYLARIACEAE)

This new endophytic fungal species has been discovered and described based on the collection made from stem internal tissue of *Cinnamomum camphora*, at Ghoom monastery of Darjeeling district of West Bengal, India. The holotype is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Agharkar Research Institute, Pune (NFCCL). The species is named after its type locality Ghoom in West Bengal.

**मस्कूडॉर इंडिका** मेशराम, माहिती जी. एवं सक्सेना एस., सिडोविया 67:136.2015 (जाइलेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में दार्जीलिंग जिले के घूम मठ में *सिन्नामोम कैंफोरा* के मूल आंतरिक उत्तक से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, अगरकर अनुसंधान संस्थान (एनएफसीसीआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।

Muscodor indica Meshram, Mahiti G., Saxena S., Sydowia 67:136.2015. (XYLARIACEAE)

This new endophytic fungal species has been discovered and described based on the collection made from stem internal tissue of *Cinnamomum camphora*, at Ghoom monastery of Darjeeling district of West Bengal, India. The holotype with stain no. CCSTITD #6(B) is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Agharkar Research Institute, Pune (NFCCI). The species is named after our Nation India.

मस्कूडॉर टाइगरियाई एस. सक्सेना, मेशराम एवं एन. कपूर, एन्. माइक्रोबायोल. 65:53.2015. (जाइलेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में दार्जीलिंग जिले में स्थित टाइगर हिल क्षेत्र में *सिन्नामोम कैंफोरा* के मूल आंतरिक उत्तक से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एनएफसीसीआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल टाइगर हिल के नाम पर आधारित है।

Muscodor tigerii S. Saxena, Meshram & N. Kapoor, Ann. Microbiol. 65:53.2015. (XYLARIACEAE)

This new endophytic fungal species has been discovered and described based on the collection made from stem internal tissue of *Cinnamomum camphora* on Tiger Hill area of Darjeeling district of West Bengal, India. The holotype is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Agharkar Research Institute, Pune (NFCCI). The species is named after its type locality "Tiger Hill".

नियोस्पोरिडेस्मियम अपेंडिकुलेटस पराशर आई. बी. एवं वर्मा आर. के., मायकोल. प्रोग्रेस. 14:87.1.2015.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाब विश्वविद्यालय परिसर, चंडीगढ़ पंजाब में *फाइकस रिलिजियोसा* की निर्जीव टहनी से 355 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके कोनिडिया के अग्रस्थ भाग पर उपांग होने पर आधारित है।

Neosporidesmium appendiculatus Prasher I. B. and Verma R. K., Mycol. Progress 14:87.1. 2015.

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from dead twigs of *Ficus religiosa* at Panjab University Campus, Chandigarh, Punjab, India at 355m. The holotype is deposited in the Herbarium, Department of Botany, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species named refers to the presence of appendages on the apical part of conidia.

नियोस्पोरिडेस्मियम मैक्रोस्पोरम पराशर आई. बी. एवं वर्मा आर. के., नोवा हेड्विगिया 100 (1-2) : 269.2015

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाब विश्वविद्यालय परिसर, चंडीगढ़ पंजाब में 355 मी. की ऊंचाई पर *फाइकस इंफेक्टोरिया* के निर्जीव टहनी से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके कोनिडिया के लंबे आकार पर आधारित है।

Neosporidesmium macrosporum Prasher I. B. and Verma R. K., Nova Hedwigia 100 (1-2): 269.2015.

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from dead twigs of *Ficus infectoria* at Panjab University Campus, Chandigarh, Punjab, India at 355m. The holotype is deposited in the Herbarium, Department of Botany, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species is named after its large size of conidia.

पैनियोलस साइनोएनुकुलाटस अत्री, एम. कौर एवं ए. कौर, ज. न्यू बायोल. रिपोर्ट्स 3(2):126.2014. (सैथिरेलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाब के होशियारपुर जिले के जीवनपुर में 295 मी. की ऊँचाई पर स्थित एक चरागाह में गाय और घोड़े के गोबर के मिश्रण वाले ढेर से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण अभिरंजन पर इसके नीले छल्लेदार डंठल होने पर आधारित है।

Panaeolus cyanoannulatus Atri, M. Kaur & A.Kaur, J. New Biol. Reports 3(2): 126.2014. (PSATHYRELLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from growing in group on mixed cow and horse dung heap in pasture land, Jeewanpur Jattan, Hoshiarpur district of Punjab, India at 295m altitude. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species epithet is based on the blue annulate stipe character on staining.

पैनियोलस लेपस-स्टर्कुस अत्री, एम. कौर एवं ए. कौर, ज. न्यू बायोल. रिपो. 3 (2):129.2014. (सैथिरेलेसी)

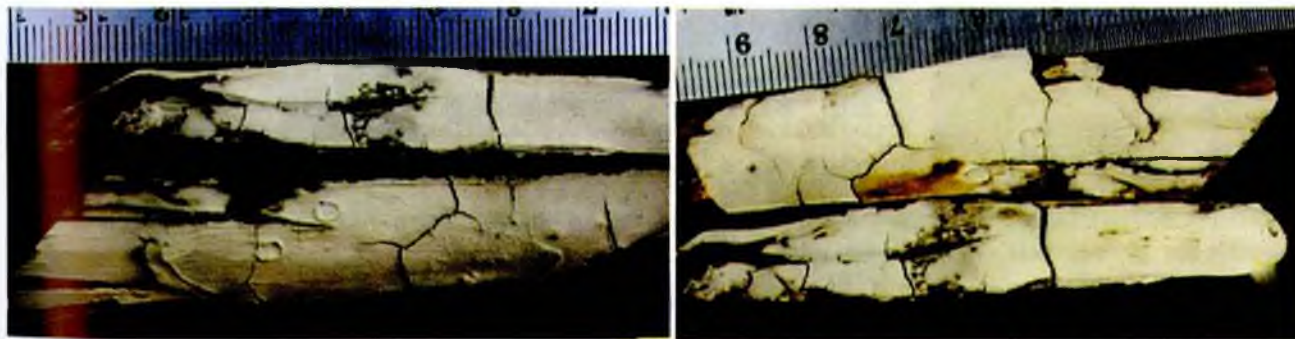
इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाब के पठानकोट जिले में 309 मी. की ऊँचाई पर दल्ला धार के भेड़ और खरगोश पालन केंद्र में खरगोश की विष्ठा से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक विष्ठा को उत्सर्जित करने वाले खरगोश प्रजाति के नाम पर आधारित है।

Panaeolus lepus-stercus Atri, M. Kaur & A. Kaur, J. New Biol. Rep- 3(2): 129.2014. (PSATHYRELLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from rabbit pellets at Sheep and Rabbit Breeding Farm, Dalla Dhar, Pathankot district of Punjab, India at 309m altitude. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The name of the specific epithet has been drawn from the breed of rabbit on whose pellets the fungus was growing.

फ्लेबियोप्सिस पंजाबेंसिस जी. कौर, अवनीत पी. सिंह एवं ढिंगरा, माइकोटैक्सॉन 130.907.2015 (फैनैरोकैटेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाब के रोपड़ बोट क्लब में *सिडियम गुआजावा* के तने से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य पंजाब के नाम पर आधारित है।



Phlebiopsis punjabensis G. Kaur, Avneet P. Singh & Dhingra, Mycotaxon 130.907.2015. (PHANEROCHAETACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from trunk of *Psidium guajava*, at Ropar boat club, Ropar, Punjab, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species is named after state of Punjab.

**प्रिलियूक्सिना एग्लिकोला** ए.के. गौतम, करे. रिस. इनवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ., 5(1):71.2015. (एस्टेरिनेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में 686 मी. की ऊँचाई पर बर्थिन में एग्ले मारमेलस की पत्तियों से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप, वनस्पति विज्ञान विभाग, अभिलाषी जीव विज्ञान संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश (एआईएलएस) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक वंश एग्ले के नाम पर आधारित है।

Prillieuxina aeglicola A. K. Gautam, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol., 5 (1): 71. 2015. (ASTERINACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Aegle marmelos* at Berthin, Bilaspur district of Himachal Pradesh, India 686m. The specimen was deposited at Department of Botany, Abhilashi Institute of Life Sciences, Mandi, Himachal Pradesh (AILS). The species is named after its host genus *Aegle*.

रिकेनेल्ला इंडिका के.पी.डी. लता एवं मणिम., माइकोसाइंस 56:78.2015. (रेपेटोबेसिडिएसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में केरल के वायनाड जिले के मुथंगा वन्यजीव अभ्यारण्य से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप माइकोलॉजी डिविजन, रॉयल बॉटैनिक गार्डन, क्यू (के) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।

Rickenella indica K. P. D. Latha & Manim., Mycoscience 56:78.2015. (REPETOBASIDIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from moss bed in Muthanga Wildlife Sanctuary, Wayanad district of Kerala, India. The holotype is deposited in Mycology division, Royal Botanical Garden, Kew (K). The species is named after country of its occurrence.

रुसुला कनादियाई ए.के. दत्ता एवं के. आचार्या, तुर्क. ज. बॉट. 39:4.2015 (रुसुलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पश्चिम बंगाल राज्य के पश्चिमी मिदनापुर जिले के गुरगुरीपाल वन में *शोरिया रोबुस्टा* वृक्ष के नीचे से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा के केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. कनाद दास, वैज्ञानिक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सम्मान में उनके रुसुला वंश पर अमूल्य योगदान के लिए किया गया है।



Russula kanadii A.K. Dutta & K. Acharya, Turk. J. Bot. 39:4.2015. (RUSSULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made under *Shorea robusta* tree, Gurguripal forest, West Midnapur district of West Bengal, India at 56m. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after Dr. Kanad Das, Scientist, Botanical Survey of India for his contribution to the fungal genus *Russula*.

शिफनेरुला डायस्कोरियाई लीनि के. मैथ्यू, नीता एन. नायर एवं एस. स्वपना, करे. रिस. इन्वायर. एप्ला. माइकोलॉ., 5(1):18. 2015. (एंग्लेरुलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में केरल के मालाबार वन्यजीव अभ्यारण्य में 686 मी. की ऊँचाई पर उराकूझी जल प्रपात के निकट *डायस्कोरिया वालिचियाई* की पत्तियों से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, मार थोमा कॉलेज, थिरुवल्ला के (एमटीसीएचटी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक वंश *डायस्कोरा* के नाम पर आधारित है।

Schiffnerula dioscoriae Lini K. Mathew, Neeta N. Nair & S. Swapna, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol., 5 (1): 18. 2015. (ENGLERULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Dioscorea wallichii* near Urakuzhy water falls, Malabar Wildlife Sanctuary of Kerala, India 686m. The specimen was deposited at Department of Botany, Mar Thoma College Herbarium, Thiruvalla (MTCHT). The species is named after its host genus *Dioscorea*.

साइटेलिडियम एग्लिकोला ए.के. गौतम, करं. रिस. इन्वायर. एप्ला. माइकोलॉ., 4(1):8.2015.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के बर्थिन में 2208मी. की ऊँचाई पर एग्ले मार्मेलस की सजीव पत्तियों से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, अभिलाषी जीव विज्ञान संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश (एआईएलएस) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक वंश एग्ले के नाम पर आधारित है।



Scytalidium aeglicola Gautam A K, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1): 8. 2015.

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Aegle marmelos* Bilaspur district of Himachal Pradesh, India 2208m. The specimen was deposited at Department of Botany, Abhilashi Institute of Life Sciences, Mandi, Himachal Pradesh (AILS). The species is named after its host genus *Aegle*.

स्पॉर्डेस्मियम बिलिगिरिऐंसे दुबे एवं सेनगुप्ता, करं. रिस. इन्वायर. एप्ला. माइकोलॉ., 5(4):391.2015.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में कर्नाटक के बिलिगिरि रंगारवामी मंदिर वन्यजीव अभयारण्य से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल के नाम पर आधारित है।

Sporidesmium biligiriense Dubey and Sengupta., Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5 (4): 391.2015.

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Biligiri Rangaswamy Temple Wildlife Sanctuary of Karnataka, India. The specimen is deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species is named after the type locality.

स्यूल्लस अधिकारियाई के. दास, डी. चक्र. एवं कोटेर., फाइटोटैक्सा 219(3):290. 2015. (स्यूल्लेसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के उत्तरी जिले के डोमबंग में 2890 मी. की ऊँचाई पर लैरिक्स ग्रिफिथियाना के नीचे से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. एम. के. अधिकारी के सम्मान में उनके नेपाल के मशरूम पर अमूल्य योगदान के लिए किया गया है।

Suillus adrikarii K. Das, D. Chakr. & Cotter, Phytotaxa 219 (3): 290.2015.
(SUILLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made under *Larix griffithiana*, at Dombang, North district of Sikkim, India at 2890m. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species name to honour Dr. M.K. Adhikari for his contributions to the mushrooms of Nepal.

स्यूल्लस लैरिसिफिलस के. दास, डी. चक्र., के.पी.डी. लता एवं कोटेर., क्रिप्टोगेमी माइकोलॉजी 36(2):155.2015. (स्यूल्लेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम के उत्तरी जिले के डोमबंग में 2890 मी. की ऊँचाई पर लैरिक्स ग्रिफिथियाना के नीचे से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी लैरिक्स से समानता के आधार पर किया गया है।



Suillus lariciphilus K. Das, D. Chakr., K.P.D. Latha & Cotter, Cryptogamie Mycologie 36(2):155.2015. (SUILLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made under *Larix griffithiana*, at Dombang, North district of Sikkim, India at 2890m. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species epithet refers its affinity with *Larix*.



टुबुलिक्राईनिस इंडिकस ज्योति शर्मा, अवनीत पी. सिंह एवं ढिंगरा, माइकोटैक्सॉन 130.879.2015. (टुबुलिक्राईनेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में जम्मू और कश्मीर के डोडा जिले के दुग्गी, भदरवा में *सिड्रस देवदारा* की छाल से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश भारत के अंग्रेजी नाम पर आधारित है।

Tubulicrinis indicus Jyoti Sharma, Avneet P. Singh & Dhingra, Mycotaxon 130.879.2015. (TUBULICRINACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from bark of *Cedrus deodara* at Duggi, Bhadarwah, Doda district of Jammu & Kashmir, India. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The epithet refers to the country, India.

नवीन प्रभेद / NEW VARIETIES

कोनोसाइबे माइक्रोराइजा होसकन. प्रभे. कॉप्रोफिला अमनदीप कौर, अत्री एवं मनरुची कौर, माइकोस्फेयर 6(1):29.2015. (बोल्बिटिएसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पंजाब के फरीदकोट जिले के चंदवाजा में 196 मी. की ऊंचाई पर गाय के गोबर से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके गहरे जड़ वाले डंठल और शमलरागी प्राकृतवास पर आधारित है।

Conocybe microrrhiza Hauskn. var. **coprophila** Amandeep Kaur, Atri and Munruchi Kaur, Mycosphere 6(1): 29.2015. (BOLBITIACEAE)

This new fungal variety has been discovered and described based on the collection made on cow dung at Chandwaja, Faridkot district of Punjab, India at 196m. The holotype is deposited in the department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The varietal epithet is named after its radicant stipe and coprophilous habitat.

स्कूलिनिया सिटोसा प्रभे. मस्किवोरग कोनचक दोर्जे, संजीव कुमार एवं यशपाल शर्मा, इंडियन जे. फॉरे. 38(2):126.2015. (पायरोनिमेटेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में जम्मू और कश्मीर के लद्दाख के लेह में वनला इलाके खालत्से से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय (एचबीजेयू) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके हरितोदभिद् प्राकृतवास के आधार पर किया गया है।

Scutellinia setosa var. **muscovorum** Konchok Dorje, Sanjeev Kumar and Yash Pal Sharma, Indian J. For. 38(2): 126.2015. (PYRONEMATACEAE)

This new fungal variety has been discovered and described based on the collection made from Wanla area, Khaltse, Leh, Ladakh of Jammu Kashmir, India. The specimen is deposited in herbarium of Botany Department, University of Jammu (BHJU). The varietal epithet is named after it's strictly bryophilous habitat.

वंशपरक अभिलेख / GENERA RECORDS

रुगिबोलेटस जी. वु एवं झु एल. यांग (बोलिटेसी)

पूर्वतः दक्षिण-पश्चिम चीन से ज्ञात इस वंश का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम के उत्तरी और पूर्वी जिले से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. चक्रवर्ती एवं के. दास के द्वारा करं. रिस. इन्वायर. एप्ला. माइकोलॉ., 5(2): 139.2015. में प्रकाशित किया गया है।

Rugiboletus G. Wu & Zhu L. Yang (BOLETACEAE)

This genus of fungi earlier known from South-Western China, has been reported for the first time from India based on the collection made from North and East district of Sikkim, India. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). This genera record has been published by D. Chakraborty and K. Das in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol., 5 (2): 139.2015.

जातिपरक अभिलेख / SPECIES RECORDS

एगेरिकस हेलोफाइलस पेक (एगेरिकेसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब राज्य के मोहाली के दाउ माजरा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा करं. रिस. इन्वायर. एप्ला. माइकोलॉ., 5 (1):42.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Agaricus halophilus Peck (AGARICACEAE)

This species of fungi earlier known from Europe, has been reported for the first time from India based on the collection made from Dau Majra, Mohali, Punjab, India. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5 (1): 42.2015.

एग्रोसाइबे माइक्रोस्पोरा सिंगर

पूर्वतः भारत में अज्ञात इस जाति का पता प्रथम बार पंजाब राज्य के पटियाला के बहादुरगढ़ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा कवक, 43:46.2014 में प्रकाशित किया गया है।

Agrocybe microspora Singer

This species of fungi earlier not known from India, has been reported for the first time from India based on the collection made from Bahadurgarh, Patiala, Punjab. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Kavaka 43: 46.2014.

क्लिटोसाइबे डिलाटाटा (पर्स.) पी. कार्सट. (ट्राइकोलोमेटेसी)

पूर्वतः ब्रिटिश कोलम्बिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार जम्मू और कश्मीर के पूंछ जिले के कामसार से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय (एचबीजेयू) में संग्रहित किया गया है। इसे सतविंदर कौर, हरप्रीत कौर, एस. कुमार एवं वाई. पी. शर्मा के द्वारा इंडियन ज. फॉरेस्ट्री 38(1).43.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Clitocybe dilatata (Pers.) P. Karst. (TRICHOLOMATACEAE)

This species of fungi earlier known from British Columbia, has been reported for the first time from India based on the collection made from Kamsar, Poonch district of Jammu & Kashmir, India. The specimens are deposited in Department of Botany, University of Jammu, Jammu (HBJU). The species has been published by Satvinder Kour, Harpreet Kour, S. Kumar & Y.P. Sharma in Indian J. Forestry 38(1).43.2015.

**क्लिटोसाइबे हाइड्रोग्रामा (बुल.) पी. कुम. (ट्राइकोलोमेटेसी)**

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार जम्मू और कश्मीर के पूंछ जिले के कामसार से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू (एचबीजेयू) में संग्रहित किया गया है। इसे सतविंदर कौर, हरप्रीत कौर, एस. कुमार एवं वाई. पी. शर्मा के द्वारा इंडियन ज. फॉरेस्ट्री 38(1).45.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Clitocybe hydrogramma (Bull.) P. Kumm. (TRICHOLOMATACEAE)

This species of fungi earlier known from North America, has been reported for the first time from India based on the collection made from Kamsar, Poonch district of Jammu & Kashmir, India. The specimens are deposited in Department of Botany, University of Jammu, Jammu (HBJU). The species has been published by Satvinder Kour, Harpreet Kour, S. Kumar & Y.P. Sharma in Indian J. Forestry 38(1).45.2015.

कोल्ट्राइका पर्मोलिस बलताजा व गिबर्टोनी

पूर्वतः भारत में अज्ञात इस जाति का पता प्रथम बार जम्मू और कश्मीर के पूंछ जिले के कृष्णा घाटी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू (एचबीजेयू) में संग्रहित किया गया है। इसे हरप्रीत कौर, एस. कुमार व वाई. पी. शर्मा के द्वारा इंडियन जे. फॉरेस्ट्री 38 (3).219.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Coltricia permollis Baltaza & Gibertoni

This species of fungi earlier not known from India, has been reported for the first time from India based on the collection made from Krishna Ghati, Poonch district of Jammu & Kashmir, India. The specimens are deposited in Department of Botany, University of Jammu, Jammu (HBJU). The species has been published by Harpreet Kour, S. Kumar & Y.P. Sharma in Indian J. Forestry 38(3).219.2015.

कोनोसाइबे अल्बाइपस (जी.एच. ओट्थ) हास्कन. (बोल्बिटेसी)

पूर्वतः नीदरलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के छत बीर से 251 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन. एस. अत्रो एवं कै. मनरुचो के द्वारा माइक्रोस्फेयर 6(1):39. 2015 में प्रकाशित किया गया है।

Conocybe albipes (G.H. Otth) Hauskn. (BOLBITACEAE)

This species of fungi earlier known from Netherland, has been reported for the first time from India based on the collection made from Chhat Bir, Punjab, India at 251 m. altitude. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kour, N.S. Atri and K. Munruchi in Mycosphere 6(1): 39.2015.

कोनोसाइबे एपाला (फ्र.: फ्र.) अर्नोल्ड्स (बोल्बिटेसी)

पूर्वतः यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून उत्तराखंड के न्यू फॉरेस्ट में कुप्रेसस कैशमेरियाना वृक्ष के निकट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (डीडी) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. कुमार, एन.एस.के. हर्ष एवं आर. प्रसाद के द्वारा कर. रिस. इंवायर्न. अप्लाई. माइकोलॉ. 4(1):100.2015 में प्रकाशित किया गया है।

**Conocybe apala (Fr.: Fr.) Arnolds (BOLBITACEAE)**

This species of fungi earlier known from Europe and North America, has been reported for the first time from India based on the collection made from growing near *Cupressus cashmeriana* tree, New Forest at Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakhand, India at 668m. The specimens are deposited in Forest Research Institute, Dehradun (DD). The species has been published by M. Kumar, N. S. K. Harsh and R. Prasad in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1): 100.2015.

कोनोसाइबे फस्क्रीमार्जिनाटा (मुरिल) सिंगर (बोल्बिटिएसी)

पूर्वतः तुर्की, यूरोप, उजबेकिस्तान और इटली से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब राज्य में 251 मी. की ऊंचाई पर बलबेहरा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा माइकोस्फेयर 6(1):35.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Conocybe fuscimarginata (Murrill) Singer (BOLBITIACEAE)

This species of fungi earlier known from Turkey, Europe, Uzbekistan and Italy, has been reported for the first time from India based on the collection made from Balbehra, Punjab, India at 251m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Mycosphere 6(1): 35.2015.

कोनोसाइबे लेंटिकुलोस्पोरा वाट्लिंग (बोल्बिटिएसी)

पूर्वतः स्कॉटलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के लुधियाना में 254 मी. की ऊंचाई पर लोहतबड़ी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा माइकोस्फेयर 6(1):33. 2015 में प्रकाशित किया गया है।

Conocybe lenticulospora Watling (BOLBITIACEAE)

This species of fungi earlier known from Scotland, has been reported for the first time from India based on the collection made from Lohatbaddi, Ludhiana, Punjab, India at 254m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kour, N. S Atri and K. Munruchi in Mycosphere 6(1): 33.2015.

कोनोसाइबे ल्यूकोपस (कुहनेर) कुहनेर एवं वाट्लिंग (बोल्बिटिएसी)

पूर्वतः ब्रिटिश द्वीपों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के फिरोजपुर में 182 मी. की ऊंचाई पर मुदकी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा माइकोस्फेयर 6(1):23.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Conocybe leucopus (Kühner) Kühner & Watling (BOLBITIACEAE)

This species earlier known from British Isles, has been reported for the first time from India based on the collection made from Mudki, Ferozepur, Punjab, India at 182m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Mycosphere 6(1): 23.2015.



**कोनोसाइबे मोसेरी वाल्टिंग (बोल्बिटिएसी)**

पूर्वतः ब्रिटिश द्वीप, यूक्रेन, स्विटजरलैंड एवं रूस से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के मोगा में 217 मी. की ऊँचाई पर अजितवाल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा माइकोस्फेयर 6(1):31.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Conocybe moseri Watling (BOLBITIACEAE)

This species of fungi earlier known from British Isles, Ukraine, Switzerland and Russia

has been reported for the first time from India based on the collection made from Ajitwal, Moga, Punjab, India at 217m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Mycosphere 6(1): 31.2015.

कोनोसाइबे सबपुबेसेंस पी.डी. ऑर्टन (बोल्बिटिएसी)

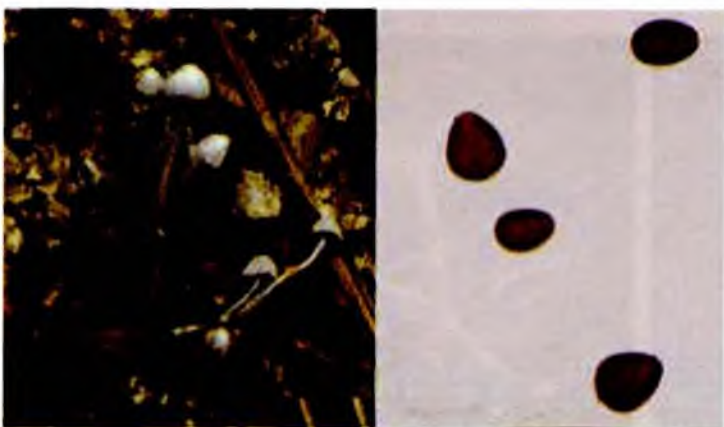
पूर्वतः ब्रिटिश द्वीप समूह, यूक्रेन, स्विटजरलैंड एवं रूस से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के होशियारपुर जिले में 295 मी. की ऊँचाई पर जलोटा दसुया से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन. एस. अत्री एवं मनरुची कौर ने माइकोस्फेयर 6(1):26.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Conocybe subpubescens P. D. Orton (BOLBITIACEAE)

This species of fungi earlier known from British Isles, Ukraine, Switzerland and Russia has been reported for the first time from India based on the collection made from Jalota Dasuya, Hoshiarpur, Punjab, India at 295m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Mycosphere 6(1): 26.2015.

कॉप्रिनस कॉर्डिस्पोरस टी. गिब्स (एगेरिकेसी)

पूर्वतः हवाई द्वीप तथा पश्चिमी और पूर्वी फॉकलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के होशियारपुर जिले में 295 मी. की ऊँचाई पर सतियाना में मवेशी और घोड़े के मल मिश्रित ढेर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा करं. रिस. इंवार्न. माइकोलॉ. 5(1):30.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Coprinus cordisporus T.Gibbs (AGARICACEAE)

This species of fungi earlier known from Hawaiian Island and West and East Falkland, has been reported for the first time from India based on the collection made from growing in groups on mixed cattle and horse dung heap at Satiana, Hoshiarpur districts of Punjab, India at 295m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5 (1):30.2015.

कोर्टिनेरियस सेलर फ्र., (कोर्टिनेरिएसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम के उत्तरी जिले में 3252 मी. की ऊंचाई पर शिंग्बा रोडोडेंड्रन अभ्यारण्य से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे कनाद दास एवं द्युतिपर्णा चक्रवर्ती के द्वारा ज. न्यू बायोल. रिप. 4(1):5.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Cortinarius salor Fr., (CORTINARIACEAE)

This species of fungi earlier known from Europe has been reported for the first time from India based on the collection made from Shingba Rhododendron sanctuary, North district of Sikkim, India at 3252m. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species has been published by Kanad Das and Dyutiparna Chakraborty in J. New Biol. Rep. 4 (1): 5.2015.

कोर्टिनेरियस वेरिकलर (पर्स.) फ्र., (कोर्टिनेरिएसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम के डोम्बंग और समथंग से 2890 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे कनाद दास एवं द्युतिपर्णा चक्रवर्ती के द्वारा ज. न्यू बायोल. रिप. 4(1):2.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Cortinarius variicolor (Pers.) Fr., (CORTINARIACEAE)

This species of fungi earlier known from Europe has been reported for the first time from India based on the collection made from Dombang and Samthang, North district of Sikkim, India at 2890m. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species has been published by Kanad Das and Dyutiparna Chakraborty in J. New Biol. Rep. 4 (1): 2.2015.

हेप्लोट्राइकम कर्टिसाई (बर्क.) होल.-जेक., (बोट्रियोबेसिडिएसी)

पूर्वतः भारत में अज्ञात इस जाति का पता प्रथम बार हिमाचल प्रदेश के मनाली जिले में लकड़ी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग के कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान प्रयोगशाला, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इसे इंदु भुषण पराशर एवं रजनीश कुमार वर्मा के द्वारा नोवा हेडविगिया 100 (1-2):272.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Haplotrichum curtisii (Berk.) Hol.-Jech., (BOTRYOBASIDIACEAE)

This species of fungi not known from India has been reported for the first time based on the collection made from a log, Manali district of Himachal Pradesh, India. The specimens are deposited in Department of Botany, Mycology and Plant Pathology Laboratory, Panjab University Chandigarh (PAN). The species has been published by Indu Bhushan Parasher and Rajnish Kumar Verma in Nova Hedwigia 100 (1-2): 272.2015.

**हेलवेल्ला सोलिटेरिया पी. कार्स्ट., (हेलवेल्लेसी)**

पूर्वतः यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड के देहरादून जनपद में 2638 मी. की ऊंचाई पर देववन, चकराता से *क्वेर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* वृक्ष के नीचे से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (डीडी) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. कुमार, एन.एस.के. हर्ष एवं आर. प्रसाद के द्वारा कर. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 4(1):101.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Helvella solitaria* P. Karst. (HELVELLACEAE)**

This species of fungi earlier known from Europe and North America, has been reported for the first time from India based on the collection made under *Quercus leucotricofora* tree, Deovan, Chakrata, Dehradun, Uttarakhand, India at 2638m. The specimens are deposited in Forest Research Institute, Dehradun (DD). The species has been published by M. Kumar, N.S.K. Harsh and R. Prasad in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1): 101.2015.

हेटेरोबेसिडियोन परप्लेक्सा रिव.

पूर्वतः नेपाल से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जनपद के माओफलांग पवित्र वन में 1900 एवं मावलाई वन में 1430 मी. की ऊंचाईयों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप सूक्ष्मजैविकी पारिस्थितिकी प्रयोगशाला, वनस्पति विज्ञान विभाग, नार्थ ईस्ट हिल विश्वविद्यालय, शिलांग में संग्रहित किया गया है। इसे ए. लिंगदोह एवं एम. एस. दखार के द्वारा कर. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 4(1):117.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Heterobasidion perplexa* Ryv.**

This species of fungi earlier known from Nepal, has been reported for the first time based on the collection made from Mawphlang sacred grove and Mawlai forest in East Khasi Hills of Meghalaya at altitudes of 1900 m and 1430 m. The specimens are deposited in Microbial Ecology Laboratory, Department of Botany, North Eastern Hill University, Shillong. The species has been published by A. Lyngdoh and M.S. Dkhar in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1): 117.2015.

हाइग्रोसाइबे मिनिऐटा (फ्र.) पी. कुम. (हाइग्रोफोरेसी)

पूर्वतः यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून उत्तराखंड के न्यू फॉरेस्ट में *पोलिएल्थिया लॉन्गिफोलिया* (अशोक वृक्ष) के नीचे से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (डीडी) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. कुमार, एन.एस.के. हर्ष एवं आर. प्रसाद के द्वारा कर. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 4(1):103.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Hygrocybe miniata* (Fr.) P. Kumm. (HYGROPHORACEAE)**

This species of fungi earlier known from Europe and North America, has been reported for the first time from India based on the collection made under *Polyalthia longifolia* (Ashoka tree), at New Forest, Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakhand, India at 672m. The specimens are deposited in Forest Research Institute, Dehradun (DD). The species has been published by M. Kumar, N.S.K. Harsh and R. Prasad in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1): 103.2015.

हाइमेनोकिट डेमिकॉर्निस (लिंक.) लिंव. (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मंजरी में निर्जीव एवं सड़े हुये काष्ठीय तने से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.151.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Hymenochaete damicornis* (Link.) Lev. (HYMENOGAETACEAE)**

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead rotting hardwood stump at Manjari, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.151.2015.

हाइमेनोकिट दिपाल्लेन्स बर्क. एम.ए. कूर्टिस, (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के एम. जी. राष्ट्रीय उद्यान में निर्जीव और सड़े हुए लकड़ी के टुकड़ों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.151.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete depallens Berk. M. A. Curtis, (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead rotting hardwood log at M. G. National park, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.151.2015.

हाइमेनोकिट फ्लोरिडिया बर्क. व ब्रूम., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के रॉस द्वीप में निर्जीव एवं सड़े हुये काष्ठीय तने से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.151.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete floridea Berk. & Broome (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead rotting hardwood trunk at Ross Island Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.151.2015.

हाइमेनोकिट मुरिना बर्स. (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के रॉस द्वीप में निर्जीव एवं सड़े हुये काष्ठीय तने से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.151.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete murina Bers. (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead wood at Ross Island Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.151.2015.

हाइमेनोकिट मुरोइयाना हिनो एवं काटुमोटो (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रूट द्वीप में ताड़ वृक्ष की जड़ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.151.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete muroiana Hino & Katumoto (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from base of palm tree at Rut Island Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.151.2015.

**हाइमेनोकिट ओक्रोमार्जिनाटा पी.एच.बी. टालबट (हाइमेनोकिटेसी)**

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के मंजरी में सहायक जड़ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.151.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete ochromarginata P. H. B. Talbot (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from the prop root at Manjari Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 151.2015.

हाइमेनोकिट पेल्लिकुला बर्क. एवं ब्रूम, (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के बरतंग में निर्जीव लकड़ी के टुकड़ों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.151.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete pellicula Berk. & Broome (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made on dead hard wood at Baratang, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 151.2015.

हाइमेनोकिट पिन्नाटिफीडा बूर्ट., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के एम. जी. राष्ट्रीय उद्यान में एक सजीव आवृतबीजी वृक्ष के जड़ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.152.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete pinnatifida Burt., (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from the base of a living angiosperm tree at M. G. National park, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 152.2015.

हाइमेनोकिट सेपाराबिलिस (डिक्स.), लेव., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के बरतंग में सड़े हुये काष्ठीय वृक्ष की टूट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.152.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete separabilis (Dicks.) Lev., (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from rotten hardwood stump at Baratang, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 152.2015.

हाइमेनोकिट यूनिकलर बर्क. व एम.ए. कर्टिस, (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के रॉस द्वीप में निर्जीव और पतली काष्ठीय शाखाओं से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.152.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete unicolor Berk. & M. A. Curtis (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead thin branch of hardwood at Ross Island, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.152.2015.

हाइमेनोकिट वल्लाटा जी. कुन्न., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के माउंट हेरियट में निर्जीव और सड़े हुए काष्ठीय तने से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.152.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete vallata G. Cunn. (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead rotting hardwood tree trunk at Mount Harriet, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.152.2015.

हाइमेनोकिट वेरिगाटा ब्रेसडोला (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के माउंट हेरियट में निर्जीव और सड़े हुए काष्ठीय तने से किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.152.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete variegata Bresadola (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead rotting hardwood at Mount Harriet, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.152.2015.

हाइमेनोकिट विल्लोसा (लेव.) ब्रेस. (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के बारातंग में सड़े हुये काष्ठीय वृक्ष की दूठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.152.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Hymenochaete villosa (Lev.) Bres. (HYMENOGHAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from rotting stump of hardwood at Baratang, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.152.2015.

**इनोनोटस ईलोइडी (क्लेल.) पी.के. बुचानन व रिव., (हाइमेनोकिटेसी)**

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के रॉस द्वीप में सड़े हुये काष्ठीय तने से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय घनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.152.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Inonotus lloydii (Ciel.) P.K. Buchanan & Ryt. (HYMENOGYSAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from rotten hardwood trunk at Ross Island, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 152.2015.

मिलिओला लुजोनेंसिस सिड. (मेलियोलेसी)

पूर्वतः फिलिपिंस से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र के महाबलेश्वर जिले के प्रतापगढ़ 829 मी. की ऊँचाई पर *डाइमोर्फोकैलिकस लाविएनस* (यूफोर्बिएसी कुल) की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगेमी इंडी ओरिएंटलिस, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. आर. भिसे, सी. आर. पाटिल एवं सी.बी. सालुंके के द्वारा करं. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 5(1):47.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Meliola luzonensis Syd. (MELIOLACEAE)

This species earlier known from Philippines has been reported for the first time from India based on the collection made from leaves of *Dimorphocalyx lawianus* (Euphorbiaceae) Pratapgad, Mahabaleshwar district of Maharashtra, India at 829m. The specimens are deposited in Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis New Delhi (HCIO). The species has been published by M.R Bhise, C.R. Patil and C.B. Salunkhe in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5 (1):47.2015.

मिलिओला सिडरोक्जाली स्टेव. (मेलियोलेसी)

पूर्वतः हवाई और क्यूबा से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र के महाबलेश्वर जनपद के गोनोशी वन में 690 मी. की ऊँचाई पर *जेंटोसिस टोमेंटोसा* (सैपोटेसी कुल) की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगेमी इंडी ओरिएंटलिस, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. आर. भिसे, सी. आर. पाटिल एवं सी.बी. सालुंके के द्वारा करं. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 5(1):47.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Meliola sideroxyli Stev. (MELIOLACEAE)

This species earlier known from Hawaii and Cuba has been reported for the first time from India based on the collection made from on leaves of *Xantolis tomentosa* (Sapotaceae) Gonoshi forest, Mahabaleshwar district of Maharashtra, India at 690m. The specimens are deposited in Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis New Delhi (HCIO). The species has been published by M.R Bhise, C.R. Patil and C.B. Salunkhe in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5 (1):47.2015.

मिलिओला वेंटिलैगिनिकोला हेंस्फ. (मेलियोलेसी)

पूर्वतः यूगांडा से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र के महाबलेश्वर जनपद के अंबेनालीघाट में 858 मी. की ऊँचाई पर *वेंटिलैगो डेंटिकुलाटा* (रहमनेसी कुल) की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगेमी इंडी ओरिएंटलिस, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. आर. भिसे, सी. आर. पाटिल एवं सी.बी. सालुंके के द्वारा करं. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 5(1):50.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Meliola ventilaginicola Hansf. (MELIOLACEAE)

This species of fungi earlier known from Uganda has been reported for the first time from India based on the collection made from on leaves of *Ventilago denticulata* (Rhamnaceae) Ambenalighat, Mahabaleshwar district of Maharashtra, India at 858m. The specimens are deposited in Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis New Delhi (HCIO). The species has been published by M.R Bhise, C.R. Patil and C.B. Salunkhe in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5(1):50.2015.

पैनियोलस एल्सिडिस मोजर (सैथिरिल्लेसी)

पूर्वतः स्वेडन, सस्केचेवान (कनाडा) और इटली से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के मोगा में 217 मी. की ऊँचाई से चक फतेहपुर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा बायो डाइवर्सिटास 15(2):124.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Panaeolus alcidis Moser (PSATHYRELLACEAE)

This species of fungi earlier known from Sweden, Saskatchewan, Canada and Italy has been reported for the first time from India based on the collection made from Chak Fatehpur, Moga, Punjab, India at 217m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Bio Diversitas 15 (2):124.2014.

पैनियोलस कैस्टानिफोलियस (मुरिल) ए.एच. सैम. (सैथिरिल्लेसी)

पूर्वतः उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के सिकंदरपुरा, संगरूर से 231 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा बायो डाइवर्सिटास 15(2):121.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Panaeolus castaneifolius (Murrill) A.H. Sm. (PSATHYRELLACEAE)

This species of fungi earlier known from North and South America has been reported for the first time from India based on the collection made from Sangrur, Sikanderpura Punjab, India at 231m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Bio Diversitas 15 (2):121.2014.

पैनियोलस वेनेजोलेनस गुजमैन (सैथिरिल्लेसी)

पूर्वतः वेनेजुएला एवं मैक्सिको से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के पंजग्राइन, फरीदकोट से 196 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा बायो डाइवर्सिटास 15(2):124.2014 में प्रकाशित किया गया है।

Panaeolus venezolanus Guzmán (PSATHYRELLACEAE)

This species of fungi earlier known from Venezuela and Mexico has been reported for the first time from India based on the collection made from Panjgraeen, Faridkot, Punjab, India at 196m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Bio Diversitas 15 (2):124.2014.



**पैनियोलस ट्रॉपिकेलिस ओलाह. (सेथिरिल्लेसी)**

पूर्वतः हवाई, मध्य अफ्रीका, कंबोडिया, मेक्सिको, तनजानिया, फ्लोरिडा, जापान और फिलिपिंस से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के नैनाकुट, पटियाला से 251 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा बायो डाइवर्सिटास 15(2):120.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Panaeolus tropicalis* Oláh., (PSATHYRELLACEAE)**

This species of fungi earlier known from Hawaii, Central Africa, Cambodia, Mexico, Tanzania, Florida, Japan and Philippines has been reported for the first time from India based on the collection made from Nainakut, Patiala, Punjab, India at 251m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Bio Diversitas 15 (2):120.2014.

फेलिनस आर्क्टोस्टाफाइली (लॉन्ग) निमेला. (हाइमेनोकिटेसी)

पूर्वतः एरिजोना से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र के डोंगरवाडी, हरिश्चंद्रगढ़ तथा पुणे जनपद के लोनावाला से 251 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वाघिरे कॉलेज, सस्वद, ताल-पुरंदर (वीकेपीओ) में संग्रहित किया गया है। इसे के. आर. रानादीवे के द्वारा करं. रिस. इंवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 4 (1):129.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Phellinus arctostaphyli* (Long) Niemelä.
(HYMENOGAETACEAE)**

This species of fungi earlier known from Arizona has been reported for the first time from India based on the collection made from Dongarwadi, Harishchandragad and Lonavala of Pune

district of Maharashtra India at 251m. The specimens are deposited in Department of Botany, Waghere College, Saswad, Tal-Purandar (VKPO). The species has been published by K.R Ranadive in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1):129.2014.

फेलिनस सिसाटी (ब्रेस.) रिव., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के एम.जी. राष्ट्रीय उद्यान में निर्जीव काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.153.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Phellinus cesatii* (Bres.) Ryv. (HYMENOGAETACEAE)**

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead hardwood at M. G. National Park, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 153.2015.

फेलिनस क्रोकटस (फ्र.) रिव., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के एम.जी. राष्ट्रीय उद्यान में निर्जीव लकड़ी के टुकड़ों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे. आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.153.2015 में प्रकाशित किया गया है।

***Phellinus crocatus* (Fr.) Ryv. (HYMENOGAETACEAE)**

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead hard wood at M. G. National Park, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 153.2015.

फेलिनस लॉन्गिसेटुलोस बॉन्ड एवं हर., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के रूट द्वीप में निर्जीव एवं सड़े हुये काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.154.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus longisetulosus Bond et. Herr. (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead rotting hard wood at Rut Island, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 154.2015.

फेलिनस मेम्ब्रेनेसियस राइट एवं ब्लुमेफ (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के एम.जी. राष्ट्रीय उद्यान में निर्जीव और पतली काष्ठीय शाखाओं से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.154.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus membranaceus Wright et Blumenf (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead thin branches of hardwood at M. G. National Park, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 154.2015.

फेलिनस माइन्यूटिपोरस बॉन्ड एवं हर., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के एम.जी. राष्ट्रीय उद्यान में सड़े हुये काष्ठीय वृक्ष की टूट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.154.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus minutiporus Bond. et Herr. (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead hardwood stump at M. G. National Park, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 154.2015.

फेलिनस ओरिएंटेलिस बॉन्ड एवं हर., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के रूट द्वीप में निर्जीव और पतली शाखाओं से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा व दीपा मिश्रा ने निलुम्बो 57.154.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus orientalis Bond et Herr. (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead thin branches of hardwoods at Rut Island, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 154.2015.

**फेलिनस स्यूडोपंकटेस ए. डेविड, डेक्वेटर एवं फियासन, (हाइमेनोकिटेसी)**

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के एम.जी. राष्ट्रीय उद्यान में निर्जीव लकड़ी के टुकड़ों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.155.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus pseudopunctatus A. David, Dequatre & Fiasson (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead wood at M. G. National Park, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 155.2015.

फेलिनस रिचिंगेरी (ब्रेस.) रिव. (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के रूट द्वीप में सड़े हुए लकड़ी के टुकड़ों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे. आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.155.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus reichingeri (Bres.) Ryv. (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from rotten hardwood at Rut Island, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 155.2015.

फेलिनस रेसिनेसियस कोटल. एवं पाउज (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के एम.जी. राष्ट्रीय उद्यान में सड़े हुए लकड़ी के टुकड़ों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.155.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus resinaceus Kotl. Et Pouz. (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from rotten hardwood at M. G. National Park, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 155.2015.

फेलिनस रेहिटफोलियस (मोंट.) रिव., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के रॉस द्वीप में सड़े हुए वृक्ष के तने से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.155.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus rhytiploeus (Mont.) Ryv. (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from rotting hardwood tree trunk at Ross Island, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.155.2015.

फेलिनस रुफिटिक्टस (बर्क. एवं क्रट.: के.) पाट. (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के रॉस द्वीप में सड़े हुये काष्ठीय वृक्ष की टूट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.155.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus ruftinctus (Berk. et Curt. :Cke.) Pat. (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from rotten stump at Ross Island, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 155.2015.

फेलिनस सैक्टिजियोजाई (पैट.) रिव., (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के एम.जी. राष्ट्रीय उद्यान में निर्जीव काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.155.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus sanctigeorgii (Pat.) Ryv. (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead hard wood at M. G. National Park, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 155.2015.

फेलिनस सैन्फोर्डी (सी.जी. लॉयड) रिवर्डन., (हाइमेनोकिटेसी)

पूर्वतः श्रीलंका, पाकिस्तान और जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र के पुणे जनपद के लोनावला से 251 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वाघिरे कॉलेज, सस्वद, ताल-पुरंदर (वीकेपीओ) में संग्रहित किया गया है। इसे के. आर. रानादीवे के द्वारा करं. रिस. इंवार्न. एप्ला. माइकोलॉ. 4(1):129.2014 में प्रकाशित किया गया है।



Phellinus sanfordii (C.G. Lloyd) Ryvardeen. (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi earlier known from Sri Lanka, Pakistan India, and Japan has been reported for the first time from India based on the collection made from dead wood. Lonavala of Pune district of Maharashtra India at 251 m. The specimens are deposited in Department of Botany, Waghere College, Saswad, Tal-Purandar (VKPO). The species has been published by K. R Ranadive in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1):129.2014.

फेलिनस सोनोराई गिल्बर्टसन, (हाइमेनोकिटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के रॉस द्वीप में सड़े हुये काष्ठीय वृक्ष की टूट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा ने निलुम्बो 57.156.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus sonorae Gilbertson (HYMENOGAETACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from rotting stump of hard wood at Ross Island, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57.156.2015.

**फेलिनस स्वीटेनियाई (मूर.) हर. एवं बॉन्ड., (हाइमेनोकिटेसी)**

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के मंजरी में निर्जीव काष्ठीय तने से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे जे.आर. शर्मा एवं दीपा मिश्रा के द्वारा निलुम्बो 57.156.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Phellinus swieteniae (Murr.) Herr. et Bond. (HYMENOGYNIACEAE)

This species of fungi is reported for the first time from India based on the collection made from dead hard wood trunk at Manjari, Andaman & Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). The species has been published by J.R. Sharma & Deepa Mishra in Nelumbo 57. 156.2015.

पोडोस्काइफा पेटालोइडस (बर्क.) बायोडिन., (मेरुलिऐसी)

पूर्वतः अमेरिका और प्रशांत महासागर से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र के पुणे जिले के ढाक-भैरी ढाक, लोनावाला में 251 मी. की ऊंचाई पर फाइकस जाति के सड़े हुए लकड़ी के टुकड़ों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वाघिरे कॉलेज, सस्वद, ताल-पुरंदर (वीकेपीओ) में संग्रहित किया गया है। इसे के. आर. रानादीवे के द्वारा कर. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 4 (1): 130.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Podoscypha petaloides (Berk.) Boidin., (MERULIACEAE)**

This species of fungi earlier known from America, Pacific Islands. has been reported for the first time from India based on the collection made from dead wood of *Ficus* sp., Lonawala-Dhak Bhairi Dhak of Pune district of Maharashtra India at 251 m. The specimens are deposited in Department of Botany, Waghere College, Saswad, Tal-Purandar (VKPO). The species has been published by K.R. Ranadive in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. K.R. 4 (1):130.2014.

सैथिरेल्ला वैनहर्मनाई स्मिथ (सैथिरिल्लेसी)

पूर्वतः भारत में अज्ञात इस जाति का पता प्रथम बार पंजाब के पेरौल, मोहाली से 316 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा कर. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 5(2):131.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Psathyrella vanhermanii Smith (PSATHYRELLACEAE)

This species of fungi earlier known not known from India has been reported for the first time based on the collection made from Parol, Mohali, Punjab, India at 316m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5 (2):131.2015.

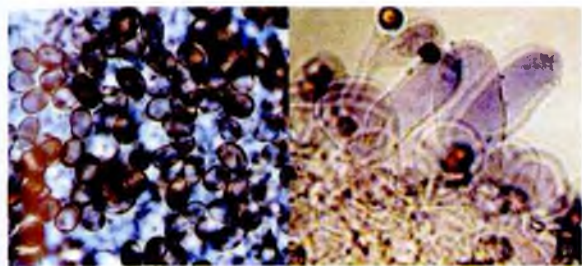
सैथिरेला स्फैरोसिस्टीस ऑर्टन (सैथिरिल्लेसी)

पूर्वतः भारत में अज्ञात इस जाति का पता प्रथम बार पंजाब के बलमगढ़ संगरूर से 216 मी की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा कर. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 5(2):132.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Psathyrella sphaerocystis Orton (PSATHYRELLACEAE)

This species of fungi earlier not known from India has been reported for the first time based on the collection made from Balamgarh, Sangrur, Punjab, India at 216m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5 (2):132.2015.

सैथिरेला फ्लोक्कुलोसा (अर्ले) ए.एच. स्मिथ (सैथिरिल्लेसी)



पूर्वतः क्यूबा से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के नौशेहरा, संगरूर से 231 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा कर. रिस. इंवार्न. एप्ला. माइकोलॉ. 5(2) 134.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Psathyrella flocculosa (Earle) A.H. Smith (PSATHYRELLACEAE)

This species of fungi earlier known from Cuba has been reported for the first time from India based on the collection made from Naushehra, Sangrur, Punjab, India at 231m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5 (2):134.2015.

रुगिबोलेटस ब्रूनेईपोरस जी. वु व झु एल. यंग (बोलिटेसी)



पूर्वतः दक्षिण-पश्चिमी चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम के उत्तरी और पूर्वी जिलों के अलग-अलग क्षेत्रों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति का प्रतिरूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. चक्रवर्ती एवं कनाद दास के द्वारा कर. रिस. इंवार्न. एप्ला. माइकोलॉ., 5 (2):139.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Rugiboletus brunneiporus G. Wu & Zhu L. Yang (BOLETACEAE)

This species of fungi earlier known from South-Western China, has been reported for the first time from India based on the collection made from different localities of North and east district of Sikkim, India. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species has been published by D. Chakraborty and K. Das in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol., 5 (2): 139.2015.

प्रभेद अभिलेख / VARIETAL RECORDS

कोप्रिनस कोमेटस प्रभे. कैप्रिमेमिल्लेटस बोगार्ट. (एगेरिकेसी)

पूर्वतः संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात इस प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के पटियाला और होशियारपुर जिलों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा कर. रिस. इंवार्न. माइकोलॉ. 5(1):28.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Coprinus comatus var. caprimammillatus Bogart. (AGARICACEAE)

This variety of fungi earlier known from USA, has been reported for the first time from India based on the collection made from Patiala and Hoshiarpur districts of Punjab, India. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5 (1): 28.2015.



पैनियोलस पैपिलियोनेसियंस प्रभे. पार्विस्पोरस इव. गरहार्डट (सैथिरिल्लेसी)

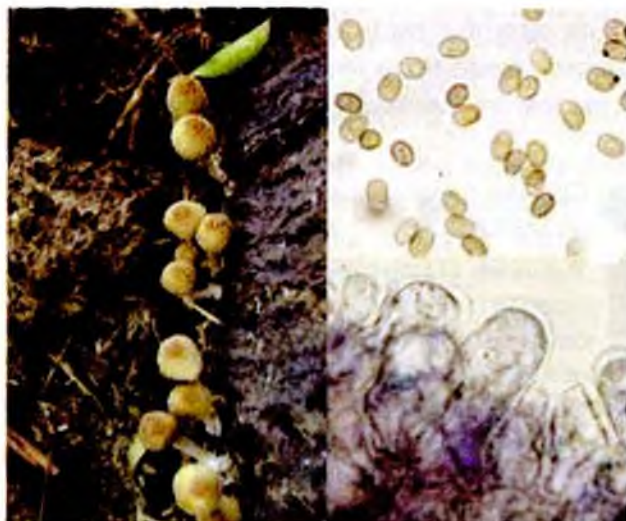
पूर्वतः उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका से ज्ञात इस प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के डुग्नी, संगरूर से 231 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर ने बायो डाइवर्सिटास 15(2):128.2015 में प्रकाशित किया गया है।

Panaeolus papilionaceus var. *parvisporus* Ew. Gerhardt., (PSATHYRELLACEAE)

This species of fungi earlier known from North and South America has been reported for the first time from India based on the collection made from Dugni, Sangrur, Punjab, India at 231 m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Bio Diversitas 15 (2):128.2014.

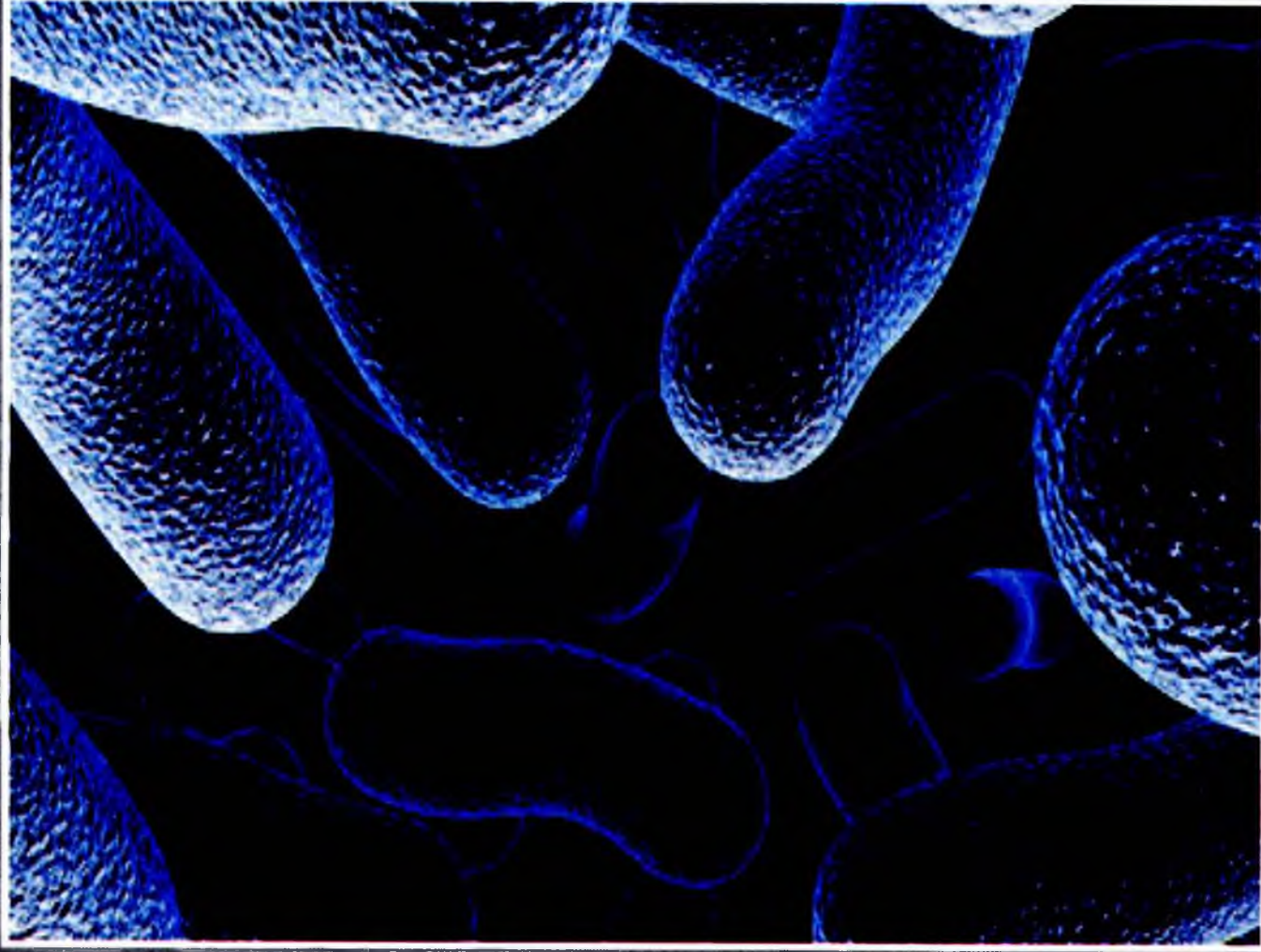
सैथिरेला कॉफमानई प्रभे. कॉफमानई स्मिथ., (सैथिरेलेसी)

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार पंजाब के लौहगढ़ मोगा से 217 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रभेद का प्रतिरूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे अमनदीप कौर, एन.एस. अत्री एवं मनरुची कौर के द्वारा करं. रिस. इवायर्न. एप्ला. माइकोलॉ. 5(2):129.2015 में प्रकाशित किया गया है।



Psathyrella kauffmanii var. *kauffmanii* Smith., (PSATHYRELLACEAE)

This variety of fungi earlier known from North America has been reported for the first time from India based on the collection made from Loahgarh, Moga, Punjab, India at 217 m. The specimens are deposited in Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The variety has been published by Amandeep Kaur, N. S. Atri and Munruchi Kaur in Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 5(2):129.2015.



जीवाणु/MICROBES

जीवाणु/MICROBES

जीवाणु तथा आर्किया की विश्व भर में अनुमानित 50,000–3,00,000 जातियों में

भारत से लगभग 1120 जातियों को पृथक् किया गया है।

भारतीय पर्यावरण में जीवाणुओं तथा आर्किया की विविधता

एवं महत्वपूर्ण भूमिका को समझना बहुत आवश्यक है।

हमारी अब तक की जानकारी के अनुसार विश्व की कुल जीवाणु प्रजातियों का

लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा भारतीय जीवाणुओं का है।

इस क्रमवार सूचना में भारत से 8 नवीन वंश 41 नयी जातियाँ

(जिनमें गुजरात से 09 जातियाँ, महाराष्ट्र से 08, तेलंगाना से 06, तमिलनाडु से 05,

आंध्र प्रदेश, गोवा एवं उत्तर प्रदेश में प्रत्येक से 04 एवं केरल, पंजाब में प्रत्येक से

3 जातियाँ, अंडमान एवं निकोबार, हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक में प्रत्येक से 1) जातियाँ सम्मिलित हैं।

Out of the estimated 50,000 -3,000,000 species of bacteria and archaea,

about 1120 species have been

isolated from India. It is necessary to understand the

diversity of bacteria and archaea present in a great variety of Indian environments,

and understand their role in nature.

In the present state of our knowledge, Indian microbes represent about 11 % of the

total species of the world.

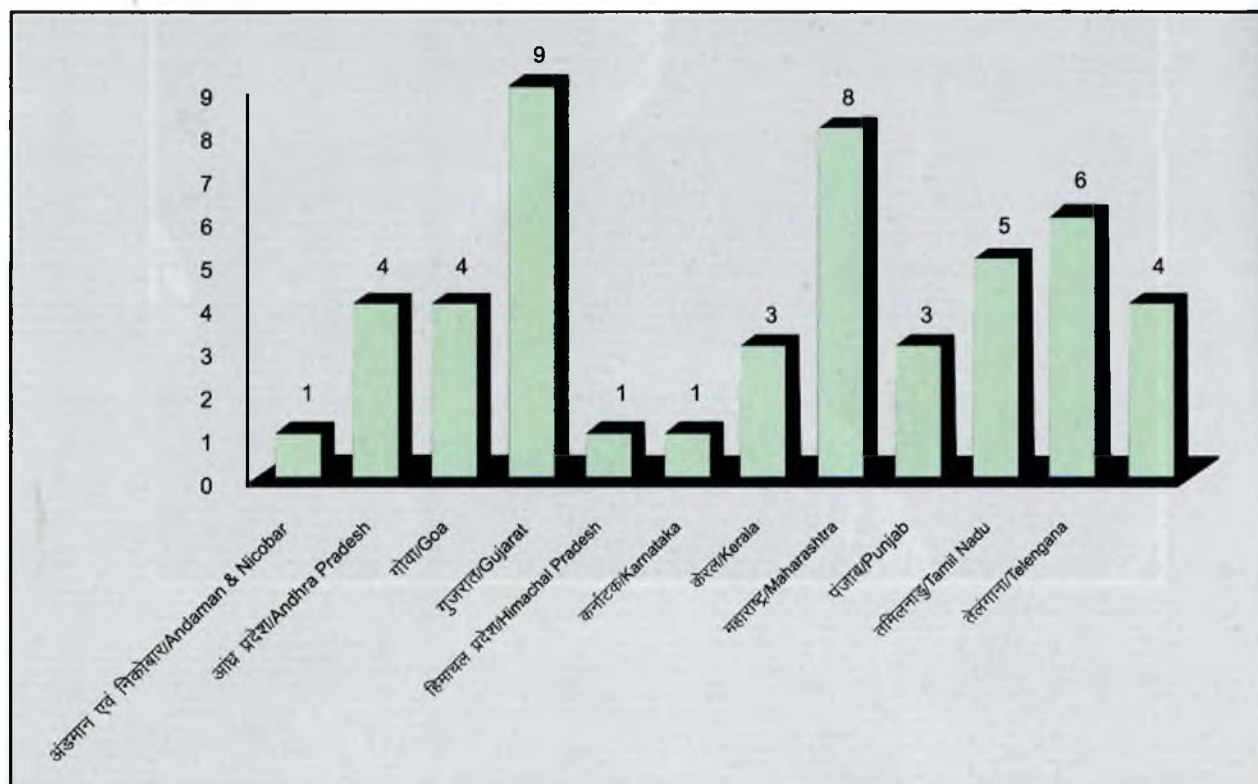
The collated information presented here includes 8 new genera and

41 new species of microbes from India (09 from Gujarat, 08 from

Maharashtra, 06 from Telangana, 05 from Tamil Nadu, 04 each from

Andhra Pradesh, Goa and Uttar Pradesh, 3 each from Kerala and Punjab,

1 each from Andaman & Nicobar, Himachal Pradesh and Karnataka)



भारतीय राज्यों से अन्वेषित जीवाणु
MICROBES DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन वंश / NEW GENUS

एराकिडाइकोकस मुनुस्वामी मधैया, सेल्वाराज पूंगुझाली, मुरुगायन सेंथिलकुमार, धधापणी प्रगाथेश्वरी, जुंग-सूक ली, कियून-चुल ली, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:578.2015. (काइटिनोफेगसी)

वीयू-144¹ नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, अगतिशील, रोमरहित, गोलाकार जीवाणु वंश को अति सूक्ष्म माध्यम में राजमा के खेत की रिजोस्फेयर मृदा से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। इस वंश की जाति *एराकिडाइकोकस राइजोस्फेराई* है तथा जीवाणु अभिरंजक वीयू-144¹ (=केसीटीसी 22378¹ =एनसीआईएमबी 14473¹) के रूप में संग्रहित है।

Arachidicoccus Munusamy Madhaiyan, Selvaraj Poonguzhali, Murugaiyan Senthilkumar, Dhandapani Pragatheswari, Jung-Sook Lee, Keun-Chul Lee, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 578.2015. (CHITINOPHAGACEAE)

This gram-stain-negative, non-motile, non-spore-forming, coccoid rods novel bacterial genus strains, designated Vu-144¹, were isolated on minimal medium from rhizosphere soil of field-grown cowpea. The type species is *Arachidicoccus rhizosphaerae* and the type strain is Vu-144¹ (=KCTC 22378¹ =NCIMB 14473¹).

इंटरोबैसिलस विकास एस. पाटील, राहुल सी. सालुंखे, रविंद्र एच. पाटील, सी. हुसैदर, योगेश एस. साउके, वी. वेंकट रमन, एंटीनी वॉन लियूवेन्हॉक 107:1207.2015. (इंटरोबैक्टेरिएसी)

आईजी-वी01¹ नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, अवायुजीवी, गतिशील, दंडाकार जीवाणु वंश को आटे में पाए जाने वाले लाल भृंगों की आंत से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। इस वंश की जाति *इंटरोबैसिलस ट्राइबोलाई* है तथा जीवाणु अभिरंजक आईजी-वी01¹ (=आईजी-वी01¹ =केसीटीसी 42159¹ =एमसीसी2532¹) के रूप में संग्रहित है।

Enterobacillus Vikas S. Patil, Rahul C. Salunkhe, Ravindra H. Patil, C. Husseneder, Yogesh S. Shouche, V. Venkata Ramana, Antonie van Leeuwenhoek 107:1207.2015 (ENTEROBACTERIACEAE)

This novel genus of gram-stain negative facultative anaerobic, motile, rod-shaped bacterial strains IG-V01¹ was isolated from the gut of red flour beetles. The type species is *Enterobacillus tribolii* and the type strain is (=IG-V01¹ =KCTC 42159¹ = MCC 2532¹).

सेरेईबैक्टर जी. सुरेश, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:795.2015. (रोडोबैक्टेरेसी)

प्रकाश पोषित जीवाणु *गेमोबैक्टर चांग्लेंसिस* को समाविष्ट करने के लिए इस नवीन ग्राम-अग्राही, अगतिशील जीवाणु वंश को गुणात्मक अभिरंजन विश्लेषणों के पश्चात स्थापित किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेए139टी के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एएम399030 है।

Cereibacter G. Suresh, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 795. 2015. (RHODOBACTERACEAE)

This novel gram negative, non-motile novel genus is designated to accommodate the phototrophic bacterium *Gemmobacter changlensis*, based on multiple strain analysis. The GenBank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of strains JA139¹ is AM399030.

नियोमाइक्रोकोकस ओम प्रकाश, अविनाश शर्मा, योगेश निमोनकर, योगेश एस. साउके, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65 : 3771. 2015. (माइक्रोकोकेसी)

दो जातियाँ *झिहेंग्लियूला ऑस्ट्रियरियाई* तथा *माइक्रोकोकस लैक्टिस* को समाविष्ट करने के लिए इस नवीन जीवाणु अभिरंजक को पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसीएम16166¹ =केसीटीसी19557¹ के रूप में संग्रहित है।

Neomicrococcus Om Prakash, Avinash Sharma, Yogesh Nimonkar, Yogesh S. Shouche, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3771. 2015. (MICROCOCCACEAE)

This novel genus is created to accommodate the two species *Zhihengliuella aestuani* and *Micrococcus lactis*. The type strain is JCM 16166¹ =KCTC 19557¹.



फैयोबैक्टेरियम नुपूर, नागा राधा श्रीनिवास तानुकु, तकाइची शिनिची, अनिल कुमार पिन्नाका, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65 : 2357. 2015. (क्रोमेटिऐसी)

भूरे रंग के इस नवीन ग्राम-अग्राही, दंडाकार, गतिशील, प्रकाश पोषित, बैंगनी सल्फर जीवाणु वंश को विशुद्ध संवर्धन प्रक्रिया से भारत में कोरिंगा मैंग्रोव वन से संग्रहित निक्षेप के नमूने से पृथक किया गया है। इस वंश की जाति *फैयोबैक्टेरियम नाइट्रेटीरेडुसेंस* है तथा जीवाणु अभिरंजक एके40^{टी} (=जेसीएम19219^{टी}=एमटीसीसी 11824^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Phaeobacterium Nupur, Naga Radha Srinivas Tanuku, Takaichi Shinichi, Anil Kumar Pinnaka, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65:2357. 2015 (CHROMATIACEAE)

This novel brown-coloured, gram-negative-staining, rod-shaped, motile, phototrophic, purple sulfur bacterium genus was isolated in pure culture from a sediment sample collected from Coringa mangrove forest, India. The type species is *Phaeobacterium nitratireducens* and type strain is AK40^T (=JCM 19219^T=MTCC 11824^T).

सैलिबैक्टेरियम सुल्तानपुरम विष्णुवर्धन रेड्डी, मोथे थिरुमला, चितलपटी शशिकला, चितलपटी वेंकट रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:4270.2015. (बैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक एस7^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, दंडाकार, अगतिशील जीवाणु वंश को भारत में खवड़ा से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। इस वंश की जाति *सैलिबैक्टेरियम हैलोटोलेरेंस* है तथा जीवाणु अभिरंजक एस7^{टी} (=केसीटीसी 33658^{टी} =सीजीएमसीसी 1.15324^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एस7^{टी} तथा आईबी5^{टी} के 16एस_{arr} आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या क्रमशः एलएन812017 और एलएन850139 है।

Salibacterium Sultanpuram Vishnuvardhan Reddy, Mothe Thirumala, Chintalapati Sasikala, Chintalapati Venkata Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65:4270.2015. (BACILLACEAE)

This new novel gram-stain-positive, rod-shaped, non-motile, generic bacterial strains, S7^T, were isolated from Khavda, India. The type species is *Salibacterium halotolerans* and type strain is S7^T (=KCTC 33658^T=CGMCC 1.15324^T). The GenBank/EMBL/DBJ accession number for the 16S rRNA gene sequences of strains S7^T and IB5 are LN812017 and LN850139, respectively.

तमिलनाडुईबैक्टर आशिष वर्मा, पूनम मुआल, शन्मुगम मयिलराज, श्रीनिवासन कृष्णामूर्ति, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65 : 3248.2015. (एल्टेरोमोनेडेसी)

जीवाणु अभिरंजक एमआई-7^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, धीमी वृद्धि वाले हैलोरोधी अभिरंजक, दंडाकार जीवाणु वंश को भारत के तमिलनाडु में एक लवणालय से जीवाणु विविधता के अध्ययन के दौरान पृथक किया गया है। इस वंश की जाति *तमिलनाडुईबैक्टर सैलिनस* है तथा जीवाणु अभिरंजक एमआई-7^{टी} (=एमटीसीसी 12009^{टी} =डीएसएम 28688^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एमआई-7^{टी} के 16एस_{arr} आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एचजी969252 है।

Tamilnaduibacter Ashish Verma, Poonam Mual, Shanmugam Mayilraj, Srinivasan Krishnamurthi, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3248. 2015. (ALTEROMONADACEA)

This novel gram-stain-negative, slow-growing, halotolerant strains with rod-shaped cells, designated as strains Mi-7^T was isolated during a study into the microbial diversity of a salt pan in the state of Tamil Nadu, India. The type species is *Tamilnaduibacter salinus* and the type strain of is Mi-7^T (=MTCC 12009^T=DSM 28688^T). The GenBank/EMBL/DBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of strains Mi-7^T is HG969252.

जेथोमेरिना भूमिका वैद्य, रविंदर कुमार, गुंजन शर्मा, तानुकु नागा राधा श्रीनिवास, पिन्नाका अनिल कुमार, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:3296.2015. (फ्लेवोबैक्टेरिएसी)

जीवाणु अभिरंजक एके20^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, दंडाकार, पीले रंग वाले रोमरहित, अगतिशील जीवाणु वंश को भारत में कोच्चि शहर के समुद्री जल से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एके20^{टी} (=एमटीसीसी 11705^{टी} =जेसीएम 18821^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एके20^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एचई653972 है।

Xanthomarina Bhumika Vaidya, Ravinder Kumar, Gunjan Sharma, Tanuku Naga Radha Srinivas, Pinnaka Anil Kumar, Int. J. Syst. Evol. Microbiol 65:3926.2015. (FLAVOBACTERIACEAE)

This novel gram-stain-negative, rod-shaped, yellow-pigmented, non-sporulating, non-motile bacterium genus, designated strain AK20^T, was isolated from seawater collected from Kochi city, Kerala state, India. The type strain is AK20^T (=MTCC 11705^T=JCM 18821^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain AK20^T is HE653972.

नवीन जाति/NEW SPECIES

एक्वीपुरिबैक्टर नाइट्रेटाइरेडुसेंस टी.एन.आर. श्रीनिवास, पी. अनिल कुमार, एम. टैंक, बी. सुनील, मनासा पूर्णा, बेगम जरीना, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:2391.2015. (इंट्रेस्पॉरेंगिएसी)

जीवाणु अभिरंजक एएमवी4^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, गोलाकार, अगतिशील जीवाणु जाति को भारत में अंडमान द्वीप में ज्वालामुखी के निक्षेप से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एएमवी4^{टी} (=सीसीयूजी 58430^{टी} =डीएसएम 22863^{टी} =एनबीआरसी 107137^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एएमवी4^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एफएन397670 है।

Aquipuribacter nitratreducens T.N.R. Srinivas¹, P. Anil Kumar², M. Tank³, B. Sunil, Manasa Poorna⁴, Begum Zareena⁵, S. Shivaji, Int. J. Syst. Evol. Microbiol 65: 2391. 2015. (INTRASPORANGIACEAE)

This novel gram-stain-positive, coccoid, non-motile bacterium, designated strain AMV4^T, was isolated from a soil sample collected from a mud volcano located in the Andaman Islands, India. The type strain is AMV4^T (=CCUG 58430^T=DSM 22863^T=NBRC 107137^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain AMV4^T is FN397670.

एरकिडाइकोकस राइजोस्फेयराई मुनुस्वामी मधैयन, सेल्वाराज पूंगुझाली, मुरुगयन सेंथिलकुमार, धंधापणी प्रगतेश्वरी, जुंग-सूक ली, कियून-चुल ली, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:579.2015. (किटिनोफैगैसी)

जीवाणु अभिरंजक वीयू-144^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, अगतिशील, रोमरहित, गोलाकार जीवाणु जाति को अति सूक्ष्म माध्यम में भारत में राजमा के खेत की राइजोस्फेयर वाली मृदा से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक वीयू-144^{टी} (=केसीटीसी 22378^{टी} =एनसीआईएमबी 14473^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक वीयू-144^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या ईयू672808 है।

Arachidicoccus rhizosphaerae Munusamy Madhaiyan, Selvaraj Poonguzhali, Murugaiyan Senthilkumar, Dhandapani Pragatheswari, Jung-Sook Lee, Keun-Chul Lee, Int. J. Syst. Evol. Microbiol 65: 579. 2015. (CHITINOPHAGACEAE)

This gram-stain-negative, non-motile, non-spore-forming, coccoid rods novel bacterial strains, designated Vu-144^T, were isolated on minimal medium from rhizosphere soil of field-grown cowpea. The type strain is VU-144^T (=KCTC 22378^T=NCIMB 14473^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain Vu is EU672808.



बैसिलस सैसेइनिलाइटिकस सुल्तानपुरम विष्णुवर्धन रेड्डी, मोथे थिरुमला, मो. फारूक, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:2441.2015. (वर्ग : फर्मिबैक्टेरिया)

जीवाणु अभिरंजक एसपी¹ नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, दंडाकार, अगतिशील, भ्रूणपोषित जीवाणु जाति को भारत में लोनार झील के सोडा से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एसपी¹ (=एमसीसी 2612¹ =जेसीएम 30246¹) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एसपी¹ के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एलके026324 है।

Bacillus caseinilyticus Sultanpuram Vishnuvardhan Reddy, Mothe Thirumala, Mohammed Farooq, Int. J. Syst. Evol. Microbiol 65: 2441. 2015. (class FIRMIBACTERIA)

This novel gram-stain-positive, rod-shaped, motile, endospore-forming bacterial strain, SP¹, was isolated from Lonar soda lake, in India. The type strain is SP¹ (=MCC 2612¹=JCM 30246¹). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain SP¹ is LK026324.

बैसिलस क्रेसेंस वाइ. शिवानी, वाइ. सुभाष, पी. डेव. भारती, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65 : 2531.2015. (बैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी247¹ नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, दंडाकार और वक्रिय संरचना वाली जीवाणु जाति को भारत में गुजरात राज्य में कच्छ के रण से संग्रहित मृदा के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी247¹ (=केसीटीसी 33627¹ =एलएमजी 28608¹) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी247¹ के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एलएन625239 है।

Bacillus crescens Y. Shivani, Y. Subhash, P. Dave, Bharti, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol 65 :2531. 2015. (BACILLACEAE)

This gram-stain-positive, rods-to-curved rods bacterial strains (JC247¹) were isolated from soil samples collected from Rann of Kutch, Gujarat. The type strain is JC247¹ (=KCTC 33627¹=LMG 28608¹). The GenBank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequence of strains JC247¹ and JC248 are LN625239.

बैसिलस एसिमेंसिस सैयद जी. दस्तागर, राहुल मावलंकर, पूनम मुअल, आशिष वर्मा, श्रीनिवासन कृष्णामूर्ति, नीता जोसेफ, योगेश एस. शाउके, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:1421.2015. (बैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक एसजीडी-वी-25¹ नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, दंडाकार, भ्रूणपोषित, वायुजीवी जीवाणु जाति को भारत में अरब सागर से संग्रहित निक्षेप के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एसजीडी-वी-25 (=एनसीआईएम 5513¹ =डीएसएम 28241¹) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एसजीडी-वी-25¹ के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या केएफ413433 है।

Bacillus encimensis Syed G. Dastager, Rahul Mawlankar, Poonam Mual, Ashish Verma, Srinivasan Krishnamurthi, Neetha Joseph, Yogesh S. Shouche, Int. J. Syst. Evol. Microbiol 65:1421.2015. (BACILLACEAE)

This gram-stain-positive, rod-shaped, endospore-forming, aerobic bacterium designated SGD-V-25T was isolated from veraval sediment sample, India. The type strain is SGD-V-25¹ (=NCIM 5513¹=DSM 28241¹). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of SGD-V-25¹ is KF413433.

बैसिलस एंडोलिथिकरा बी. पराग., चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65(12):4568.2015. (बैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी267^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, अवायुजीवी, अगतिशील, दंडाकार जीवाणु जाति को भारत में गुजरात के पिंगलेश्वर समुद्रतट से संग्रहित कंकड़ के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी267^{टी} (=आईबीआरसी 10914^{टी} =केसीटीसी 33579^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी267^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एलएम994040 है।

Bacillus endolithicus B. Parag, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 4568. 2015. (BACILLACEAE)

This novel gram-stain-positive, facultative anaerobic, non-motile rods forming ellipsoidal to oval sporangia strain JC267^{टी} was isolated from pebbles collected from Pingleshwar beach, Gujarat, India. The type strain is JC267^{टी} (=IBRC-M 10914^{टी}=KCTC 33579^{टी}). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for 16S rRNA gene sequence of strain JC267^{टी} is LM994040.

बैसिलस फिलामेंटस विद्या वी. सोनालकर, राहुल मावलंकर, वी. वेंकट रमन, नीता जोसेफ, योगेश एस. शाउके, सैयद जी. दस्तगर, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक 107(2):433.2015. (बैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक एसजीडी-14^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, भ्रूण पोषित जीवाणु जाति को भारत में गोवा प्रांत से संग्रहित समुद्री निक्षेप के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एसजीडी-14^{टी} (=एनसीआईएम 5491^{टी} =डीसीएम 27955^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Bacillus filamentous Vidya V. Sonalkar, Rahul Mawlanekar, V. Venkata Ramana, Neetha Joseph, Yogesh S. Shouche, Syed G. Dastager, Antonie van Leeuwenhoek 107(2): 433. 2015. (BACILLACEAE)

This novel gram-stain positive, endospore-forming bacterium, designated SGD-14^{टी}, was isolated from a marine sediment sample in Goa Province, India. The type strain is SGD-14^{टी} (=NCIM 5491^{टी}=DSM 27955^{टी}).

बैसिलस ओलेइवोरेंस एम. अज़मतुनिसा, के. राहुल, वाई. सुभाष, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:1310.2015. (बैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी228^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, डीजल-क्षयी, द्रवकरोधी, वायुजीवी, भ्रूण पोषित, दंडाकार जीवाणु जाति को भारत में प्रयोगशाला के एक संक्रमित प्लेट से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी228^{टी} (=एलएमजी 28084^{टी} =सीसीटीसीसी एबी 2013353^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी228^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एचजी799486 है।

Bacillus oleivorans M. Azmatunnisa, K. Rahul, Y. Subhash, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 1310. 2015. (BACILLACEAE)

This novel gram-stain-positive, diesel oil-degrading, solvent-tolerant, aerobic, endospore-forming, rod-shaped bacteria were isolated from a contaminated laboratory plate. The type strain is JC228^{टी} (=LMG 28084^{टी}=CCTCC AB 2013353^{टी}). The GenBank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of strains JC228^{टी} is HG799486.

बैरिंटोसाइमोनास इंडोलिथिका बी. पराग., चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:3031. 2015. (डर्माकोकेसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी268^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, रोमरहित, अगतिशील तथा वायुजीवी जीवाणु जाति को भारत में उत्तर प्रदेश के एक बाँध से संग्रहित कंकड़ के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी268^{टी} (=केसीटीसी 29672^{टी}=एनबीआरसी 110608^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी268^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एलएम994041 है।

Barrientosiimonas endolithica B. Parag, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3031-3036. 2015. (DERMACOCCACEAE)

The novel gram-stain-positive, non-spore-forming, non-motile and obligately aerobic strain JC268^{टी} was isolated from pebbles collected from a dam located in Lalitpur, Uttar Pradesh, India. The type strain is JC268^{टी} (=KCTC 29672^{टी}=NBRC 110608^{टी}). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain JC268^{टी} is LM994041.



सेनिसपाइरिलम डेजर्टाई बी. दिव्याश्री, के.वी.एन.एस. लक्ष्मी, डेव. भारती, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:3119.2015. (रोडोस्पिरिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी232^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, अंडाकार, गतिशील, वायुजीवी जीवाणु जाति को भारत में गुजरात के कच्छ में मरुभूमि से संग्रहित मृदा के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी232^{टी} (=केसीटीसी 42064^{टी} =एनबीआरसी 110150^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी232^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एचजी974543 है।

Caenispirillum deserti B. Divyasree, K. V. N. S. Lakshmi, Dave Bharti, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3119. 2015. (RHODOSPIRILLACEAE)

This gram-stain-negative, vibrio-shaped, spheroplast-forming, motile, aerobic bacterium was isolated from the soil of desert in Kutch, Gujarat, India. The type strain is JC232^T (=KCTC 42064^T =NBRC 110150^T). The GenBank/EMBL/DBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain JC232^T is HG974543.

क्लोस्ट्रिडियम पुर्नसे विक्रम भोलानाथ लांजेकर, नचिकेत प्रकाश मराठे, योगेश श्रीपद शाउके, दिलीप रामचंद्रा राणाडे, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:4749.2015. (क्लोस्ट्रिडिऐसी)

जीवाणु अभिरंजक बीएलपीवाइजी-8^{टी} नामक इस नवीन अवायुजीवी, दंडाकार, ग्राम-ग्राही जीवाणु जाति को भारत में एक स्वस्थ स्वयंसेवी के मल से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक बीएलपीवाइजी-8^{टी} (=डीएसएम 28650^{टी} =सीसीयूजी 64195^{टी} =एमसीसी 2737^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Clostridium punense Vikram Bholanath Lanjekar, Nachiket Prakash Marathe, Yogesh Shreepad Shouche, Dilip Ramchandra Ranade, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 4749. 2015. (CLOSTRIDIACEAE)

This anaerobic, rod-shaped, gram-stain-positive bacterium was isolated from faeces of a healthy human volunteer aged 56 years. The type strain is BLPYG-8^T (=DSM 28650^T =CCUG 64195^T =MCC 2737^T).

डाइनोकोकस एंक्लेसिस मेघना एन. थोरट, राहुल मावलंकर, विद्या वी. सोनलकर, वी. वेंकट रमन, नीता जोसेफ, योगेश एस. शाउके, सैयद दस्तगर्, एंटोनी वान ल्यूवेनहॉक 107:142. 2015. (डेनोकोकेसी)

जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-1023-8टी नामक इस नवीन पीले और गुलाबी जीवाणु जाति को भारत में कोराओ द्वीप से संग्रहित समुद्री निक्षेप के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-1023-8टी (=डीएसएम 25127टी =एनसीआईएम 5456टी) के रूप में संग्रहित है।

Deinococcus enclensis Meghana N. Thorat, Rahul Mawlanekar, Vidya V. Sonalkar, V. Venkata Ramana, Neetha Joseph, Yogesh S. Shouche, Syed G. Dastager, Antonie van Leeuwenhoek 107: 142. 2015 (DEINOCOCCACEAE)

This novel pale-pink coloured strain, designated NIO-1023T, was isolated from a marine sediment sample from Chorao Island, Goa, India. The type strain is NIO-1023^T (=DSM 25127^T = NCIM 5456^T).

इंटेरोबैसिलस ट्राईबोलाई विकास एस. पाटिल, राहुल सी. सालुंखे, रवींद्र एच. पाटिल, योगेश एस. शाउके, वी. वेंकट रमन, एंटोनी वान ल्यूवेनहॉक 107:1207. 2015. (इंटेरोबैक्टेरिऐसी)

जीवाणु अभिरंजक आईजी-वी01^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, अवायुजीवी, गतिशील, दंडाकार जीवाणु जाति को भारत में आटे में पाए जाने वाले लाल भुंगों की आंत से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक आईजी-वी01^{टी} (=केसीटीसी 42159^{टी} =एमसीसी 2532^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Enterobacillus tribolii Vikas S. Patil, Rahul C. Salunkhe, Ravindra H. Patil, C. Husseneder, Yogesh S. Shouche, V. Venkata Ramana, Antonie van Leeuwenhoek 107: 1207. 2015. (ENTEROBACTERIACEAE)

This novel gram-stain negative facultative anaerobic, motile, rod-shaped bacterial strains IG-V01^T were isolated from the gut of red flour beetles. The type strain is (=IG-V01^T = KCTC 42159^T = MCC 2532^T).

एकिगूओबैक्टेरियम इनक्लेसे सैयद जी. दस्तगर, राहुल मावलंकर, विद्या वी. सोनलकर, मेघना एन. थोरट, पूनम मुअल, आशिष वर्मा, श्रीनिवासन कृष्णामूर्ति, शैन-कुन टैंग, वेन-जुन ली, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65 :1611.2015. (बैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-1109-25^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही जीवाणु जाति को भारत में कोराओ द्वीप, गोवा में समुद्री निक्षेप से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-1109-25^{टी} (=एनसीआईएम 5457^{टी} =डीएसएम 25128^{टी} =सीसीटीसीसी 2011124^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-1109-25^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या जेएफ893462 है।

Exiguobacterium enclense Syed G. Dastager, Rahul Mawlankar, Vidya V. Sonalkar, Meghana N. Thorat, Poonam Mual, Ashish Verma, Srinivasan Krishnamurthi, Shan-Kun Tang, Wen-Jun Li, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 1611. 2015. (BACILLACEAE)

This gram-stain-positive bacterium was isolated from a marine sediment sample from Chora Island, Goa, India. The type strain is NIO-1109^T (=NCIM 5457^T =DSM 25128^T =CCTCC AB 2011124^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence is NIO-1109^T is JF893462.

फ्लेक्टोबैसिलस राइजोस्फेयराई ई.वी.वी. रामाप्रसाद, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65 :3451. 2015. (फ्लेक्सिबैक्टेरेसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी289^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, वायुजीवी, पीले-नारंगी, दंडाकार, अगतिशील जीवाणु जाति को भारत में पादप ओराइजा सटाइवा के राइजोस्फेयर मृदा से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी289^{टी} (=केसीटीसी 42575^{टी} =एलएमजी 28172^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी289^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एलएम810638 है।

Flectobacillus rhizosphaerae E.V.V. Ramaprasad, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3451. 2015. (FLEXIBACTERACEAE)

This gram-stain-negative, aerobic, pale orange, rod-shaped, non-motile bacterial strain was isolated from a rhizosphere soil sample of the plant *Oryza sativa* L. The type strain is JC289^T (=KCTC 42575^T =LMG 28172^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain JC289^T is LN810638.

होएफिलया ओलेइ के. राहुल, एम. अज़मतुनिसा, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:2403. 2015. (फाइलोबैक्टेरिएसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी234^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, डीजल क्षयी दंडाकार जीवाणु जाति को भारत के केरल राज्य में डीजल से संक्रमित अप्रवाही जल से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी234^{टी} (=केसीटीसी 42071^{टी} =एलएमजी 28200^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी234^{टी} के 16एस आरएनए एवं पूफ जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एचजी965759 है।

Hoeflea olei K. Rahul, M. Azmatunnisa, Ch. Sasikala, Ch.V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 2403. 2015. (PHYLLOBACTERIACEAE)

This gram-stain-negative, diesel-oil-degrading, rod-shaped bacterium was isolated from a water sample collected from diesel-oil-contaminated backwaters in Kerala, India. The type strain is JC234^T (=KCTC 42071^T =LMG 28200^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA and puf gene sequences of strain JC234^T is HG965759.



लाइसिनबैसिलस एसिटोफेनोनी एम. अजमतुनिसा, के. राहुल, के.वी.एन.एस. लक्ष्मी, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:1741.2015. (बैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी23⁺ नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, द्रावकरोधी, वायुजीवी, दंडाकार जीवाणु जाति को भारत में कर्बनिक द्रावक एसिटोफेनोन से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी23⁺ (=सीसीयूजी 57911⁺ =केसीटीसी 13605टी=एनबीआरसी 105754⁺ =डीएसएम 23394⁺) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी23⁺ के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एफएन179488 है।

Lysinibacillus acetophenoni M. Azmatunnisa, K. Rahul, K. V. N. S. Lakshmi, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 1741. 2015. (BACILLACEAE)

This gram-stain-positive, solvent-tolerating, aerobic, rod-shaped bacterium was isolated from the organic solvent acetophenone. The type strain is strain JC23⁺ (=CCUG 57911⁺ =KCTC 13605⁺ =NBRC 105754⁺ =DSM 23394⁺). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain JC23⁺ is FN179488.

मैरिनोबैक्टर नाइट्रेटीरेड्यूसन्स भूमिका वैद्य, रविंदर कुमार, सुरेश कोरपोले, नागा राधा श्रीनिवास तानुकु, पिन्नाका अनिल कुमार, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:2056.2015. (एल्टेरोमोनेडेसी)

जीवाणु अभिरंजक एके21⁺ नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, दंडाकार, गतिशील जीवाणु जाति को भारत में विशाखापतनम के समुद्र तटीय जल से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एके21⁺ (=एमटीसीसी 11704⁺ =जेसीएम 18428⁺) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एके21⁺ के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एचई653973 है।

Marinobacter nitratireducens Bhumika Vaidya, Ravinder Kumar, Suresh Korpole, Naga Radha Srinivas Tanuku, Anil Kumar Pinnaka, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 2056. 2015. (ALTEROMONADACEAE)

This novel gram-stain-negative, rod-shaped, motile bacterium, designated strain AK21⁺, was isolated from coastal surface sea water at Visakhapatnam, India. The type strain is AK21⁺ (=MTCC 11704⁺ =JCM 18428⁺). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain AK21⁺ is HE653973.

माइक्रोबैक्टेरियम इंकलेंसे राहुल आर. मावलंकर, पूनम मुअल, विद्या वी. सोनलकर, मेघना एन. थोरट, आशिष वर्मा, श्रीनिवासन कृष्णामूर्ति, सैयद जी. दस्तगर, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:2064.2015. (माइक्रोबैक्टेरिएसी)

जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-1002⁺ नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, गतिशील, रोमरहित, दंडाकार जीवाणु जाति को भारत में कोराओ द्वीप, गोवा से समुद्री निक्षेप से संग्रहित के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-1002⁺ (=एनसीआईएम 5454⁺ =डीएसएम 25125⁺ =सीसीटीसीसी एबी 2011120⁺) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-1002⁺ के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या जेएफ421612 है।

Microbacterium enclense Rahul R. Mawlankar, Poonam Mual, Vidya V. Sonalkar, Meghana N. Thorat, Ashish Verma, Krishnamurthi Srinivasan, Syed G. Dastager, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 2064. 2015. (MICROBACTERIACEAE)

This novel gram-stain-positive, non-motile, non-spore-forming, rod-shaped bacterium was isolated from a marine sediment sample in Chora Island, Goa Province, India. The type strain is NIO-1002⁺ (=NCIM 5454⁺ =DSM 25125⁺ =CCTCC AB 2011120⁺). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence is NIO-1002⁺ is JF421612.

माइरोइडस इंडिकस हरि राम, आलोक कुमार, लेबिन थॉमस, सैयद जी. दस्तगर, राहुल मावलंकर, वेद पाल सिंह, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:4008.2015.

जीवाणु अभिरंजक यूकेएस3⁺ नामक इस नवीन वायुजीवी, अगतिशील, दंडाकार, कैटालेज और ऑक्सिडेज-ग्राही जीवाणु जाति को भारत में बगीचे से संग्रहित मृदा के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक यूकेएस3⁺ (=डीएसएम 28213⁺ =एनसीआईएम 5555⁺) के रूप में संग्रहित है।

Myroides indicus Hari Ram Alok Kumar, Lebin Thomas, Syed G. Dastager, Rahul Mawlankar, Ved Pal Singh, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 4008. 2015.

A novel aerobic, non-motile, rod-shaped, catalase- and oxidase-positive bacterial strain, designated UKS3⁺, was isolated from garden soil. The type strain is UKS3⁺ (=DSM 28213⁺ =NCIM 5555⁺).



नोकार्डियोइडिस सोलिसिल्वे विष्णुवर्धन रेड्डी सुल्तानपुरम, थिरुमला मोथे, फारूक मोहम्मद, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 107: 1599.2015. (नोकार्डियोइडेसी)

जीवाणु अभिरंजक केए25^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, दंडाकार, वायुजीवी जीवाणु जाति को भारत में हिमाचल प्रदेश के कसोल के निकट वन मृदा से संग्रहित के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक केए25^{टी} (=केसीटीसी 39528^{टी} =एमसीसी 2762^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Nocardioides solisilvae Vishnuvardhan Reddy Sultanpuram, Thirumala Mothe, Farooq Mohammed, Antonie van Leeuwenhoek 107(6): 1599. 2015. (NOCARDIOIDACEAE)

This gram-stain positive, rod shaped aerobic bacterial strain was isolated from a forest soil sample near Kasol, Himachal Pradesh, India. The type strain is Ka25^T (=KCTC39528^T =MCC2762^T).

ऑर्निथिनिमाइक्रोबियम एल्गिकोला ई. वी. वी. रामा प्रसाद, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65 : 4627. 2015. (इंट्रास्पोरेंगिएसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी311^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, रोमरहित जीवाणु जाति को भारत में उल्वा वंश के हरे समुद्री शैवाल से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी311^{टी} (=केसीटीसी 39559^{टी} =एलएमजी 28808^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी311टी के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एलएन866650 है।

Ornithinimicrobium algicola E. V. V. Ramaprasad, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 4627. 2015. (INTRASPORANGIACEAE)

This gram-staining-positive, non-spore-forming actinobacterium was isolated from marine green alga of the genus Ulva. The type strain is JC311^T (=KCTC 39559^T =LMG 28808^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain JC311^T is LN866650.

पैंटोइया इंटेस्टीनेलिस ओम प्रकाश, योगेश निमोनकर, अंकिता वैशम्पायन, मृणाल मिश्रा, श्रेयास कुम्भारे, नीता जोसेफ, योगेश एस. शाउके, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:3352.2015. (इंटरोबैक्टेरिएसी)

जीवाणु अभिरंजक 29वाइ89बी^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, रोमरहित, दंडाकार जीवाणु जाति को भारत में एक स्वस्थ व्यक्ति के मल से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक 29वाइ89बी^{टी} (=डीएसएम 28113^{टी} =एमसीसी 2554^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक 29वाइ89बी^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या केपी326384 है।

Pantoea intestinalis Om Prakash, Yogesh Nimonkar, Ankita Vaishampayan, Mrinal Mishra, Shreyas Kumbhare, Neetha Josef, Yogesh S. Shouche, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3352. 2015. (ENTEROBACTERIACEAE)

This novel gram-stain-negative, motile, non-spore-forming and rod-shaped bacterium was isolated from a faecal sample of a healthy human subject. The type strain is 29Y89B^T (=DSM 28113^T =MCC 2554^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain 29Y89B^T is KP326384.

पैरापेडोबैक्टर इंडिकस रोशन कुमार, वत्सला द्विवेदी, नमिता नाय्यर, हेलियांथस वर्मा, आमित कुमार सिंह, पूजा रानी, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65: 129.2015. (स्फिंगोबैक्टेरिएसी)

जीवाणु अभिरंजक आरके1^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, रोमरहित, दंडाकार, अगतिशील जीवाणु जाति को भारत में लखनऊ के एक हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) के कचरे के मैदान से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक आरके1^{टी} (=डीएसएम 28470^{टी} =एमसीसी 2546^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक आरके1^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या केजे101506 है।

Parapedobacter indicus Roshan Kumar, Vatsala Dwivedi, Namita Nayyar, Helianthous Verma, Amit Kumar Singh, Pooja Rani, D. L. N. Rao, Rup Lal, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 129. 2015. (SPHINGOBACTERIACEAE)

This gram-stain-negative, non-spore-forming, rod-shaped, non-motile bacterium was isolated from a hexachlorocyclohexane (HCH) dumpsite, Lucknow, India. The type strain is RK1^T (=DSM 28470^T =MCC 2546^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence RK1^T is KJ101506.



फैडोबैक्टेरियम नाइट्रेटरीड्यूसेंस नुपूर, नागा राधा श्रीनिवास तानुकु, तकइची शिनिकी, अनिल कुमार पिन्नाका, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:2357.2015. (क्रोमेटिएसी)

जीवाणु अभिरंजक एके40^{टी} नामक इस नवीन भूरे, ग्राम-अग्राही, दंडाकार, गतिशील, प्रकाश पोषित, बैंगनी सल्फर जीवाणु जाति को विशुद्ध संवर्धन प्रक्रिया से भारत में कोरिंगा मैंग्रोव वन से संग्रहित निक्षेप के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एके40^{टी} (=जेसीएम 19219^{टी} =एमटीसीसी 11824^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एके40^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एचएफ968497 है।

Phaeobacterium nitratireducens Nupur, Naga Radha Srinivas Tanuku, Takaichi Shinichi, Anil Kumar Pinnaka, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65:2357. 2015. (CHROMATIACEAE)

This novel brown-coloured, gram-negative-staining, rod-shaped, motile, phototrophic, purple sulfur bacterium was isolated in pure culture from a sediment sample collected from Coringa mangrove forest, India. The type strain is AK40^T (=JCM 19219^T=MTCC 11824^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain AK40^T is HF968497.

पोंटिबैक्टर चिंहाटेंसिस अमित कुमार सिंह, निधि गर्ग, रूप लाल, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:2248.2015. (साइटोफैगेसी)

जीवाणु अभिरंजक एलपी51^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, हैलोरोधी, दंडाकार, हल्के लाल रंजक जीवाणु जाति को भारत में लखनऊ के चिनहाट के एक हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) के कचरे के मैदान से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एलपी51^{टी} (=सीसीएम 8436^{टी} =एमसीसी 2070^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एलपी51^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या केएफ723288 है।

Pontibacter chinhatensis Amit Kumar Singh, Nidhi Garg, Rup Lal in Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 2248. 2015. (CYTODPHAGACEAE)

This halotolerant, gram-negative, rod-shaped and light-red-pigmented bacterium was isolated from pond sediment near a hexachlorocyclohexane dumpsite located at Chinhat, Lucknow, India. The type strain is LP51^T (=CCM 8436^T=MCC 2070^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain LP51^T is KF723288.

रेहिनहिमेरा मिसोफिला आनंद कुमार, अभय बजाज, राजेंद्रन माथन कुमार, गुरविन्दर कौर, नवजोत कौर, नितिन कुमार सिंह, नातेसन मणिकम, शंमुगम मइलराज, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:3666.2015. (क्रोमेटिएसी)

जीवाणु अभिरंजक आईआईटीआर-13^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, गामा प्रोटियो जीवाणु जाति को भारत में कीटनाशक से संक्रमित मृदा से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक आईआईटीआर-13^{टी} (=एमटीसीसी 12064^{टी} =डीएसएम 29723^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक आईआईटीआर-13टी के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या केएम025195 है।

Rheinheimera mesophila Anand Kumar, Abhay Bajaj, Rajendran Mathan Kumar, Gurwinder Kaur, Navjot Kaur, Nitin Kumar Singh, Natesan Manickam, Shanmugam Mayilraj, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3666. 2015. (CHROMATIACEAE)

This novel gram-staining-negative gamma proteo bacterium was isolated from a pesticide-contaminated soil. The type strain is IITR-13^T (= MTCC 12064^T = DSM 29723^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain IITR-13^T is KM025195.

रोडोकोकस लैक्टिस प्रदीप कुमार सिंह, अनु कुमारी, निहारिका चावला, अनिल कुमार पिन्नाका, सुरेश कोरपोले, इटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65: 4215.2015. (नोकार्डिएसी)

जीवाणु अभिरंजक डीडब्ल्यू15बी^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, अगतिशील, वायुजीवी जीवाणु जाति को भारत में एक डेयरी उद्योग निस्सारी प्रशोधन संयंत्र से संग्रहित कीचड़ के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक डीडब्ल्यू15बी^{टी} (=एमटीसीसी 12279^{टी} =डीएसएम 45625^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक डीडब्ल्यू15बीटी के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या केपी342300 है।

Rhodococcus lactis Pradip Kumar Singh, Annu Kumari, Niharika Chawla, Anil Kumar Pinnaka, Suresh Korpole, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 4215. 2015. (NOCARDIACEAE)

This gram-stain-positive, non-motile and aerobic bacterium was isolated from a sludge sample of a dairy industry effluent treatment plant. The type strain is DW151B^T (=MTCC 12279^T =DSM 45625^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for 16S rRNA gene sequence of strain DW151B^T is KP342300.

रोजियोमोनास ओरेजाई ई.वी.वी. रामाप्रसाद, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65: 3535. 2015. (एसिटोबैक्टेरेसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी288^{टी} नामक इस नवीन अगतिशील, कॉकस के आकार के पीले-गुलाबी रंजक जीवाणु जाति को भारत में कर्नाटक कानकुंबी पश्चिमी घाट रिजोस्फेयर वाले धान की मृदा से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी288^{टी} (=केसीटीसी 42542^{टी} =एलएमजी 28711^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी288^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एलएन810637 है।

Roseomonas oryzae E. V. V. Ramaprasad, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3535. 2015. (ACETOBACTERACEAE)

This non-motile, coccus-shaped, pale-pink-pigmented bacterium was isolated from a paddy rhizosphere soil collected from Western Ghats, Kankumbi, Karnataka, India. The type strain is JC288^T (=KCTC 42542^T =LMG 28711^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain JA288^T is LN810637.

रुफिबैक्टर इम्मोबिलिस आशिष वी. पोलकाडे, वी. वेंकटा रमन, अमराजा जोशी, लरिसा परदेसी, योगेश एस. शाउके, इटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65: 1592.2015. (साइटोफैगेसी)

न्यूनतम तापमान में वास करने की क्षमता रखने वाले जीवाणु अभिरंजक एमसीसी पी1^{टी} नामक इस नवीन गुलाबी-लाल, ग्राम-अग्राही, अगतिशील, वायुजीवी जीवाणु जाति को भारत में पश्चिमी हिमालय के एक खारे झील से संग्रहित पानी के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एमसीसी पी1^{टी} (=एमसीसी 2268^{टी} =सीसीटीसीसी 2013351^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एमसीसी पी1^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एचजी316123 है।

Rufibacter immobilis Ashish V. Polkade, V. Venkata Ramana, Amaraja Joshi, Larissa Pardesi, Yogesh S. Shouche, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 1592.2015. (CYTOPHAGACEAE)

These two pinkish-red, gram-stain-negative, non-motile aerobic bacteria capable of growing at low temperatures were isolated from water of a saline lake located in the western Himalayas of India. The type strain is MCC P1^T (=MCC 2268^T =CCTCC AB 2013351^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of strains MCC P1^T and MCC P2 are HG316123 and HG316124, respectively.



सैलिबैक्टेरियम हैलोटोलेरेंस सुल्तानपुरम विष्णुवर्धन रेड्डी, मोथे थिरुमला, चिंतलापटी शशिकला, चिंतलापटी वेंकट रमन, इटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:4272.2015. (बैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक एस7^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, दंडाकार, अगतिशील, रोमरहित जीवाणु जाति को भारत में खावड़ा से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एस7^{टी} (=केसीटीसी 33658^{टी} =सीजीएमसीसी 1.15324^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Salibacterium halotolerans Sultanpuram Vishnuvardhan Reddy, Mothe Thirumala, Chintalapati Sasikala, Chintalapati Venkata Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 4272. 2015. (BACILLACEAE)

This novel gram-stain-positive, rod-shaped, non-motile, non-endospore-forming bacterial strains, S7^T, were isolated from Khavda, India. The type strain S7^T (=KCTC 33658^T=CGMCC 1.15324^T).

सैलिनिकोस सेडिमिनिस राजेंद्रन माथन कुमार, गुरविन्दर कौर, नरेंद्र कुमार, आनंद कुमार, नितिन कुमार सिंह, मोनु बाला, शंमुगम मइलराज, इटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65: 3794.2015. (स्टेफाइलोकॉकेसी)

जीवाणु अभिरंजक एसवी-16^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, गोलाणुकार, हैलोरोधी जीवाणु जाति को भारत में समुद्री निक्षेप से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एसवी-16^{टी} (=एमटीसीसी 11832^{टी} =डीएसएम 28797^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एसवी-16^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या केएफ701618 है।

Salinicoccus sediminis Rajendran Mathan Kumar, Gurwinder Kaur, Narender Kumar, Anand Kumar, Nitin Kumar Singh, Monu Bala, Navjot Kaur, Shanmugam Mayilraj, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3794.9. 2015. (STAPHYLOCOCCACEAE)

This gram-staining-positive, coccoid, halotolerant bacterial strain, designated SV-16^T, was isolated from marine sediment. The type strain is SV-16^T (=MTCC 11832^T=DSM 28797^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain SV-16^T is KF701618.

स्पाइरोकेटा ओडोंटोटेर्मिटिस टी. श्रवन्थी, एल. तुषार, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:4589.2015. (स्पाइरोकैटेसी)

जीवाणु अभिरंजक जेसी202^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही स्पाइरोकैटे जीवाणु जाति को गुजरात राज्य में कच्छ के रण में दीमक ओडोंटोटेर्मिस ओबेसस (रंबुर) की आंत से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी202^{टी} (=केसीटीसी 15324^{टी} =एनबीआरसी 110104^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी202^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या तथा प्रारूप जीनोम अनुक्रम क्रमशः एचएफ968430 तथा जेआरएस010000000 (प्रारूप जेआरएस01000000) है।

Spirochaeta odontotermis T. Sravanthi, L. Tushar, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 4589. 2015 (SPIROCHAETACEAE)

This gram-stain-negative spirochaete (strain JC202^T) was isolated from the gut of the termite *Odontotermes obesus* (Rambur) from Rann of Kutch, Gujarat, India. The type strain is JC202^T (=KCTC 15324^T=NBRC 110104^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequence and the draft genome sequence of strain JC202^T are HF968430 and JRAS000000000 (version JRAS010000000), respectively.

स्ट्रेप्टोमाइसिस एल्कालिथर्मोटोलेरेंस विष्णुवर्धन रेड्डी सुल्तानपुरम, थिरुमला मोथे, फारूक मोहम्मद, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक 107:337.2015. (स्ट्रेप्टोमाइकैटेसी)

जीवाणु अभिरंजक एसी3^{टी} नामक इस नवीन क्षारीय एक्टिनोमाइसिट जीवाणु जाति को भारत में लोनार सोडा झील से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एसी3^{टी} (=केसीटीसी 29497^{टी} =जेसीएम 30167^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Streptomyces alkalithermotolerans Vishnuvardhan Reddy Sultanpuram, Thirumala Mothe, Farooq Mohammed, Antonie van Leeuwenhoek 107(2): 337. 2015. (STREPTOMYCETACEAE)

This alkaliphilic actinomycete, strain AC3^T, was isolated from Lonar soda lake, in India. The type strain is AC3^T (=KCTC 29497^T = JCM 30167^T).

स्ट्रेप्टोमाइकस लोनारेंसिस तृप्ति के. शर्मा, राहुल मवलंकर, विद्या वी. सोनालकर, विद्या के. शिंदे, जिंग झैन, वेन-जुन ली, मीनाक्षी वी. रेले, सैयद जी. दस्तगिर, ललिता सुनील कुमार, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक 109 : 225. 2015. (स्ट्रेप्टोमाइकेटेसी)

जीवाणु अभिरंजक एनसीएल716^{टी} नामक इस नवीन क्षारीय एक्टिनोमाइसिट जीवाणु जाति को भारत में महाराष्ट्र के बुल्धाना जिले में लोनार से संग्रहित एक क्षारीय खारे उल्का-पिंड निर्मित झील से संग्रहित नमूनों से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एनसीएल716^{टी} (=डीसीएम 42084^{टी} =एमटीसीसी 11708^{टी} =केसीटीसी 39684^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Streptomyces lonarensis Trupti K. Sharma, Rahul Mawlankar, Vidya V. Sonalkar, Vidhya K. Shinde, Jing Zhan, Wen-Jun Li, Meenakshi V. Rele, Syed G. Dastager, Lalitha Sunil Kumar, Antonie van Leeuwenhoek 109 : 225. 2015.
(STREPTOMYCETACEAE)

This novel alkaliphilic actinomycete, strain NCL716T, was isolated from a soil sample collected from the vicinity of Lonar Lake, in Buldhana district of Maharashtra, India. The type strain is NCL 716^T (=DSM 42084^T = MTCC 11708^T = KCTC 39684^T).

तमिलनाडुइबैक्टर सैलिनस आशिष वर्मा, पूनम मुअल, शन्मुगम मयिलराज, श्रीनिवासन कृष्णामूर्ति, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:3250.2015. (एल्टेरोमोनेडेसी)

जीवाणु अभिरंजक एमआई-7^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, धीमी वृद्धि वाले हैलोरोधी दंडाकार जीवाणु जाति को भारत के तमिलनाडु में एक नमक के बर्तन की जीवाणु विविधता के अध्ययन के दौरान पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एमआई-7^{टी} (=एमटीसीसी 12009^{टी} =डीएसएम 28688^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Tamilnaduibacter salinus Ashish Verma, Poonam Mual, Shanmugam Mayilraj, Srinivasan Krishnamurthi, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3250. 2015. (ALTEROMONADACEAE)

This novel gram-stain-negative, slow-growing, halotolerant strains with rod-shaped cells, designated as strains Mi-7^T was isolated during a study into the microbial diversity of a salt pan in the state of Tamilnadu, India. The type strain is strain of is Mi-7^T (=MTCC 12009^T = DSM 28688^T).

थियोक्लेवा इंडिका यंग लियू, किलियंग लाइ, जुआन दु, होंगजियु, लिजिंग जियांग, जोंगजे शावो, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक 107:297. 2015. (रोडोबैक्टेरेसी)

जीवाणु अभिरंजक डीटी23-4^{टी} नामक इस नवीन छोटे दंडाकार, अगतिशील, ग्राम-अग्राही जीवाणु जाति को भारत में हिंद महासागर के समुद्री जल की सतह से संग्रहित डाट्रिएकोटन क्षयी जीवाणु संघटन के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक डीटी23-4^{टी} (=एसीसीसी 1ए00513^{टी} =एलएमजी 27698^{टी} =केसीटीसी 33533^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Thioclava indica Yang Liu, Qiliang Lai, Juan Du, Hongxiu Xu, Lijing Jiang, Zongze Shao, Antonie van Leeuwenhoek 107(1): 297. 2015. (RHODOBACTERACEAE)

This short-rod shaped, non-motile and gram-negative strain, designated as DT23-4^T, was isolated from a dotriacontane-degrading bacterial consortium, enriched in the surface seawater of the Indian Ocean. The type strain is DT23-4^T (= MCCC 1A00513^T = LMG 27698^T = KCTC 33533^T).

ट्यूमेबैसिलस लिपोलाइटिकस आर. वी. प्रसाद, वी. भूमिका, पी. अनिल कुमार, एन.आर.टी. श्रीनिवास, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:4363.2015. (एलिसाइक्लोबैसिलेसी)

जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-एस10^{टी} नामक इस नवीन वायुजीवी, रोमयुक्त, क्षार-रोधी, ग्राम-ग्राही, अगतिशील, दंडाकार जीवाणु जाति को भारत में कपिलेश्वरपुरम में गोदावरी नदी के सतह से संग्रहित पानी के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-एस10^{टी} (=केसीटीसी 32289^{टी} =एमटीसीसी 12483^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक एनआईओ-एस10^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या केसी462738 है।

Tumebacillus lipolyticus R. V. Prasad, V. Bhumika, P. Anil Kumar, N. R. T. Srinivas, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 4363-4368. 2015. (ALICYCLOBACILLACEAE)

This aerobic, endospore-forming, alkali-tolerant, gram-stain-positive, non-motile, rod-shaped bacterium, designated strain NIO-S10^T, was isolated from a surface water sample collected from the Godavari River, Kapileswarapuram, India. The type strain is NIO-S10^T (=KCTC 32289^T = MTCC 12483^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain NIO-S10^T is KC462738.



जैथोमेरिना जिलाटिनाइटिका भूमिका वैद्य, रविंदर कुमार, गुंजन शर्मा, तानुकु नागा राधा श्रीनिवास, पिन्नाका अनिल कुमार, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65:3296.2015. (फ्लेवोबैक्टेरिएसी)

जीवाणु अभिरंजक एके20^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, दंडाकार, पीले रंग वाले रोमरहित, अगतिशील जीवाणु जाति को भारत में कोच्चि शहर के समुद्री जल से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक एके20^{टी} (=एमटीसीसी 11705^{टी} =जेसीएम 18821^{टी}) के रूप में संग्रहित है।

Xanthomarina gelatinilytica Bhumika Vaidya, Ravinder Kumar, Gunjan Sharma, Tanuku Naga Radha Srinivas, Pinnaka Anil Kumar, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 3926. 2015. (FLAVOBACTERIACEAE)

This novel gram-stain-negative, rod-shaped, yellow-pigmented, non-sporulating, non-motile bacterium genus, designated strain AK20^T, was isolated from seawater collected from Kochi city, Kerala state, India. The type strain is AK20^T (=MTCC 11705^T=JCM 18821^T).

झिहेग्लियुल्ला सोमनाथाई भावनाथ झा, विजय कुमार सिंह, एंजेलो वेस, एंटोन हार्टमैन, माइकल स्मिद, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65: 3137.2015. (माइक्रोकॉकेसी)

जीवाणु जेजी03^{टी} नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, दंडाकार, हैलोरोधी जीवाणु जाति को भारत में अति हैलोफाइट सैलिकॉर्निया ब्रैकियाटा के राइजोस्फेयर मृदा से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेजी 03^{टी} (=डीएसएम 23187^{टी} =आईएमसीसी 253^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेजी 05^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या क्रमशः ईयू937748 तथा ईयू937749 है।

Zhihengliuella somnathii Bhavanath Jha, Vijay Kumar Singh, Angelo Weiss, Anton Hartmann, Michael Schmid, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65:3137.2015. (MICROCOCCACEAE)

This novel, gram-stain-positive, rod-shaped, halotolerant bacteria, strains JG 03^T was isolated from the rhizosphere soil of *Salicornia brachiata*, an extreme halophyte. The type strain is JG 03^T (=DSM 23187^T=IMCC 253^T). The GenBank/EMBL/ DDBJ/NCBI GenBank accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain JG 03^T is EU937748 and of strain JG 05 is EU937749.

जूशिकेल्ला मैरिना ई.वी.वी. रामाप्रसाद, डेव भारती, चौ. शशिकला, चौ. वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 65: 4669.2015. (हाहेल्लेसी)

धातु जैसी हरी चमक पैदा करने वाले जीवाणु अभिरंजक जेसी333^{टी} नामक इस लाल रंजक नवीन जीवाणु जाति को भारत में शिवराजपुर-कचिगढ़ तट, गुजरात से संग्रहित बालू के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु अभिरंजक जेसी333^{टी} (=केसीटीसी 42659^{टी} =एलएमजी 28823^{टी}) के रूप में संग्रहित है। जीवाणु अभिरंजक जेसी333^{टी} के 16एस आरएनए जीन अनुक्रम की जीन बैंक/ईएमबीएल/डीडीबीजे परिग्रहण संख्या एलएन846833 है।

Zooshikella marina E. V. V. Ramaprasad, Dave Bharti, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 65: 4669. 2015 (HAHELLACEAE)

This red-pigmented bacterium producing a metallic green sheen, designated strain JC333^T, was isolated from a sand sample collected from Shivrajpur-Kachigad beach, Gujarat, India. The type strain is JC333^T (=KCTC 42659^T=LMG 28823^T). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain JC333^T is LN846833.

इस अंक में दिये गये पादपालयों के संक्षिप्त नामों की व्याख्या/Acronym of Herbaria used in this issue

AILS	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, अभिलाषी जीव विज्ञान संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश	Department of Botany, Abhilashi Institute of Life Sciences, Mandi, Himachal Pradesh
AMH	अगरकर मायकॉलॉजिकल हरबेरियम, पुणे महाराष्ट्र	Agharkar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra
ARUN*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh
ASSAM*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र शिलांग, मेघालय	Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya
BAMU	पादपालय, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र	Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University herbarium, Aurangabad, Maharashtra
BLAT	ब्लाटर पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट जेवियर कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र	Blatter Herbarium, Botany Department, St. Xavier's College, Mumbai, Maharashtra
BM	पादपालय, ब्रिटिश संग्रहालय, लंदन, यू.के.	British Museum and Herbarium, London, UK
BSA*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद	Herbarium of Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad
BSD*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून, उत्तराखंड	Herbarium of Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun, Uttarakhand
BSHC*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालयन क्षेत्रीय केंद्र, गंगतोक, सिक्किम	Herbarium of Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok
BSI*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई)	Herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune
BSID*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना	Herbarium of Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana
BSJO*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शुष्क क्षेत्रीय केंद्र, जोधपुर, राजस्थान	Herbarium, Botanical Survey of India, Arid Zone Regional Center, Jodhpur, Rajasthan
BUH	पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, भरतियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु	Herbarium Department of Botany, Bharathiar University, Coimbatore, Tamil Nadu
CAL*	केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल	Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal
CALI	कालीकट विश्वविद्यालय, मल्लापूरम, केरल	Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Malappuram, Kerala
CANA	अनुसंधान एवं संग्रहण अनुभाग, कनेडियन म्यूजियम ऑफ नेचर, ओटावा, ओन्टारियो, कनाडा	Research and Collections Division, Canadian Museum of Nature, Ottawa, Ontario, Canada
CATH	चार्ल्स ए. टेलर पादपालय, साउथ डाकोटा स्टेट विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	Charles A. Taylor Herbarium, South Dakota State University, USA
CMPR	पादपालय, सेंटर फॉर मेडिसिनल प्लांट रिसर्च, केरल	Centre for Medicinal Plant Research, Kerala
COGCEHR	पादपालय, सेंटर फॉर ऑर्किड जीन कन्जर्वेशन फॉर इस्टर्न हिमालयन रिजन, हेंगबुंग, मणिपुर	Herbarium of Centre for Orchid Gene Conservation for Eastern Himalayan Region, Hengbung, Manipur
COLO	पादपालय, कोलेराडो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	Herbarium of University of Colorado, USA
CUH	पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल	Botany Department, Calcutta University, West Bengal
DD*	पादपालय, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड	Forest Research Institute(FRI) Dehradun, Uttarakhand
E	पादपालय, रॉयल वनस्पति उद्यान, एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड	Herbarium of Royal botanical Garden, Edinburgh, Scotland
FRLH	पादपालय, फाउन्डेशन ऑफ रिविटाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडिशन, बंगलुरु, कर्नाटक	Herbarium of Foundation of Revitalisation of Local Health Tradition, Bengaluru, Karnataka
G	पादपालय, कन्जर्वेटोरे एट जार्डिन बोटैनिक डे ला वेल्ली डे जेनेवे, जेनेवा	Herbarium Conservatoire et Jardin botaniques de la Ville de Genève
GENT	पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, गेंट विश्वविद्यालय, बेल्जियम	Department of Biology, Gent University, Gent, Belgium
H	वनस्पति संग्रहालय, फिनिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, फिनलैंड	Finnish Museum of Natural History, Botanical Museum, Finland
HBJU	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	Department of Botany, University of Jammu, Jammu
HCIO*	पादपालय, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इंडियाई ओरियंटलिस, नई दिल्ली	Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamac Indiae Orientalis, New Delhi



JCH	जनेत कोश पादपालय, वोल्गोना विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया	Janet Cosh Herbarium, University of Wollongong, Australia
JE	पादपालय, हाउस्सकनेक्ट, जेना	Herbarium Haussknecht, Jena
K	रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू, यू.के.	Herbarium of Royal Botanic Garden, Kew, U.K.
KATH	नेशनल हर्बेरियम एंड प्लांट लेबोरेटोरिज, काठमांडू, नेपाल	National Herbarium & Plant Laboratories, Kathmandu
KFRI	केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची	Herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi
LWG*	पादपालय, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow
LWU	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	Herbarium of Botany Dept., University of Lucknow, Uttar Pradesh
MEL	नेशनल हर्बेरियम ऑफ विक्टोरिया, रॉयल वनस्पति उद्यान, मेलबर्न, आस्ट्रेलिया	National Herbarium of Victoria, Royal Botanic Gardens Melbourne, Australia
MH*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु	Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu
MICH	पादपालय, मिचिगन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	Herbarium, Michigan University, USA
MO	मिस्सोरी वानस्पतिक उद्यान, सेंट. लुईस, मिस्सोरी, यू.एस.ए.	Missouri Botanical Garden Herbarium, St. Louis, Missouri, USA
MTCHT	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, मार थोमा कॉलेज, तिरुवाला, केरल	Herbarium, Department of Botany, Mar Thoma College, Thiruvalla
NFCCI	नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन ऑफ इंडिया, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे	National Fungal Culture Collection of India, Agharkar Research Institute, Pune
NGPGR	नैरोजी गोदरेज पादप अनुसंधान केंद्र, सिरवाल, सतारा, महाराष्ट्र	Naoraji Godrej Centre for Plant Research, Shirwal, Satara, Maharashtra
NWU	नार्थ-वेस्ट विश्वविद्यालय, पोस्चेफस्ट्रोम, दक्षिणी अफ्रीका	North-West University, Potchefstroom, South Africa
PAN	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब	Department of Botany, Panjab University, Chandigarh, Punjab
PBL*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर	Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair
PC	पादपालय, नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, फ्रांस	Herbarium of National Museum of Natural History, France
PH	प्राकृतिक विज्ञान अकादमी, फिलाडेल्फिया, संयुक्त राज्य अमेरिका	Academy of Natural Sciences, Philadelphia, USA
PUN	पादपालय, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला पंजाब	Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab
RFRI*	पादपालय, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम	Herbarium of Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam
RHT	रापिनाट पादपालय एवं सेंटर फॉर मोलीक्यूलर सिस्टमेटिक्स, तिरुचिरापल्ली	Rapinat Herbarium and Centre for Molecular Systematics, Tiruchirappalli
SCCN	पादपालय, स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल	Herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Kerala
SKC	पादपालय श्री कृष्णा कॉलेज, गुरुवयूर, केरल	Herbarium of Srikrishna Collegem Guruvayur, Kerala
SNCH	श्री नारायण कॉलेज पादपालय, कोल्लम, केरल	Sree Narayana College Herbarium, Kollam
SNM	एस एन एम कॉलेज पादपालय, मालियान्कारा, एर्नाकुलम, केरल	SNM College Herbarium, Maliankara, Ernakulam, Kerala
SUK	शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र	Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra
T	जॉन टी. वॉटरहाउस पादपालय, न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय, सिडनी, आस्ट्रेलिया	John T. Waterhouse Herbarium, University of New South Wales, Sydney, Australia
TAIF	पादपालय, ताईवान वन अनुसंधान संस्थान, ताईवान	Herbarium of Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan
TBGT	ट्रापिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल	Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute Herbarium, Thiruvananthapuram
THIM	राष्ट्रीय पादपालय, राष्ट्रीय जैव विविधता केंद्र, भूटान	National Herbarium, National Biodiversity Centre, Bhutan
VKPO	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वाघिरे कॉलेज, सास्वद, ताल पुरंदर, महाराष्ट्र	Herbarium of Department of Botany, Waghire College, Saswad, Tal-Purandar, Maharashtra
W	पादपालय, वियाना म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, आस्ट्रिया	Herbarium of Vienna Museum of Natural History, Austria
Z	पादपालय, जूरिच विश्वविद्यालय, स्वीजरलैंड	Herbarium of University of Zurich, Switzerland
ZGC	पादपालय, जेमोरिन गुरुवायूरप्पन कॉलेज, केरल	Herbarium, Zamorin's Guruvayurappan College, Kerala

*These are designated as National Repositories vide order no.26-15/2007-CSC, dated 28 Aug 2008 by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India.

अनुक्रमणिका

एकन्थोथेसिस सबकॉनसिएन्स पूजा गुप्ता एवं जी. पी. सिन्हा
एकमेल्ला रेडिकेन्स प्रभेद डेबिलिस (एच.बी. के.) जेन्सन
एक्रोकोनिडिएला इंडिका आई.बी. पराशर एवं आर. के. वर्मा
एक्रोकोनिडिएला मनोहराचार्य आई.बी. पराशर एवं आर. के. वर्मा,
एडिनोफोरा कैप्पिलैरिस हैम्स्ले उप जाति दुजूकोऐन्सिस ए.ए. माओ
एवं अन्य
एस्काईनेन्थस अंगुस्टीओब्लोन्गस डब्ल्यू. टी. वांग
एगेरिकस फ्लेविस्टिपस अत्री, एम. कौर एवं ए. कौर
एगेरिकस हेलोफाइलस पेक
एगेरिकस स्टेलेटस-क्यूटिकस अत्री, एम. कौर व ए. कौर
एगोनिमिया ओपुन्टियेला (बुसचार्ट एवं पोएल्ट) वेजदा
एग्रोसाइबे माइक्रोस्पोरा सिंगर
अमानिता एल्दुसडेटिकुलाटा यदविंदर सिंह एवं मनरुची कौर
अमानिता केदारनाथेसिस यदविंदर सिंह एवं मनरुची कौर
एमारेन्थस परगनेन्सिस सौभिक दास
एनिसोचिलस शोलामुदिनेस सुनील एवं नवीन कुमा.
एंट्रोडिएला इंडिका जी. कौर, अवनीत पी. सिंह एवं दिंगरा
एपाटोकोकस लोबेटस (कोडाट.) जे. बी. पीटरसन
एफनोकैपसा इनसर्टा (लेम्मेर्म.) कॉर्नबर्ग एंड कोमारेक
एपोनोजेटोन नातेशी एस. आर. यादव
एक्वीपुरिबैक्टर नाइट्रेटाइरेडुसेंस टी.एन.आर. श्रीनिवास एवं अन्य
एराकिडाइकोकस मुनुस्वामी मधैया एवं अन्य
एराकिडाइकोकस राइजोस्फेयराई मुनुस्वामी मधैयन एवं अन्य
अर्टाबोट्रिस सुवायियोलेन्स (ब्लूम) ब्लूम
अर्थापाइरिनिया सैक्सीकोला ए. मस्साल.
एर्थोथिलियम सम्बेसल (नाइल.) मखिजा एवं पटव.
अर्थामेरिस हिमालोवाटा फ्रेजर-जैक एवं कान्डल
अलैक्सिसना डिक्टियोस्पोरा आर. संत
अलैक्सिसना ओपीग्राफौना फी
ऑस्ट्रोबोलेटस ओलिवेसियोग्लूटिनोस के. दास एवं डेंटिंगर
बैसिलस रौसेइनिनाइटिकस सुल्तानपुरम विष्णुवर्धन रेड्डी एवं अन्य
बैसिलस क्रैसेस वाइ. शिवानी एवं अन्य
बैसिलस एसिमैसिस सैयद जी. दस्तागर एवं अन्य
बैसिलस एंडोलिथिकस बी. पराग एवं अन्य
बैसिलस फिलामेंटस विद्या वी. सोनालकर एवं अन्य
बैसिलस ओलेइवोरेंस एम. अजमतुनिसा एवं अन्य
बम्बूसा मोम्पेयाना नाथानी
बैरिंटोसाइमोनास इंडोलिथिका बी. पराग एवं अन्य
बजानिया अंगुस्तिस्टीपुला एन. किताग
बजानिया हैनानेन्सिस एल. पी. झोउ एवं एल. झोंग
बोरोनबर्जिया मेघालयेन्सिस ऐश्वर्या एवं एम. साबू
बोलेटस लखनपालियाई के. दास, एवं अन्य
बोलिटस रिक्पिचुलेटस डी. चक्र, एवं अन्य
बोन्डरजेविया जोनाटा के. दास एवं अन्य
ब्रोमेलिया पिंग्वी ल. लि
बुल्बोफायलम चिरमांगेसिस डी. वर्मा एवं अन्य
बुल्बोथ्रिक्स वेंद्रीकोसा (हेल एवं कुरोकावा) हाले
बाइसोलोमा वेजदानम सेरुस.
सेनिस्पाइरिलम डेजर्टाई बी. दिव्याश्री एवं अन्य
केलेनिया ग्रैफीडिया वेन
कैम्पोस्पोरियम हिमालयानम आई.बी. पराशर एवं आर. के. वर्मा
कैथरेलस सिक्किमेसिस के. दास एवं अन्य
कैरेक्स कोटागिरिका ए. माजी एवं वी. पी. प्रसाद

Index

55	<i>Acanthothes subconsocians</i> Pooja Gupta & G.P. Sinha	55
35	<i>Acmella radicans</i> var. <i>debilis</i> (H.B.K.) Jansen	35
79	<i>Acroconidiella indica</i> I. B. Prasher and R. K. Verma	79
79	<i>Acroconidiella manoharacharii</i> I. B. Prasher and R. K. Verma	79
	<i>Adenophora capillaris</i> Hemsley subsp. <i>dzukoensis</i> A.A. Mao & al.	27
27		
28	<i>Aeschynanthus angustiblongus</i> W.T. Wang	28
79	<i>Agaricus flavistipus</i> Atri, M. Kaur and A. Kaur	79
95	<i>Agaricus halophilus</i> Peck	95
79	<i>Agaricus stellatus-cuticus</i> Atri, M. Kaur and A. Kaur	79
57	<i>Agonimia opuntiella</i> (Buschardt & Poelt) Vězda	57
95	<i>Agrocybe microspora</i> Singer	95
80	<i>Amanita altusdenticulata</i> Yadwinder Singh & Munruchi Kaur,	80
80	<i>Amanita kedarnathensis</i> Yadwinder Singh & Munruchi Kaur	80
4	<i>Amaranthus parganensis</i> Saubhik Das	4
4	<i>Anisochillus shoolamudianus</i> Sunil & Naveen Kum	4
80	<i>Antrodiella indica</i> G. Kaur, Avneet P. Singh & Dhingra	80
73	<i>Apatococcus lobatus</i> (Chodat.) J.B. Petersen	73
73	<i>Aphanocapsa incerta</i> (Lemmerm.) Cornberg & Komárek	73
4	<i>Aponogeton nateshii</i> S.R. Yadav	4
117	<i>Aquipuribacter nitratireducens</i> T.N.R. Srinivas & al.	117
115	<i>Arachidicoccus</i> Munusamy Madhaiyan & al.	115
117	<i>Arachidicoccus rhizosphaerae</i> Munusamy Madhaiyan & al.	117
28	<i>Artabotrys suaveolens</i> (Blume) Blume	28
57	<i>Arthopyrenia saxicola</i> A. Massal.	57
58	<i>Arthothelium subbessale</i> (Nyl.) Makhija & Patw	58
41	<i>Arthromeris himalovata</i> Fraser-Jenk. & Kandel	41
58	<i>Aulaxina dictyospora</i> R. Sant.	58
58	<i>Aulaxina opegraphina</i> Fée	58
81	<i>Austroboletus olivaceoglutinosus</i> K. Das & Dentinger	81
118	<i>Bacillus caseinilyticus</i> Sultanpuram Vishnuvardhan Reddy & al.	118
118	<i>Bacillus crescens</i> Y. Shivani & al.	118
118	<i>Bacillus encimensis</i> Syed G. Dastager & al.	118
119	<i>Bacillus endolithicus</i> B. Parag & al.	119
119	<i>Bacillus filamentous</i> Vidya V. Sonalkar & al.	119
119	<i>Bacillus oleivorans</i> M. Azmatunnisa & al.	119
5	<i>Bambusa mompaeana</i> Naithani	5
119	<i>Barrientosiimonas endolithica</i> B. Parag & al.	119
47	<i>Bazzania angustistipula</i> N. Kitag	47
47	<i>Bazzania hainanensis</i> L.P. Zhou & L. Zhang	47
5	<i>Boesenbergia meghalayensis</i> Aishwarya & M. Sabu	5
81	<i>Boletus lakhnapalii</i> K. Das, & al.	81
82	<i>Boletus recapitulatus</i> D. Chakr., & al.	82
82	<i>Bondarzewia zonata</i> K. Das & al.	82
28	<i>Bromelia pinguin</i> L.	28
5	<i>Bulbophyllum chyrmanensis</i> D. Verma & al.	5
58	<i>Bulbothrix ventricosa</i> (Hale & Kurokawa) Hale	58
59	<i>Byssoloma vezdanum</i> Sérus.	59
120	<i>Caenispirillum deserti</i> B. Divyasree & al.	120
59	<i>Calenia graphidea</i> Vain.	59
82	<i>Camposporium himalayanum</i> I. B. Prasher & R. K. Verma	82
82	<i>Cantharellus sikkimensis</i> K. Das & al.	82
6	<i>Carex kotagirica</i> A. Maji & V.P. Prasad	6



कार्पेसियम कोर्डेटम एफ. एच. चैन एवं सी. एम. ह्यू
कैसियोपी फेस्टीजियाटा (वाल.) डी. डन उप जाति सैन्नीकोवाई
डी. मेती

सिराटोलेज्यूनिया बेलंगेरियाना (गोट्स्चे) स्पेफ.

सोरेईबैक्टर जी. सुरेश एवं अन्य

किनोथिकोप्सिस सवानिका (रासनन) टाइबेल

कैमैसाइफोन एमैथीस्टिनस (रोस्ताफ.) लेम्मर्म

कैमैसाइफोन पोलोनिकस (रोस्ताफ.) हैनसग.

चियोडेक्टॉन मालमेयी जी. थोर

क्लोरोलेपियोटा ब्रुनियोटिक्टा एन.एस. अत्री एवं अन्य

क्रिस्टीसोनिया टोमेन्टोसा जे. मैथ्यू एवं काड. वी. जार्ज

क्रूकोकोप्सिस एपिफाइटिका जेटलर

सिन्नामोम अगस्थयामलायनम रोबी एवं अन्य

सिरसियम अर्वेन्से लि. प्रभेद अल्प्रेस्ट्रे नागेली

क्लोसेना अगस्थयामलायना ई. एस. एस. कुमार एवं अन्य

विलटोसाइबे डिलाटाटा (पर्स.) पी. कार्सट.

विलटोसाइबे हाइड्रोग्रामा (बुल.) पी. कुम.

विलटोसाइबुला सुल्काटा क. एन. ए. राज एवं मणिम

क्लोस्ट्रिडियम पुनेसे विक्रम भोलानाथ लंजेकर एवं अन्य

कोयनोगोनियम दत्तात्रेयेन्से श्रवण कुमार एस. एवं वाई. एल. कृष्णमूर्ति

कोयनोगोनियम किग्गायेन्से श्रवण कुमार एस एवं वाइ. एल. कृष्णमूर्ति

कोलोलेज्यूनिया माइक्रोस्कोपिका (टेलर) शिफिन प्रभेद एक्जिगुआ

(ए. इवान्स) पोक्स

कोल्ट्राइका पर्मासिस बलताजा एवं गिबरटोनी

कोमेलिना अफ्रीकाना लि. उपजाति जान्जिबारिका फाडेन

कोमेलिना बदामिका नंदीकर एवं गुरव

कोनोसाइबे अल्बाइपस (जी.एच. ओट्ट) हाउस्कन

कोनोसाइबे एपाळा (फ्र. फ्र.) अर्नाल्ड्स

कोनोसाइबे फस्कीमार्जिनाटा (मुरिल) सिंगर

कोनोसाइबे लेंटिकुलोस्पोरा वॉलिंग

कोनोसाइबे ल्यूकोपस (कुहनेर) कुहनेर एवं वॉलिंग

कोनोसाइबे माइक्रोराइजा हाउस्कन. प्रभे. कॉप्रोफिला अमनदीप कौर

एवं अन्य

कोनोसाइबे मोसेरी वॉलिंग

कोनोसाइबे सबपुबेसेंस पी.डी. ऑर्टन

कोप्रिनस कोमेटस प्रभे. कैप्रिमेमिल्लेटस बोगार्ट

कोप्रिनस कॉर्डिस्पोरस टी. गिब्स

कॉर्नेरियेला इंडिका राज एवं मणिम

कोर्टिनैरियस सेलर फ्र.

कोर्टिनैरियस वेरिकलर (पर्स.) फ्र.

कोसमारियम ओरनाटम राल्फस एक्स राल्फस

क्रिप्टोथिसिया इर्रेगुलेरिस लुकिंग, अप्ट्रूट, काल्ब एवं एलिक्स

साइकस चन्नाई आर. सी. श्रीवास्त. एवं लालजी सिंह

साइप्रस कोन्ग्लोमेराटस उपजाति कुरबुलस

साइप्रस कुन्नूरैसिस वीजी एवं अन्य

डैट्रोनिया उस्तुलाटिलिगना हर. कौर, जी. कौर एवं धिंगरा

डाइनोकोकस एक्लेसिस मेघना एन. थोरट एवं अन्य

डियापेन्सिया पुरपुरिया डिल्स

डिक्टियोस्पोरियम हाइडाई आई.बी. पराशर एवं आर. के. वर्मा

डिक्टियोस्पोरियम इंडिकम आई. बी. पराशर एवं आर. के. वर्मा

डाईमेरिया रवियाना किरण राज एवं शिवादासन

डायोग्रिमा मैकग्रिगोराई (वैन) काल्ब, स्टेगर एवं एलिक्स

डायोग्रिमा पाचिग्राफम (नाइल) काल्ब, स्टेगर एवं एलिक्स

डायोस्पायरोस उदयानाई पी. एस. उदयान

ड्रायोप्टेरिस कश्मीरियाना फ्रेजर-जैक. एवं वाइडेन

ड्रायोप्टेरिस सबकोचलियाटा फ्रेजर-जैक. एवं के. सी. राजकुमार

29	<i>Carpesium cordatum</i> F.H. Chen & C.M. Hu	29
	<i>Cassiope fastigiata</i> (Wall.) D. Don subsp. <i>sennikovii</i> D. Maity	27
27		
47	<i>Ceratolejeunea belangeriana</i> (Gottsche) Steph.	47
115	<i>Cereibacter</i> G. Suresh & al.	115
59	<i>Chaenothecopsis savanica</i> (Räsänen) Tibell	59
74	<i>Chamaesiphon amethystinus</i> (Rostaf.) Lemmerm.	74
74	<i>Chamaesiphon polonicus</i> (Rostaf.) Hansg.	74
59	<i>Chiodecton malmei</i> G. Thor	59
83	<i>Chlorolepiota brunneotincta</i> N. S. Atri & al.	83
6	<i>Christisonia tomentosa</i> J. Mathew & Kad. V. George	6
74	<i>Chroococcopsis epiphytica</i> Geitler	74
6	<i>Cinnamomum agasthyamalaianum</i> Robi & al.	6
35	<i>Cirsium arvense</i> L. var. <i>alpestre</i> Nageli	35
7	<i>Clausena agasthyamalaiana</i> E. S. S. Kumar & al.	7
95	<i>Clitocybe dilatata</i> (Pers.) P. Karst.	95
96	<i>Clitocybe hydrogramma</i> (Bull.) P. Kumm.	96
83	<i>Clitocybula sulcata</i> K.N.A. Raj & Manim	83
120	<i>Clostridium punense</i> Vikram Bholanath Lanjekar & al.	120
55	<i>Coenogonium dattatreyaense</i> Shraavan Kumar S. & Y.L. Krishnamurthy	55
55	<i>Coenogonium kiggaense</i> Shraavan Kumar S & Y.L. Krishnamurthy	55
	<i>Cololejeunea microscopica</i> (Taylor) Schiffn. var. <i>exigua</i>	48
48		
96	<i>Coltricia permollis</i> Baltaza & Gibertoni	96
36	<i>Commelina africana</i> L. subsp. <i>zanzibarica</i> Faden	36
7	<i>Commelina badamica</i> Nandikar & Gurav	7
96	<i>Conocybe albipes</i> (G.H. Otth) Hauskn.	96
96	<i>Conocybe apala</i> (Fr.: Fr.) Arnolds	96
97	<i>Conocybe fuscimarginata</i> (Murrill) Singer	97
97	<i>Conocybe lenticulospora</i> Watling	97
97	<i>Conocybe leucopus</i> (Kühner) Kühner & Watling	97
	<i>Conocybe microrrhiza</i> Hauskn. var. <i>coprophila</i> Amandeep Kaur & al.	94
94		
98	<i>Conocybe moseri</i> Watling	98
98	<i>Conocybe subpubescens</i> P. D. Orton	98
111	<i>Coprinus comatus</i> var. <i>caprimammillatus</i> Bogart	111
98	<i>Coprinus cordisporus</i> T.Gibbs	98
83	<i>Corneriella indica</i> Raj & Manim	83
99	<i>Cortinarius salor</i> Fr.	99
99	<i>Cortinarius variicolor</i> (Pers.) Fr.	99
74	<i>Cosmarium ornatum</i> Ralfs ex Ralfs	74
60	<i>Cryptothecia irregularis</i> Lücking, Aptroot, Kalb & Elix	60
7	<i>Cycas pschannae</i> R. C. Srivast. & Lalji Singh	7
37	<i>Cyperus conglomeratus</i> subsp. <i>curvulus</i>	37
8	<i>Cyperus coonoorensis</i> Viji & al.	8
84	<i>Datronia ustulatiligna</i> Har. Kaur, G. Kaur & Dhingra	84
84	<i>Deinococcus enclensis</i> Meghana N. Thorat & al.	120
29	<i>Diapensia purpurea</i> Diels	29
84	<i>Dictyosporium hydei</i> I.B. Prasher & R.K. Verma	84
84	<i>Dictyosporium indicum</i> I. B. Prasher & R. K. Verma	84
8	<i>Dimeria raviana</i> Kiran Raj & Sivadasan	8
60	<i>Diorygma macgregorii</i> (Vain.) Kalb, Staiger & Elix	60
60	<i>Diorygma pachygraphum</i> (Nyl.) Kalb, Staiger & Elix	60
8	<i>Diospyros udaianii</i> P.S. Udayan	8
41	<i>Dryopteris kashmiriana</i> Fraser-Jenk. & Widén	41
41	<i>Dryopteris subcochleata</i> Fraser-Jenk. & K.C. Rajkumar	41

झायोप्टेरिस वॉलिचाइना उपजाति भूटानिका फ्रेजर-जेंक. एवं पारियर	44	<i>Dryopteris wallichiana</i> subsp. <i>bhutanica</i> Fraser- Jenk. & Panyar	44
इलियोकोरिस एट्टेन्यूयाटा (फ्रान्च. एवं सेव.) पाल्ला	29	<i>Eleocaris attenuata</i> (Franch. & Sav.) Palla	29
एनसियोनेमा सबएलपिनम (हसटेट) डी.जी. मान	75	<i>Encyonema subalpinum</i> (Hustedt) D.G. Mann	75
इंटेरोबैसिलस ट्राईबोलाई विकास एस. पाटिल एवं अन्य	120	<i>Enterobacillus tribolii</i> Vikas S. Patil	120
इंटेरोबैसिलस विकास एस. पाटिल एवं अन्य	115	<i>Enterobacillus</i> Vikas S. Patil & al.	115
एनटोमोनिस एलाटा (इहर्नब.) इहर्नब.	75	<i>Entomoneis alata</i> (Ehrenb.) Ehrenb.	75
इराग्रोस्टीस नायरआई कालीदास सी	9	<i>Eragrostis nairii</i> Kalidass C	9
इरिया मेरगुऐन्सिस लिन्डल.	30	<i>Eria merguensis</i> Lindl.	30
इरियोकोलोन बाईएप्पेन्डिकुलेटम मनुदेव एवं अन्य	9	<i>Eriocaulon biappendiculatum</i> Manudev & al.	9
इरियोकोलोन मनोहरनई सुनील एवं नवीन कुमार	9	<i>Eriocaulon manoharanii</i> Sunil & Naveen Kumar	9
इरियोकोलोन वन्डानामेन्सो सुनील एवं अन्य	9	<i>Eriocaulon vandaanamense</i> Sunil & al.	9
यूरेस्ट्रम वेरुकोसम एरनब. एक्स रात्फस प्रभेद रेडुक्टम नॉरर्डस्ट	75	<i>Euastrum verrucosum</i> Ehrenb. ex Ralfs var. <i>reductum</i> Nordst.	75
एक्जिगुओबैक्टेरियम इनक्लेसे सीयद जी. दस्तगर एवं अन्य	121	<i>Exiguobacterium enclense</i> Syed G. Dastager & al.	121
फाइकस अनामलायना जे. वी. सुधाकर एवं जी.वी.एस. मूर्ति	10	<i>Ficus anamalayana</i> J.V. Sudhakar & G.V.S. Murthy	10
फाइकस जारवाई जी. के. उपाध्याय एवं चक्रब	10	<i>Ficus jarawae</i> G.K. Upadhyay & Chakrab	10
फाइकस शेफरीयाना किंग	30	<i>Ficus schefferiana</i> King	30
फ्लेक्टोबैसिलस राइजोस्फेयराई ई.वी.वी. रामाप्रसाद एवं अन्य	121	<i>Flectobacillus rhizosphaerae</i> E.V.V. Ramaprasad & al.	121
गैलेरिना इंडिका के.पी.डी. लता एवं मणिम	85	<i>Galerina indica</i> K. P. D. Latha & Manim	85
गैलियम बोरेले लि. प्रभेद सिलिएटम नकाई	35	<i>Galium boreale</i> L. var. <i>ciliatum</i> Nakai	35
गैलियम बोरेले लि. प्रभेद इंटरमिडियम डीसी	36	<i>Galium boreale</i> L. var. <i>intermedium</i> DC.	36
जेन्शियाना कुरुमबाई अनिल कुमार एवं उदायन	10	<i>Gentiana kurumbae</i> Anil Kumar & Udayan	10
जेन्शियाना मैक्रोकिना सी. मारक्वांड	30	<i>Gentiana macrauchena</i> C. Marquand	30
जेन्शियाना स्प्रिंगेटीयाना डी. मैती	11	<i>Gentiana springateana</i> D. Maity	11
गोम्फोनिमा दूनेन्सिस बी. कार्तिक एवं अन्य	71	<i>Gomphonema doonensis</i> B. Karthick & al.	71
गोम्फोनिमा ज्यूटेनराई बी. कार्तिक एवं अन्य	71	<i>Gomphonema juetnerii</i> B. Karthick & al.	71
गोम्फोनिमा टाउटसे हस्टेट	75	<i>Gomphonema towutense</i> Hustedt	75
ग्रेफिस क्रासिलब्रा मुल्ल. अर्ग.	61	<i>Graphis crassilabra</i> Müll. Arg.	61
ग्रेफिस नुडा (मैग्न) स्टैगर एवं लुकिंग	61	<i>Graphis nuda</i> (Magn.) Staiger & Lücking	61
ग्रेफिस ओलिगोस्पोरा जाहलबर. एपुड हेंडल-मैज्जेटी	61	<i>Graphis oligospora</i> Zahlbr. apud Handel-Mazzetti	61
ग्रेफिस पैरासरपेंस लिजानो एंड लुकिंग	62	<i>Graphis paraserpens</i> Lizano & Lücking	62
ग्रेफिस पावोनियाना फि.	62	<i>Graphis pavoniana</i> Fée	62
ग्रेफिस रेंसचियाना (मुल्ल. अर्ग.) स्टिजेनब	62	<i>Graphis renschiana</i> (Müll. Arg.) Stizenb.	62
गैयालिडिया कोर्टिकोला पूजा गुप्ता एवं जी. पी. सिन्हा	55	<i>Gyalidea corticola</i> Pooja Gupta & G.P. Sinha	55
जिम्नोस्टाचियम वैरियरेनम के.एम.पी. कुमार एवं अन्य	11	<i>Gymnostachyum warrieranum</i> K.M.P. Kumar & al.	11
हेप्लोट्राइकम कर्टिसाई (बर्क.) होल-जेक	99	<i>Haplotrichum curtisii</i> (Berk.) Hol.-Jech	99
हेडिचियम मैथ्यूवाई एस. थॉमस एवं अन्य	11	<i>Hedychium matthewii</i> S. Thomas & al.	11
हेलवेल्ला सोलिटेरिया पी. कार्सट.	100	<i>Helvella solitaria</i> P. Karst.	100
हर्पोथलोन जैपोनिकम (जाहलबर) जी. थोर	63	<i>Herpothallon japonicum</i> (Zahlbr.) G. Thor	63
हेटरोबैसिडियोन परप्लेक्सा रिच.	100	<i>Heterobasidion perplexa</i> Ryv.	100
हेटरोटिस रोडुन्डिफोलिया (स्म.) जेक.-फेल	31	<i>Heterotis rotundifolia</i> (Sm.) Jacq.-Fel.	31
हिमगिरीया पुसालकर एवं डी. के. सिंह	3	<i>Himgiria Pusalkar & D.K. Singh</i>	3
होएफिलिया ओलेई के. राहुल एवं अन्य	121	<i>Hoeflea olei</i> K. Rahul & al.	121
ह्यूबेरन्था सेन्जियाना (आर. मुरलीधरन, नारस. एवं एन. बालाचंद्र.)		<i>Huberantha senjiana</i> (R. Muralidharan, Naras. & N. Balach.),	
आर. मुरलीधरन एवं अन्य	12	R. Muralidharan & al.	12
ह्यूपेरिया कवाई फ्रेजर-जेंक. एवं बी. एस. खोलिया	42	<i>Huperzia caveat</i> Fraser-Jenk. & B.S. Kholia	42
ह्यूपेरिया मेघालाइका फ्रेजर-जेंक.	42	<i>Huperzia meghalaica</i> Fraser-Jenk	42
हाइग्रोसाइबे मिनिऐटा (फ्र.) पी. कुम.	100	<i>Hygrocybe miniata</i> (Fr.) P. Kumm.	100
हाइमेनोकिट डेमिकोर्निस (लिंक.) लिच.	100	<i>Hymenochaete damicornis</i> (Link.) Lev.	100
हाइमेनोकिट डिपाल्लेन्स बर्क. एम.ए. कूर्टिस	101	<i>Hymenochaete depallens</i> Berk. M. A. Curtis,	101
हाइमेनोकिट फ्लोरिडिया बर्क. एवं ब्रूम.	101	<i>Hymenochaete floridea</i> Berk. & Broome	101
हाइमेनोकिट मुरिना बर्स.	101	<i>Hymenochaete murina</i> Bers.	101
हाइमेनोकिट मुरोइयाना हिनो एवं काटुमोटो	101	<i>Hymenochaete muroiana</i> Hino & Katumoto	101
हाइमेनोकिट ओक्रोमार्जिनाटा पी.एच.बी. टालबोट	102	<i>Hymenochaete ochromarginata</i> P. H. B. Talbot	102
हाइमेनोकिट पेल्लिकुला बर्क. एवं ब्रूम	102	<i>Hymenochaete pellicula</i> Berk. & Broome	102
हाइमेनोकिट पिन्नाटिफिडा बर्क.	102	<i>Hymenochaete pinnatifida</i> Burt.	102



हाइमेनोकिट सेपाराबिलिस (डिक्स). लेव	102	Hymenochaete separabilis (Dicks.) Lev	102
हाइमेनोकिट यूनिकलर बर्क. एवं एम.ए. कर्टिस	103	Hymenochaete unicolor Berk. & M. A. Curtis	103
हाइमेनोकिट वल्लाटा जी. कुन्न.	103	Hymenochaete vallata G. Cunn.	103
हाइमेनोकिट वेरिगाटा ब्रेसोडोला	103	Hymenochaete variegata Bresadola	103
हाइमेनोकिट विल्लोसा (लेव.) ब्रेस	103	Hymenochaete villosa (Lev.) Bres.	103
हयोसाइमस अल्बस लि.	31	Hyoscyamus albus L.	31
हाइफोडर्मा हैलेनबरघाई मन. कौर एवं अन्य	85	Hyphoderma hallenbergii Man. Kaur & al.	85
हाइफोडोन्टिया दिंगराई समिता एवं सान्याल	85	Hyphodontia dhingrae Samita & Sanyal	85
इम्पेशियंस एडामोवस्कीयाना गगोई एवं बोराह	12	Impatiens adamowskiana Gogoi & Borah	12
इम्पेशियंस अशिहोई गगोई एवं बोराह	12	Impatiens ashioi Gogoi & Borah	12
इम्पेशियंस कोर्टाल्लेन्सिस रामास. एवं पांडुर.	13	Impatiens courtallensis Ramas. & Pandur.	13
इम्पेशियंस दलाईयेन्सिस गगोई एवं बोराह	13	Impatiens dalaiensis Gogoi & Borah	13
इम्पेशियंस फुगोन्गेन्सिस के. एम. लियू एवं वाई. वाई. कोंग	32	Impatiens fugongensis K.M. Liu & Y.Y. Cong	32
इम्पेशियंस नियो-मोडेस्टा हरीश एवं अन्य	13	Impatiens neo-modesta Hareesh & al.	13
इम्पेशियंस पाठकियाना गगोई एवं बोराह	14	Impatiens pathakiana Gogoi & Borah	14
इम्पेशियंस सह्याद्रिका वी. बी. श्रीक एवं अन्य	14	Impatiens sahyadrica V.B. Sreek & al.	14
इम्पेशियंस शशिधरानाई के. एम. पी. कुमार एवं अन्य	14	Impatiens sasidharanii K.M.P. Kumar & al.	14
इम्पेशियंस शशिधरानाई प्रभेद हिरसुटा के. एम. पी. कुमार एवं अन्य	26	Impatiens sasidharanii var. hirsuta K.M.P. Kumar & al.	26
इम्पेशियंस सियांगेन्सिस गगोई	15	Impatiens siangensis Gogoi	15
इम्पेशियंस जैन्थियाना एच. एफ. कोम्बर	33	Impatiens xanthiana H.F. Comber	33
इम्पेशियंस यूई एस. एच. हुआंग	32	Impatiens yui S.H. Huang	32
इनोडोटस ईलोड्डी (क्लेल.) पी.के. बुचानन एवं रिव.	104	Inonotus lloydii (Ciel.) P.K. Buchanan & Ryv.	104
इस्काईमम कसारागोडेन्सिस दिलीप एवं जी. जी. नायर	15	Ischaemum kasaragodensis Dileep & G.G. Nair	15
इक्जोरा लोन्गिब्रैक्टियाटा ब्रेमेक.	33	Ixora longibracteata Bremek.	33
जुलेला विट्रीस्पोरा (कुक् एवं हार्कनेस) एम.ई.बर्	63	Julella vitrispora (Cooke & Harkness) M.E. Barr	63
जस्टिसिया शिवादसनाई सुनील एवं अन्य	15	Justicia sivadasanii Sunil & al.	15
काटोइल्ला फ्रेजर-जेंक	41	Katoella Fraser-Jenk	41
कोब्रेसिया लोलियासिया एफ. टी. वांग एवं तांग एक्स पी. सी. ली	33	Kobresia loliacea F.T. Wang & Tang ex P.C. Li	33
क्यूफेरिया प्रिंगलाई डी. मैली एवं सेन्टु के. डे	16	Kueferia pringlei D. Maity & Sentu K. Dey	16
लैक्टेरियस इंडोक्राइसोरियस के. दास एवं वरबेकन	86	Lactarius indochrysochrous K. Das & Verbeken	86
लैक्टेरियस ओलिवेसियोग्लूटिनस के. दास एवं वरबेकन	86	Lactarius olivaceoglutinus K. Das & Verbeken	86
लैक्टेरियस पाइरियोडोरस के. दास एवं वरबेकन	86	Lactarius pyridorus K. Das & Verbeken	86
लैक्टेरियस यमथांगेसिस के. दास एवं वरबेकन	87	Lactarius yumthangensis K. Das & Verbeken	87
लेमानिया मणिपुरेन्सिस ई. के. गणेशन एवं अन्य	71	Lemanea manipurensis E.K. Ganesan & al.	71
लेपियोटा अट्टेन्यूपोरा बी. कुमारी एवं एन.एस. अत्री	87	Lepiota attenuispora B. Kumari & N.S. Atri	87
लेपियोटा इंडिका बी. कुमारी एवं एन.एस. अत्री	87	Lepiota indica B. Kumari & N.S. Atri	87
लेप्टोकॉटिसियम इंडिकम समिता, सान्याल एवं दिंगरा	88	Leptocorticium indicum Samita, Sanyal & Dhingra	88
लिमासेला मैग्ना बी. कुमारी एवं आर.सी. उपाध्याय	88	Limacella magna B. Kumari & R.C. Upadhyay	88
लाइसिनिबैसिलस एसिटोफेनोनी एम. अजमतुनिसा एवं अन्य	122	Lysinibacillus acetophenoni M. Azmatunnisa & al.	122
लाइसुरस हेबुनगियानस जी. गोगोई एवं वी. प्रकाश	88	Lysurus habungianus G. Gogoi & V. Parkash	88
मैलाक्सिस निलगिरियेन्सिस टी. मुथूक एवं अन्य	16	Malaxis nilgiriensis T. Muthuk & al.	16
मालमिडिया साइकोट्रियोडिस (काल्ब एवं लुकिंग) काल्ब, रिवस प्लाटा एंड लंबस्व	63	Malmidea psychotrioides (Kalb & Lücking) Kalb, Rivas Plata & Lumbsch	63
मारास्मियस इंडोपुरपुरियोस्ट्राईरेटस के. दास एवं अन्य	89	Marasmius indopurpureostriatus K. Das & al.	89
मैरिनोबैक्टर नाइट्रेटरेड्यूसन्स भूमिका वैद्य एवं अन्य	122	Marinobacter nitratedreducens Bhumika Vaidya	122
मेगालोस्पोरा एट्रोब्रिकेन्स (नाइल.) जहलबर	64	Megalospora atrobrikan (Nyl.) Zahlbr.	64
मेलास्पेला अमरकंटकेसिस एस. जोसेफ एवं जी. पी. सिन्हा	56	Melaspila amarkantakensis S. Joseph & G. P. Sinha	56
मिलिओला लुजोनेन्सिस सिड.	104	Meliola luzonensis Syd.	104
मिलिओला सिडरोक्जाली स्टेव.	104	Meliola sideroxyli Stev.	104
मिलिओला वेंटिलैगिनिकोला हैस्फ.	104	Meliola ventilaginicola Hansf.	104
मेमिसायलोन कैपिटिल्लैटम लि.	34	Memecylon capitellatum L.	34
मेमिसायलोन कुरुचियारेन्सिस सिवु एवं अन्य	16	Memecylon kuricharensis Sivu & al.	16
मेटाकॉर्डिसेप्स धौलाधारेन्सिस सपन	89	Metacordyceps dhauladharensis Sapan	89
माइक्रोबैक्टेरियम इक्लेन्से राहुल आर. मावलंकर एवं अन्य	122	Microbacterium enclense Rahul R. Mawlankar & al.	122
मेलिनेरिया प्राइनियाना देव प्रभेद जोसेफाई डी. के. रॉय एवं अन्य	26	Molineria prainiana Deb var. josephii D.K. Roy & al.	26

मोमोर्डिका सबअंगुलाटा ब्लुम उपजाति सबअंगुलाटा	37	Momordica subangulata Blume subsp. subangulata	37
मुरडानिया स्पाईराटा प्रभेद फ्लेवन्थेरा नंदीकर एवं गौरव	17	Murdania spirata var. flavanthera Nandikar & Gurav	17
मस्कोडॉर धूमसिस मेशराम एवं अन्य	89	Muscodor ghoomensis Meshram & al.	89
मस्कोडॉर इडिका मेशराम एवं अन्य	90	Muscodor indica Meshram & al.	90
मस्कोडॉर टाइगरियाई एस. सक्सेना एवं अन्य	90	Muscodor tigerii S. Saxena & al.	90
माइकोब्लास्टस एफिनिस (संचेर) सौसर	64	Mycoblastus affinis (Schaer) Schauer	64
माइरोइडस इडिकस हरि राम एवं अन्य	122	Myroides indicus Hari Ram & al.	122
नवीकुला पारिटिना कुटज	75	Navicula parietina Kütz.	75
नियोलेपिडोजिया वालिचाइना (गोट्स्चे) फुलफोर्ड एवं जे. टेलर	48	Neolepidozia wallichiana (Gottsche) Fulford & J. Taylor	48
नियोमाइक्रोकोकस ओम प्रकाश एवं अन्य	89	Neomicrococcus Om Prakash & al.	115
नियोस्पोरिडिस्मियम अपेंडिकुलेटा पराशर आई. बी. एवं वर्मा आर. के.	90	Neosporidesmium appendiculatus Prasher I. B. and Verma R. K.	90
नियोस्पोरिडिस्मियम मैक्रोस्पोरम पराशर आई. बी. एवं वर्मा आर. के.	90	Neosporidesmium macrosporum Prasher I. B. and Verma R. K.	90
निश्चिया कोसियोलेकाई अलकनंदा एवं अन्य	71	Nitzschia kocielekii Alakananda & al.	71
निश्चिया ट्राईपुडियो अलकनंदा एवं अन्य	72	Nitzschia tripudio Alakananda & al.	72
नोकार्डिओइडिस सोलिसिल्वे विष्णुवर्धन रेड्डी सुल्तानपुरम एवं अन्य	123	Nocardioides solisilvae Vishnuvardhan Reddy Sultanpuram & al.	123
ओबेरोनिया भणिपुरेन्सिस चौलु एवं अन्य	17	Oberonia manipurensis Chowlu & al.	17
ओल्डेनलैन्डिया दिनेशाई सोजन एवं वी. सुरेश	17	Oldenlandia dineshii Sojan & V. Suresh	17
ओनिकियम खोलियानम फ्रेजर-जेंक. एवं एस. मत्सुमोटो	42	Onychium kholianum Fraser-Jenk. & S. Matsumoto	42
ओनिकियम वर्माई फ्रेजर-जेंक. एवं खुल्लर	43	Onychium vermae Fraser-Jenk. & Khullar	43
ओपेग्राफा फियोफाइसी आर. संत	65	Opegrapha pheophyciae R. Sant.	65
ओपेग्राफा सबडीमाइडियाटा एरटेज	64	Opegrapha subdimidiata Ertz	64
ओपेग्राफा जेरिका टॉनरेट एंड एगा	65	Opegrapha xerica Torrente & Egea	65
ओफियोराईजा सहयाद्रीयेन्सिस हरीश एवं अन्य	18	Ophiorhiza sahyadriensis Hareesh & al.	18
ओफियोराइजा रूगोसा वॉल. प्रभेद अंगुस्टीफोलिया रिड्सडेल	36	Ophiorrhiza rugosa Wall. var. angustifolia Ridsdale	36
ऑर्निथिनिकोबियम एल्मिकोला ई. वी. वी. रामा प्रसाद एवं अन्य	123	Ornithinimicrobium algicola E. V. V. Ramaprasad & al.	123
पैनियोलस एल्सिडिस मोजर	105	Panaeolus alcidis Moser	105
पैनियोलस कैस्टानिकोलियस (मुरिल) ए.एच. स्म.	105	Panaeolus castaneifolius (Murrill) A.H. Sm.	105
पैनियोलस साइनोएनुकुलाटस अत्री, एम. कौर एवं ए. कौर	91	Panaeolus cyanoannulatus Atri, M. Kaur & A. Kaur,	91
पैनियोलस लेपस-स्टर्कुस अत्री, एम. कौर एवं ए. कौर	91	Panaeolus lepus-stercus Atri, M. Kaur & A. Kaur	91
पैनियोलस पैपिलियोनेसियस प्रभे. पार्विस्पोरस इव. गरहार्डट	112	Panaeolus papilionaceus var. parvisporus Ew. Gerhardt	112
पैनियोलस ट्रॉपिकेलिस ओलाह.	106	Panaeolus tropicalis Oláh.,	106
पैनियोलस वेनेजोलैनुस गुजमैन	105	Panaeolus venezolanus Guzmán	105
पैंटोइया इंटेस्टीनेलिस ओम प्रकाश एवं अन्य	123	Pantoea intestinalis Om Prakash & al.	123
पैरापेडोबैक्टर इडिकस रोशन कुमार एवं अन्य	123	Parapedobacter indicus Roshan Kumar & al.	123
पेरिसा पोलिफायला स्मिथ प्रभेद नाना एच. ली	36	Paris polyphylla Smith var. nana H. Li	36
पेन्गुलाबियम लावण्यायेनम सी देवरी एवं अन्य	18	Pennilabium labanyaeanum C. Deori & al.	18
फैडोबैक्टेरियम नाइट्रेटैरिडुसेंस नुपूर एवं अन्य	124	Phaeobacterium nitratireducens Nupur & al.	124
फैथोबैक्टेरियम नुपूर एवं अन्य	116	Phaeobacterium Nupur & al.	116
फेलिनस क्रोकेटस (फ्र.) रिव.	106	Phellinus crocatus (Fr.) Ryv	106
फेलिनस आर्कटोस्टाफाइली (लॉन्ग) निमेल	106	Phellinus arctostaphyli (Long) Niemela	106
फेलिनस सिसाटी (ब्रेस.) रिव.	106	Phellinus cesatii (Bres.) Ryv.	106
फेलिनस लॉन्गिसेटुलोस बॉन्ड एवं हर्	107	Phellinus longisetulosus Bond et. Herr	107
फेलिनस मेम्ब्रेनेसियस राइट एवं ब्लुमैफ	107	Phellinus membranaceus Wright et Blumenf	107
फेलिनस माइन्सूटिपोरस बॉन्ड एवं हर्	107	Phellinus minutiporus Bond. et Herr.	107
फेलिनस ओरिएटेलिस बॉन्ड. एवं हर्.	107	Phellinus orientalis Bond et Herr	107
फेलिनस स्फूडोपंकटेस ए. डेविड एवं अन्य	108	Phellinus pseudopunctatus A. David & al.	108
फेलिनस रिचिंगेरी (ब्रेस.) रिव.	108	Phellinus reichingeri (Bres.) Ryv.	108
फेलिनस रेसिनेसियस कोटल. एवं पाउज	108	Phellinus resinaceus Kottl. Et Pouz.	108
फेलिनस रेडिटफोलियस (मॉट.) रिव.	108	Phellinus rhytiploeus (Mont.) Ryv	108
फेलिनस रुफिटिक्टस (बर्क. एवं कर्ट. : के.) पाट	109	Phellinus rufitinctus (Berk. et Curt. : Cke.) Pat	109
फेलिनस सैक्टिजियोजाई (पैट.) रिव.	109	Phellinus sanctigeorgii (Pat.) Ryv	109
फेलिनस सैन्फोर्डई (सी.जी. लॉयड) रिवर्डेन	109	Phellinus sanfordii (C.G. Lloyd) Ryvarden	109
फेलिनस सोनोराई गिल्बर्टसन	109	Phellinus sonoreae Gilbertson	109
फेलिनस स्वीटैनियाई (मूर.) हर्. एवं बॉन्ड.	110	Phellinus swieteniae (Murr.) Herr. et Bond	110
फ्लेबिओप्सिस पंजाबेंसिस जी. कौर एवं अन्य	91	Phlebiopsis punjabensis G. Kaur & al.	91



प्लेगियोचिला अरुणाचलेंसिस शुवादप मजुमदार एवं डी. के. सिंह
 प्लेजियोचिला बायोन्डियाना सी. मास्सल.
 प्लेजियोचिला टायकैन्थोडिया स्टेफ.
 प्लेक्टोग्लोसा (हूक. एफ.) के. प्रसाद एवं वेणु
 पोडोस्काइफा पेटालोइडस (बर्क.) बायोडिन.
 पोलिपोडियोडिस सायमनसियाना फ्रेजर-जेंक. एवं शालिमोव
 पोटिबैक्टर छिहटेंसिस अमित कुमार सिंह एवं अन्य
 पोराइना स्फेरोसिफाला वेन
 पोराइना टिजुकाना वेन
 प्रासियोलोप्सिस रामोसा विसकर
 प्रिलियूक्सिसना एग्लिकोला ए.के. गौतम
 प्रोटोडर्मा विरीदाई कुटज.
 प्रोटोपारमेलिया हेस्पेरिया (कांतिविलास एवं इलिकस) कांतिविलास.
 पपांग एवं लुम्बश्च
 सैथिरेला फ्लोक्कुलोसा (अर्ले) ए.एच. स्मिथ
 सैथिरेला कॉफफमानई प्रभे. कॉफफमानई स्मिथ
 सैथिरेला स्फैरोसिस्टीस ऑर्टन
 सैथिरेल्ला वैनहर्मानई स्मिथ
 टेरेस दीक्षिताई फ्रेजर-जेंक. एवं पारियर
 राडुला रेट्रोफ्लेसा टेलर
 रेलिसिना रेलिसिनुला (मुल्ल. अर्ग.) हाले
 रेहब्डोडिस्कस क्रैस्सुस (मुल्ल. अर्ग.) रिवास
 रेहिनहिमेरा मिसोफिला आनंद कुमार एवं अन्य
 राइजोफोरा मुक्रोनाटा प्रभेद आलोकाई पी. राघवन
 रोडोकोकस लैक्टिस प्रदीप कुमार सिंह एवं अन्य
 रोडोडेन्ड्रॉन मेछुकाई ए.ए. माओ एवं ए. पॉल
 रोडोडेन्ड्रॉन स्फुडोमददेनाई ए.ए. माओ एवं एम. भौमिक
 रोडोडेन्ड्रॉन तितापुरेन्से ए.ए. माओ एवं अन्य
 रोहिकोस्फेनिया गांधाई ई. डब्ल्यू. थॉमस एवं अन्य
 रोहिकोस्फेनिया इंडिका ई. डब्ल्यू. थॉमस एवं अन्य
 रिकार्डिया तमारिस्सीना (स्टेफ.) शिफिन
 रिकेनेल्ला इंडिका के.पी.डी. लता एवं मणिम
 रोजियोमोनास ओरेजाई ई.वी.वी. रामाप्रसाद एवं अन्य
 रुबस सेनगोरेन्सिस ग्रिरेसन एवं डी. जी. लॉग
 रुफिबैक्टर इम्मोबिलिस आशिष वी. पोलकाड एवं अन्य
 रुगिबोलेटस ब्रूनेईपोरस जी. वु एवं झु एल. यांग
 रुगिबोलेटस जी. वु एवं झु एल. यांग
 रुसुला कनादियाई ए.के. दत्ता एवं के. आचार्या
 सलासिया वायनाडिका सुजाना एवं अन्य
 सैलिबैक्टेरियम हैलोटोलेरेन्स सुल्तानपुरम विष्णुवर्धन रेड्डी एवं अन्य
 सैलिबैक्टेरियम सुल्तानपुरम विष्णुवर्धन रेड्डी एवं अन्य
 सैलिनिकोकोस सेडिमिनिस राजेंद्रन माथन कुमार एवं अन्य
 सौरायूआ सिनोहिरसूटा जे. क्यू. ली. एवं सोइजार्टो
 शिफनेरुला डायस्कोरियाई लिनिके. मैथ्यू एवं अन्य
 स्कैलेरिया नेसाई कुंथ प्रभेद गडचिरोलीयेन्सिस गोवंकर एवं अन्य
 स्कूरुला परमजीताई एल. जे. सिंह
 स्कूलिनिया सिटोसा प्रभे. मस्किवोरम कौनचक दोर्जे एवं अन्य
 साइटेलिडियम एग्लिकोला ए.के. गौतम
 सिलाजिनैला इमोडी फ्रेजर-जेंक
 शिवपार्वतिया पुसालकर एवं डी. के. सिंह
 सोलेनोस्टोमा बोउरी (शिफिन.) स्टेफ.
 सोलेनोस्टोमा पयूसिफोर्मी (स्टेफ.) आर. एम. शूट
 सोलेनोस्टोमा वुलकैनिकोला (शिफिन.) वाणा, हेल्टस्वेल एवं हेनरीच
 सोनेरेला गाडगिलियाना रथिश एवं शिवदासन
 सोनेरेला केरलेन्सिस दिथीकुमा. एवं पांडुर.

47	Plagiocchila arunachalensis Shuvadeep Majumdar and D.K. Singh	47
48	Plagiocchila biondiana C.Massal.	48
48	Plagiocchila ptychanthoidea Steph.	48
3	Plectoglossa (Hook.f.) K.Prasad & Venu	3
110	Podoscypha petaloides (Berk.) Boidin.	110
43	Polypodiodes simonsiana Fraser-Jenk. & Shalimov	43
124	Pontibacter chinhatensis Amit Kumar Singh & al.	124
65	Porina sphaerocephala Vain	65
65	Porina tijucana Vain.	65
76	Prasiolopsis ramosa Vischer	76
92	Prillieuxina aeglicola A. K. Gautam	92
76	Protoderma viridae Kütz.	76
65	Protoparmelia hesperia (Kantvilas & Elix) Kantvilas, Papong & Lumbsch	65
111	Psathyrella flocculosa (Earle) A.H. Smith	111
112	Psathyrella kauffmanii var. kauffmanli Smith.	112
110	Psathyrella sphaerocystis Orton	110
110	Psathyrella vanhermanii Smith	110
43	Pteris dixitii Fraser-Jenk. & Pariyar	43
49	Radula retroflexa Taylor	49
65	Relicina relicinula (Müll. Arg.) Hale	65
65	Rhabdodiscus crassus (Müll. Arg.) Rivas	65
124	Rheinheimera mesophila Anand Kumar & al.	124
26	Rhizophora mucronata var. alokii P. Ragavan	26
125	Rhodococcus lactis Pradip Kumar Singh & al.	125
18	Rhododendron mechukae A.A.Mao & A.Paul	18
19	Rhododendron pseudomaddenii A.A.Mao & M. Bhaumik	19
19	Rhododendron titapuriense A.A. Mao & al.	19
72	Rhoicosphenia gandhii E.W. Thomas & al.	72
72	Rhoicosphenia indica E.W. Thomas & al.	72
49	Riccardia tamariscina (Steph.) Schiffn.	49
92	Rickenella indica K. P. D. Latha & Manim	92
125	Roseomonas oryzae E. V. V. Ramaprasad & al.	125
34	Rubus sengorensis Grierson & D.G. Long	34
125	Rufibacter immobilis Ashish V. Polkade & al.	125
111	Rugibolletus brunneiporus G. Wu & Zhu L. Yang	111
95	Rugibolletus G. Wu & Zhu L. Yang	95
92	Russula kanadii A.K. Dutta & K. Acharya	92
20	Salacia wayanadica Sujana & al.	20
126	Salibacterium halotolerans Sultanpuram Vishnuvardhan Reddy & al.	126
116	Salibacterium Sultanpuram Vishnuvardhan Reddy & al.	116
126	Salinicoccus sediminis Rajendran Mathan Kumar & al.	126
34	Saurauia sinohirsuta J.Q. Li & Soejarto	34
92	Schiffnerula dioscoriae Lini K. Mathew & al.	92
27	Scleria neesii Kunth var. gadchiroliensis Govekar & al.	27
20	Scurrula paramjitii L.J. Singh	20
94	Scutellinia setosa var. muscivorum Konchok Dorje & al.	94
93	Scytalidium aeglicola Gautam	93
43	Selaginella emodi Fraser-Jenk	43
3	Shivparvatia Pusalkar & D.K. Singh	3
49	Solenostoma baueri (Schiffn.) Steph	49
50	Solenostoma fusiforme (Steph.) R.M.Schust	50
50	Solenostoma vulcanicola (Schiffn.) Vaña, Hentschel & Heinrichs	50
20	Sonerila gadgiliana Ratheesh & Sivasadan	20
21	Sonerila keralensis Deepthikum. & Pandur.	21

सोनेरेला व्यथीरेन्सिस रथिश एवं अन्य	21	Sonerila vythiriensis Ratheesh & al.	21
स्पाइरोकेटा ओडोंटोटेर्मिटिस टी. श्रवन्ती एवं अन्य	126	Spirochaeta odontotermis T. Sravanthi & al.	126
स्पर्डीस्मियम बिलिगिरिएंसे दुबे एवं सेनगुप्ता	93	Sporidesmium biligiriense Dubey and Sengupta	93
स्टोरोथेले रुगूलोसा (ए. मास्सल.) अरनोल्ड	67	Staurothele rugulosa (A. Massal.) Arnold	67
स्टील्लेरिया देवेन्द्राई पुसालकर एवं एस. कैं. श्रीवास्त.	21	Stellaria devendrae Pusalkar & S.K. Srivast.	21
स्टिग्माटोक्रोमा माइक्रोस्पोरा मोहाबे एवं अन्य	56	Stigmatochroma microspora Mohabe & al.	56
स्टीरटोनिया पंक्तिफोर्मिस अपटूट एवं सिपमैन	67	Stirtonia punctiformis Aptroot & Sipman	67
स्ट्रेप्टोमाइसिस एल्कालिथर्मोटोलरेंस विष्णुवर्धन रेड्डी सुल्तानपुरम एवं अन्य	126	Streptomyces alkalithermotolerans Vishnuvardhan Reddy Sultanpuram & al.	126
स्ट्रेप्टोमाइकस लोनारेंसिस तृप्ति के. शर्मा एवं अन्य	127	Streptomyces lonarensis Trupti K. Sharma & al.	127
स्टीगा कमलाई ओमलश्री एवं अन्य	22	Striga kamalii Omalsree & al.	22
स्ट्राईगुला माइक्रोस्पोरा लुकिंग	67	Strigula microspora Lücking	67
स्युल्लस अधिकारियाई के. दास एवं अन्य	93	Suillus adrikarii K. Das & al.	93
स्युल्लस लैरिसिफिलस के. दास एवं अन्य	93	Suillus lariciphilus K. Das & al.	93
स्वैशिया रविन्द्राई शाहीना एवं नाम्पी	22	Swertia raveendrae Shahina & Nampy	22
साइनारथोनिया सोरोमाइका एस. जोसेफ एवं जी.पी. सिन्हा	56	Synarthonia psoromica S. Joseph & G. P. Sinha	56
साइनारथोनिया सिक्किमैसिस एस. जोसेफ एवं जी. पी. सिन्हा	57	Synarthonia sikkimensis S. Joseph & G. P. Sinha	57
सायरोपोडोन पैरासिटीकस (ब्रिड.) बेरच	50	Syrrhopodon parasiticus (Brid.) Besch.	50
तगिलनाडुईबैक्टर आशिष वर्मा एवं अन्य	116	Tamilnaduibacter Ashish Verma & al.	116
तमिलनाडुईबैक्टर सैलिनस आशिष वर्मा एवं अन्य	127	Tamilnaduibacter salinus Ashish Verma & al.	127
टिक्टारिया स्यूडोसिफोलिया फ्रेजर-जैक. एवं वांगडी	44	Tectaria pseudosifolia Fraser-Jenk. & Wangdi	44
टिक्टारिया पूबेरुला (देसेव.) सी. चर	44	Tectaria puberula (Desv.) C. Chr.	44
थैलैसियोसैरा सुंदरबना बी. सामंत एंड पी. भादुरी	72	Thalassiosira sunderbana B. Samanta & P. Bhadury	72
थैम्नोकैलेमस अरुणाचलैन्सिस नैथानी	22	Thamnocalamus arunachalensis Naithani	22
थियोक्लेवा इडिका यंग लियू एवं अन्य	127	Thioclava indica Yang Liu & al.	127
थायसैनेन्थस कोमास्स लिन्देन्. एक्स लेहम.	50	Thysananthus comosus Lindenb. ex Lehman	50
थायसैनेन्थस कोन्वोल्यूटस लिन्देन्. प्रमोद कोन्वोल्यूटस	51	Thysananthus convolutus Lindenb. ex Lehman	51
थायसैनेन्थस फ्रुटिकोस्स (लिन्देन्. एवं गोटरचे) शिफिन.	51	Thysananthus fruticosus (Lindenb. & Gottsche) Schiffn	51
थायसैनेन्थस गोटरचेई (जे. बी. जैक एवं स्टेफ.) स्टेफ. प्रमोद गोटरचेई	51	Thysananthus gottschei (J.B. Jack & Steph.) Steph. var. gottschei	51
थायसैनेन्थस रेदसूस (रेड्व., ब्लूम एवं नीस) बी. थियर्स एवं ग्रेडस्ट.	51	Thysananthus retusus (Reinw., Blume & Nees) B. Thiers & Gradst.	51
उपजाति रेदसूस	51	subsp. retusus	51
ट्रेन्टेपोहलिया सुन्दरबनेनसिस जी.जी. सतपति एवं आर. पाल	73	Trentepohlia sundarbanensis G.G. Satpati & R. Pal	73
ट्राईकोथिलियम बिपिन्डेन्से एफ. श्विल.	68	Trichothelium bipindense F. Schill.	68
ट्राईपोगोन इदुक्कीऐनस सुनील एवं प्रदीप	23	Tripogon idukkianus Sunil & Pradeep	23
ट्राईपोगोन महेन्द्रागिरीऐन्सिस चोर्ग एवं अन्य	23	Tripogon mahendragiriensis Chorghe & al.	23
ट्यूबुलिक्राईनिस इडिकस ज्योति शर्मा एवं अन्य	94	Tubulicrinis indicus Jyoti Sharma & al.	94
ट्यूमेबैसिलस लिपोलाइटिकस आर. वी. प्रसाद एवं अन्य	127	Tumebacillus lipolyticus R. V. Prasad & al.	127
वेरनोनिया कन्निकादटेनेंसिस टी. जे. एस. राजाकुमार एवं अन्य	23	Vernonia kannikattiensis T.J.S. Rajakumar & al.	23
विग्ना पान्डेयाना आर. डी. गौर एवं अन्य	24	Vigna pandeyana R.D. Gore & al.	24
विल्लिया डिफ्रैक्टेल्ला (नाइल.) मुल्ल. अर्ग.	68	Willeya diffractella (Nyl.) Müll. Arg.	68
जैथोमेरिना भूमिका वैद्य एवं अन्य	117	Xanthomarina Bhumika Vaidya & al.	117
जैथोमेरिना जिलाटिनाइटिका भूमिका वैद्य एवं अन्य	128	Xanthomarina gelatinilytica Bhumika Vaidya & al.	128
झिहेंग्लियुल्ला सोमनाथाई भावनाथ झा एवं अन्य	128	Zhihengliuella somnathii Bhavanath Jha & al.	128
जिन्जिबर बिपिनीयनम डी. के. रॉय एवं अन्य	24	Zingiber bipinianum D.K. Roy & al.	24
जिन्जिबर मिजोरामेन्सिस राम. कुमार एवं अन्य	25	Zingiber mizoramensis Ram. Kumar & al.	25
जिन्जिबर मुरलेनिका राम. कुमार एवं अन्य	25	Zingiber murlenica Ram. Kumar & al.	25
ज़ूशिकेल्ला मैरिना ई.वी.वी. रामाप्रसाद एवं अन्य	128	Zooshikella marina E. V. V. Ramaprasad & al.	128



F. No.26-15/2007-CSC
Government of India
Ministry of Environment and Forests

APPENDIX-I

Paryavaran Bhawan,
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003.

Dated the 12th September, 2012

ORDER

Subject :- Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006, and in continuation of this Ministry's Order dated 28th August, 2008, the Ministry of Environment & Forests, Government of India, hereby designates the National Bureau of Agriculturally Important Insects as the repository under the Act for agriculturally important insects, mites and spiders.

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repository shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).

3. The designated repository shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.

4. This order issues with the approval of the competent authority.



(Hem Pande)

Joint Secretary to the Government of India

To

1. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Insects (NBAII), P.O. No. 2491, H.A. Farm Post, Bellary Road, Bangalore-560 024
2. Directors of institutions designated as repositories vide order dated 28.8.12:
 - i. The Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DL Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata – 700 064.
 - ii. The Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M- Block, New Alipore, Kolkata - 700 053.
 - iii. The Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
 - iv. The Director, National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P. B. No. 436, Lucknow – 226 001, U.P.



-2-

- v. The Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P. O. New Forests, Dehradun – 248 006, Uttarakhand.
- vi. The Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
- vii. The Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow- 226 002, Uttar Pradesh.
- viii. The Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula – 403 004, Goa.
- ix. The Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun –248 001, Uttarakhand.
- x. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Micro-organisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box. No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh- 275 101.
- xi. The Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh – 160 036.
- xii. The Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B.No.11, Pune- 411 001.
- xiii. The Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi- 110012.

Copy to:

- i. The Chairman, National Biodiversity Authority, Chennai
- ii. The Secretary, National Biodiversity Authority, Chennai

No. 26-15/2007-CSC
Government of India
Ministry of Environment and Forests

Paryavaran Bhawan
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi-110 003
Dated the 28th August, 2008

ORDER

Subject : Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006. The Ministry of Environment and Forests, Govt. of India, hereby designates the following institutions to act as repositories under the Act for different categories of biological resources :

S.No.	Name of Institution	Category of Biological Resource
1.	Botanical Survey of India, Kolkata	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macro fungi, Macroalgae)
2.	National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi	Plant genetic resources
3.	National Botanical Research Institute, Lucknow	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae)
4.	Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun (Forest Research Institute, Dehradun; Institute of Forest Genetics and Tree Breeding, Coimbatore; and Tropical Forest Research Institute, Jabalpur)	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae). For TFR only Fauna (termites, butterflies, moths)
5.	Zoological Survey of India, Kolkata	Fauna
6.	National Bureau of Animal Genetic Resources, Karnal, Haryana.	Genetic resources of domestic animals
7.	National Bureau of Fish Genetic Resources, Lucknow, U.P.	Fish genetic resources
8.	National Institute of Oceanography, Goa	Marine flora and fauna
9.	Wildlife Institute of India, Dehradun	Faunal resources in Protected Areas
10.	National Bureau of Agriculturally Important Microorganisms, Mau Nath Bhanjan, U.P.	Agriculturally important microorganisms
11.	Institute of Microbial Technology, Chandigarh	Microorganisms
12.	National Institute of Virology, Pune	Viruses
13.	Indian Agricultural Research Institute, New Delhi	Microbes/Fungi



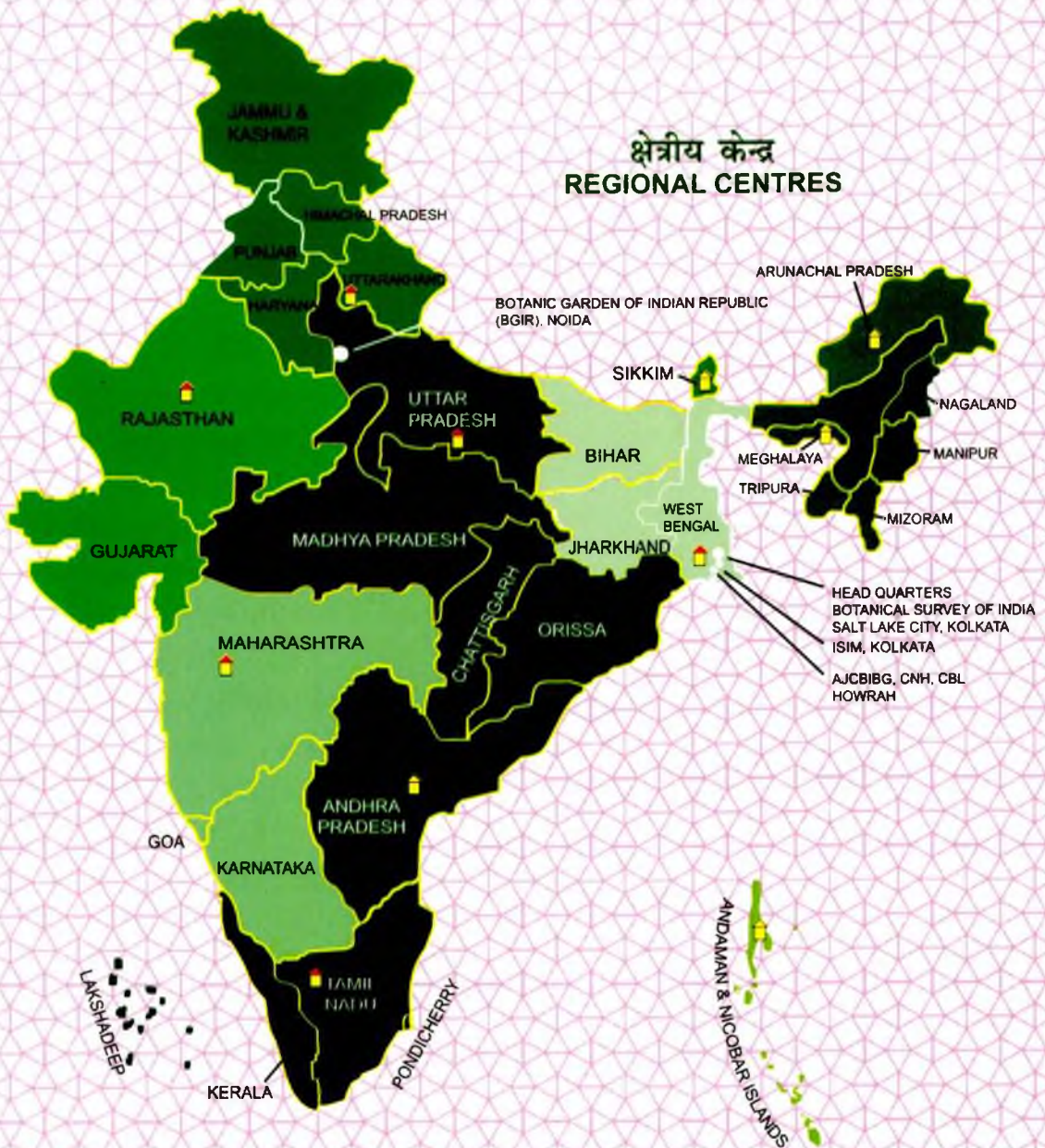
2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repositories shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).
3. The designated repositories at serial No. 1, 3, 4, 5, 10, 11, 12 and 13 shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.
4. The order issues with the approval of this competent authority.

Sd/-
(A.K. Goyal)
Joint Secretary to the Government of India

To

1. Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DF Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata-700 064.
2. Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M-Block, New Alipore, Kolkata-700 053
3. Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
4. Director National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P.B. No. 436, Lucknow-226 001, U.P.
5. Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P.O. New Forests, Dehradun-248 006, Uttarakhand.
6. Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
7. Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow-226 002, Uttar Pradesh
8. Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula-403 004. Goa
9. Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun-248 001, Uttarakhand.
10. Director, National Bureau of Agriculturally Important Microorganisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh-275 101.
11. Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh-160 036.
12. Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B. No. 11, Pune-411 001.
13. Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi.

Copy to the Chairman, National Biodiversity Authority, 475, 9th South Cross Street, Kapaleeswarar Nagar, Nelankarai, Chennai-600 004.



- | | |
|---|--|
| NORTHERN REGIONAL CENTRE
DEHRADUN, UTTARAKHAND | EASTERN REGIONAL CENTRE
SHILLONG, MEGHALAYA |
| ARID ZONE REGIONAL CENTRE
JODHPUR, RAJASTHAN | ARUNACHAL PRADESH REGIONAL CENTRE
ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH |
| WESTERN REGIONAL CENTRE
PUNE, MAHARASHTRA | SIKKIM HIMALAYAN REGIONAL CENTRE
GANGTOK, SIKKIM |
| SOUTHERN REGIONAL CENTRE
COIMBATORE, TAMIL NADU | ANDAMAN & NICOBAR REGIONAL CENTRE
PORT BLAIR, ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS |
| DECCAN REGIONAL CENTRE
HYDERABAD, ANDHRA PRADESH | REGIONAL CENTRE OFFICE |
| CENTRAL NATIONAL HERBARIUM
HOWRAH, WEST BENGAL | REGIONAL CENTRE OFFICE WITH A
SALE COUNTER OF BSI PUBLICATIONS |
| CENTRAL REGIONAL CENTRE
ALLAHABAD, UTTAR PRADESH | |